

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक—डाक्टर फतहसिंह

[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैणसी शि. ख्यात

[चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची, भूमिका, मुंहता नैणसी और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम का सक्षिप्त परिचय, उनके प्राचीन चित्र और तीनों भागों की बृहत् नामानुक्रमशिका, विविष्ट पुरुषों की जन्म-कुडलिया, पद-विह्वलादि की सार्ध-नामावली और शुद्धिपत्र आदि महत्वपूर्ण विषयों के छ परिशिष्टों सहित ख्यात का परिशिष्ट भाग]

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्य-संस्थापित

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR.

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डाक्टर फतहसिंह

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैरासी 'री ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

मुंहता नैगासी री ख्यात

[भूतपूर्व मारवाड राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीर्घानि मुंहता-नैगासी द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित राजस्थान और उससे संबंधित एवं सलग्न गुजरात, क्षीराब्द और मध्यभारत प्रादि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास]

भाग १

सम्पादक

आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्ता

राजस्थान राज्यात्तानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०२४

प्रथमावृत्ति ७५०

भारतराष्ट्रीय शकाब्द

१८८६

ख्रिस्ताब्द १९६७

मूल्य ८.७५ पं०

मुद्रक - श्री हृदयप्रसाद पारीक, साधना प्रेस, जोधपुर

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhraṃśa,
Old Rajasthani, Gujarati and Hindi works pertaining to
India in general and Rajasthan in particular.

General Editor

Dr. FATAH SINGH

M.A., D. Litt.

MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices
by

ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

Published under the orders of the Government of Rajasthan.

By

The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana

[RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE]

JODHPUR (Rajasthan)

सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध प्रनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्त्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामधन्य मुनि जिनविजय की अध्यक्षता में, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों में प्रकाशित होकर, तीन भागों में पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग में बयालीस पृष्ठीय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों में ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों में समाप्त होने वाली यह "मृहता नैणसीरो ह्यात" आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एवं अनुपम धैर्य का प्रतीक है जिन्होंने विघ्न-बाधाओं के सामने कभी हार मानना नहीं सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के 'एक ह्याति इच्छुक मित्र' १९३४ ई० में इस ग्रन्थ की प्रस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, संपूर्ण ग्रन्थ में साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एवं गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पड़ती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रन्थ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हिंद और हिन्दी के समस्त प्रेमियों पर असीम कृपा की है; अतः इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह छोटा है। ग्रन्थ का महत्त्व उसके कलेवर में नहीं, अपितु उस लौकिकता एवं अंधंपरायणता में है जिसको इस ग्रन्थ में प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारको एवं मनीषियों की दृष्टि में उससे पूर्व गौण ही नहीं प्रायः उपेक्षित हो गई थी। "मुखस्य मूलम् अर्थः" को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रन्थ के अन्त में जो लम्बा नुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियों से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-दृष्टियों में पाठान्तरों का समावेश होसकता, तो वर्तमान संस्करण का मूल्य और अधिक बढ़ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चाताप करना व्यर्थ है।

आशा है कि लौकिक जीवन के अध्ययन में रुचि रखने वाले व्यक्ति इससे प्रेरणा ग्रहण करके हमारी वर्तमान आर्थिक समस्याओं का, उसी तत्परता और लगन से अध्ययन करेंगे जिससे इतिहास, समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान आदि के विद्यार्थी "मूंहूता नैणसीरी क्वात्" का उपयोग अपने-अपने विषय के लिए करेंगे ।

जय हिन्द; जय हिन्दी

गुरु पूर्णिमा, २०२४ }
जोधपुर.

फतहसिंह
एम.ए., डी.लिट्.

विषयानुक्रमिका

१.	सञ्चालकीय ध्वतम्भ	१-२
२.	घारों भागों को सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
३	भूमिका भाग	१-४२
	(१) भूमिका	१-२४
	(२) महाराजा जसवर्तसिंह के दीवान श्री दयाल-लेखक मुहता मैणसी	२५-३६
	(३) महाराजा जसवर्तसिंह-प्रथम	४०-४२
४.	परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमिका	१-१६०
	१. वैयक्तिक—	
	(१) पुरुष नामानुक्रमिका	१-१०८
	(२) स्त्री „	१०९-११७
	(३) अश्वदि पशु नाम	११८
	२. भौगोलिक—	
	(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमिका	११९-१६४
	(२) पर्वत जलाशयादि „	१६५-१७१
	३. सांस्कृतिक—	
	(१) ग्रथ, सस्था, कर, मायादि नामानुक्रमिका	१७२-१८०
	(२) देशो-देयता तीर्थादि „	१८१-१८८
	४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और उनके पृष्ठांक)	१८९-१९०
५.	परिशिष्ट २-विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलिपि	१९१-१९३
६.	परिशिष्ट ३-पद, उपाधि और विरुदादि की सार्व-नामावली	१९४-२०८
७.	परिशिष्ट ४-पुत्र शब्द के पर्याय व अग्रतम प्रत्ययादि	२०९
८.	परिशिष्ट ५-पौत्र या वंशज के पर्याय-व प्रत्ययादि	२१०
९.	परिशिष्ट ६-शुद्धि-पत्र	२११-२३१

मुंहता नैणसी री ख्यात के चारों भागों की संपूर्ण विषय - सूची

भाग १

१. सीसोदियां री ख्यात

१. घाता (गंहुलोट कहीजं तिणरी)	१
२. घात (बापा गुहादित री)	३
३. घात राणा राहप री	६
४. घाता इतररी (नं कवित्त- रावळ बापा रा)	७
५. सीसोदिया रा भेद	८
६. घात राणा बीतोड रा घणिया री	९
७. पीठिया री विगत (इतररी पीठी ताईं श्री सार्मा कहाणा)	९
८. इतररी पीठी बीत-ब्राह्मण कहाणा	१०
९. घात (हारीत रिख नं रावळ बापे री)	११
१०. इतररी पीठी रावळ कहाणा	१२
११. माहप नं राहप री घात	१३
१२. राणा हमीर सू पाठिया रा बेटी री विगत	१५
१३. गीत राणा सांगा री	१८
१४. राणा उर्देसिध री घात	२०
१५. घात राणा उर्देसिध उर्देपुर घसाया री	३२
१६. घाटी राह री हकीकत	३५
१७. गिरघा री हकीकत	३६
१८. ब्यार छपत री हकीकत	३६
१९. घात (कट्टयाहां मानसिध नं राणा प्रताप वेष्ट हुई तिणरी)	३९
२०. मेवाड रा भाखरा री विगत	४०

२१. नवी तीन री विगत-चांबळ, बांभणी, पगपोई	४५
२२. दीर्वाक रं नास-भाज विखा नू बडी ठोड इतररी, इतररा गावा माहि	४६
२३. घनास नवी बीतररी सेरी हकीकत	४७
२४. घात चारण घासिधे गिरघर कही, समत १९१७ रा भादघा सुदि ९ नै	४९
२५. घात एक राणा कूंभा चित- भरमिधे री	५१
२६. राणा राजसिध नू पातसाही तरफ री इतररी जागीरी छं तिणरी विगत	५२
२७. घात १ सीसोदिया राघबदे साखावत री, राघबदे नू राणा कुर्भे नं राघ रिणमल मारियो तिणरी	५३
२८. घात १ बीठू भाभल कही मांडघ पातसाहू री मेवाड जेजियो लागे तैरी	५५
२९. घात (राणो घमरा रं विखा री)	५६
३०. गीत (राणा घमरा री)	५८
३१. घात (सोदा-बारहठ वाहल री)	५९
३२. घात पठाण हामीखान नं राणा उर्देसिध हरपाइं वेष्ट हुई तिणरी	६०
३३. घात (राणा घमरा रं विखा री फेर)	६२

३४. सकतावत (पीयो) नै रावत मेघ रै मामलो हुओ तिणरी घात	६४
३५. सीसोदिया चूटावतां री साख	६६
३६. घात सीसोदिया डूंगरपुर वांसवाहळा रा घणियां री	७०
३७. घात वांसवाहळा रा मानसिध री	७३
३८. घात डूंगरपुर वांसवाहळा रा घणियां री (पीडियां री विगत)	७७
३९. घात सीसोदियां री (रावळ समरसी लोहडै भाई नूं चीतोड़ दी तिणरी)	७९
४०. घात वांसवाहळा री	८७
४१. वांसवाहळा रै सीव री विगत	८८
४२. गैहलोतां री चौवीस साख	८८
४३. पंचारी री पंतीस साख	८९
४४. चहुवाणां री चौवीस साख	८९
४५. साख इत्ती पड़िहारां मिळै	८९
४६. सोळंकरियां री साख	९०
४७. घात देवळिया रै घणियां री	९०
४८. घात (जीहरण रा मुकाता री)	९०
४९. देवळिये नै राणा रै मुलक री कांकड़ इण गांवां	९५

२. बूंदी रा घणियां री ख्यात

५०. घाता (राव लालण रा पोतरा हाडा बूंदी रा घणियां री)	९७
५१. हाडां रै पीडियां री विगत	१००
५२. घात हाडै सूरजमल नारायण- दासोत नै राणा रतनसी मानलो हुओ तिण समी री	१०२
५३. घात (हाडा सुरजन नूं राणा उदीसिध बूंदी दीवी तिणरी)	१०९
५४. बूंदी रा देस री हकीकत	११३

५५. घात (बूंदी रा देस रा रज- पूतां री विगत)	११७
५६. घागडिया चहुवाणां री पीडो	११९
५७. घाता (चहुवाण डूंगरसी वालावत री)	११९
५८. घात देहियां री	१२२
५९. बूंदेलां री घात	१२७
६०. बूंदेलां री घात (कविप्रिया- ग्रंथ केसोदास कियो तिण मांहे सूं)	१२८
६१. एकण ठोड़ पीडियां बूं विण मांडी छै	१३०
६२. वारता गढवांभव रा घणियां री	१३२

३. वात सिरोही रा घणियां री

६३. घात (भाबू लियां री)	१३४
६४. पीडो सीरोही रा घणियां री	१३५
६५. घात राव सुरताण री	१४२
६६. विचली घात (वेवडं विजं सूजै री)	१४४
६७. घात (डूंगरोत देवडं री)	१६२
६८. गीत चीमा जंता री आडा दुरसा रो कल्यो	१७०
६९. गीत चीमा खीमा भार- मलीत रो	१७१
७०. घात (धिराद रै परगनं रा चहुवाणां री)	१७२
७१. घात (सीरोही री हकीकत घाघेला रामसिध नैणसी नूं जाळोर में कही)	१७२
७२. घात सीरोही रा घणियां- पाटवियां री भाबू लियां री	१८०
७३. कवित्त-छप्पय सीरोही रा टीकायतां रा	१८४
७४. कवित्त रामसिध सिरोहिये रा	१९१

४. भायर्त्ता रजपूतों की ख्यात

७५. पवारों की भायर्त्ता साख की हकीकत	१६३
७६. घात चहुवाणां सोनगरां रो राव साखणोतां रो	२०२
७७. घात सोनगरां रो	२१२
७८. घात सिंघावलोकिनी (तापस बांभण नं सोमइया महादेव री) २१३	
७९. घात सोमइयो महादेव, कानइदेजी री नं कांवल तथा धोजां री	२१६
८०. घात (बीके इहिये री, जळोर रो गढ भेळायो तिणरी)	२२३
८१. घात साचोर री	२२७
८२. घात चहुवाणां साचोर रा घणियां री	२२९
८३. पीडिया री विगत	२३०
८४. घात (बोडां री)	२४५
८५. बोडा री वसावळी	२४७
८६. घात (कांवलिया चहुवाणां रं साख री)	२४८
८७. घात (कूभा कांवलिया री)	२४८
८८. घात खोविया री (पीडिया)	२५०
८९. घात (खोची मांणकराव री)	२५०
९०. घात (घारु भानळोत री)	२५३
९१. घात (खोची घाना री)	२५३
९२. घात अणहलवाडा पाटण रो	२५८
९३. कवित्त (चावडे पाटण भोगवी तिणरी साख री)	२५९
९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख रो कवित्त	२६०
९५. पाटण घायेला भोगवी तिण साख रो कवित्त	२६१
९६. सोळकिया री साख इतरा	२६२
९७. घात सोळकिया पाटण घाया री	२६३

९८. घात पाटण चावोडा यी सोळकिया रं घावं जिणरी	२६६
९९. घात १ जाडेवा लाखा मू सोळकी मूलराज मारिया री	२६७
१००. घात रुद्रमाळो प्रासाद सिद्धराव करायो तिणरी	२७२
१०१. कवित्त सिद्धराव खेंसिघदे रं देहुरं रा, लल्ल भाट रा कल्या	२७७
१०२. घात सोळकिया खंरडा री	२७९
१०३. सोळकिया रं पीडिया री विगत	२८०
१०४. घात (साखले रतने जेमल नं मारियो तंरी)	२८१
१०५. घात (जंमल रतनी काम घाया री)	२८३
१०६. घात सोळकी नायावता री	२८३
१०७. घात सोळकी राणा रं घात देसूरी रा घणियां री	२८४

५. कछवाहां की ख्यात

१०८. घात राजा प्रयोराजरी	२८६
१०९. पीडी कछवाहा री, भाट राजपाण मडाई	२८७
११०. कछवाहा सूरजवनी कहीजं र्यारी विगत	२९१
१११. कछवाहा री विगत	२९३
११२. कछवाहा री वसावळी रो विगत	२९५
११३. घात एक गोहिला खेड रा घणिया री	३३३
११४. घात गोहिल खेड छाडनं सोरठ गया तिणरी	३३४
११५. पंवारा री उतपत नं पीडी	३३६
११६. घात पंवारा री	३३७
११७. पवार घाघ री भोलाव रा साखला हुधा तिणरी विगत	३३८

११८. पीढियां री विगत (सांखलां री)	३३६
११९. सांखला जांगळवा	३४४
१२०. घात रायसी महिपाळोत री	३४४
१२१. इतर री पीढी जांगळू सांखलां रं रहो	३४६
१२२. घात (चूडा, गोगा, अरहकमल, हरभम, रामवेपोर नै हूजी)	३४८
१२३. घात (नापो सांखलो नै फेर)	३५३
६. सोढां री ख्यात	
१२४. सोढां री पीढी	३५५
१२५. घात पारकर रा सोढां री	३६३
१२६. घात पारकर री	३६३

भाग २

७. ख्यात भाटियां री

१. श्री जयवंशी कहीर्ज	१
२. घात भाटियां री	३
३. जेसळमेर रा देस री हकीकत घीठळदास लिखाई	३
४. खडाळरा गांवां री विगत	४
५. जेसळमेर रा देस री हकीकत मुं:। लखै मंडाई	६
६. घात भाटियां री पीढी, चारण-रतनूं गोकळें मंडाई	६
७. घात रावळ घडसी री	१३
८. वंसावळी रा गीत, भवनो रतनूं कहै	१४
९. भाटी छप्राळा कहीर्ज तिणरी घात	१५
१०. घात (सोमवंशी भाटियां री हरिवंश पुराण मांहे)	१५
११. घात विर्जराव चूडाळें री	१७
१२. घात बरिहाहां री । देवराज घार ऊपर गयो तिणरी	२५

१३. घात (घार रे मुंहतै री)	२६
१४. घात भाटियां री (साख मंगरियां री)	३१
१५. घात गजनी पातसाह री	३३
१६. घात (रावळ जेसळ री)	३५
१७. घात (जेसळमेर री रांग मंडाई तिणरी)	३६
१८. कवित्ता भाटी सालयाहण रा (नै अगली पीढियां)	३७
१९. घात राठोड सोमाळ री	४२
२०. घारता (धोकमती री)	४४
२१. घात (पातसाह रा गुरु मारियां तिणरी)	४५
२२. घात (मूळराज नै कमालदी री । जेसळमेर ऊपर फोज विदा कीवी)	४६
२३. घात (मूळराज कना कमालदी लोवां मांगी तिणरी)	४६
२४. घात (कमालदी नूं हठ करनै विदा कियो)	५०
२५. घात (कमालदी गठ घेरियो)	५०
२६. घात (वोज उवारण री । दूहा- सोरठा । अगली हकीकत)	५१
२७. घात (रावळ दूदें तिलोकती री)	५६
२८. घात (रावळ दूदो नै तिलोकती मुंधा री । दूवा रा गीत)	६१
२९. घात (रावळ घडसी रांगा रतनसी री वेदो कमालदी रे अठें रहो तिणरी)	६६
३०. घात (रावळ हुआ तिणारी)	७५
३१. पीढी (जेसळ सूं)	९२
३२. घात (रावळ भीम री)	९४
३३. घात (रावळ भीम री फेर नै हूजी)	९६
३४. मनोहरदास रा प्रवाडा	१०३
३५. घात भाटियां मांहे केलहणां री साख	११२

३६. राय केलहण देरावर लियीं री वात (फेर वूजी)	११६
३७. वीकूपुर रँ घणियां नँ राठोईं सगाईं तथा घोडा	१३२
३८. केलहणां नँ वीकानेर रा घणियां सगाईं	१३३
३९. भाटियां केलहणां नँ कछवाहां सगाईं	१३३
४०. तळाईं, कोहर नँ गांया री हकीकत	१३४
४१. वात एक (राव मालदे तथा राव जेसा री)	१३७
४२. वात गाडळा केलणा री	१४०
४३. विगत (केलहण री पीढी, केलहणां री खरड रा कोहर तळाईं घादि री)	
४४. हमीर-भाटियां री साख	१४४
४५. वात (जेसा भाटिया री साख)	१५२
४६. छपसो भाटिया री साख	१९६
४७. सरवहिया री पीढी	२०२
४८. वात सरवहियां री	२०२
४९. वात सरवहिया जेसा री	२०६
५०. वात (सरवहिया जेसा नँ पातसाह री)	२०७
५१. वात (सरवहिये जेसे चारण रा माणस छोडाया	२०८
५२. वात जाडेवा री	२०९
५३. वात रायघण भुज रा घणियारी	२०९
५४. पीढी	२१५
५५. गीत कृवर जेहा भारावत री	२१५
५६. वात लाल री	२१६
५७. वात (जाडेवा फूलघवळ री)	२२५
५८. वात (शाम ऊनड सावळसुध कधि रोहडिया नू घाउठकोड सामई री तिण री)	२३६
५९. वात १ जाम ऊनड सावळ- सुध री	२३८

६०. घंटे १ जाम सरो नँ घमीलान हुईं तिणरी वात	२४०
६१. वात १ झाला रायसिध मान- सिघोत नँ जाडेवा जसा घव- ळोत नँ जाडेवा साहेब हमीरोत बेढ हुईं तिणरी	२४४
६२. वात (झाला रायसिध नँ जाडेवा साहेब री)	२४९
६३. वात १ जाडेवा साहिब री नँ झाला रायसिध री फेर लिसी	२५३
६४. झाला री वंसावळी	२५६
६५. वात झाला री	२५८
६६. मेवाड रँ झाला री वात	२६२
६७. मेवाड रा झाला री पीढी	२६५

८. राठोड़ां री ख्यात

६८. रावजी थी सीहेजी री वात	२६६
६९. राय घासथानजी री वात	२७६
७०. वात राव कानबदेजी री	२८०
७१. रावळ मालोजी री वात	२८४
७२. वात बीरमजी री	२९९
७३. वात रावजी चूडंजी री	३०६
७४. गोगदेजी री वात	३१७
७५. अरडकमलजी चूंडावत री वात	३२४
७६. वात रावजी रिणमलजी री	३२९

भाग ३

राठोड़ां री ख्यात (द्वि. भा. सूं चालू)

१. वात राव रिणमलजी अर महमद रँ घासस में लडाईं हुईं ते सर्म री	१
२. रावळ जगभालजी री वात	३
३. वात राव जोधाजी री	५
४. वात राव वीकाजी री	१३

५. भटनेर री घात	१६	२९. घात सीहूँ सींघळ री	१२३
६. घात राव धीकेजी री, धीकानेर पसायो तँ सम री	१९	३०. घात रिणमळजी री	१२९
७. घात कांघळजी री, कांघळजी कांम आयो तँ सम री	२१	३१. नरबद सतावत री घात, सुपियारवे लायो तँ सम री	१४१
८. घात राव तीडे री अर रावळ सांघतसी सोनगरँ रँ भोनमाळ वेढ हूई तँ सम री	२३	३२. घात नरबद रांणजी नू आंख दीधी तिर्य सम री	१४९
९. घात पताई रावळ साको कियो तँरी (पावागढ रँ घेरँ री)	२५	३३. घात राव लूणकर्णजी री	१५१
१०. घात राव सलखँजी री	२६	३४. घात मोहिलां री	१५३
११. गढ सभिया तँरी व्यात	२८	३५. मोहिलां रँ पीढियां री हकीकत	१५८
१२. घात राव सीहोजी (रँ बंश)री	२९	३६. छंद ये-अलखरी, राठोड रामदेव रा कहिया	१६७
१३. जेसळमेर री घात	३३	३७. बूहा, चारण चांवे सामोर रा कहिया	१६८
१४. पूगळ राव	३६	३८. चौहानों की पीढियों की टिप्पणी	१६८
१५. धीकूपुर राव	३६	३९. बूहा पीढियां री विगत रा	१६९
१६. वंरसलपुर राव	३७	४०. छत्तीस राजकुळी इतर गढे राज करँ	१७३
१७. मुगल-चकता-भाडी	३७	४१. परमारों री बंसावळी	१७५
१८. खारघारँ रा भाडी	३७	४२. राठोडों री बंसावळी	१७७
१९. घात बूदे जोघावत मेघो नर- सिघदासोत सींघळ मारियो तँ सम री	३८	४३. टीकँ बँठां री विगत	१८१
२०. घात खेतसीहूँ रतनसीहोत सीसोदियँ घूँडावत री	४१	४४. जोघपुर री पीढियां (टीकँ बँठां री विगत)	१८२
२१. गुजरात वेस राज्य वर्णनम्	४९	४५. भिन्न भिन्न वाकां रा संमत (गढ तियां री विगत)	१८३
२२. पाटन की स्थापना और शासकों का राज्यकाल (टिप्पणी)	४९	४६. बिली राजा बँठा तियांरी विगत (राज कियो तिका विगत)	१८५
२३. घात मकवांणा रजपूतां री (भाला कहांणा तैरी)	५७	४७. घात सेतरांम वरवाईसिनोत राठोड री	१९३
२४. घात पावुजी री	५८	४८. धीकानेर री हकीकत	२०५
२५. घात गार्ग वीरमवे री	८०	४९. राठोड पृथ्वीराज कल्याण- मलोत संबंधी टिप्पणी	२०६
२६. घात हरदास ऊहड़ री	८७	५०. बलपतंसिंह रायसिंहोत संबंधी टिप्पणी	२०६
२७. घात राठोड नरँ सूजावत, खीमँ पोकारणँ री	१०३	५१. सतियां हूई	२०९
२८. जैमल वीरमदेवोत नँ राव मालदेव री घात	११५		

५२. जोधपुर रा राजाघां री एघात	२१३	६०. वात चद्राघता री	२३६
५३. टिप्पणिया	२१३-२१५	६१. पीडिया री हुकीकत	
५४. किसनपट री विगत	२१७	(चद्राघता री)	२४७
५५. जेतलमेर री एघात	२२०	६२. वात सिलरो बहलवे रहं तेरी	२५०
५६. पीडिया (बोकानेर रा		६३. वात ऊवे ऊगमएाघत री	२५६
६३ टिकाणा री)	२२३-२३४	६४. बूदो री वारता	२६६
(१) सिरगोता री	२२३	६५. ब्यामलाम्यां री उत्पत नै	
(२) रूपाघता री	२२५	फनेहपुर जूमणू वसायो	
(३) नारणोता री	२२७	तेरी वात	२७३
(४) रतनबासोता री	२२८	६६. धौलतावाद रा उमराघां	
(५) राघतोता री	२२६	धी वात	२७६
(६) धौदाघता री	२३०	६७. आदिदास्त	२७८
५७. जोधपुर रा सरदारां री		६८. आदिदास्त	२७९
पीडिया (ऊदाघता रा		६९. सांगमराब राठोड़ री वात	२८०
१४ टिकाणा री	२३५	७०. टिप्पणी (कागहूदे-प्रबन्ध	
५८. विगत	२३८	सू उद्धृत)	२६३
५९. अकबर री जन्म कुडळी			
नै टिप्पणी	२३८		

[चौथे भाग की विषय-सूची के लिए
कृपया पृष्ठ उलटिये]

१. चौथे भाग की विषयानुक्रमणिका	१
२. संचालकीय वक्तव्य	१
३. चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
४. सूचिका	१-२४
५. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी	२५-३६
६. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम	४०-४२
७. परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०

१. वैयक्तिक—

(१) पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
(२) स्त्री नामानुक्रमणिका	१०९-११७
(३) श्रद्धादि पशु नाम	११८

२. भौगोलिक—

(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९-१६४
(२) पर्वत जलाशयादि ,,	१६५-१७१

३. सांस्कृतिक

(१) ग्रंथ, संख्या, कर, मापादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
(२) देवी-देवता, तीर्थादि ,,	१८१-१८८

४. सम्पत्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या)

८. परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियाँ	१९१-१९३
९. परिशिष्ट ३—पद, उपाधि और चिह्नवादि की सार्थ नामावली	१९४-२०८
१०. परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय घ श्रवत्य प्रत्ययादि	२०९
११. परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय घ प्रत्ययादि	२१०
१२. परिशिष्ट ६—शुद्धिपत्र	२११-२३१



भूमिका

राजस्थान वीरो और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम धूरवीरो के श्रोजस्वित रक्त की असह्य भावनाओं और अनगिनत सतियों के जोहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलों में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्थकता और अनोखे जोवट की एक सजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और गानवीय संवेदना की सुपमा श्रोतप्रोत है। राजस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वयं युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरों ने खड्ग-लेखनी की नोक से अपनी रक्त-मति द्वारा चित्रित किया है। यह असह्य सती वीरागनाओं के जोहर-यज्ञों और वीरो के मरणोत्सवों (अमृतपूर्व और अगणित नारी और नरमेघों) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरो के समान ही युग-युगों तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेको ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड है। ऐसे वीरो, भक्तों और कवियों का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढ़ा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलियाँ अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परंपराओं में अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्गार प्रकट किये हैं।

१. (म) Rajasthan is the language of a brave and heroic people. Rajasthan literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the

राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है^२। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ख्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ख्यात-

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary.I am eagerly looking for the day when a full-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature.

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(आ) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(इ) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhal, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२. धाठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रंथ कुवलयमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रंथ आइन-ए-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। अपभ्रंश की परम्पर । सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी इन रचयिता का महत्त्व बहुत अधिक है ।

‘ख्यात’ शब्द

राजस्थानी में ‘ख्यात’ शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा है । ‘ख्यात’ मूलतया संस्कृत भाषा का शब्द है । यह ‘ख्या’-प्रकथने धातु से ‘क्त’ प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है । संस्कृत भाषा में मुरयत. इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. ख्यातिप्राप्त या लब्धनाम ।
२. ग्राह्यत या ग्रावाहित ।
३. विदित या परिज्ञात ।
४. कीर्तिमान या सुप्रसिद्ध ।
५. उक्त या शप्त ।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ । और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि^३ ।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखकों ने ‘ख्यात’ शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यञ्जक बना कर प्रयुक्त किया है । उन्होने इसे इतिहास (इति+ह+आस=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण),

३. देखिये संस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

- | | | |
|-----------------------------|---|--|
| (१) मोनियर विलियम्स | : | संस्कृत-इंगलिश डिक्शनरी, न्यू एडिशन |
| (२) जे०टी० मोलेस्वर्थ | : | मराठी-इंगलिश डिक्शनरी, दूसरा संस्करण १८५७ ई० |
| (३) एन०वी० रानाडे | : | ” ” १९११ ई० |
| (४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी | : | संस्कृत शब्दार्थ कोस्तुभ |
| (५) गि०श० महता | : | संस्कृत गुजराती शब्दादर्श १९२६ ई० |
| (६) पन्थास भुक्तिविजयजी | : | शब्द रत्न महोदधि सवत् १९६३ |
| (७) अमरकोश | | |
| (८) अभिधान चिन्तामणि कोश | | |

हिन्दी शब्दकोशों में ‘ख्यात’ शब्द के अर्थ—१. प्रसिद्ध २. कथित ३ वह कविता जिसमें योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि ।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. घोषणा ४. कहेलु ५. जाणीतुं आदि ।

मराठी कोशों में—१. पराक्रम २ कीर्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और

प्राकृत कोशों में—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि ।

ऐतिहा (पौराणिक वृत्तांत), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएं) आदि का व्यंजक माना और तदनुकूल 'ख्यात' शब्द का प्रयोग किया ।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई । फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहासकारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये शोध की अमूल्य निधि है ।

ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है । केवल राजाओं और नवाबों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व संक्रान्ति काल का इतिहास है । देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है । वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था । इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आंखों से ओझल नहीं किया जा सकता । ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं ।

सामन्तशाही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्ग की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तु-कला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी संस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं । तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह अमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है ।

हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूलाधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो संसार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर संवतंक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लड़खड़ाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।^४ उसे अब तत्वज्ञ और मनीषियों की संजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेकत्र प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक संस्थाएँ इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में संस्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस संस्था ने अपने शंशकाल में ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्हीं प्रकाशनों में ख्यात-साहित्य का सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सोराष्ट्र, कच्छ और सिन्धु भादि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयों से युक्त यह 'मुहता नैणसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

इस ख्यात का महत्त्व

'मुहता नैणसी री ख्यात'^५ जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह प्रथम के दोवान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वंश के विख्यात मुहता नैणसी जयमलोट द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रन्थ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

४. 'दोपं वारो देस, ज्यारो साहित जगमगं।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी संस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार में शोभा पाता है।]

—स्व० श्री उदयराज उज्ज्वल

५. 'मुहता नैणसी री ख्यात' इस ग्रन्थविधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोडां री ख्यात' = राठोड वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड़ री ख्यात' मेवाड़ राज्य का इतिहास में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' है। पर यहाँ इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' न होकर 'के' द्वारा लिखी गई होता है। 'मुहता नैणसी री ख्यात' = 'मुहता नैणसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यों में ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब में 'मुहता नैणसीरी ख्यात' बहुत महत्व की है। इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातों की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं। स्व० म० म० रायबहादुर गौरीशंकर ही० श्रीभा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों में श्रीर स्व० रामनारायण दूगड़ द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनों खण्डों की भूमिकाओं में ठौर-ठौर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है। मुंशी देवीप्रसाद मुंसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का अबुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है।

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके हैं। एक संस्करण स्व० श्री शमकण्ठी आसोपा द्वारा मूल रूप में उनके निज के रामश्याम प्रेस में मुद्रित होकर उन्हीं की और से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था। दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड़ का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गौ० ही० श्रीभा द्वारा सम्पादित होकर फाशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है। पहला भाग सं० १९२२ वि० में और दूसरा इसके ६ वर्ष बाद सम्बत् १९६१ में प्रकाशित हुआ है।

इससे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाद की लिखी हुई ख्यातों का आधार भी प्रायः नैणसी ही ख्यात ही रही हुई मालूम होता है। उनमें अनेक प्रसंग नैणसी की ख्यात के पों के यों उद्धृत कर लिये हैं। उदाहरण के तौर पर दयालदास की ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलों में से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा।

नैणसी की ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयालदास की ख्यात पृ० ८

“ ” ” ३ ” ६४ ” ” ” ” ६५

“ ” ” ३ ” १२०-१२१ ” ” ८२, २६८ इत्यादि।

७. वि. सं. १३०० के आसपास से लगा कर उसके लिये जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है। ... यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी संतोषदायक नहीं हो सकता।

—श्रीभा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. स्व० मुंशी देवीप्रसादजी तो नैणसी को राजपूताने का अबुलफजल कहा करते थे और उसके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे। मुंशीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजस्थान-इतिहासज्ञ मूला नैणसी की ख्यात के विषय में एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था।

—श्रीभा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७४

प्रस्तुत ध्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात में भी है कि नैणसी ने ध्यात में प्राप्त समस्त सामग्री साधार स्वीकार की है। उन्होंने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वालों के नाम ही नहीं लिखे, अपितु कही-कही तो उनका पूरा परिचय, सम्बन्ध, मित्री और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध ढिगल-कवि और चारणजन हैं।

- ६ (१) पोवरणा ब्राह्मण कवीसर जसवन्त रो भाई जोशी महेशदास।
 (२) मुहती लखो, स० १७०० माह वदी ६ मेढते में जंसलमेर रो हाल लिखायो।
 (३) बाढो महेशदास धनाढ्या भाटियाँ रो बात, स० १७०६ फागण सुदो १५ रो लिखाई, स० १७२१ माह माहे लिख मंली।
 (४) मुहते नरसिंघदास जंमलोत (नैणसी रो भाई) डूगरपुर में रावळ पूंजा रं करायोडो देहरा रो प्रशस्ति लिख मेली, समत १७०७ में।
 (५) बूदेला सुमकरण रं चाकर घनसेन मडाई, स० १७१०।
 (६) चारण भासियो गिरधर स० १७१६ रा भादवा सुदो ६।
 (७) चारण भूले रद्रदास भाण रं साइया भूला रं पोतरं कही समत १७१६ रा खंत माहे।
 (८) स० १७२१ रा जेठ माहे रा० रामचन्द्र घगनापोत मडाई।
 (९) खिडियो खोंवराज सिसोदियाँ रो धूण्डावत सात्ता रो वृत्तान्त लिखायो स० १६२२ रा पोह वदी ५।
 (१०) बात एक वोठू भामण कही।
 (११) दधवाडियो खोंवराज, बात पठाण हाजीखान राणं उदेंसिघ वेठ हुई तिरुरी लिख मेली। समत १७१४ रा वैसाख माहे।
 (१२) देवडो धमरो चदावत रो परधान बाघेली रांमसिघ नूं धमरं नैणसी कर्न मेसियो, उण कही।
 (१३) मुहणोत सुदरदास जाळोर षका लिख मेली।
 (१४) रतनूं गोकुळ पीडियाँ मडाई। गोकळ रतनू कणो।
 (१५) चारण चादण खिडियो।
 (१६) भाट खगार नोलिया रो पडियारा रो साक्षा लिखाई।
 (१७) भाट राजपाण उदेंहोरो, पीडो कछवाहा रो मडाई।
 (१८) बात १ जीवं रतनू घरमदासांणी कही नै पहला सुणो यो तिका तो लिखी होब हुती। बात जाडेचा साहिब रो नै भासा रायसिघ रो फेर लिखी।
 (१९) भाखडो रावळ भीम रो भासियो पीरो कहे।
 (२०) राव नोंवो महेशोत सवणी।
 (२१) गाडण पसायत।
 (२२) बारहठ खोंवो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्त्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम सम्वत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की बहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विश्वसनीय है।

ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि को समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है^{१०}।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ़ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

(२३) चारण वीरधवल दूहा कहै।

(२४) गाढण सहजपाळ।

(२५) सांवलसुध रोहड़ियो।

(२६) भांणों मीसण, बढो आखरां रो कहणहार।

(२७) ढाढी..... इत्यादि।

इनके अतिरिक्त वारहठ ईसरदास, दुरसो आढो, केशवदास, रतनू नवलो, वारठ वीठू, आसराव रतनू, आसियो दलो, लल्ल भाट और चारण चांदो आदि डिगल के प्रसिद्ध कवि और कुछ धात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वालों का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक वात यूं सुणी' या 'संमत १७२२ सासोज मांहे परबतसर मांहे लिखी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की अनुपम ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हरएक आदमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

बोलियों से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाड़ी' की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपों में विकसित होने वाले अकुरो का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सागोपाग नमूना है^{११}। अन्य भारतीय भाषाओं की समकालीन परंपराओं की तुलना में इसकी परंपरा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमें पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ख्यात^{१२}, वात, वार्ता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिधावलोकनी, मिसाल, साख, परियावली, बसावली, पीढिया आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब में ख्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रंथ प्राप्त हैं, जो ख्यात के आवश्यक अंग होने के साथ उसका

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'जूनो गुजराती' अथवा 'माफ-गुजर भाषा' अभिहित किया है।

१२. Rajasthani dialects form a group among themselves differentiated from Western Hindi on one hand and from Gujrati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independant language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi. If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G. A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ख्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट में अनधराराधव नाटक के कर्ता मुरारि कवि का यह श्लोक दृष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वीं-९वीं शताब्दि माना जाता है।

चर्चाभिश्चारणानां क्षितिश्मण ! परांप्रप्यसमोद लोला
मा कीर्तः सोविदल्लानधगणाय कवि प्रात(?) वाणी विलासात् ।
गोत ख्यातं च नाम्ना किमपि रघुपतेरथ यावत्प्रासा-
द्वात्मिके रेव धात्रीं धवलयति यशो(दा?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परम्परा : भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का 'चारण' नामक लेख।

विकसित परिमार्जित और प्रौढ़ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्त्व ख्यातों से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्त्व को समझा जा सके—

ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसीरी ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदियां री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात माटियां री लिख्यते' इत्यादि। बात, हकीकत आदि इसके अनेक पेटा विभाग हैं।

बात, वारता

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'बात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतंत्र ऐतिहासिक बात-साहित्य की बातें बड़ी होती हैं^{१४}।

हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

पीढी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—झाला, छात्राळा और महेवचा, वाड़मेरा आदि। (३) किसी बात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

१४. 'बात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह बात पृ. १८४ महाराजा जसवंतसिंह प्रथम (मयूर) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसीरी का उल्लेख महत्त्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सुंदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह बात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

विगत

किसी वच या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध ध्यौरे को विगत कहा जाता है।

याद, याददास्त, भादिदास्त

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के तौर पर लिखा हुआ उसका सक्षिप्त रूप। बड़ी बात का संकेत-लेखन या नोटस।

प्रस्ताव

प्रासंगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारम्भिक संकेत, जैसे—
एकदा प्रस्ताव।

हुवालो

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

सिधाबलोकनी बात

पूर्वोल्लिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

परिभाषणी, बसाबली

देखे पीढ़ी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशामो के प्रतिरिक्त इस ख्यात में १६ दिशामों के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रोढ़ता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारस्परोग तात्कालिक किसी भी भाषा के विज्ञान में और आधुनिक किसी भी साहित्य में प्राप्त नहीं है।^{१५}

क्रीडा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से संबंधित अपने अर्थों में संशुद्ध अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिगल एव राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-मण्डार बहुत ही मूल्यवान है।^{१६}

१५. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशामों का उल्लेख मिलता है—

‘दिसि खोज मम्मो छट-पद्य-नूण, जुडियो नह पापण प्रम्म जून’।

सोलह दिशामों में जिन आठ विशेष दिशामों के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमें से इद्र, उहद्र, खरक, भरहेर, रूपाराव और पचाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त हैं।

१६. अल्लमविद्यानगर, बी. पी. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन में राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश दीर्घादियों के लिये (अर्ध-मुलम भावृत्ति) तैयार किया गया है, जिसमें ‘नरगुठी री ब्यात’ के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढ़ता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरों और रुढ़ि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एवं उनके प्रयोग भाषा की प्रौढ़ता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।^{१०} सहस्रों स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

विविध विषय

प्रस्तुत ख्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें संक्षेप से गुजरात, काठियावाड़ (सौराष्ट्र), कच्छ, बघेलखंड, वुंदेलखंड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के शिशोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूंडाड़ के कछवाहे और भारवाड़ (जोधपुर और बीकानेर) के राठीड़ राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा, कोटा, वूंदी, झालावाड़, जयपुर-शेखावाटी, सिरौही, डूंगरपुर, वांसवाड़ा, प्रतापगढ़, रामपुरा, किशनगढ़, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागीरी ठिकानों का एवं दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की बादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी संकलित हो गया हुआ है।^{११}

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस ख्यात के पद्य और पद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, रो, रो, रै
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणै, तणउ
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरउ, केरै
४. संघा, संदी, संदियां, संदो, संदउ, संदै
५. हंदा, हंदो, हंदियां, हंदो, हंदउ, हंदै
६. नो, नो, ना, नउ
७. चा, चो, चो, चै
८. कउ, फी, फी, के इत्यादि

१८. नैणसी की ख्यात में चौहानों, राठीड़ों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वंशावलियों का इतना प्रबुद्ध संग्रह है कि अन्य साधनों से

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एवं पारकर (घाट-^{१६}सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्धा से हुए युद्धों का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. वाणिज्य, माप-तील, सिक्के और राजकर^{१७} ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड़ राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

१९. घाट-धरपारकर का विस्तृत प्रदेश (गढडा, मिड्डी, छोर, नगरपारकर, नौकोट और उमर-कोट के सोढाण खंड का भू-भाग) मारवाड़ राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम मात्र की खिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की छर्पी से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था । उधार-अवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाड़ को वापिस नहीं लौटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड़ का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सीमाप्रदेश बना हुआ है ।

२०. दुगाणी (दुरगाणी), फदियो, टको, दोकड़ी, जनादी, छकड़, दाम, डबू, सोनइयो, रवियो, महमूदी, फिरोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), पलालसाही (जलावा, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत स्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तोल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयों से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह स्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविया और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व सतुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यों की प्राप्ति व सस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-चर्चा के हेतु मंदिरों का निर्माण, मूर्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और संस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनों के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शकुन प्रसंगों का वर्णन इसमें ध्रुव सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस स्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन सर्वधो विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह स्यात मननीय है।

६. पुरातत्त्व संबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरों

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मगळीक, बघामण, गुळ, सूखंडो, बळ, भेट, तलार, थाव, पेशकस, दहबराठ, दाण, बहलीवाण, पाघबराठ, तुनावट, मळवी, लाबो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, मोम, पूछी, बोडाचारण, डोर-चरार्द, दाडी रो लाग, काजी रो लाग, कोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कस और उनका प्रचलन तथा मण, छेर, टाक आदि तोल और मण, माणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि धान्यादि के मापों के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

ने अपने नाम से नगर, दुर्ग, प्रासाद, तालाब, मंदिर और कीर्ति-स्मारकों का निर्माण करवाया है। प्रस्तुत ख्यात में ऐसे कई पुरातत्व सम्बन्धी अवशेषों का निर्माण-संबन्ध, प्रयोजन और उनके निर्माताओं का विवरण दिया गया है। अत-एव पुरातत्व विभाग के लिये इसमें अमूल्य सामग्री सुरक्षित है।

७. शाखायें और वंशावलियाँ

राजपूत जाति के इतिहास को समझने के लिये उसकी शाखा-प्रशाखाएँ और वंशावलियाँ सबसे बड़ा आधार हैं। वीरता की वहाँ पूजा है; अतः राजपूतों में यदि एक व्यक्ति के पाँचों पुत्र वीरता में अपना व्यक्तित्व बना लेते हैं तो वे पाँचों ही पाँच पृथक् शाखाओं के मूल पुरुष बन जायेंगे। दानशीलता, धर्मपरायणता और बौद्धिक क्षेत्र में भी ऐसे शाखा-पुरुषों का वर्णन पाया जाता है। नैणसी ने राजपूतों की इस प्रकार से बनी उनकी शाखाओं, वंशावलियों और पीढ़ियों की विस्तृत सूचियाँ दी हैं, जिनका ग्रन्थ प्राप्त होना असम्भव है। पीढ़ियों में विशेष व्यक्तियों के विशेष कार्य, सेवायें, युद्ध और जागीर पाने और तामीर होने के कारण और उनकी संबन्ध-तिथि, जन्म और मृत्यु-तिथि आदि आवश्यक बातों का साथ का साथ ही संक्षिप्त विवरण दिया हुआ रहता है।

८. जाति और धर्म परिवर्तन

काल के घूर्णित चक्र ने कई व्यक्तियों और जातियों को अपना नाम, धर्म और देश परिवर्तन करने को विवश किया है। नैणसी ने अपनी ख्यात में ऐसे कई अवसरों का वर्णन किया है, जबकि अनेकों की संख्या में हिंदू मुसलमान बन गये या बना लिये गये। ब्राह्मण क्षत्रियों में और क्षत्रिय कृषि-कर्म में प्रवर्त कृषक जाति में तथा शूद्रों में परिवर्तित हो गये। कई ब्राह्मण और क्षत्री-वैश्य और शिल्पियों में बदल गये। अनेक जातियों के प्रादुर्भाव की बातें इस ख्यात में वर्णित हैं।

९. लोक-साहित्य

इस ख्यात में इतिहास से जुड़ी हुई अनेक छोटी-मोटी सरस और महत्वपूर्ण सामाजिक घटनाएँ उद्धृत हैं, जो जन-जीवन में लोक-साहित्य बन कर लोक-वार्ताओं के रूप में सामने आई हैं। जगमाल मालावत, लांजी विजैराव, लाखो फूलाणी, हुरड़ बनो, हेमो सीमाळोट, सिद्धराज सोलंकी, खाफरो चोर, विक्रमा-जोत आदि ऐसी पचासों बातें हैं जो आज लोकवार्ताओं के नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

लोक-साहित्य पर शोध करने वालों के लिये विविध प्रकार की सामग्री यह ह्यात प्रचुर परिमाण में उपस्थित करती है ।

१०. भाषा

'नैणसी री ह्यात' भाषा-वैज्ञानिकों के लिये जो शोध-सामग्री उपस्थित करती है, वह सब से अधिक महत्वपूर्ण है । इसकी भाषा पश्चिमी राजस्थानी का विशिष्ट रूप है जो राजस्थान की सब से अधिक सशक्त और विकसित भाषा है । तत्कालीन अन्य भारतीय अपभ्रंश भाषाओं की परम्परा में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है^{२१} ।

पश्चिमी राजस्थानी उपनाम मारवाड़ी भाषा (मरु भाषा) में प्राप्त गद्य-साहित्य के विविध रूप, कहावतों और रूढ़ प्रयोगों की प्रचुरता विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग, कारकों की विभक्तियों^{२२} के अनेक प्रकार और रूपों का प्रयोग, प्रत्यय और उपसर्ग आदि के विभिन्न रूप, क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के संकडों रूप, भौगोलिक स्थानों की वास्तविक स्थिति-निर्देशन के लिये विशेष-दिशाओं^{२३} के नामों का प्रयोग, अनेक संज्ञाओं के ऐसे भेद जिनके पर्याय हिंदी में नहीं मिलते और जिनका व्यक्तिकरण व्याख्या द्वारा करना पड़ता है इत्यादि बातें इसकी प्रौढता, व्यापकता और अर्थबोधकता के स्पष्ट उदाहरण हैं । नैणसी की ह्यात में सहस्रों स्त्री-पुरुषों एव नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा की परम्परा के अध्ययन की मूल्यवान सामग्री है । उदाहरण के लिये 'ऊदल' पुरुष नाम को लें । यह उदयसिंह का अपभ्रंश रूप है । उदयसिंह के उत्तर पद के 'सिंह' का लोप होकर उसके स्थान पर 'ळ' प्रत्यय रूप में आ जाने से 'उदय' का 'ऊद' आदेश होकर 'ऊदळ' रूप बन गया । इसी प्रकार अक्सो,

२१. भाषा और प्राचीन इतिहास के विद्वान् डॉ० दशरथ शर्मा डी० लिट्० 'दयालदासरी ह्यात' के इंट्रोडक्शन में उक्त ह्यात और 'नैणसी री ह्यात' की भाषा के सम्बन्ध में तुलना करते हुए लिखते हैं—

Dayaldas Sindhayach was an erudite scholar. He was an accomplished rhetorician, a writer of excellent Marwari, only a little inferior to that of Nainsi Muhnot."

२२. दे० टिप्पणी स० १४, इस ह्यात में मात्र सम्बन्ध-सूचक षष्ठी विभक्ति के लिये ७ या ८ विभिन्न रूप प्रयुक्त हुए हैं ।

२३. दे० टिप्पणी स० १३; विशेष-दिशाओं के नामों के लिये ।

अरहड़, अळधरो, आसथान, गंपो, छाहड़, पावू, पेथड़, वरड़ वाहड़, सीयक हड़वू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं।

नामों को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है। 'राणो रूपड़ो', 'राव तीडो' आदि राजाओं के ऊनता-सूचक नामों में यही भावना काम करती हुई दिखाई पड़ती है, तुच्छता की बोधक नहीं है।

ख्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रों में दिखाई पड़ते हैं। आवड़, ईहड़, गायड़, जसमादे, लाछां, हुरड़ आदि स्त्री नाम; कमधज किराड़ खेड़ेचा, चीवा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम; और अटाळ, अणदोर, अरणोद, आफूड़ी, ईकुरड़ी, किराड़ू और कूडी आदि गाँवों के नाम—एसे सहस्रों नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं।

मध्यकालीन पुरुष नामों में, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बंध नहीं है, तथापि राजनैतिक दबाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियों ने अपने नामों का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था। तातारखां, लाढखां, अलखां, महमंद और भाखरखां आदि हिन्दुओं के पचासों मुसलमानों नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना हैं। जबकि क्षत्राणियों ने क्षत्रियों (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है।

११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

ख्यात में संकड़ों सतियों का विवरण उल्लिखित है। इसमें ऐसी अनेक वीरांगना और पतिव्रता सतियों का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है। उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं। उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश- किया है। वे अवश्य पूजनीय हैं। परंतु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है। मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये बिना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था।^{२४} एक पुरुष की उसकी अनेक परिनयों के सिवाय

२४. 'ताहरां अं असवार पाळा गया। भायने देखें तो सगरी तोरण नीचे पड़ियो छं। ताहरां कछो—'जी, सती हुवी सगरं नूं लेनें। सती नूं कछो जु बाहिर आवे ज्युं सगरं नूं दाग

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता में पड़कर जलना पड़ता था^{२५}। कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह ? ये सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुईं कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था। कहीं वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वयं योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक में भी साथ ही में रहने की भावना से पति का सहगमन किया जाता था। यही नहीं, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये बहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणों का विसर्जन करके अपनी स्नेहा-कुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहीं यह घोर नरभेद का नारकीय दृश्य ?

सती प्रथा का प्रारंभ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के बाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियों के विवरण, सतियों के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय है।

देवा ।' ताहरा बीदणी नू भीतर आय कहियो । ताहरां बीदणी कह्यो—'खेतसीह मारियो हवं तो हू सतो न हबू । सगरं नू पीसनं नांख देवो ।' पाछं आयनं कहियो—'जी, संमे नहीं ।' ताहरां कहियो—'जी, म्हे एकसं ही सगरं नू बाळो ?' तो कही—'म्हे अणसमाही ही सतो करां ?' ताहरा कह्यो—'घावो वारं ।' ताहरा जानी ही सिलह पहरं छं, मांडो ही सिलह पहरं छं । बेहु हपियार बांधं छं, सिलह पंहरोजं छं । ताहरां बीदणी दीठो घर मा घर बाप नं कहियो—'हे ठाकुरो-रजपूता ! हू बैर खेतसीह रो छूं, घर एकसो रं वास्तं घणा जीव मरं छूं, तं हूं सगरं साथ बळीस ।' बीदणी घाहिर आयनं सगरं साथ बळी ।

—नंणसी रो ख्यात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानियाँ, एक खवास, बारह पातरिया (वेश्याएँ), दो खालसा, एक बडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियों की और एक पातरियों की रसोईदार ब्राह्मणी=कुल २२ स्त्रियाँ साथ में जली थीं।

—ख्यात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा प्रजोतसिंह के साथ ६ रानियाँ, २० दासियाँ, ९ उर्दाबेगनियाँ, २० गायनं और २ हजूर-बेगनियाँ=कुल ५७ स्त्रियाँ जलकर मरीं थीं।

—नंणसी रो ख्यात, भा. ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री भासोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

१२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद को परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवंतसिंह) के विरुद्ध सईया वांकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण माधव का, सिवाना के चौहान सातल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठी के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलों के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हड़दे के विरुद्ध वीका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के संबंध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी। द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

ख्यात का प्रस्तुत संस्करण

प्रस्तुत 'नैणसी री ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १९३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयश गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दूँ। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की शब्दार्थ और व्याख्या आदि की टिप्पणियाँ देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार करली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी इस ख्यात की दो अशुद्ध और त्रुटित प्रतियाँ थीं। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन अक्सर पाकर वे हमारी अनुपस्थिति में हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४०७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पत्रों को, 'रतनरासो' और संपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये। बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हें वापिस देने की कृपा नहीं की।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद बीकानेर में श्री अग्ररचदजी नाहटा के यहाँ अकस्मात् दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीर-सिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने को कई अन्य प्रतियों के साथ भेजा था। मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री माघातासिंहजी बीकानेर से प्राप्त।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था। अतः इस प्रति को देख कर उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। प्रति ने न जाने कहां-कहां की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की धारण ली। आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई। हरिरस और ख्यात के पत्रों का आज तक कोई पता नहीं लगा।

गारासणो ठाकुर स्व० श्री भोमसिंहजी के अनुरोध से मैंने हरिरस का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था। किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस में कई महिनो तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो धोखा खाना पडा और हानि उठानी पडी, इस हरिरस के द्वितीय संस्करण के सबध में भी ऐसा ही हुआ। अन्य सम्पादकों के नाम से ये दोनों ग्रंथ प्रकाशित हो गये। वीर सतसई के सम्पादन में और हानि उठाने में श्री सोतारामजी लालस भी साथ में थे।

हरिरस का आज तक प्राप्त प्रतियों से सब से पुरानी और शुद्ध एवं विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के साथ पुनः सम्पादन किया गया है जिसे साद्वल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है।

ख्यात के चुराए गए उन त्रुटित पत्रों की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नहीं लगी। जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूगा गाव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नों से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नहीं लगी।

इधर मुहणोत श्री मांगीमलजी एडवोकेट ने नैणसी के सीधे वंशज मुहणोत सुधराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होना पड़ा। बहुत दिनों के बाद स्व० पं० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतियाँ प्राप्त हुईं। यद्यपि ये प्रतियाँ इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थीं, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था। एक वहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाड़ी शिकस्ता लिपि को स्व० पं० रामकर्णजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने में अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमें भिन्न-भिन्न जगहों के दो तीन पत्र त्रुटित थे। इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे। अन्त में एक बहुत सुन्दर प्रति चि. भूपति-राम के अथक प्रयत्नों से कई हाथों में होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और-पाठों को शुद्ध करने एवं त्रुटित अंश की पूर्ति करने में बड़ी सहायता मिली। वीकानेर में प्रो० नरोत्तमदासजी की एक प्रति से पाठों का मिलान करने में सहायता ली गई। अनूप संस्कृत लाइब्रेरी वीकानेर की प्रति वीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबंध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी। यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सीहणल के वीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है। अधिकांश प्रतियाँ इसीकी प्रतिलिपियाँ मालूम होती हैं, क्योंकि उनमें भी वीठू पन्ना का नाम अनेक बातों के अंत में यों का यों उल्लिखित है। प्रस्तुत संस्करण को तैयार करने में इन सभी प्रतियों के आधार से पाठों का मिलान करने और शुद्ध करने में बड़ी सहायता मिली।

मैं जब वीकानेर में था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का वीकानेर पधारना हुआ था। उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस काँपी दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राज-स्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी। उनकी कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारों भाग पाठकों की सेवा में प्रस्तुत हैं।

समस्त ख्यात-ग्रंथ तीन भागों में सम्पूर्ण हुआ है। चौथा भाग इस बृहत् ग्रंथ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है। इसमें चारों भागों की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वैयक्तिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक नामों के तीन विभागों के सात उप-विभागों में इस ख्यात की बृहत् नामानुक्रमिका पृष्ठांकों के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका में १०००० हजार से अधिक नामों का संकलन हुआ है। नामों की इतनी बड़ी मख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थों में शायद ही आ सकती होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओं की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात में प्रयुक्त पुत्र-सज्ञक ५३ और पौत्र-सज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दों की सूची, कुछ विशेष व्यक्तियों का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलिये (जो केवल अनूप सस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की प्रति में ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से सबधित अनेक महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग में दिए गए हैं।

ख्यात के इस सस्करण को तैयार करने में मुझे जिन महानुभावों की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहाठी स्व० श्री रामयश गुप्त का नाम विरस्मरणोय है। इसके प्रकाशन से उनकी आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अंश को पूर्ति होने के रूप में शांति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पंडित विश्वेश्वरनाथजी रेड, महामहाध्यापक स्व. प. रामकर्णजी आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम ज्ञात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियों का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अग्ररघन्दजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बड़ा भारी आभारी हूँ।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वंश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुधराजजी मुहणोत से 'नैणसी की ख्यात' प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी ग्रन्थों की भांति निराश ही होना पडा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलकी ने अनूप सस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बड़ा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निर्मल भावना और कर्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनंत आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं ।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है । इनका भी मैं आभारी हूँ ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने इस सुंदर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है ।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय संचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यंत आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है । और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-संचालक पण्डित गोपालनारायणजी वहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर संभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है ।

साकरिया - सदन

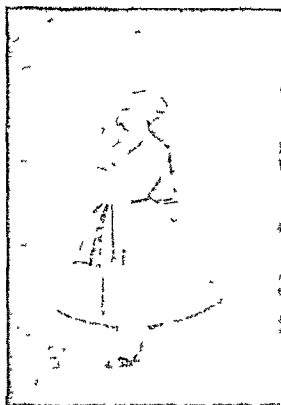
वत्सभ-विद्यानगर

रामनौमि, २०२४ वि.

आ. बवरीप्रसाद साकरिया

मुहता नैणसी री रयात, भाग ४]

मुहता नैणसी



[नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहणोत नैणसी की कथात' से सध-यवाद पुनमुद्रित]

जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के द्वावान प्रसिद्ध खात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड पाटण नगर में गोहिल क्षत्रियों के राज्य को नष्ट कर मारवाड में राठौड़ राज्य की सर्व प्रथम नींव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसथान हुए। राव आसथान के पौत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रों में से सबसे बड़ा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जंसलमेर में श्री जिनचन्द्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया।

१. राव सीहा के पुत्र राव आसथान ने इतिहास प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मन्त्रियों को भगाकर राठौड़-राज्य की स्थापना इस नगर में सर्व प्रथम की। (इसीलिये राठौड़ों की मूल शाखा खेडेवा कहलाई)। गोहिल और डामी आसथान के घातक से भाग कर सीराष्ट्र में चले गये और वहाँ अपने राज्य कायम किये। श्रीभाजी ने लिखा है कि खेड या खेडपुर 'खीरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर सहरों का ढेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर बचे हैं। बड़े मन्दिर में श्री रण-छोडराय की बड़ी मध्य और कसापुर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चौकी पर स० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अङ्कित है। कुछ समय पूर्व श्रीश्रृंगभद्रदेव के मंदिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर स० १२३७ में विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक मठ के अनुसार मोहणोत शाखा के प्रवर्तक मोहणजी ने यहाँ ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की ख्यातों में मुहणोत गोत्र की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी शिकार करते गये। उनके हाथ में एक गर्भवती हरिणी का शिकार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का चित्त व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावड़ी के पास आकर खड़े हुए। इतने में ही उसी रास्ते से जैन षट्तिदशं सिद्धसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को खल छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवत दान देने के लिए यह महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० स० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम में उनको द्वारा जैन-धर्म प्रणीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोत कहलाए।

—'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, मुहणोत नैणसी और उनके वंशज नामक श्रीहजारीमल बाठिया का लेख और 'श्रीसवाल जाति का इतिहास' के 'श्रीसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड में 'मुहणोत' उपखंड पृ० ४६ एवं 'महाजन वंश मुक्तावली'।

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलंबी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रघात जाति श्रोसवालों में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के श्रोसवाल कहलाये ।

श्रोसवाल जाति में परिवर्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठीड़ वंश से मोहणोतों का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा ।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए । जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थीं^३ । महाराजा गजसिंह के समय वि. सं. १६६६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे^४ । यह बड़े दानी^५ और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे । इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी ।

मुंहता जयमल के पांच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे । इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिगसर शु. ४ शुक्रवार को

३. माघोदास केसोदासोत मलो रजपूत हूवो । सं० १६१४ रावळा थी गांव भवराणी गांवां १० सूं दीधी हूती । इणरा चाकर जैमल मुहणोत खानाजंगी कीवी जद भवराणी छोड़ सं० १६८८ मोहयतखां रं वसियो । पछे अमरसिधजी रं । पछे राजा जैसिधजी रं वसियो माघोदास ।

—बांकीदास री ख्यात, बात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री मांगीमल एठबोकेट, तथा श्री गोविन्दनारायण मोहणोत एठबोकेट द्वारा प्राप्त—'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्बत् १६६० दिया है ।

५. जयमलजी का नित्य साधुओं को जलेबी बाँटने का नियम था । जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं को जलेबी मिलनी बंद हो गई । तब किसी कवि ने कहा कि—

परालब्ध पलटघा परा, दीर्ज किणन दीस ।

जैमल जळेवी छि गयो, साघां करो संतोस ॥

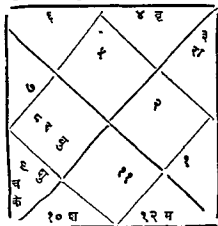
—विश्वमित्र, पूजा दीपावली अंक, १९६३, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता के 'प्रदासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से ।

बांकीदास ने भी अपनी ख्यात की बात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जैमल, जालोर का नाम भी अखड़े दाताओं में गिनाया है ।

हुआ था^१ । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्ता तथा प्रबन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लडाइयों का संचालन किया था । सम्वत् १६६४-६५ में बलोचो से फलोदी की लडाई, स. १७०० में राडधरा की लडाई हुई जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोकरण का परगना बादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालो का अधिकार था । महाराजा के कार-बारियो के पहुँचने पर रावल रामचद्र ने अपना अधिकार छोडना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवन्तसिंह ने राठोड वीर सैनिकों और नैणसी की सेना देकर भेजा^२ । लडाई के पश्चान् राठोडी सेना का पोकरण पर अधिकार हो गया । इधर रावल मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायतायें सेना भेजकर रावल रामचद्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लडाइयों में नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विचारसिक्त, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

६. सवत १६६७ सिंगवर सुद ४ वार सुक्र, उ० ४२ । गतांश ६ मु० श्रीनैणसीजी जनम



—हमारे निज के संग्रह 'विगत' में से श्री मदनराज दोलतराम मेहता, जोधपुर के संग्रह में — 'सवत १७६२ रा मितो असाड सुद ६ मुहणोत ममरसिधजी री पोषी सू' ।

७ स० १७०६ रा असाड वद ३ जोधपुर सू फौज पोहकरण मार्ये विदा कीवी । राठोड गोपालदास सुदरदासोत मेहतियो १, राठोड वीठळदास सुदरदासोत मेहतियो २, वीठळदास गोपालदासोत चापो ३, नारखान राजसिधोत कूपो ४, भठारी धगनाम ५, मुणोयत नैणसी ६, सिंगवी प्रताप ७ ।

—बाँकीदास री ख्यात, बाठ स० ३२१

सम्बत् १७१४ में महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी की सेवाओं से प्रसन्न होकर मियां फरासतखां की जगह इन्हें अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया । सं. १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया ।

महाराजा जसवंतसिंह को औरंगजेब की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था । उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सम्भालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था । राज्य की अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हें गांव वस्त्रिश कर देने तक का अधिकार था । महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति में महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्हीं को सौंप रखा था^८ ।

कहा जाता है कि बाद में महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे^९ ।

८ दीवानगी के काम में नैणसी कितना विद्वस्त, सच्चा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

‘सिधथी महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवंतसिधजी वचनातु॥ मु॥ नैणसी सिधे सुप्रसाद वाचिजो । घटाश समंचार भला छै । पांहरा देजो । लोक, महाजन रंत रो धिलासा कीजो । कोई किरण ही सौं जोर ज्यादती करण न पावै । कांठा-कोरां रो जापती कीजो । कंवर रं खोल रा पांणी रा जतन करावजो ।

अरजदास पाहरी जोधपुर तूं फेदुं भाई । हकीकत मालूम करी । ये गगताघ ललमीदासोत नूं पटो दियो गांव ३ मु भलो कीनो ।

—धोसवाल जाति का इतिहास : ‘राजनैतिक और सैनिक महत्व’ खंड, पृ० ५६.

९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची । कोई ऐसी राजनैतिक दाय-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊंचे पद के विद्वस्त अधिकारी को ऐसी मोत का कारण बनना पड़े । श्री हजारामल वांठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख में लिखा है कि—

‘जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिश्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर अत्याचार किया करते थे । और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुंदरसी दोनों घंघुओं को भाष यदि ६ (ता० २६ दिसंबर) को कैद कर दिया ।’

श्री अमरचंद नाहटा ने ‘धरदा’ वर्ष ३ अंक १ में ‘अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह खीवावत की ऐतिहासिक बात’ में लिखा है कि—

‘महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर नाराज हो जाने का कारण प्रजा पर अत्यधिक हासल (कूपि-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाना और जिससे गांवों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवतसिंह छत्रपति शिवाजी को दवाने के लिये औरगजेब की

लाख रुपये की हानि होना बताया है। इन अठारह लाख रुपये को नैणसी से दंड के रूप में वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा कर दी। नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने की तैयारी नहीं था। उसने तो एक पाई भी खर्च नहीं थी। सब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके यह दंड तो माफ़ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को बीवानगौरी से हटाकर उसकी जगह मिनै भट्टारी को रख दिया और यह आज्ञा कर दी कि भविष्य में भेरी कोई भी सत्तान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगा, ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं।

श्री रामनारायण मुहणोत कलकत्ता ने 'विषयमित्र' दोपावली विशेषांक, १९६३ में इसके संबंध में बड़ी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवतसिंह के बड़े पुत्र पृथ्वीसिंह की वीरता पर महाराजा को गर्व था। गर्व का परिणाम मलाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जगली सिद्ध की लड़ाई का खेल बादशाह ने देखना चाहा। प्रोग्राम बनाया गया। कुश्ती हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के घोर की चौर ढाखा। इससे पृथ्वीसिंह की वीरता की शोहरत और भी अधिक फैल गई। लेकिन औरगजेब को बड़ी बेचैनी और ईर्ष्या हुई। पृथ्वीसिंह की इस वीरता के संबंध में कवियों ने बहुत कुछ कहा है। पृथ्वीसिंह के शिक्षक नैणसी थे। घतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों से छटकने लगे। नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ आतं बखाना शुरू किया।

(२) एक बार नैणसी ने एक बड़ी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवतसिंह भी आये। दावत की तैयारी और अदभुतता महाराजा और औरगजेब के दरबारी देख कर दंग रह गये। औरगजेब के आदमियों ने यह अच्छा मौका देखा। उन्होंने महाराजा के कान भरे। महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप में माग की। नैणसी ने उस लाख रुपये की माग को अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल और अपनी सेवामो पर पानी फिराने वाला समझा। उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख सखारै नौपर्थ, बड पीपळ री साल ।

नटियो मूतो नैणसी, ताबो देण तलाक ॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम मांग सकता था और वह उसे चुकानी ही पड़ती थी।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जोधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया। उसी समय औरगजेब ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया। युवराज पद के उत्सव के समय औरगजेब ने

श्राज्ञा से श्रीरंगाबाद के घाने में नियत थे तब वि. सं. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ श्रीरंगाबाद में गये हुए थे, वहां इन दोनों को कैद कर दिया और सं. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कंदी की ही हालत में इन्हें जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कंदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हें सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हें जीवन से ग्लानि हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने मरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुंचने के पहले मार्ग में फूलमरी गांव के पास वि. सं. १७२७ की भादी वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी* ।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

लाख लखारों नीपज, बट पीपल री साध ।
नदियो मुंती नैणसी, तांबी देण तलाक* ।

पृथ्वीसिंह को विशेष प्रकार की पोशाकें पहनाईं जिनके पहिनते ही पृथ्वीराज का काम तमाम हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह की भी काबुल में मृत्यु होगई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गादास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड़ की श्रीरंगजेव के हाथों से बचाया।

१०. देखिये रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की श्यात, द्वितीय खंड में श्रीभाजी द्वारा लिखित मुहणोत नैणसी का बंध-परिचय' पृ० ३। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके बंधज' लेखक श्री हजारीमल बाठिया, पृ० २७६ और 'श्रीसवाल जाति का इतिहास' के 'श्रीसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड में 'मुहणोत' उपखंड।

११. दोहे का भावार्थ इस प्रकार है—

'लाख लखारों के यहाँ मिलती है या बट और पीपल वृक्षों की शाखाओं में उत्पन्न होती है। यहाँ तो वह भी नहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

कहा जाता है कि नैणसी और सुदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को संबोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—दहाडो जितरं देव, दहाडं बिन नहीं देव है ।

सुर नर करता सेव, (घब) नंडा न घाबं नैणसी ॥

सुदरसी—नर रं नर घाबं नहीं, घाबं घन रं पात ।

सो बिन घ्राज पिछाणिये कहवें सुदरदात ॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे । इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं । यहां ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है । गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके बदी-जीवन के समय की ही होगी^{१२} ।

गीत जाती गोरब मेहता नैणसीजी रो कह्यो

सदा धीनाथ जिण नाम घसरण-सरण, तारिया गयद जळ माळ तारण-तरण ।

हाय मत छोडियो जेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण ॥१॥

जास धी घ्रास जीवत सगळी जगत, प्रयो घाकास पाताळ मांभी प्रबत ।

पिरपियो घटळ ध्रुमडळ वेसो विकत, तो वीनपत वीनपत वीनपत वीनपत ॥२॥

मार मय कौट पहळाव जोतो समर, काज पहळाव हिरणसि गजं गहर ।

वड वळ जीपया वीर-वीराधिवर, तो सखघर, सखघर सखघर सखघर ॥३॥

कूड संसार विस्र सिधु भरियो कहर, लोभ धी लहर अजाव सुफ्रत लंहर ।

नयणसी भज सोद नाथ करिषा निजण, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि ॥४॥

करुणा से श्रोत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव में बदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्गार हैं । इस गीत के भाव, भाषा-सौष्ठव, वयण-सगाई अलंकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया । एक पैसा भी देने की उसने तलाक ले रखी है ।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसी पीपळ लाख, लाख नखारां लाबसी ।

तांबो देण हलाक, नटिया सुंदर नैणसी ॥

१२. यह गीत राजस्थानी छोध-संस्थान, चौपासनी, चौघपुर के श्री सीभाग्यसिंह शेखावत ने भेजा है । लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है ।

पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे ।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवंतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में वंदी बना कर नहीं रखने की और कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवंतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार को भी कैद कर लिया था जिसे नागौर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था^{१३} । इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था । बाल-वच्चों और कवीले को कैद में डाल देना किसी अवांछनीय असाधारण घटना या गंभीर अपराध का सूचक है । चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असंयत सिद्ध करने की दलील किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को संतोष नहीं करा सकी होगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके । और उनके बाल-वच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीसरे व्यक्ति से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया ।

किन्तु श्रीकाजी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया । दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है^{१४} ।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक 'घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है । नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाड़मेर के कामदार कमा की बेटी कमला (?)

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'वांकीदास री ह्यात', वात सं० २१०६ (पृ० १७४) —

'नागौर रं सुराणं सहदेव सुहृदमलौत सासु रविद्या अपरा घर सुं राज नें भर मुहणौत नैणसी सुंदरदास रा छोरु कवीला कैद सुं कढाया ।'

१४. इष्टव्य, रामनारायण दुग्ड द्वारा अनुवादित 'सुंहरता नैणसी की ह्यात' द्वितीय खण्ड श्री श्रीकाजी द्वारा लिखित 'सुंहरता नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३ ।

से हुई थी। उस समय के राजाओं और दीवानों के रिवाज के अनुसार इन्होंने भी अपने प्रतिनिधि के रूप में अपना खड्ग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वयं बरात बनाकर विवाह करने को नहीं गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुल्हिन की बजाय मूसल को भेज कर खड्ग की बरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने बाहमेर पर आक्रमण कर दिया और लूट-खसोट करके उसको तहस-नहस कर दिया। बाहमेर उजड़ गया^{१५}।

नैणसी कलम और तलवार दोनों के धनी थे। उन्होंने एक और एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाओं और युद्धों में सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ओर इतिहास की घटनाओं और तथ्यों का सकलन कर 'ख्यात' और 'मारवाड रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-सग्रह) जैसे बृहत् और महत्वपूर्ण ग्रन्थों को लिख कर इतिहासकार के रूप में इतिहास और साहित्य दोनों क्षेत्रों में बड़ी भारी सेवाएँ कीं। इतिहासकार इनकी प्रशंसा ही नहीं करते, किन्तु इनसे प्रेरणा और आघार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थों से अधिक विश्वस्त और महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रन्थों में इस ख्यात ने सबसे अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड रा परगना री विगत'^{१६} (सर्व-सग्रह) भी प्रायः ख्यात जितना ही बड़ा ग्रन्थ है। यह मारवाड राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट और गजेटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में अभी तक दृष्टिगत नहीं हुआ। इसमें उन्होंने मारवाड के सभी परगने, परगनों के गाँव, गाँवों की आमदनी, जागीरी ठिकाने, उनकी रेख-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

१५. मुहणोत नैणसी जाळोर भामल जद बाहमेर री कामदार कुमो जिणरी बेटी री सगाई नैणसीजी सू कीवी। नैणसी परणीजण नै गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) खाडो बाहमेर मेलियो। कमा मूसळ खडग सामो मेलियो। डावडी और ठं परणायी। जिण कारण सू नैणसी बाहमेर हदवाट मेलियो। ('दहवाट भेलियो' होना चाहिये)। बाहमेर प्रोळ रं कगार रं काठरा किवाड हुता जिके भ्राण जाळोर गढ री पोळ चढाया।
सायद— 'बाहमेर जुगां लग रूधो कमळा तणी कमाई।'।

—बाकीदास री ख्यात : वात स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस बृहत् ग्रन्थ का सम्पादन राजस्थानी घोष-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिंह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलों का हाल, तालाब, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवों के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आबादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।^{१७}

नैणसी के भाई सुंदरसी और आसकरण^{१८} भी बड़े वीर हुए हैं। सुंदरसी प्रायः नैणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (सं० १७११ से सं० १७२३) के तन-दीवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लड़ाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भंडारी नारायणदास की

१७ ".....मध्ययुग में मुणोत नैणसी के द्वारा इस प्रथा (महुँमशुमारी) का आधिष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पंचवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसकी हस्तलिपि आपके वंशज जोधपुर निवासी श्री बृध्दराजजी मुणोत के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाड़ के परगने, ग्राम, ग्रामों की ग्रामदनी, ग्राम की किसम, साखों का हाल, तालाब, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त आदि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है।.....संवत् १७२१ में सीवाणा की महुँमशुमारी हुई.....महाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुतार १०, कुम्हार २, भोजग ४, सुतार ४, तुर्क ४०, पिजारा १, छोपे २, नाई १, डेढ १६, धोरी २, जागरी १, राजपूत ६५, कुल २८३ घर आवाद थे।.....संवत् १७२१ में जोधपुर के हाट की दुकानें ८१५ थीं।.....संवत् १७२१ आधिवन कृष्णपक्ष दशमी को परगनों की महुँमशुमारी की गई।.....—

नाम परगना	कुल ग्राम	आवाद	धोरान	सांसण
१. जोधपुर परगना	११६७	८०२३	२२०३	१४४
२. सोजत परगना	२४४	१७६	३२	३३
३. जंतारण परगना	१५२	१०५	२६	१८
४. फलोधी परगना	६८	४६	१०	६
५. मेहता परगना	३८४	२६८	४०	४५
६. सीवाणा परगना	१४४	६४	२०	३०
७. पोकरण परगना	८५	४१	२८	१६
	२२४४	१५६८	३७६	२६५

.....आपकी हस्तलिखित पंचवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाड़ से संबंध रखने वाली सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों का भी विवेचन किया है। यह रिपोर्ट क्या है, तत्कालीन मारवाड़ का जीता-जागता चित्र है।"

—श्रीसवाल जाति का इतिहास : 'मुणोत नैणसी और महुँमशुमारी' प्रकरण, पृ. ४७-५०

१८ 'श्रीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्त' में उदयकरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बड़ा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरगजेब के साथ महाराजा जसवतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लड़ाई में वह बड़ी वीरता से लड़ कर घायल हो गया था^{१६}।

नैणसी और सुदरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सुदरसी के पुत्रों आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नहीं समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागौर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहाँ भी इनका पीछा नहीं छोड़ा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहाँ रामसिंह को अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवकों ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विष दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चुनवा दिया और इनके पुत्र आदि को बड़ी बेरहमी से मरवा डाला। यह घटना स. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र सग्रामसी और सामतसी वहाँ से भाग कर किशनगढ़ आ गये और वहाँ से बीकानेर जा बसे^{१७}। लेकिन महाराजा जसवतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने मारवाड़ राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होंने सग्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जैसी राज्य की उच्च सेवाओं में नियुक्त कर दिया^{१८}।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजों और वंशजों ने अनेक सघर्ष और सकटों को सहन करते हुए राज्य की जो सेवाएँ की हैं वे बड़ी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओं के बदले में इन्हें समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलिया, पद, उपाधिया, खास रुकके और रिआयतें इनायत होती रही हैं^{१९} और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग में उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१६ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(घ) चोरनारायण का युद्ध ही सभवतः घमंत का प्रसिद्ध युद्ध है। मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, पृ. ३६८, ५० शमकण आसोपा ने घमंतपुर की टिप्पणी में लिखा है कि मारवाड़ की ख्याती में चोरनारायण नाम लिखा है और कोई फतिया-बाद बतलाते हैं।

२०. श्री भोभाजी, 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वि० खंड नैणसी का वंश परिचय पृ० ३-४
२१-२२. उपरोक्त और श्रीफ फॅमिली हिस्ट्री ऑफ मोहणोत्त' (अप्रकाशित)

सम्मानों को प्राप्त करने का कारण इनकी बफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का बलिदान भी मुख्य कारण है ।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की बहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकार्डों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहणोत परिवार के पट्टे-परवानों आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है । 'ग्रोफ फॅमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्स' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरसी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से जरूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है ।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं ।



[१]

गीत सांणोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सभ्नि दळां कीध नैसणसी सुंदर ,
 दळे वडा-वड मांभी दौय ।
 किरमर-हथा न पूजै कळहर ,
 कलम-हथा नह पूजै कोय ॥१॥

जुव जाणग मांणग जैमलका ,
 मुणसा गुर-सदतारा मोड ।
 ईड नको असमर-भल आवै ,
 आवै लेखण-भला न ईड ॥२॥

भीच बिनै राजेरा मारी ,
 गहण उधारी घड ग्रहै ।
 जोड नको विणियांणी-जाया ,
 रांणी-जाया उरै रहै ॥३॥

[२]

गीत सांणोर नैणसीजी रो

धियेय कवी

सभ्नि दळां कीध नैणसी सुंदर ,
 लाखां जिंसा कहै जुग लोय ।
 जणणी हेकण किणी न जाया ,
 दौय बांधव सारीसा दौय ॥१॥

वीजो नको वीकपुर बूदी ,
 ढाल-उथाळ नको दूढाड ।
 जैमल-रां सारीसा जोडो ,
 मारु नको, नको मेवाड ॥२॥

मेवासियां आसियां मायै ,
 जैत्राई कसिया जरद ।
 तढमल नको हिंदवै तुरके ,
 मोहणोतां सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाघ काळ घर उत्तर ,
 सह पूरव जोवतां सहोघ ।
 हूजी घरा न दीठा हूजा ,
 जेसाहरा सरीसा जोघ ॥४॥

[३]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गडावोड गजराज घंट-रोळ पाखर गरर ,
 भँवरपत चमर छत्र आप भावी ।
 मारिया महण फोजां पखं महपती ,
 आवसै चीत गज फोज आवी ॥१॥
 सोह दरवार री (दरवारी) दानि क्रन सरीखा,
 लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा ।
 मालहरा विनै चीतारसी मुरघरा ,
 आवती घीम नै हूंत आवडा ॥२॥

जन मंत्री लालच बैधे गाजिया ,
 घणा दिन लगे चित घाट घडसी ।
 घगड घड भाजण मंडोवर से-घणो ,
 चरड अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥

त्रिविध घड भांजण जोघ जेमलतरा ,
 सांइयरै वाग गैणाग सारे ।
 कायथां बांभणां तणो कहियो करे ,
 मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥

छत्रपती आय वणियो इसो आज छक ,
 श्रीरंग तोट पड ओतडै ऊर ।
 महाराजा जैसा इसा क्युं मारिजे ,
 सूरवर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत और कवित्त घड़े महत्त्व के हैं । इन गीतों में नैणसी की वीरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक युद्धों का संचालन करने, युद्धों में लड़ने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है । इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं ।

[५]

कवत मुहणोत नैणसीजी रा

यह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,
 ओनीदो ऊठियो वडा रावता सभूलो ।
 पोहतो तीजी फाळ वजड हाथळ तोलतो ,
 भेछ दळा मूगला घात सीकार रमतो ।
 मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण घडच खळ ,
 गडडियो सीह जंमाल रो, नैणसीह भरियो नळ ॥१॥
 दाण भरं घरहरं भावा वाका अस मिलसो ,
 मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळो गिलस ।
 किरसी कूजात जात जत लगा कवाई ,
 वूब करं वीवजी भजो घे भजो भाई ।
 पचनद परं अनहद वजं, असुरापण गमसो अलग ,
 नैणसी कसं जंमाल रो, पिछम घर ऊपर पमग ॥२॥

नैणसी महाराजा जसवतसिंह प्रथम के दीवान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रंथों के लेखक के रूप में तथा 'नटिया सूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके प्रतिरिक्त उनकी प्रदुभुत साहसिकता और वीरता की कई घण्टात घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और शीनायजी (श्रीबालकृष्ण) के भक्त थे। उनके स्वयं के रचे हुए बंदी-जीवन के कष्टपूर्ण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काथ्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो यथाप्रसंग दिया हुआ है। उपरोक्त गीतों में 'खोड नको धिणियाणी जाया, रांणी-जाया उरं रहें' के विरुद्ध वाला नैणसी एक घोर 'किरमर-हया, असमर-भल, मछर-गुर, उधारी-घड-गहण और सूरवर-भामरण' जैसा अद्वितीय खड्गधारी योद्धा है जो दूसरी ओर 'कलम हया, लेखण भल, जाणग, भाणग और गुर-सदतार' यदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक बहुज्ञ, बहुस्युत, ऐश्वर्य और अधिकारों का उपभोग करने वाला और दातारों का गुरु है। इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक गुण-पुरुष था। 'जणणी हेकण किणी न जाया, थोय बांधय सारीसा थोय' नैणसी का भाई सुदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खड्गावत, टाहरंवर, राजस्थान स्टेट आर्काइव्ज, बीकानेर से प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत आभारी हूँ। सूचना के लिये श्री सीमाय-सिंहजी खेखावत का आभारी हूँ।

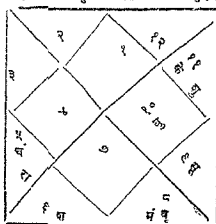
नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेस कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं। अथ यथाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं।—प्रा. बदरीप्रसाद साकरिया

महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम (वि. सं. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रंथ और ख्यात-लेखक मुहंता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊँचे-नीचे और पारस्परिक संबंध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवंतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवंतसिंह भी परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य है। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथलों का इतना गहरा संबंध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन संबंधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके संबंध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके संबंध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवंतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध वीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागोर की जागोरी मिली थी। महाराजा जसवंतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ माघ वदि ४ मंगलवार को बुरहानपुर में हुआ था। बादशाह शाहजहाँ ने वि. सं. १६९५ की आषाढ़ कृ० ७ शुक्रवार

१. पं० रामकरण आसोपा द्वारा लिखित 'धारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० ३८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डली इस प्रकार दी हुई है—



मु हता नैणसी री ख्यात, भाग ४]



जोधपुर महाराजा जसवतसिंह - प्रथम

(वि० स० १६८३ - १७३२)

[गन्ध्यानी शोध सन्धान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त]

को इनका राज्यतिलक आगरा में किया। महाराजा जब दूसरी बार (स० १७००) बादशाह की चाकरी में से मारवाड़ आये तो राठघरा (राष्ट्रघरा) के महेशदास के उत्पाती को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था। जयमल ने महेशदास से लड़ाई करके राठघरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेह्वे के रावल जगमाल को दे दिया था।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मंदिर इन्हीं महाराजा ने स १७०८ में बनवाया था।

स. १७०६ मे महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ। जो जबरदस्त वीर था। इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चौर डाला था। कहा जाता है कि बादशाह को और से इनायत की हुई विपाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी। कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी।

स १७१४ मे प्रसिद्ध घमंत (चोरनारायण) में महाराजा जसवंतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरगजेब का भयकर युद्ध हुआ था। महाराजा जसवंतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे। इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे। इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था। इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था।

स. १७२५ मे महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शभाजी और शाहजादा मे सधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी। इसी वर्ष नैणसी और सु दरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) बंदी जीवन से मुक्त हुए थे।

स. १७२७ में महाराजा को बादशाह ने गुजरात के घघुका और पेटलाद के परगने जागीर में दिये थे।

स. १७२८ मे जब औरगजेब ने गोधर्धन पर्वत के श्रीनाथजी के मंदिर को गिराने की आज्ञा दी तो गुसाई दामोदरलालजी श्रीनाथजी के विग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हें चौपासनी के पास कदमखडी मे रहने को स्थान दिया था।

स १७३५ की पौष वदि १० को जमरूद मे महाराजा का देहान्त हुआ।

यह महाराजा संस्कृत, ब्रज और मारवाडी के बड़े विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अच्छे पंडित थे। इन्होंने अनेक ग्रन्थों की रचना की है। जिनमे आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पांचों ग्रंथ वेदान्त के हैं । आनंद-विलास संस्कृत रचना है । भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है ।

जोधपुर के अनार इन्हीं महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं । इन्होंने काबुल से अनार, मिट्टी और वागवानों को लाकर कागा के वाग में अनारों के पेड़ों का रोपण करवाया था । कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नींवूओं का बीज भी इन्हीं महाराजा ने कहीं से मंगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे ।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे । जगतसिंह, दलथंभन और अजीतसिंह । जगतसिंह भी दस वर्ष की ऊमर में ही चल बसा । दलथंभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानियां जमरूद से दिल्ली आ रही थीं लाहोर में एक ही दिन में सं. १७३५ की चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे । दलथंभन भी रास्ते में ही चल बसा । दिल्ली आने पर औरंगजेब ने अजीतसिंह को मुसलमान बनाने या मार डालने की गरज से रानियों को नजरबंद कर दिया था और मारवाड़ पर बादशाही हुकूमत जमा दी थी । बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरंगजेब की कंद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था । मारवाड़ को बादशाही हुकूमत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये वीर दुर्गादास के संचालन में मारवाड़ के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक संघर्षों का सामना करना पड़ा था । स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं ।

—शा० बदरीप्रसाद साकरिया

संहता नैरासीरी ख्यात

परिशिष्ट १

तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

- (१) वैयक्तिक (जीवधारो) - पुरुष, स्त्री च पशुनामावली
- (२) भौगोलिक - ग्राम, देश, पर्वत, जलाशयादि नामावली
- (३) सांस्कृतिक - ग्रंथ, संस्था, देवी, देवतादि नामावली



१. संकेत परिचय-

प० पहला भाग

द्व० दूसरा भाग

ती० तीसरा भाग

दे० देखो

२. कुछ वर्णों के सम्बन्ध में-

- (१) ल और ल वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उत्तरो प्रकार
- (२) ड और ढ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है ।
- (३) ल वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता ।
- (४) शब्द के मध्य और अंत में ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ल हो जाता है । कई जगहों में अपने सही रूप में भी उच्चारण किया जाता है; किन्तु वहाँ अर्थान्तर हो जाता है ।
- (५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी में प्रायः ओकारान्त होते हैं ।

[१] पुरुष नामावली



अ

अंगराज प. २८८
 अंतरिख ती. १७६
 अंतरिख्य प. २८६.
 अंधक हू. ३
 अंधपसाव रावळ प. १२
 अंधराय प. ११६
 अंधराव प. १३५
 अंधरीय प. ७८, २८८
 अंधादित्य प. १०
 अंधापसाव प. ५, ७६
 अंधापसाद प. ५
 अंबुदेव राजा ती. १८६
 अंबोपता रावळ प. ७६
 अंशुमान ती. १७८, २८८
 अंतमान प. २८८
 अंतुमान प. ७८
 अकबर पातसाह प. २१, ३०, ३२, ३६,
 १११, १५०, २५५, २६२, २६७,
 २६६, ३००, ३०१, ३०२, ३०४,
 ३१२, ३२०, ३२५, ३३१
 ,, पातसाह हू. ६८, २०५, २३८,
 २४०, २४२
 ,, पातसाह ती. २८, ५७, १८३,
 १६२, २०६, २३८, २४०, २४८,
 २६६, २६७, २७२, २७४, २७५,
 २७६
 अको फेलणोत हू. ३, १४३
 अको घाघाघत हू. ३३६, ३४०
 अको राव हू. ११६

अकतासु प. २८७
 अखैराज प. २२५, ३५३, ३५४
 ,, हू. १२४, १६८, २००
 ,, ती. २३४
 अखैराज ईसरवासोत हू. १६२
 अखैराज जैता रो प. ३५३
 अखैराज भालो हू. २६३
 अखैराज ठाकुरसी रो प. ३६०
 अखैराज डूंगरसी रो प. १२०, १२१
 अखैराज दलपतोत हू. १२८, १३१,
 १३२, १४४
 अखैराज घोरायत प. २३७
 अखैराज पातळोत हू. १६४
 अखैराज प्रथीराजोत हू. १२३
 अखैराज भगवानदास रो प. ३०२, ३१०
 अखैराज भावायत ती. ११६, १२०, १२१
 अखैराज मेरायत हू. १८७
 अखैराज रतनती रो प. ३२७
 अखैराज रावपाळोत हू. १५२
 अखैराज राव प. १५५, १५६, १५७,
 १५८, १५६
 अखैराज राव जगमाल रो प. १३५,
 १३७, १६१, १८६, १६०
 अखैराज रावत कल्याणदे राजा रो प.
 २६५, २६६
 अखैराज राव राजसिंघ रो प. १३६,
 १८६, १६०
 अखैराज रावळ प. ३३५
 ,, ,, हू. १०६
 अखैराज सहसा रो हू. १२०
 अखैराज साह प. ६६

अल्लेराज सोनगरो प. २०, २१, २८,
 २०७, २०८
 ,, सोनगरो ती ३१, ६५, १००
 अल्लेराज हाडो प १०६
 अल्लेसिध प ३२२
 ,, ती २३०
 अल्लेसिध रावळ प १०६
 ,, ,, ती ३६, २२०
 अल्लो दू ८७, ७८, ६५
 अल्लो गागा रो प ३६३
 अल्लो द्याळदास रो प २३१
 अल्लो नेतसी रो प २४०
 अल्लो भाण रो प. ३४१
 अल्लो राम रो प ३५८
 अल्लो रायापळ रो प ३४१
 अगार प २२, २५
 अगारसिध प ३००
 अगस्त प १२२
 अग्निवीरण प ७८
 अग्निवरण प २८८
 अग्निवर्ण प ७८
 ,, ती. १७६
 अग्नि सर्मा प ६
 अचल प ७८
 अचळदास प ६७, ११५, १६५, २१२,
 ३२०
 अचळदास दू ६६, १६१, १६२
 ,, ती २३१
 अचळदास किसनावत दू १२५
 अचळदास केसवदास रो प ३१३, ३१५
 अचळदास खोची ती १३५
 अचळदास जगमालीत दू १२१
 अचळदास जेतसिधोत ती २०५
 अचळदास प्रागदासोत प. २३६
 अचळदास बळभद्रोत प ३०७
 अचळदास भाटो दू ६५, १०६, १७४,
 १६२

अचळदास माघोदासोत दू १४६
 अचळदास रुघनाथ रो दू ११६
 अचळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०
 अचळदास विप्रमादीप्रोत दू १३०
 अचळदास सावतसीप्रोत प २३४
 अचळसिध प. ३००, ३२४
 अचळो प २७, ६८, ७८
 ,, दू ८५, १६८, १७८, १८२,
 १६७
 अचळो सेतसी रो प. ३६०
 अचळो नेवसी रो प २४०
 अचळो भंङ्गदासोत दू १८१
 अचळो रायमलीन ती ११६, २४६,
 २४८
 अचळो रिणमलोत दू. १२, १४१
 अचळो सिधराजोत दू. १८०
 अचळो सुरताण रो दू. १०४, १५६
 अचळो सेला रो प ३२६
 अज प ७८, २८८, २६२
 ,, ती. १७८
 अजबसिध प २७, ६६, ८७, ३०५,
 ३०६, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८
 अजबसिध ती २२४
 अजबसिध करणसिधोत ती २०८
 अजबसिध द्विन्दावन रो प ३०६ ३०७,
 ३०८, ३१०
 अजबो दू ६६
 अजमलान नवाब दू २०५
 अजमल चूडावत दू, ३१०
 अजयपाल चप्रवर्ती प २६२
 अजयभूपाल राणो ती. १७५
 अजयवार दे० अजवाराह।
 अजयार दे० अजवाराह।
 अजवाराह ती २१६
 अजसिध प ३२२, ३२४
 अज सीहोजी रो ती २६
 अजादित्य प. १०

अजीत मोहिल ती. १५८, १५९, १६०,
 १६७
 अलीतसिध महाराजा ती. २१३
 अजीत हाडी मालदे त ती. २१६
 अजु रावळ प. ७८
 अजु दू. ३८, १०७
 अजैचंद ती. १८०
 अजैदेव प. २६१
 अजैपाळ प. २६१, २८०, २९२
 अजैपाळ गंध्रपसेन रो प. ३३८
 अजैपाळ चकवै प. २९२
 अजैचंध प. २९२
 अजेराव प. २५१
 अजैवाह प. १२३
 अजैसी प. १४, १५, १९३, १९४
 अजैसी अजैपाळ रो प. ३३८
 अजो प. ५१
 ,, दू. ७७, ८०, १००, ११७
 अजो किसनावत दू. १४४
 अजो चूडावत ती. ३१
 अजो (जांम) दू. २२४, २४०
 अजो प्रथीराव रो प. २४३
 अजो राजा रो दू. २६२
 अजो सावतसीश्रीत प. २३५
 अदेरया दू. १, ११, १७
 अड्माल ती. १३८
 अड्माल रिणमलीत दू. ३३८
 अड्मराज ती. ४९
 अड्मवाल प. ३९१, ३९२
 अड्मवाल वीहळ प. २२५
 अड्मवाल सोडी प. ३६१, ३६२
 अह प. १६
 अणंद दू. १४३
 अणंदसिध प. ३१९
 अणंदसिध ती. २२६, २३०
 अणंदसिध अनोपसिधोत ती. २०८
 अणखसी राणो रायसी रो प. ३४६, ३५२

अणघो दू. १०
 अणतसिध ती. २२९
 अणवो राव प. २८१
 अणपाल भाणव दू. ५८
 अणहल प. १०१, १३५, १७२, २३०,
 २५०, २५८
 अतर प. १२३
 अतिय प. ७८
 अतिथि ती. १७८
 अतिरथ प. २८८
 अत्रि दू. ९
 अट्ट प. १६
 अदो वाघेलो प. १३७
 अनंगपाल ती. १८७, २३८
 अनंगराव प. १०१
 अनंतपाळ प. २८९
 ,, ती. १८७
 अनंतसी प. १४
 अनंदराज प. ७८
 अनरण्य ती. १७८
 अनळ सीची प. २९४
 अनादि प. २९१
 अनाभि प. ७८
 अनिघो (अनो) भाटी दू. ५८
 अनिरुद्ध (अनुरुध) दू. ९
 अनिरुद्ध गोट्ट प. ३३०
 अनिरुध प. २१२
 अनुरुध दू. १५
 अनुरुध राजा गोट्ट प. ३३०
 अनूपराम प. ३०८
 अनूपसिध प. ३०९
 अनूपसिध जूभारसिध रो प. २९८, ३१०
 अनूपसिध महाराजा ती. ३२, १७७,
 १८०, १८१, २०८, २०९
 अनूपसिध सूरसिध रो प. ३२२
 अनेकसाह ती. १८६
 अनेकसिध राजा ती. १८६

अनेना प २८७
 ,, ती. १७७
 अनरण प ७८
 अनोर्षसिध प. १३३, ३०६ ३२४
 ,, ती २२३, २३६
 अपर डोडियो दू. २०५
 अयडुला खा प १३१
 अबडुलो प ५६, ५७, ५८
 अदाबकर मुलतांग ती १६१
 अयुल फजल प १३०
 अभगमसेन प ७८
 अभग सेन प. ७८
 अभीहड प. ३५२
 अभंकरन प. ३०१
 अभंचद ती. १८०
 अभंमल विधो रो ती १६०
 अभंराम प ३०७, ३१०, ३२३
 अभंराम ती. २२८
 अभंराम अखैराज रो प ३०२
 अभंराज घुधमार रो ती २१८
 अभंसिध ती २३३
 अभंसिध भाटी दू. ११०
 अभो ऊदावत दू १४१
 अभो नेतसी रो प. २४०
 अभो भोजा रो प ३५४
 अभो साखलो दू १८१
 अभो सेखा रो प ३२७
 अमर प ३४३
 अमर जाडेचो दू २०६
 अमर तेज प. २६२
 अमरभाग प. ३२४
 अमरवण प. २८६
 अमरसिध प. १६०, ३२२, ३२४
 ,, दू. १६१
 ,, ती ३६, ३७, २२३, २२४,
 २२८, २३३, २३५, २३६
 अमरसिध अणवसिधोत ती. २०८

अमरसिध करणसिधोत ती २०८
 अमरसिधजी दू १४६, १५७, १६०,
 १६३, १६५, १६७, १६८, १६९,
 १८३, १८८, १६३
 अमरसिधजी कुवर प. २०६, २३८, २४०
 अमरसिध राणो प ६, १५, २४, २८,
 २९, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६ ५७,
 ५९, ६२, ६३, ६४, ६२, ६५
 अमरसिध रामदास रो प ३०३
 अमरसिध राजा प १३३
 अमरसिध राजावत ती ३५
 अमरसिध राव ती १८२, २१४
 अमरसिध रावळ दू ६३, ६५, १०८,
 १०९
 अमरसिध सबळसिधोत ती ३५, २२०
 अमरसिध हरिसिधोत ती २४९
 अमरसी रावळ प. ७६
 अमरसी सोमावत प ३४१
 अमर सीहड रो प. ३४३
 अमरो प ६८, १५७, १५९, १६४,
 १६६, १६७, १७२, १७३, १६५,
 १६७, २१२
 अमरो दू. ३८, ८८, ६२, १२२, १७५,
 १७७
 अमरो अहीर प. ३१८ ३१९
 अमरो कल्याणमलोत ती २०६
 अमरो केशोडासोत दू १६८
 अमरो खगारोत प ३०६
 अमरो विराग रो प २३८
 अमरो भाणोत दू १८६
 अमरो भाखर रो दू. ७९, १६६, १६८
 अमरो भोजावत प ३५६
 अमरो रतनावत दू १६३
 अमरो राणो दे० अमरसिध राणो ।
 अमरो राणो झालो दू. २५७, २६४
 अमरो रूपसी भाटी दू १६८
 अमरो सोडो प. ३६१

अमीखान पठाण दू. २०५, २४०, २४१
 अमीपाळ प. २८६
 अमीरखान दे० अमीखान पठाण ।
 अमृतपाल ती. १८८
 अमेदासिध ती. २३०
 अमर्षण प. २८३
 अमर्षण ती. १७६
 अयुनायु ती. १७८
 अरजण रायमलोट ती. ११५, ११६
 अरजन प. २७, ३०, १६६, १६८,
 १६०, २६१, २८०
 अरजन दू. ११, ८८, १३१
 अरजनदे प. २६१
 अरजनदेव ती. ५१
 अरजन भोंव रो प. ३३५
 अरजन रांगो मोहिल ती. १५३, १६६
 अरजन, राय मालदे रो बोहीतो दू. ६८
 अरजनासिध प. ३२२
 अरजुण सूरसिधोत ती. २०८
 अरजुन पांडव दू. ३५, ३६
 अरडकमल प. २०५
 अरडकमल कांबळोत ती. १५
 अरडकमल खंडावत प. ३४८, ३४९
 " " दू. ३१२, ३२४,
 ३२६, ३२७, ३२८
 अरडकमल खंडावत ती. ३०
 अरघासिध दू. १, ६
 " ती. ३७
 अरसी प. २२५
 अरसी रांगो प. १४, १५, ३२, ६८
 अरसी रावळ प. ७६
 अरसीह समरसी रो प. २०३
 अरहुद रावळ प. ७६
 अरिमरदन प. ७८
 अरुमक ती. १७८
 अरोड भाखर दू. १७
 अरफ ती. १७६

अर्जुन दे० अरजन व अरजुन
 अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०
 अर्जुनपाळ राजा प. १२८
 अर्जुनासिध ती. २२८, २२६, २३०
 अर्द्धासिध दे. अरघासिध
 अर्धासोम ती. १८५
 अर्जुद दू. ३
 अरलदयो दू. २१५
 अरलगां प. ३२७
 अरलखो चांदण रो प. ३१५
 अरण प. २४७
 अरळघरो काकिल रो प. २६४, ३३२
 अरलफलां ती. २७४
 अरलमलां दे. अरलफलां
 अरलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३,
 २३०, २३१, २६२, २७६
 अरलाउदीन दे. अरलाउदीन पातसाह
 अरलाउदी प. १४, २१३, २१६, २२०,
 ३३२, ३३५
 अरलाउदीन पातसाह ती. २८, ५०, ५३,
 १८३, १८४, २६३
 अरलाउदीन मुलतांण ती. १६०, १६१
 अरलावरदीलां ती. २७७
 अलीखान दू. १०३
 अलु प. ४, ५
 अर्लादयो दू. २०६
 अल्लट महेंद्र दू. ४
 अरवतारदे खोमरा रो प. ३५५, ३६१
 अरवतफजल प. १३०
 अरवमेघ राजा ती. १८५
 अरकरो कामरां प. ३००
 अरसमंज प. ७८, २८८, २६२
 अरसमंजस ती. १७८
 अरहमंद प. २६२
 " ती. १७, १८, ५७
 अरहमंदखान ती. ५३
 अरहमंद चाहिल ती. १७

अहमदशाह मुल्तान ती १६१
 अहिजन दू ७५, ७८
 अहिनयु प ७८
 अहिनाम प. २८८
 अहिपय ती १८७
 अहिराव ती २१८
 अहीन ती १७६
 आ
 आनो खीची प २५३, २५४, २५५
 आनो वाघेलो ती ५६, ६०, ६३, ६८,
 ६९, ७०, ७२
 आंबा मालायत दू १७७
 आबो राजसी रो, राणो प ३४६
 आईदान दू ६६, २००
 ,, ती. २२७, २३२
 आईदान ईसरदासोत दू १५१
 आकडराय ती ५१
 आकूतर्खा ती. २७६, २७६
 आजमखा दू २५६
 आजमखान दू. २४०, २४१
 आटेरण दू १७
 आणद प ३५२
 ,, दू ६५
 आणदचद ती १८७
 आणव जेसायत दू १७८
 आणवसिध प २६६, २०७, ३१८ ३१६
 आदित्य राजा ती १८६
 आदिसय ती १८५
 आमभराय प २८८
 आपमल देवडो प १७८
 आपमलसूरा रो प २००
 आमत्र प २८६
 आयसजी ती २८३
 आयीतास प २८८
 आलण प १६२, १८६, २०२, २४७
 आलण मादडेचो प २८४
 आलणसी कुतल रो राजा प २६५,
 २६६, ३३०

आलणसी मेहराज रो प ३४८, ३४६
 आल राजा उदेचद रो प ३३६
 आलुस रावळ प १२
 आलू दू ४, ५
 आल्हण आसराव रो प १३५
 आल्हण देवडो प २०५
 आल्हण माणकराव रो प १७२ २०३,
 २३०
 आल्हणसी धोजड रो प १३४
 आल्हणसी साखलो मेहराजोत द ३२७,
 ३४८, ३४६
 आल्हण सोहड प २२५
 आल्हो चारण दू ३०४ ३०५, ३०६
 आसकरण प २५ १६७, १६५, ३०५
 ,, दू ६४
 ,, ती १४७, १४८, २२१
 आसकरण ईसरदासोत दू १८६
 आसकरण कला रो प १६०
 आसकरण खेतसी रो दू १२३
 आसकरण जसहडोत दू ४३, ४४, ५१,
 ५४, ५६, ७४
 आसकरण भालो दू २५६
 आसकरण भावायत दू १८८
 आसकरण भीमावत ती २१४ २१७
 आसकरण राणो भालो दू २५६ २५७
 आसकरण राजा प २६०, ३०३
 आसकरण राव ती ३६
 आसकरण राव काण्ह रो दू १३६
 आसकरण राव चद्रसेनोत प ७५
 आसकरण रावत प ११७
 आसकरण राव पूगळियो दू १३०,
 १३२, १३३
 आसकरण रावळ प ७६
 आसकरण लाडखान रो प ३२१
 आसकरण सत्तावत ती. ३८, ३६
 आसधान प ३३३
 आसधान राव दू २७६, २७७, २७८,
 २७६

आसथांन राव ती. २६, १७३, १८०
 आसपलां प. ३३०
 आसमक राज प. २८८
 आसराव प. १३४
 ,, ती. २२१
 आसराव कालण रो दू. ३८
 आसराव जिवराव रो प. १०१, ११६,
 १३५, १७२, १८६, २०२, २०३,
 २२६, २३०, २४७, २५०
 आसराव धारावरीस रो प. ३५५
 आसराव रत्तनू-नारण दू. ५६, ७२, ७४
 आसराव रिणमलोत ती. ३०
 आसराव सोडो प. ३६३
 आसल प. ३४३
 आसल मोहिल ती. १५८, १७०
 आसल लापण रो प. २०२
 आसादित प. ३
 आसावुद्धि ती. १८६
 आसो प. १२५, १६६, २३८, ३४३
 ,, दू. ३८, ६३, १६४, १६५, १८६,
 १६१, १६६, १६६
 आसो (आसथांन) दू. २७६
 आसो कचरावत प. ३५७, ३६०
 ,, ,, दू. १७४
 आसो डाभी दू. २७६
 आसो पूना रो प. २००
 आसो प्रागदासोत दू. १८४
 आसो भील ती. ५३
 आसो मांन रो दू. २६४
 आसो रमिचंदोत दू. १५६
 आसो रायपालोत दू. १४५
 आसो वरजांग रो प. २३२
 आसो वरसिघोत दू. १७३
 आसो संकर रो प. २४३
 आसो सांबळदासोत प. ३४३
 आहड मोहिल ती. १५८, १७०

आहडमा नरेश प. ६
 आहिड ती. १५४

इ

इंदराव मोहिल दे. इंदवीर रांगो ।
 इंद ती. १७७
 इंद किसंग रो प. ३३६
 इन्द्रचंद प. ३१६
 इन्द्रजीत प. १२६, ३१०
 इन्द्रपाल प. २६०
 इन्द्रभांग प. ६८, ३२१, ३२४
 ,, ती. २३३
 इन्द्रभांग केसरीसिघोत दू. १५७
 इन्द्रभांग जैतसो रो प. ३१५
 इन्द्रभांग पंवार प. ४४
 इंद्र राजा परमार ती. १७५
 इंद्रराव दे० इंदवीर रांगो ।
 इंदवीर रांगो ती. १५३, १६६
 इंद्रसिघ ती. २२१, २२४, २२६, २३५
 इंद्रसिघ मांसिघ रो प. १३३
 इंद्रसिघ राणांवत ती. ३२
 इंद्रसिघ रागर रो प. २४
 इंद्रखवा प० २८७
 इडवाकु प. ७८, २८७
 ,, ती. १७७
 इलुक प. ७८
 इवार प. २८८
 इसमाइलखां दू. १०४

ई

ईवो प. १५३
 ,, दू. ३१४
 ईतपाळ सोलंकी प. २८०
 ईलियो चावडो दू. २०५
 ईसर प. १६८, ३५१
 ,, दू. ७८, १४४, १७८
 ईसर कपूर रो प. १२१

ईसर जंता रो प १६६
 ईसरदास प. ६६, १६०, २८१
 ,, दू. १२०, १२३
 ,, ती. ११८
 ईसरदास घर्षराज रो प. ३५४
 ईसरदास उर्वेतिघोत दू. १३०, १३६
 ईसरदास कल्याणदासोत दू. १५६
 ईसरदास कृपावत प ३१८
 ईसरदास खेतसीघोत दू ६३, ६४
 ईसरदास जीवा रो प. २४१
 ईसरदास जेमलोत प. ३२८
 ईसरदास भोपतोत दू. १६०
 ईसरदास मानसिघोत दू १६३
 ईसरदास भोहिल ती. ३१
 ईसरदास राणावत दू. १५१
 ईसरदास रांगो भोजराज रो प. ३५५,
 ३५६
 ईसरदास रायमलोत दू १८२, १८६
 ईसरदास लूणकरण रो प. ३१६
 ईसरदास धीरमदेशोत दू १६६
 ईसरदास खेरा रो प. २८१
 ईसरदास सुजावत दू. १६१, १६२
 ईसरदास सोढो प. ३६१
 ईसरदास हरदासोत दू. १७६
 ईसर पता रो दू. २००
 ईसर बारहठ प. १५२
 ,, ,, दू २२३, २३६, २४६
 ईसर रायपाळ रो प. ३५१
 ईसर धीरमदेशोत प. ३२
 ईसर सीसोवियो प. १११
 ईसरीसिध ती. २२०, २३३
 ईससिध प. २६०
 ईसो बाभण दू. ३५, ३६
 ईहड राणो प. १२४
 ईहड सोळकी ती. २५७

उगमणसीह सिखरावत ती. ३०

उगरसेन प. ३२५

उगरो प १६३, १६८

,, दू १२२, १६८

उगरो लिलमीदासोत प. २३६

उग्रसिध प. २६६

उग्रसेण चन्द्रसेणोत प. २३५, २३६

उग्रसेण नरसिधदास रो प ३१६

उग्रसेन प. १६५, ३०४, ३०६, ३१७,
 ३२५

उग्रसेन अर्जुनघोत प. २६२

उग्रसेन केसोदास रो प ३१४

उग्रसेन छत्रसिध रो प २६६

उग्रसेन रावळ कल्याणमलोत प ७४,

७५, ७६, ७७ ८७, १२०

उग्रराग ती २२१

उगगराव ती. २२२

उत्तम रावळ प. ५, ७६

उत्तमरिख प १६३

उत्तमसिध ती. २२४

उदग भोहा रो प. ३३६

उदग सीहड खणेचा रो प. ३४२

उदतराज रावळ प १२

उदयसिध करणसिघोत ती २०८

उदयसिध महाराणा ती. १७३, २०७

उदयसिध दे० उर्वेसिह मोढो राजा

उदयसेन ती. १८७

उदयादित्य राजा ती १७६

उदंकरण राजा प ३१३, ३२६

,, दू ६३

उदंकरण खवास रो प. ३२३

उदंकरण (जवहासी) जुणसी रो प २६०,

२६५, २६६, २६७, ३२६, ३३०

उदंकरण फरसराजोत प. ३१६

उदंकरण रामनारणोत प ३५८

उद्वेकरण वेणीवास रो प. ३१३
 उद्वेकरण राजा प. ३१८, ३२६
 उद्वेकरण राजा ती. १७५
 उद्वेकरण रायमल्लोत्त ती. १०२
 उद्वेकर पद्मनेत्र प. ७८
 उद्वेचंद राजा प. ३३६
 उद्वेभाण प. ३२४, ३२७
 ,, दू. १६०
 ,, ती. २२८, २२९, २३०
 उद्वेभाण ईसरदासोत्त दू. ६४, १०६
 उद्वेभाण देवडो प. ३२, १५७, १५८
 उद्वेभाण फरसरांम रो प. ३१६
 उद्वेभाण रावळ प. ८७
 उद्वेमल पिथोरो ती. १६०
 उद्वेरांम प. ३०८
 ,, ती. २३६
 उद्वेरांम ब्राह्मण ती. २७६
 उद्वेसिध प. १६६, ३१३, ३२८
 ,, दू. ८०, ८१, १६५, १८४, २०१
 ,, ती. २२६, २२७, २२९, २३१
 २३७
 उद्वेसिध अखेराजोत्त प. २०७, २११
 उद्वेसिध कीरतसिधोत्त ती. २१७
 उद्वेसिध कुंभा रो प. ३१३
 उद्वेसिध खंगारोत्त प. ३०६
 उद्वेसिध गोपाळदासोत्त प. ३४३
 उद्वेसिध जगमाल रो दू. ६८
 उद्वेसिध जेमल रो प. ३१२
 उद्वेसिध हुवोत्त प. १६६
 उद्वेसिध पंथाइण रो दू. १२०
 उद्वेसिध भगवानदासोत्त दू. १७२
 उद्वेसिध भादावत्त दू. १८८
 उद्वेसिध भैरवदासोत्त दू. १६६
 उद्वेसिध मालदेवोत्त दू. ६२
 उद्वेसिध मोटो राजा प. १४२, १७०,
 २०८, २१०, २३२, २३३, २३८,

२४१, २४२, २६७, ३००, ३०३,
 ३१२, ३२६
 ,, मोटो राजा दू. १२१, १२८
 उद्वेसिध महाराजा जोधपुर ती. १८२,
 २१४, २१७
 उद्वेसिध रांगो प. ६, १५, १६, २०, २१,
 २२, २३, २५, २६, २८, ३२, ३४,
 ३६, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ६०,
 ६२, ७०, ७६, ८७, ९३, १०३,
 १०४, १०८, १०९, ११०, १११, ११२,
 १५०, १५७, १६०, २०७, ३४२
 ,, रांगो ती. ३१
 उद्वेसिध रायमल रो दू. १२३
 उद्वेसिध राव प. १६१, १६४
 ,, ,, ती. ३६
 उद्वेसिधराय रायसिध रो प. १३५, १३७,
 १३८, १३९, १४१
 उद्वेसिध रावळ प. ७६
 उद्वेसिध राय घाघोत्त धीकूपुर धणी दू.
 १३०, १३१, १४१, १४४
 उद्वेसिध विजा रो प. ३५८
 उद्वेसिध धीळदास रो प. ३०८
 उद्वेसिध साहिब रो प. ३५८
 उद्वेसिध सूरजमल रो प. १०६
 उद्वेसी ती. १२४, १२६, १२७
 उद्वेसीह अरसी रो प. २०३
 उद्वोत्तसिध ती. २१७
 उद्वरण राजा प. २६७
 उद्वरण दू. १०३, १०४, १२१, १२६
 उद्वरण अनयो प. १२३, १२४
 उद्वरण मेहलोत्त प. २००
 उद्वरण भोजवेधोत्त प. २३१
 उद्वरण वणवीर रो प. २६०, ३१३
 उद्वरण सारंग रो प. ३५१
 उद्वरसिध प. ३२२
 उपलराई प. ३३७

उपल राजा ती. १७५
 उरक्रिय प २८६
 उरजण नरबद रो प. ५०, १०६, ११०
 उरजन प १६४, १६७, २६२
 , दू ८०, ११६, १६६
 उरजन कचरावत दू १८५
 उरजन गोपाळदास ऊहड रो दू ६६
 उरजन नरबद रो दे० उरजण नरबद रो
 उरजन पचाइणोत प २३७
 उरजन महेसदासोत दू १७०
 उरजन विहळ प २२४
 उरजन सत्तावत दू १४५
 उरजन सोडो प ३६२
 उसै राजा प २६३

ऊ

ऊगम प ३६१
 ऊगमडो ईदो प ३४६
 ऊगमडो ईदो दू ३४२
 ,, ,, ती २५१, २५६, २६६
 ऊगमसी रांणी दे० ऊगमडो राणो ।
 ऊगो पिरा रो दू ३८
 ऊगो मेहवचो दू १६४
 ऊगो घेरसी रो दू २, ८१
 ऊढळ भाटो दू ६६
 ऊदो प १६, १७, ३६, ५१, ५२, ६८,
 १०१, २३६, २८१, ३५१
 ,, दू ८०, ८४
 , ती २३५
 ऊदो ऊगमणावत ती २५२, २५६, २५७,
 २५८, २५९, २६१, २६२, २६३,
 २६४, २६५
 ऊदो करण रो प ३४३
 ऊदो कू भावत प ३६, ५१
 ऊदो गोपादेप्रोत दू ३१७, ३१६, ३२०
 ऊदो खाद रो प ३३१
 ऊदो जेंता रो दू १४१

ऊदो जेंता रो प १६६
 ऊदो डूगरसीप्रोत दू १७८
 ऊदो त्रिभुवणसीप्रोत दू ३१४, ३१५
 ,, , ती २४
 ऊदो भंरवदात रो प २४०, २४१
 ऊदो माना रो प ३६०
 ऊदो मूजावत प ३४६, ३४७, ३५२
 ऊदो मूळावत दू ३००, ३०१
 ऊदो रांमावत प. १६६
 ऊदो रामावत दू १६४, १७३
 ऊदो रायगाळ रो प ३५१ ३५३
 ऊदो रायमलोत प ३५६
 ऊदो राव लाला रो प १३६, १४२,
 १५८
 ऊदो लाला रो प ३१८
 ऊदो सुरताण रो सोळकी प २८१
 ऊदो सोळकी दू १०७
 ऊदो हमीर रो प ३५६, ३६०
 ऊदो हिमाळा रो प २४४
 ऊधो साला रो प ३४१
 ऊनड जाम दू २१५, २१६ २३६ २३७,
 २३८
 ऊनड भाटो दू ३
 ऊनड मूळराज रो दू ५४, ६६, ६७
 ऊमजी ती. २३३
 ऊहो दू ६६

ऋ

ऋतुपर्ण ती १७८

ए

एलविल ती १७८

ओ

ओभड प १४
 ओडो दू. २०६
 ओडो दू २०६
 ओडो रावण दोदो दे ओडो रावण दोदो ।
 ओसत राजा ती १८७

श्री

श्रीरंगजेव पातसाह प. २६
 ,, ,, ती. १६२, २१४,
 २३८
 श्रीरंगसाह आलमगीर दे. श्रीरंगजेव
 पातसाह ।

क

कँवरपाल सोळंकी प. २६०, २६१
 कँवळ दे. कमळ
 कँवरसाल भंळ रो प. ३२५
 कँवरसी प. ३५२
 कँवरसी ऊहदू दू. १००
 कँवरसी रांणो खीवसी रो प. ३४६
 कँवळसी प. १२४
 कँसेन प. ७८
 कउकुस्त प. २६२
 कफड प. १४
 ककुत्स्य प. ७८
 कचरदास प. २७
 कचरो प. २००, ३४३
 कचरो दू. ८८, १३१, १४३
 कचरो उदैसिध रो प. ३१२
 कचरो गोयंददासोत दू. १८०
 कचरो जैसा रो प. २८, ६८ १६५, ३५७
 कचरो जीसिधवे रो प. २३२
 कचरो देईदास रो प. २३३
 कचरो पीयावत दू. १६०
 कचरो मेहानळोत दू. १७४
 कचरो संसारचंद रो दू. १८४
 कचरो सांगा रो प. ३१५, ३१७
 कडुवराव रांणो प. १२३
 कनकासिध प. ३०६
 कनकसेन प. ७८
 कनीदास प. ३२६
 कनीराम ती. २३३
 कनीराम वलपतोत प. २३५

कन्हू प. २८, १६२
 कन्हू पंचायणोत प. २१
 कन्होदास (कान्होदास) दू. १२०, १५१
 कविल मुनि दू. २१६
 कपूर प. १२१
 कपूरचंद दासा रो प. ३१८
 कपूरो मरहठो दू. ४७, ४८, ४९, ५०, ६७
 कमचज घुंघमार रो ती. २१८
 कमरो प. ३००
 कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६२
 ,, दू. ६
 ,, ती. १७५
 कामलादित्य प. १०
 कामालवी दू. ४६, ४७, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५४, ६६, ६७
 कामालवीन ती. ३३
 कामालुद्दीन दे. कमालवी
 कामो प. २७, ६८, ६९, १५६, ३४३
 ,, दू. २१५
 कामो कल्याणदास रो प. ३४३
 कामो केलण रो प. १६८
 कामो घोरंवार दू. १२
 कामो बुध रो दू. १४०
 कामो भैरव रो प. १६६
 कामो मदा रो प. १६७
 कामो लपसी रो प. ३५६
 कामो सीसोदियो रतनसी रो प. ५०
 कामो सोळंकी दू. १०७
 करण प. ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३
 ,, दू. ६६, ८२, ८४, ९०, ११६,
 १२२, १२५, १८२
 ,, ती. २२१
 करण अखैराज रो प. ३५३
 करण कान्हावत दू. १७७
 करण गिरधरदासोत प. ३०५

करण गौहली प २६१
 ,, , ती ५०, ५३, १८४
 करण देईबासोत दू १६६
 करण मोघो दू २०६, २१०
 करण मानसिघोत दू १६१
 करण रणमसोत ती २२६
 करण रतना रो प ३४३
 करण रामचदोत दू १५८ १६६
 करण राजा दू १३६
 करण राव (धोकानेर) दू १३२
 करण रावळ प ३५२
 ,, , दू १०, १४, ३६, ७५,
 ६६, १२१, १३०
 करण वीरसल रो प १६६
 करण सकर्तासिघोत दू १५५
 करणसिघ महाराजा ती. १८ ३१, १८०
 १८१, २०८, २१०
 करणसिघ राव ती ३७
 करण सूरजमल रो प ३६०
 करणावित रावळ प ५, १२
 करणावित्य प १०
 करणो डहरियो प १३२
 करण प १४, २१, ६३ ६६, ७०, १२८,
 १४२, १५६, १६१, १६४, १६६,
 १६७, १६८ १६६, २०६, २३८,
 २६०, २८०, ३०३
 करण कान्हा रो प ३५२
 करण गौहली प २६१
 करण वनुरभुज रो प ३४३
 करण पताघत प ६७
 करण महाराजा प १२८
 करण, रतनसी रो भाई प २१
 करण राणो प ६, १५, ३०, ३१
 करण रावळ प ५, १३, ७६
 करण वीसावत प १६८
 करण (करमसी) रावळ प ७६

करमचद प २१, १०६, १२२
 ,, दू ६६, ७६, ६१, ६६, १२४,
 २०१
 करमचव झळ्या रो प ३२६
 करमचद कल्याणोत ती २०५
 करमचद केलण रो प २०५
 करमचद जगन्नाथ रो प ३०१
 करमचद दासा रो प ३१४, ३१५
 करमचद नरहरदासोत दू १६६
 करमचद रावत ती १७६
 करमचद धरसिघ रो दू १२७
 करमसिघ ती. २२५
 करमसी प २६, १५६, २२६, ३२६
 ,, दू १२४, २६४
 करमसी झळ्यावत दू १८६
 करमसा आसियो खोवसरोत प १६१
 करमसी जहड दू १००
 करमसी कल्याणवास रो प ३११
 करमसी खोदा रो प ३४१, ३४२
 करमसी चहुवाण प ६७
 करमसी घोबो प १५६, १५७, १६८,
 १७४, १७६
 करमसी जसवीर रो प २०३
 करमसी राजसी रो प ३४६
 करमसी शर्यासिघोत दू १६३
 करमसी रावत दू ८६, ८७, ८८
 करमसी रावळ प ७६
 करमसी लुणकरणोत ती २०५
 करमसी खोकावत दू १७३
 करमसी सहसमल रो प ३२५
 करमसी साखलो, हरिभक्त प ३४२
 ३४६
 करमसेन प २६, ३२४
 ,, दू १२३, १५२, १८६, १६३
 ,, ती. २२३
 करमसेन राव दू ६५

करमो प. ६६, २४७
 „ डू. ८०, ८१
 करमो सेखावत प. १६५
 करहोरो डू. २२६, २३०
 करहो घुंघमार रो ती. २१८
 कर्ण प. २१, २८, १६०, १६२
 कर्ण चाचगवे रो ती. ३३
 कर्णदेव ती. ५१
 कर्मादित्य प. १०
 कलंकी राजा ती. १८७
 कलकरण केल्हन रो डू. ११६, १४४
 कलकरण केहर रो डू. २, ७६, ७७, १५२
 „ „ ती. २०, ३४, १०४,
 २२१
 कलमय राजा प. २६२
 कलस सर्मा प. ६
 कलादित्य प. १०
 कलिकर्ण दे. कळकरण
 कलो प. ६७, १६७, १७१, १७२,
 २३६, ३२६, ३४१
 „ डू. ७७, ८५, १४३, १६६
 कलो अखंराज रो प. ३२७
 कलो केसोदासोत डू. १६८
 कलो गांगावत डू. १६१
 कलो ठाकुरती रो डू. १६२
 कलो भाटी डू. ६६, ७७, ६६
 कलो भुजबळ रो प. १६४
 कलो रतनावत डू. १३८
 कलो रांनसिध रो प. ३६१
 कलो रांमावत प. १६६
 कलो रायमलोत डू. १८२
 कलो राव मेहाजळ रो प. १४५, १४६,
 १४७, १४८, १६०, २४६
 कलो रावळ डू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४
 कलो रसिध ती. १६०
 कलो वरसिध रो डू. १२७

कलो वीदावत ती. १२४
 कलो वीसळ रो प. २०१
 कलो संसारचंद रो डू. १८४
 कलो सांवतसोत्रोत प. २३५
 कलो साहरण रो प. १०१
 कलो सिवराज रो प. ३५६
 कल्याण प. २७, २६०
 कल्याण किसना रो प. ८७
 कल्याणदास प. २५, २८, ३०७, ३२७,
 ३४३
 „ डू. १५०, २६४
 „ ती. २२५, २३६
 कल्याणदास उग्रसेनोत प. ३२०
 कल्याणदास करणोत प. ३२०
 कल्याणदास किसनदास रो डू. १२७, १२८
 कल्याणदास नारायणदासोत प. २४६, ३४३
 कल्याणदास प्रथोराज रो प. ३११
 कल्याणदास भांणोत प. २११
 कल्याणदास भाखरसोत्रोत प. १६६
 कल्याणदास भाटी ती. १८
 कल्याणदास राजधर रो डू. १७७
 कल्याणदास राजसिध रो प. ३०३
 कल्याणदास रायमलोत डू. १७३
 कल्याणदास राव डू. ८६
 कल्याणदास रावळ डू. ७६, ६८, १०२,
 १०३
 „ „ ती. ३५
 कल्याणदास त्राडखान रो प. ३२१
 कल्याणदे राजादे रो प. २६४, २६५,
 २६६, ३०१
 कल्याणमल प. १५६
 „ डू. १००
 „ ती. १०१, १०२
 कल्याणमल उदैकरणोत ती. १५१, १५२
 कल्याणमल जैतमालोत प. २२
 कल्याणमल कर्तसिध रो प. ३१८

कल्याणमल राव ती १७, १८, ३१,
 १८०, १८१, २०५, २०६, २०६
 कल्याणमल राव ईडर हो दू २५६
 कल्याणमल रावळ दू. ११
 कल्याणसिध प २६ ४५, ३०५, ३०६,
 ३२१, ३२३, ३२४
 ,, ती २३५
 कल्याणसिध मानसिधोत प २६१, २६६
 कल्लो प १६६
 कल्लो रायमलोत ती २१४, २२०, २७२
 कवरो प ३६२
 कवाट दे कंवाट
 कस्तूरियो मूघ (विजो ई वो) दू ३४२
 कश्यप प ७८, २८७, २६२
 कश्यप ती १७५
 कहनी राजा प २६३
 कहवाट दे कंवाट
 कागडो बलोच दू ५५
 कांतिसेन ती १८६
 कायडनाथ जोगी दू २१४
 कायळ प ६६, १६५
 कांयळ झालेचो प २१७, २१८, २१६
 कायळ झालेचो (झालेचो) ती २६३,
 २६४
 कायळ कचरा रो प १६५
 कायळजी ती १५ २१, २२
 कांयळ देवडो प २२४
 कांयळ भुजबळ रो प १६५
 कांयळ मेहा रो प ३४१
 कांयळ रिणमलोत दू ३३५, ३४२
 ,, ,, ती १६१, २२६
 कांयळ सिधवासोत दू १४५
 कान प. २७, ६८, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६७, २०५
 कान किसनाबत दू १६४, १७३
 कानड प २८१

कानडदास प ३०६
 कानडदे प १४
 कानडदे भाटी दू. ५२, ५४, ६६, ६७
 कानडदे मेर दे कानो मेर
 कानडदे राव राठोड दू २८०, २८१,
 २८२, २८३
 कानडदे रावळ प २०४, २१३, २१६,
 २१७, २१८, २१६, २२०, २२१,
 २२२, २२३, २२४, २२५, २३०,
 २३१
 ४०, ४१, ४२
 कानडदे सावतसीधोत सोनगरो दू ३६,
 ४०, ४१, ४२
 कानड भाटी दे कानडदे भाटी
 कान राव रायमलोत प २५६
 कान सीतोदियो प ६६
 कानो प २००
 कानो झालेचो प २२४
 कानो खेतसी रो प ३६०
 कानो गोपाळवासोत दू १८६
 कानो चारण प ३०७
 कानो मेर दू २७७, २७८
 कानो सोडो दू १३५
 कांन्ह प २१२, ३०७
 ,, दू १५, ७७, ८१, ८८, ८६, ६३,
 ६६, ६७, ११६ १२३, १२४,
 २६२, २६४
 ,, ती २६
 कांन्ह अक्षराज रो प. ३२७
 कांन्ह कल्याणदास रो प ३१२
 कांन्ह कल्याणोत ती २०५
 कांन्ह केल्हणोत ती ३०
 कांन्ह तेजमालोत दू १२५
 कांन्हड (जंत०) ती २२१
 कांन्हडदे राव ती २३, २४
 कांन्हडदे रावळ प १४, १८१
 कांन्हडदे सोनगरो ती २८, १८४, २६३,
 २६४

कांग्ह दूदावत दू. १९७
 कांग्ह भगवंतदास रो प. २६१, २६६
 कांग्ह भोपतोत दू. १६१
 कांग्ह राणो भालो दू. २६५
 कांग्ह राठोङ्ग रायसलोत प. ३२२
 कांग्ह राव (कनपाल) ती. १८०
 कांग्ह राव जैसा रो दू. १३६
 कांग्ह राव घुगळ रो ती. ३६
 कांग्ह सहसा रो प. ३१४, ३१६
 कांग्हसिध जैतसीयोत प. २३७
 कांग्ह सिध रो दू. २६४
 कांग्ह सूजावत दू. १५१
 कांग्हवीदास प. ३२०
 कांग्हवीराम दे. कनीराम
 फांग्हो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२
 कांग्हो दू. १७६; १६३, २००
 ,, ती. १६, २०, ३१
 कांग्हो खांवावत दू. १७७
 कांग्हो फोळी दू. २५६
 कांग्हो घूंडावत प. ३५३
 ,, ,, दू. ३१०, ३१३, ३१४,
 ३३६
 कांग्हो जांभणोत प. २३६, ३५७
 कांग्हो तेजसी रो प. ३५८
 कांग्हो पंचाङ्गणोत प. २०७
 कांग्हो मेर दे. फांनो मेर
 कांग्हो सादूळ रो प. ३१५
 कांग्हो हमीरोत दू. १८०
 कामकाचंद राजा ती. १८८
 कामरां दे. कुंघरो
 कांहियो दू. २१५
 काकस्त प. ७८
 काकिल राजा प. २६३, २६४, २६६,
 ३३२
 काकिलदेव प. २६०
 काकुस्त प. २८७

काकुस्त्य प. २८७; २६२
 काबो प. ३३७
 कामपति सर्मा प. ६
 कारतन राजा प. ३३६
 कालण रावळ दू. १०, ३८, ३९, ६४
 काळमुधो दू. १०३
 काळसेन राजा ती. १७५
 काळो मोहिल दू. ३२६, ३२७
 काळो चोर प. २७२
 काळो टीवाणो दू. ३१४, ३१५
 कातहण जेसळ रो दू. २, १५, ३६, ६२
 ,, ,, ती. ३३, ३४, २२१
 काश्यप प. २६२
 कासिब प. २६२
 किरतो आहेडोत ती. १५४
 किलंग प. ३३६
 किसन प. २७, १२१
 किसनचंद प. ३१६
 ,, दू. ६२
 किसनचंद राजा ती. १८६
 किसन घूंडावत दू. १४४
 किसनदास प. १६०, १६४, ३१३
 ,, दू. ८८, ६०, १२३, १३६
 ,, ती. २२६, २३१
 किसनदास अखेराजोत दू. १८७
 किसनदास करमचंद रो दू. १२७
 किसनदास पंचाङ्गण रो प. ३०७, ३०६
 किसनदास मेघराज रो प. ३५६
 किसनदास रायमलोत दू. १५२
 किसनदास राव लूणकरण रो प. ३१६
 किसनदास सूजा रो प. ३१३
 किसन भाटी बळुओत दू. १०७, १२४,
 १३४
 किसन साह प. १२६
 किसनसिध प. २५, ३१, २३५, २४७,
 ३०६, ३११, ३२०, ३२५, ३३०
 ,, दू. ६५, ६७, १३३, १३६, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४
 , ती. २२३, २२४, २२५, २२८,
 २३०, २३१, २३२
 किसनसिंघ उर्दसिघोत दू १५५
 किसनसिंघ खगारोत प ३०६, ३०७
 किसनसिंघ गिरधर रो प ३२२
 किसनसिंघ जूभारसिंघ रो प. २६८
 किसनसिंघ रामचवोत दू १५८
 किसनसिंघ राजसिंघ रो प ३०३
 किसनसिंघ राजा ती २१७
 किसनसिंघ रायसिंघोत ती. २०७
 किसनसिंघ रावत प. ३१६, ३१७
 किसनसिंघ लूणकरणोत ती २०५
 किसनसिंघ बाघावत प ३१६, ३१७,
 ३२०
 किसनसिंघ सादूळसिंघोत ती २१३
 किसनसिंघ साहिबखान रो प. ३३०
 किसनसिंघ हमीरोत प ३०५
 किसनो प १६, ६६, ८७, १५२, १६७,
 २३५
 , दू. ७७, ८०, ६६, १४३, १७४,
 २००, २६२
 , ती. ३७
 किसनो खीवा रो प ३६०
 किसनो जगमालोत दू १६१
 किसनो जांभण रो प ३५२
 किसनो तेजसिंघोत दू. १६४
 किसनो नीवावत दू १५४, १६१
 किसनो मेहाजळोत दू १७४
 किसनो रामावत दू १६४
 किसनो बाघावत ती. ३७
 किसनो सिंघ रो दू २६४
 किसोरदास प ३०७
 , दू ६६
 किसोरदास गोपाळदासोत दू १५८
 किसोरदास महेशदासोत दू. १५८
 किसोरसाह प १२६

किसोरसिंघ प. ३१०, ३२६
 कीतपाळ प २०५, २८०
 कीतू प १३५, १६६, १८७, २०३,
 २४५, २४७
 कीतो प २८
 कीतो भयतारवे रो प ३५५
 कीतो गोगली दू ३
 कीतो सांडा रो प ३५४
 कीरतखां भलखा रो प. ३१५
 कीरतपाळ राठोड ती. २६
 कीरत ब्रह्म रावळ प ५, ७६
 कीरतसिंघ प २६८, ३११
 ,, दू ६१, १६६
 ,, ती २२१, २२३, २३२
 कीरतसिंघ जंसिंघ रो प ३३०
 कीरतसिंघ ताजखान रो प ३२४
 कीरतसिंघ राजा जयसिंघ रो प २६१,
 ३३०
 कीरतसो राणां प १२३
 कीरतमत ती १८७
 कीरतसेन ती १८६
 कील प १२४
 कीलणदे राजदेवोत प. ३३१, ३३२
 कीलू करणोत प. ३५७
 कुत प १२४
 ,, दू. ३
 कुतपाळ प २०३
 कुतल प ३३०
 कुतळ कीलणदे रो प ३३१
 कुतळ केल्हणोत ती ३०
 कुतल माला रो प १२४
 कुतल राजा कल्याणदे रो प २६५,
 २६६
 कुतसीह प १०१
 कुभ प २८७
 कुभकरण प ५४, १८८, ३२८
 ,, दू ६६, ३४३

कुंभकरण ती. २३१
 कुंभकरण नाथावत ती. ३७
 कुंभकरण रुद्र रो प. ३१६
 कुंभकान दे. कुंभकरण
 कुंभकण दे. कुंभकरण
 कुंभो दू. ६२, १२०, १२३, १२५, १८३
 १६६, १६६, २०१
 ,, ती. २३४
 कुंभो ईसरदासोत दू. १७६
 कुंभो कांपलियो प. २४८, २४६
 कुंभो किसनदासोत दू. १८७
 कुंभो खंराटो प. २७६
 कुंभो चाचा रो दू. ११७
 कुंभो जगमाल रो दू. २८८, २६०, २६१,
 २६२, २६३, २६४, २६५, २६६,
 २६७, २६८
 कुंभो देवीदास रो दू. ८४
 कुंभो नरसिंघ रो प. १६६, १६७
 कुंभो पतावत दू. १७१
 कुंभो मनोहरदासोत दू. १६७
 कुंभो रांणो दू. १५३, ३३६, ३४०
 ,, ,, ती. १, २, १३६, १४६,
 १५०, १६१, १६२, २४८
 कुंभो वीरसिंघोत दू. १७३
 कुंभो बीसारो प. १६६
 कुंवरपाळ ती. ५२
 कुंवर मांडणोत प. ३५४
 कुंवर रो प. ३००
 ,, ती. १६, १७
 कुकर दू. ३
 कुतवतारखां सुलतांन प. २६२
 कुतवदीन ममारख सुलतांन ती. १६१
 कुतवदीन ती. ५३, ५४, १६०
 कुतुबखान दू. २२४
 कुतुव तातारखां दे. कुतवतारखां सुलतांन
 कुतुबुद्दीन मुबारक सुलतान दे. कुतवदीन
 ममारख सुलतांन

कुवाद सुलतांन ती. १६१
 कुमसी (कुनरसी) रावळ प. ७६
 कुरघ-नुरय प. ७८
 कुरमेर रावळ प. १३
 कुरदो ती. २१८
 कुलखत प. १२३
 कुलसिंघ रावळ प. ८७
 कुवलयादय ती. १७७
 कुवा ती. १७८
 कुस प. ७८, २८८, २६२, २६३, २६५
 कुसळचंद प. ३१६
 कुसळसिंघ प. २०८, ३०५, ३०६, ३१०
 ३१७, ३२०
 ,, दू. ६४
 ,, ती. २२३, २३१, २३५
 कुसळसिंघ रायसल रो प. ३०६, ३२४
 कुसळो दू. १३३
 कुतळ चंडायत प. ६६
 कुतळ सीसोदियो प. ६६, ६६
 कुपो ती. ८१, ८३, ८४, ६५, ६७, ६६
 कुपो प्रखंराजोत प. २३७
 कुपो ऊदावत प. ३६०
 कुपो मालावत दू. २८८
 कुपो नेहराजोत प. २०, २०७, २१२
 ,, ,, दू. १७८, १८७, १६२
 कुंभो प. ३६१
 कुंभो कडवाहो जुणसी रो प. ३२६, ३३०
 कुंभो गोपाळ देखोत प. ३४८
 कुंभो गोपंद रो प. २३६
 कुंभो चंद राजा रो प. ३१३
 कुंभो देवराज रो प. ३५६
 कुंभो रांणो प. ६, १५, १६, १७, ५१,
 ५३, ५४, ६१, ३४२
 कुंभो रामसिंघ रो प. ३४३
 कुंभो वीरभदे रो प. ३४१
 कुंभो सीहड़ रो प. ३४१

कूभो सूजा रो प. १६७
 कूभो सेखा रो प ३२८
 कृतजय तो १७६
 कृपाञ्जव ती २१६
 कृष्णाश्व तो १७७
 कृष्णादित्य प. १०
 केलण प. २०५
 , ती ७२, २२१
 केलण तेजसी रो प १६३, १६८
 केलण हुजणसाल रो प. ३५५
 केलण भाटी दू ३१५
 ,, ,, ती २०, ३४
 केलण राध प २०३, ३५३
 केलण रावळ दू २, ३, १२, ७५, ७६,
 १००, १०६, ११२, ११३, ११४,
 ११५, १२६
 केलण वीसा रो प १६८
 केल्हण राव ती ३६
 केल्हणराव केहर रो दू ११२, ११४,
 ११५, ११६, १२६, १३७, १४०,
 १४१
 केल्हण वीकावत ती. २०५
 कल्हो दू ११२, ११३
 केवलदास गोपदोत प. ६७
 केवाध प २६२
 केसर मिलक दू ४७, ४८, ४९, ५०, ५२
 केसरसिध प २०८
 केसरिदेव रावळ दू २८०
 केसरीसिध प २७ २८, २९, ४९, ११६,
 १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६,
 ३०७, ३०९, ३१०, ३१३, ३२०,
 ३२८
 ,, दू ६५, ६७, १७६, २६५
 , ती २२६, २२७, २२८, २२९,
 २३०, २३१, २३५, २३६
 केसरीसिध अचलदासोत प ३५६
 ,, ,, दू १५६

केसरीसिध करणसिधोत ती २०८
 केसरीसिध ठाकुर ती १७६
 केसरीसिध दयाळदासोत दू १४७
 केसरीसिध दूदावत दू १६३
 केसरीसिध भाटी तपतसिधोत दू १०६
 केसरीसिध भोजराज रो प ३२३
 केसरीसिध राध ती ३७
 केसरीसिध रावळ प ७६
 केसरीसिध लाडखान रो प ३२१
 केसरीसिध लूणकरण रो प ३१७
 केसवदास ती २३१
 केसवदास देईदास रो प २३३
 केसवदास भैरव रो प ३१३
 केसव सर्मा प ६
 केसवादित प. ३, ७८
 केसवादित्य प १०
 केसो प १६६, १६६
 ,, दू १४३
 केसो उपाधयो प ३४४, ३४५
 केसोदास प २६, २७, ६५ ६८ १२८,
 १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५
 केसोद स दू ८८ १२१ २६४
 केसोदास अखैराजीत दू १५२, १८८
 केसोदास ईसरदास रो प १५२ ३५४
 केसोदास कौरसिध रो प ३११, ३१४
 केसोदास खगारोत प ३०६
 केसोदास जगमालोत दू १७७
 केसोदास जसवत रो प १२०
 केसोदास जोगीदासोत दू ११६
 केसोदास द्वारकादास रो प १६१
 केसोदास नाथावत प ३११
 केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२
 केसोदास नारायणदासोत दू २५६
 केसोदास पंचाङ्ग रो प २३७
 केसोदास पतावत दू १७७
 केसोदास प्रागदासोत दू १८३
 केसोदास भाणोत प २११

केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४
 केसोदास मान रो प. १०६
 केसोदास मालदे रो प. ३१५
 केसोदास रायसिघोत दू. १६३, १६७
 केसोदास राव प. ३१५
 केसोदास बाघावत दू. ६०
 केसोदास सहसमलोत दू. ६७
 केसोदास सूरजमलोत दू. १८६
 केसोदास हमीरोत दू. १७६
 केसोदास हाडो प. ११७
 केसो मुंहतो दू. १५८
 केसोराय प. १३१
 केसो लाडखान रो प. ३२१
 केसोसेन राजा ती. १८६
 केहर दू. ४६, ५०, ११६, १५२
 केहर रांगो भालो दू. २६५
 केहर रावळ दू. १, २, १०, १४, १५,
 १७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ६२, ११२, ३२५
 ,, रावळ ती. ३४, २२१
 केकमरी लसकरी प. ३००
 केमास दाहिमो ती. २६
 केरव ती. १५३, १५४
 केवाट दू. २०२, २०७
 कोजो चूडा रो प. ३५१
 कोदो रावत ती. १७६
 कोठीसिघ प. १५१, १५२
 कोरव दे. केरव
 कोसह्य प. ७८
 कपानखान ती. २७३, २७४
 कतराय प. २८६
 कतांगराज प. २८६
 कन वानेसवर प. १६१, १६२
 कल प. २७८
 कलपाळ प. २८६
 कलत्र ती. १७६
 क्षीमराज ती. ५०

क्षुद्रक ती. १८०
 क्षुद्रकराय प. २८६
 क्षेमध्वनि दे. क्षेमधुनी

ख

खंगार प. १५, २७, ३६. ४७, ८६,
 ६२, १५०, १५५, ३१३
 ,, दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६
 २१५, २१६, २१८, २१६, २२०,
 २२१, २२२, २२३, २४१
 खंगार जगमालोत प. ३०४
 खंगार तेजमाल रो दू. १२५
 ,, ,, ,, ती. ३७
 खंगार जांभण रो प. २४०
 खंगार देपा रो प. ३६३
 खंगार भगा रो, भील प. ४७
 खंगार भाटी नरसिघ रो दू. १०७
 खंगार राव दू. २०२, २३८, २३६, २५४
 खंगार रावत रतनसीघोत प. ३६, ६६
 खंगार राहिव रो प. ३५८
 खंगारसिघ ती. २३१, २३२
 खंगारो हमीर रो प. १५
 खंगारो प. ३५२
 खंगारो घोरी ती. ५६
 खटवांग ती. १७८
 खडगल तुंवर प. ३२०
 खडगसिघ ती. २३२
 खडगसेन प. ३१२
 ,, ती. २२३, २२८
 खरहथ डूंगरसी रो प. ३२६, ३५६
 खरहथ वाला रो प. ३२६
 खलमल घोरी ती. ५६
 खवासण घाड़ भाई प. ७१
 खंडेराव प. ३३१
 खान दू. ३००, ३०१
 खान खाने प. ३२५
 खान दोरो ती. २७८

खान नापा रो प ३३१
 खानजिहा प २६६ ३०५, ३२१
 ३२२, ३२६
 खान मिरजो ती ६६, ७०, ७१, ७२
 खान हथीब प ३०७
 खानजहा दे खानजिहा
 खापू थोरो ती ५६
 खाफरो घोर प २७२, २७३, २७४, २७५
 खिजरखा लोदी ती १६१
 खिलघषा ती १६१
 खिलजी प ६, १४
 खींदो प १६६
 ,, ती १४५ १४६
 खींदो गोयब रो प १६५
 खींदो बारहट डू ११८
 खींदो बेरा रो प ३४१, ३४३
 खीमरो बुजणसाल रो प ३५५
 खीबकरण प ३२५, ३२८
 खीवराज प १६३
 खीवराज खिडियो प २०, ४८, ६६
 खीवराज घघघाडियो प ६०, १८०
 खीवसी राणो अणखसी रो प ३४६, ३५२
 खीवसी सुरताणोत प ३४३
 खीवो प १६, ६१, ६२, १०१, १४५,
 १५१, १५३, १६०, १६६, १७१,
 १६५, २०७
 ,, डू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३,
 १६६
 खीवो करण रो प ३६०
 खीवो जसहट रो प ३४७
 खीवो जेठवो डू. २२१
 खीवो राव डू १८४
 ,, , ती ३७
 खीवो रावत भोषावत डू १२१
 खीवो वरजाणोत डू १६२
 खीवो सोढो प ३६१
 खीवो सोनगरो डू १२७

खीटवाळ डू १, ६
 खीमपाळ ती २१६
 खीमराज दे खेमराज
 खीमरो प ३५५
 खीमो ती २३५
 खीमो ऊदावत ती १००, १०१
 खीमो मुहतो ती ६५, ६८, ६६
 खीमो राव पोकरणो ती १०३, १०४,
 १०७, ११०, १११, ११२, ११३,
 ११४
 खीर डू १
 खीरपुर प ७८
 खीरज प ७८
 खुघु प ७३
 खुमाणसिध रावळ प ७६
 खुरम प २४, २६, २८, २९, ३०, ४८,
 ५३, ५६ ५८, ५९, ३०१
 खुरम साहजादो डू १४८, १५२, १५६,
 खुजरो दे खुसळ सुलतान
 खुसळ सुलतान ती १६१
 खूट (चारण) डू २०२, २०३
 खू माण रावळ बापा रो प ४, १२ ५६,
 ७८
 खेकादित्य प १०
 खेढो घानर प २५०
 खेतसी प १५, २३६, ३४३
 ,, डू ८५, १०४, १०५, १०६, १८५
 खेतसी अरडकमलोत ती १६, १७
 खेतसी ऊदा रो प. २४१
 ,, ,, ,, डू १७३
 खेतसी किसनदासोत डू १८७
 खेतसी जाडेचो डू २०६
 खेतसी जीसघवे रो प ३५२
 खेतसी तेजसी रो प ३५७
 खेतसी घाघू प १५२
 खेतसी नेता रो प ३५२
 खेतसी मजठोकरो डू १२१

खेतसी महीरांवन रो प. ३६०
 खेतसी मालदेओत दू. ६, ६३, ६४, ६५,
 ६६, ६७
 खेतसी मालदेओत ती. ३५, २२०
 खेतसी रांणो प. १५
 खेतसी रांम रो दू. १४१
 खेतसी राव दू. १३२
 खेतसी सादूळोत दू. १६८
 खेतसीह रतनसीहोत प. ६७
 खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८
 खेतो प. ६, १५, १६, ५६, २५०
 ,, दू. ७५, ७७, ८१, १४३
 खेतो कांपलियो प. २४६
 खेतो तेजा रो प. ३५२
 खेतो परवत रो दू. ८१
 खेतो भाटी दू. ६६
 खेतो रांणो प. ६
 खेतो रांणो दू. ३२५
 खेतो सहसामल रो प. ३५२
 खेमघन प. ७८
 खेमघुनी ती. १७८
 खेमराज प. २५६
 ,, ती. ४६
 खेम सर्मा प. ६
 खेमादित्य प. १०
 खेमो किनियो-चारण ती. ६१
 खेलूजी ती. २७६
 खेराज खरहय धाला रो प. ३२६
 खैराज रावत कीलणवे रो प. ३३१
 खोखर दू. ३१०
 खोटीवाळ दू. ६
 खोहराव प. १६५

ग

गंग ती. १५३
 गंग रांणा चाह रो दे. घणसूर
 गंगादास प. ४३, ४६, ३५८
 ,, दू. ८०, १६८
 गंगादास चैरसल रो प. ३५३
 गंगादित्य प. १०
 गंगाचरादित्य प. १०
 गंगमादित्य प. १०
 गंग्रपसेन राजा ती. १७५
 गंधपाल प. २६०
 गंधर्वसेन दे. गंग्रपसेन राजा
 गंग्रपसेन प. ३३६, ३६८
 गजनीखान दू. ६७
 ,, ती. १२४, १२५
 गजनी पातसाह दू. ३३
 गज सर्मा प. ६
 गजसिध प. १६, २६, २७, ६८, १३३,
 १६१, १६७, २२७, २३३, २४७,
 २६६, ३००, ३०१, ३०८, ३१५,
 ३२८, ३४२
 ,, दू. १३४, २५७
 ,, ती. २२१, २२५, २२६, २२७
 गजसिध फेसोदासोत प. ३१०, ३११
 गजसिध कुंवर दू. १५५, १६६, १६४
 गजसिध जीधा रो प. ३५६
 गजसिध महाराजा (जोधपुर) दू. ११०
 ,, ,, ती. १८२, २१४
 गजसिध महाराजा (बीकानेर) ती. ३२
 १८०, १८१, २०८
 गजसिध राजा प. ३२५, ३४२
 गजसिध राजा दू. ८१, ६८, १५६
 गजसिध हरनाथोत प. ३२३
 गजू अचतारदे रो प. ३५५, ३५६
 गजंसी प. ३४२
 गजो भाभा रो प. १६२

गजो रिणमल रो प १३६
 गङ्ग प १६
 गणेशदास राव ती ३६
 गदाकर प २६२
 गयासुदीन तुगलक साह ती १६१
 गयासुदीन बलबड ती १६१
 गयासुदीन बलबड (बलवन) दे० गया-
 सुदीन बलबड
 गरीबदास प ३१, १५८, ३२५, ३२८
 , दू. ६२
 गरीबनाथ जोगी दू २०६, २१०, २११,
 २१२, २१४
 गहनपाळ प १३०
 गहर राव दू २०२
 गहरवार प. १२८
 गागो प ७६, १३७, १४१, १५६, ३४३
 ,, दू ७५, ८१, ८८
 गागो किसनाथ दू १६७
 गागो खीरे रो दू. १२१, १२२
 गागो गोपड रो प ३५६
 गागो चापा रो (बोपा रो ?) प ३५५
 ३५८
 गागो झगरसीघोत ती. ८४
 गागो नरसिंघ रो प ३४३
 गागो नींबावत दू. १५४ १६१
 गागो भाखरसी रो प ३६३
 गागो भाटी घोरभदेघोत दू १००
 गागो भैरवदास रो प २४१
 गागो राव ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८, ८९ ९०, ९१,
 ९२, ९३, ९४, १८२, २१५
 गागो रावळ प ७६
 गागो वरजाघोत दू १६२
 गागो हमीर रो प ३५८
 गाङ्गण सहजपाळ प. २२५
 गाङ्गड प ५, ७६

गारियो दे० गाहरियो
 गालन राव प २५३
 गालवदेव सर्मा प ६
 गालव सर्मा प ६
 गालवसुर सर्मा प ६
 गाहड दू २, ३३
 राजा गाहडवेव (गाहडवे) ती. ४६
 गाहड राव दे० गहर राव ।
 गाहरियो दू २०२, २०६
 गिरघर प २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,
 ३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,
 ३४३
 ,, दू ८८, ९५, ९७, १२२, १२३
 गिरघर भवळदास रो प ३०७, ३२५,
 ३२७
 गिरघर कृभार प ३५३
 गिरघर चावावत ती २४६
 गिरघरदास प ३२६, ३४३
 गिरघरदास दू १८५
 गिरघरदास नराङ्गणदासोत प ३०५,
 ३२६
 गिरघरदास माघोदासोत दू १४६
 गिरघरदास रायसलोत प ३२१, ४४३
 गिरघरदास सुरजनोत दू १८५
 गिरघर भाटी गोवरधनोत दू १०६
 गिरघर राजा प ३२६
 गिरघर रावळ प ७६
 गौदो प. २५३
 गोमन राणा दू २६५
 गुणरग मडळीक प १२३
 गुमानसिंघ ती २२७, २३१
 गुर्दाक्रिय ती १७६
 गुरु गोरख दे० गोरखनाथ
 गुर्दाप्रिय दे० गुर्दाक्रिय ।
 गुलालसिंघ तिरवारसिंघ रो प १२१
 गुहादित्य प ३, ७

गूंगो जगदेव रो प. ३३७
 गुंडराज प. २५६
 ,, ती. ४६
 गूंडो प. १२७, १२८, १३१
 गूंदळराव खीची, प्रवीराज रो सांवत
 प. २५१, २५२, २५३
 गूंदळसिध आणंदसिधोत ती. २०८
 गूंचंद प. ३३८, ३३९
 गूमल गजसिधोत ती. ३०
 गूहलदो प. ३३७
 गूहंववास दे० गोयंदवास ।
 गोकळ दू० १४०, १७४
 गोकळदास प. २६, ६६, २०८, २०९,
 ३०९, ३१२, ३१६, ३२५
 ,, दू. ६७, १२०
 गोकळ पेंवार प. ३४३
 गोकळ पतावत दू. २००
 गोकळ रतनू दू. ६, ३१
 गोकळ सोढो प. ३६१
 गोग रांगो दू. २६५
 गोगादे ऊगमणोत ती. ३१
 गोगादेजी प. ३४७, ३४८, ३४९, ३५०
 गोगादे घोरमोत दू. ३०४, ३१२, ३१७,
 ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२,
 ३२३
 गोगादे घोरमोत ती. ३०
 गोगाराम प. ३२३
 गोगो प. १३५
 गोगोजी चहुवाण ती. ६२, ७२, ७३, ७४,
 ७५
 गोतम दू. ६
 गोतमादित्य प. १०
 गोवभ प. ३३६
 गोदसीदित्य प. १०
 गोदसीस सर्मा प. ६
 गोदो राजसिधोत ती. ३०
 गोपाळ प. १७, ३२६

गोपाळ दू. ७८
 गोपाळ कांग्हा रो प. ३५२
 गोपाळ खेतसी रो प. ३६०
 गोपाळदास प. २६, ६८, १६१, २३६,
 ३०१, ३१३, ३१७, ३४३, ३६२
 ,, दू. ८१. ६१, ६२, ६३, ६५,
 १०८, १२२, १२८, १६१, १६७
 ,, ती. २३०, २३१, २३२
 गोपाळदास आसावत दू. १४५, १४६
 गोपाळदास ऊहड प. २४३
 ,, ,, दू. ६६, १०० १०२,
 गोपाळदास कल्याणमलोत ती. २०६
 गोपाळदास किसनदासोत प. १५२
 गोपाळदास गिरधर रो प. ३२२
 गोपाळदास गोड प. ३०१
 ,, ,, ती. २७२
 गोपाळदास जेसावत दू. १४६
 गोपाळदास धनराजोत दू. १२२
 गोपाळदास नाथावत प. २६०
 गोपाळदास प्रधीराज रो प. ३०६
 गोपाळदास भाटी आसावत प. १६१
 गोपाळदास भींवोत दू. १६४
 गोपाळदास मांडणोत दू. १६७
 गोपाळदास मेरावत दू. १८८
 गोपालदास रांणावत दू. १६८
 गोपालदास राठोड दू. २०१
 गोपालदास सहसमल रो प. ३१४, ३१७
 गोपालदास सांवतसीधोत प. २३१
 गोपादासळ सुंवरदासोत दू. १५२
 गोपालदास सुरतणोत दू. ६८
 गोपालदास सूजावत ती. २७४
 गोपालदे प. ३४६
 गोपालदे सीधल प. २५७
 गोपाल राव प. १५३, २५६
 गोपालसिध प. ३०१
 गोपाल सूजा रो प. ३२५, ३२६
 गोपिड प. ३३६

गोपीचन्द्र राजा तो १८६
 गोपीनाथ प १२०, ३०५, ३१५, ३१६,
 ३२६
 गोपो प १६
 „ डू १२, १७५
 गोपो शंखराज रो प २३८
 गोपो गंगादास रो प ३५३
 गोपो देवडो डू १००
 गोपो रामा रो प ३५७
 गोपो रावळ प १६, ७६, ८६
 गोपो राव धीकूपुर तो ३६
 गोपो रिणमल्लो डू १४१
 गोपद प १२, १७, ७८, १६५, १६५,
 १६६, ३२६
 „ डू ७७, ८०
 „ तो ११४
 गोपद ऊदा रो प ३६०
 गोपद ऊहड डू, १००
 गोपद कूपावत ती १२३
 गोपद खगार रो प ६६, ६२, ६३
 गोपददास प ६६, १६५, १६५, १६७,
 २३४, २३८, २३९, २४३, ३०८
 „ ८८, ६५, १२२ १२३, १२५,
 १८३, १८६, १८८
 गोपददास घासकरणोत डू १३६
 गोपददास ईसरदास रो प ३५४
 „ ईसरदास रो डू १०६]
 गोपददास उपसेनोत प २५६, ३२०
 गोपददास कितनावत डू. १६७
 गोपददास जेसावत डू १५०
 गोपददास तेजसी रो प ३५४
 गोपददास देवडो देवीदास रो प १४३
 गोपददास पचाडोत वू ११६
 गोपददास प्रताप रो प १५६
 गोपददास बलभद्रोत प ३०७
 गोपददास भाटी डू ८१, १००, १५०,

१५५, १५६, १५६,
 १६६, १७४, १८६, १६३
 १६६

गोपददास मानावत डू १५४
 गोपददासे लखावत डू १६१
 गोपददास सहस्रमल रो डू ६६
 गोपददास सूरजमल्लोत डू १२८
 गोपददास हमीरोत डू. १८०
 गोपद देवडो डू १००
 गोपद राजधर रो प ३५६
 गोपदराज सोळकी प २८१
 गोपदराव प २५१
 गोपद रावळ प १२, ७८
 गोपद सवितती रो डू ७८
 गोपद हमीर रो प ३५८
 गोरखदास (कतर) ती २२७
 „ (गंडाप) ती २२७
 गोरखनाथ डू २११, ३२०
 „ ती ७६
 गोरधन गिरधर रो प ३२२
 गोरधन रामसिंघ रो प ३४३
 गोरो प २५२
 गोरो राधावत पडिहार प १५२
 गोरो सोनगरो ती २८०, २८६ २६०,
 २६१
 गोबब रावत खगार रो प ६२, ६३
 गोवरधन प ६८, १६०
 „ डू ६५, १२२, १२३, १८६
 गोवरधन कूभा रो प ३४१
 गोवरधनदास प ३१६
 गोवरधन समो व ६
 गोवरधन सुदरदासोत प ११७, १२५
 गोवरधन सोढो व ३६१
 गोवरधनादित्य प १०
 गोविंद कवियो चारण ती २७०
 गोविंदचंद्र राजा तो १८६

गोविन्ददास प. ३०४, ३०८, ३१६, ३२६

„ ती. २३१, २३२, २३४

गोविन्ददास उपसेनोत्त प. ३२०

गोविन्ददास वल्लभद्रोत प. ३१८

गोविन्ददास भाटो दू. २५३

गोविन्दपाल राजा ती. १८८

गोविन्द राजा ती. १८६

गोविन्द सर्मा प. ६

गोविन्दादित्य प. १०

गोशील दे० गोशील रांगो ।

गोशील रांगो ती. १७५

गोतम प. २६३

ग्यांनसिंघ प. ३००

ग्रहादित प. ३, ७८

ग्रहादित्य प. १०

घ

घड़सी प. २३१

घड़सी रत्तनसीघोत दू. २८८

घड़सी रावळ दू. १०, १३, ५२, ५३,

५४, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१,

७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३,

२८५

„ ती. ३४, २२१

घड़सी रायमलोत्त दू. १८६

घड़सी धीकावत ती. २०५

घड़सी सोढो प. ३६१

घणर दे० घणसुर

घणसुर (रांगा चाहड़रो बेटो) ती. १५३,

१६६

घनादित्य प. १०

घाघड़दे (राजा) ती. ४६

घामड़दे ती. ४६

घोघो अरवतारदे रो प. ३५५

च

चंडो प. १६

चंद प. २८७

चंद उधरण रो प. ३१३

चंदगिर प. २६०

„ ती. ५०

चंद रांगो परमार ती. १७५

चंदराज प. ३५८

चंद राजा प. ३१३

चंदराव दू. ७६

चंदेल घुंधमार रो ती. २१८

चंदो प. २६, १४२, १७३

चंदो राव ती. २४८

चंद्रपाळ राजा ती. १८८

चंद्रभाण प. ३२७, ३२८

चंद्रभाण जेतसी रो प. ३१५

चंद्रभाण बुरज्जणसाल रो प. ३०५

चंद्रभाण परसोत्तम रो प. ३२३

चंद्रभाण रामसिंघोत्त प. ३२०

चंद्रभाण सांघळदासोत्त प. १०२

चंद्रभाण हिरवैराम रो प. ३२४

चंद्रमिण प. १३०

चंद्र राजा प. १३०

चंद्रराव प. २५१

„ दू. १६८

चंद्र रावळ प. २०४

चंद्रव रतनू-वारहूठ दू. ५४

चंद्रबोखर कवि ती. २६६

चंद्रसेण ती. २३०

चंद्रसेण राव प. २३, ७८, १६४, १६८,

२०८, २३७, २३९, २४३, २६०,

३५६

„ राव दू. ६७, ११६, १२७, १३२,

१४५, १६१, १६३, १६७, १६८,

१६९, १७५, १८६, १९४

„ „ ती. १२८, १८२

चद्रसेण राजा उद्धरण रो प २६७
 चद्रसेण पता रो प. ३५५
 चद्रसेन प ७८, २६०
 चद्रसेन दू १३४
 चद्रसेन भालो दू २५६, २६३
 चद्रसेन भालो मानसिध रो दू. २५६
 चद्रसेन युधसेन रो प २६२
 चद्रसेन भगवतदासोत्त प २६१
 चद्रसन भाटी दू ८१
 चद्रसन रांगो रायसिध रो दू २५४
 २५५, २५६
 चप ती. १७८
 चपक दे० चप ।
 चपतराय प १३१
 चपराय प ११६
 चकतो भोपत रो ती. ३७
 चक्रसेन प. १२७
 चतुरग प २८६
 चतुरभुज जोगीदासोत्त दू १८५
 चतुरभुज रायसिधोत्त दू. १६४
 चतुरसिध प. ३२१
 चतुरसिध भगवत रो प. ३२६
 चतुरसिध (रावतसर) ती. २२६
 चतुरसिध रूपती रो प. ३०६, ३१२,
 ३२१, ३२३
 चतुरसिध हररामोत्त प. ३२४
 चतुर्भुज (रगाईसर) ती. २२६
 चत्रभुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८,
 ३१८, ३२५
 चत्रभुज दयाळदासोत्त ती. २१३
 चत्रभुज प्रथोराजोत्त प. ३११
 चत्रभुज मालवे रो प. ३१५
 चत्रसाल प. ३१५
 चरही ती. १४०
 चरढो चद्रावत दू. ३४२
 चट्टवाण प. ११६

चट्टवाण ती १५३, १६६
 चांडण प ३१५
 चांडण त्रिद्वियो दू ३३३, ३३४
 चांडण सोढो प ३६३
 चांदराज जोधावत ती ११६, ११७, ११८
 चांदराव चरडकमलोत्त ती १४०
 चाद, राव जोधा रो प ३५७
 चांदराव रतनती रो प ३५८
 चांदराव वाघोत्त दू १४६
 चादरो भीमती रो ती २३६, २४०, २४७
 चादसिध प ३२३
 चादसिध (लाबिया) ती २५३
 चादसिध सूरसिध रो प ३००
 चादसे (चद्रसेन) प. ७८
 चादो प १५४, १५५, १५६ १५७,
 १५८, १६४, १६८
 , दू ६५, ६६, १४२, १६७
 चादो लीची दू १८६
 चादो गागा रो प ३६३
 चादो चूडावत ती ३१
 चादो जगमाल रो दू ६८
 चादो घोरी ती ५१, ६१ ६३ ६५,
 ६६, ६८, ६९, ७०, ७१, ७५, ७६,
 ७७, ७८, १२१
 चादो नारण रो प ३५८
 चादो माडण प २४३
 चादो मेहवचो दू ६५
 चादो रायमलोत्त दू. १२३
 चादो रावत दू १२२
 चादो विहळ प २२४
 चादो सुजा रो प ३२५
 चानणदास (चादण) दासा रो प ३१४,
 ३१५
 चानण दास रो प ३१५
 चापो प १६३, १६७
 ,, दू १४४

चांपो गंगादास रो प. ३५३
 चांपो छेनो हू. १६
 चांपो तेजसी रो प. ३५७, ३५८
 चांपो पुना रो प. २००
 चांपो घालो हू. २०५
 चांपो भाखरसी रो प. ३५६
 चांपो रांणो हू. ६
 चांपो सामोर-चारण ती. १६८
 चांमंडराय प. २५२, २५६
 चांघट्टे हू. ३२
 चाच. प. २६१, २८०, २८८
 चाच हू. १५
 चाचग आसथान रो ती. २६
 चाचगदे प. ३६३
 चाचगदे करमसी रो, रावळ प. २०३,
 २०४
 चाचगदे कालण रो, रावळ हू. १०, ३८,
 ३६, ६२
 ,, कालण रो, रावळ ती. ३३, २२१
 चाचगदे वरसी रो हू. ११, ४२, ४३
 चाचगदे सोढं रो प. ३५५
 चाचग वीरम रो प. ३४०
 चाच रांणो प. १२३
 चाच सोळंकी प. २६१, २८०, २८८
 चाघो प. १५, १६
 चाघो हू. ३३८, ३३९
 ,, ती. १३४, १३५, १३६, १३७,
 १३८, १४६
 चाघो काना रो प. ३५८
 चाघो फेल्हण रो हू. ११६, ११७, १२६,
 १३७
 चाघो पुना रो हू. ६६
 चाघो राव ती. ११३
 चाघो राव (पूगळ) ती. ३६
 चाघो रावळ ती. ३४, ३५
 चाघो रावळ वरसी रो हू. ११, ८०,

८२, ८३, ६२
 चाघो सिवा रो प. ३५१
 चाघो सोसोदियो ती. १३४, १३५, १३६
 चापोत्कट हू. २६६
 चांमंडराज प. २५६
 चांमंड राजा ती. ४६
 चांमूडराय ती. ५०
 चांमंडराय दाहिमो प. २५२
 चाय प. ११६
 चायुवप हू. २६६
 चावंटराज प. २६६
 चावंडो प. २०४, २६०
 चावोटक दे० चापोत्कट ।
 चासळ घोरी ती. ५६
 चाह चहुवांण रो ती. १५३, १६६
 चाहडदे प. १८६
 चाहुवांण प. ३६५
 चिन्नरथ राजा ती. १८५
 चिन्नसेन राजा ती. १८७
 चिन्नांगद मोरी ती. २८
 चिन्नांगद राजा परमार ती. १७५
 चिराई वारहठ आसराव रो हू. ७४
 चीणसखां हू. २०२
 चीघो प. १६६
 चीर सर्मा प. ६
 चूंडराव प. २५६; ३४३
 ,, ती. ४६
 चूंडराव देला रो प. ३४१
 चूंडो जसहड रो हू. ३०४, ३०५, ३०६,
 ३०७
 चूंडो राव प. १५, १६, ३४७, ३४८,
 ३५०, ३५३
 ,, राव हू. ६५, ८४, ११४, ११५,
 २८५, ३०८, ३०९, ३१०, ३११,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२४, ३२८, ३२९, ३३६

घुडो राव ती. ३०, १२६, १८०
 घुडो साक्षात्त रांगो प. ६६
 " " " दू. ३३१, ३३२,
 ३३३, ३३४

घुडो हरभम रो प ३५१, ३५२
 घुडामनो दू १, १६
 घनसिध (कुंभांगो) ती. २२८
 घनसिध (गंगल्यावात) ती. २२५
 घनसिध (भेजू) ती. २२५
 घोषो रजपूत ती. १२६
 घोरंग राव प. २२६
 घोरासो-मिलक प. ८०, ८१, ८२
 घोहप प. २००
 घोहित सुत्रपार प. ३५३
 घोहप हंडो ती. १३३
 घ्यवन प. ७८

छ

छतरसिध दे० छत्रसिध (कतर) ।
 छत्रपति शिवाजी प. १५
 छत्रराज प. २८६
 छत्रसिध प. ३२६
 छत्रसिध कछवाहो प. ३१, ३०५
 छत्रसिध (कतर) ती. २२७
 छत्रसिध माघोसिध रो प. २६६
 छाजू चदावत ती. २४०, २४१, २४२,
 २४३, २४५
 छाडो राव ती. ३०, १८०
 छाताळ प. ३१०
 छाहङ्ग घरणीवराह रो प. ३५५, ३६३
 छाट्टर दू. २०६
 छीकण दू. १, ११, १७
 छीतर प ६२
 छीतरदास प. ३०७, ३०८
 छीतरदास ब्याळदासोत दू १४६, १४७
 छीतर नरा रो प. ३१३
 छीतर पूरणमल रो प. ३१३

छिनो दू. १, ११, १६
 छोहिल राजपाळ रो प ३३६, ३४०

ज

जगजीवणदास ती २२४
 जगदीत जोसो प १८०
 जगतमिण प १३०
 जगत्सिध प. ६, १५, २२, २५, ३१,
 ३३, ३५, ४५, ६८, ६६, ११७,
 १२१, २०६, २६१, ३१०
 " दू १२२, १५७
 जगतसिध घचळवासोत दू. १५६
 जगतसिध कमरसिधोत प. ३०३, ३१०
 जगतसिध जसवतसिधोत दू. १०६
 " " ती ३६, २२०
 जगतसिध (जेसळमेर) ती. २२०
 जगतसिध (नोर्बा) ती २२५
 जगतसिध (नोर्बोळ) ती. २३६
 जगतसिध (मलकासर) ती २३०
 जगतसिध मानसिध रो प. २६१, २६७
 जगतसिध (रायतसर) ती २२६
 जगतसिध (सांणू) ती २२४
 जगतसिह राजा ती २७२
 जगतहर प १२७
 जगदीशसिह गहलोत ती २६६
 जगदे दू १२४
 जगदेव प ३२२
 जगदेव पयार (परमार) प ३३६, ३३७
 " " " ती १७६
 जगदेव राव घासकरण रो दू. १३६, १४०
 जगदेव राव (पुगळ) ती. ३६
 जगधर प. १२४
 जगनाथ प. २७, ६७, ६६, ११३, १६५,
 २३६, ३०६, ३१६, ३६२
 " दू. ६१, ११६, १२३, १६५,
 १७१, १६८
 जगनाथ धमरा रो प. ३५६

जगन्नाथ ईसरदासोत्त दू. ६४, १०६
 जगन्नाथ उर्वेसिधोत्त प. ३०८, ३१४
 जगन्नाथ कलावत्त दू. १६२
 जगन्नाथ कल्याणदास रो प. ३४३
 जगन्नाथ किसनदासोत्त दू. १८७
 जगन्नाथ गोइवदासोत्त प. ३१७, ३२५,
 ३२७
 जगन्नाथ जसवंतोत्त प. २०६
 जगन्नाथ देवडो प. १६५
 जगन्नाथ नांदा रो प. ३५८
 जगन्नाथ प्रथीराजोत्त दू. १६३
 जगन्नाथ भाखरसोत्रोत्त दू. १६८
 जगन्नाथ भारमल रो प. २६१, ३००,
 ३०१
 जगन्नाथ भैरवदासोत्त दू. १६६
 जगन्नाथ माघोदासोत्त दू. १६३
 जगन्नाथ मुंहतो दू. १३१
 जगन्नाथ राघोदासोत्त दू. १४८
 जगन्नाथ राजा प. २६१, ३१४
 जगन्नाथ राजा दू. १५५
 जगन्नाथ राव दू. १६७
 जगन्नाथ रूपसोत्रोत्त दू. १४७
 जगन्नाथ विजा रो दू. १०४
 जगन्नाथ प. ३१०
 जगन्नाथ प. १८६, २३२, ३४३, ३६२
 ,, दू. ७७, ८४, ९४, १०७, १२१,
 १२२, १२६, १२८, १५६, १६६
 ,, ती. २३४
 जगन्नाथ कल्याणदास रो प. ३४३
 जगन्नाथ चंद्रसेणोत्त प. २६०
 जगन्नाथ जैसिधवेवोत्त प. २४२
 जगन्नाथ देवडो प. १३६, १८०
 जगन्नाथ नेतसी रो प. २४०
 जगन्नाथ पंचाङ्गोत्त दू. १७७
 जगन्नाथ प्रथीराज रो दू. ६८
 जगन्नाथ भाटी खोवावत्त दू. १३२

जगन्नाथ भारमल रो प. ३१७
 जगन्नाथ मालावत्त प. २४६, २५०
 ,, ,, दू. १३, १४, २४,
 ५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९७,
 २९६, ३००
 ,, मालावत्त त. ३, ४, २५२, २५३, २५४
 जगन्नाथ रांणा उर्वेसिध रो प. २२, २३,
 २४, २८, १६६
 जगन्नाथ रायमल रो प. ३२६
 जगन्नाथ रावत्त प. १४३
 जगन्नाथ रावळ उर्वेसिध रो प. ७०, ७१,
 ७२, ७३, ७४, ८७
 ,, रावळ उर्वेसिध रो ती. २६६
 जगन्नाथ राव लालावत्त प. १११, १३५,
 १३६, १६०, १६१
 ,, राव लालावत्त दू. १६१
 ,, ,, ती. २१५
 जगन्नाथ रिणमलोत्त दू. १२, १४१
 जगन्नाथ वरजांगोत्त प. २३२
 ,, ,, दू. १६१
 जगन्नाथ वीरसल रो दू. ११८, ११९,
 १२०, १२७
 जगन्नाथ लसिध (भनाई) ती. २२४
 जगन्नाथ लसिध (सांडवी) ती. २२४
 जगन्नाथ लसोदियो उर्वेसिध रो प. १५०,
 १५१, १५२
 जगन्नाथ लसोदियो वाघावत्त प. ६६
 जगन्नाथ हाडो प. ५०
 जगन्नाथ प. ३०२
 जगन्नाथ जवणसोत्रोत्त मोहिल ती. १६५
 जगन्नाथ (जुणलो) ती. २३६
 जगन्नाथ (नीवाज) ती. २३५
 जगन्नाथ (नीवोळ) ती. २३६
 जगन्नाथ (रास) ती. २३५
 जगन्नाथ प. २६, ६८
 ,, दू. १३४

जगह्व जगनाथ रो प ३०१
 जगह्व प्रतापसिध रो प ३१५
 जगह्वसिध तो २२४
 जगह्वसिध परमार तो १७६
 जग सर्मा प ६
 जगती मुख रो दू ३१
 जगती सीधळ प २२६
 जगह्व खेतली रो प २४१
 जगह्व घूह्वजी रो तो २६
 जगह्व मेहाजळ रो प ३५१
 जगादिस्य प १०
 जगो प ५१, ६७
 „ दू ८८
 जगो घासल रो प ३४३
 जगो छूढायत तो ४७
 जगो लाडखान रो प ३२१
 जगो सोळकी दू १०७
 जगो हमीरोत दू ८०
 जजात राजा दू ६
 जतहर दे० जगतहर ।
 जदु राजा दू ६, १६
 जनकादित्य प. १०
 जनकार सर्मा प ६
 जनमेजय दे० जनमेज राजा ।
 जनमेज राजा प ८ १०
 „ „ तो १८५
 जन सर्मा प ६
 जनागर दू २०६
 जग्हु प ७८
 जवदू प १०१
 जबो सींगटोत मोहिल तो १६५ १६६
 जमलो अहीर दू २२६ २२७ २२८
 जयचंद तो १८०
 जयदेव राजा परमार तो १७६
 जयवत घुधमार रो तो २१८

जय सर्मा प ६
 जयसिध (कूदसू) तो २२६
 जयसिध (केलणसर) तो २२९
 जयसिधदेव लघु (अणहिलपुर) तो ५१
 जयसिध (पातळासर) तो २३३
 जयसिध महासिधोत प २६१
 जयसिध राजा प २६१, ३१७
 जयसिध (सखमणसर) तो २३३
 जयसिधदेव (अणहिलपुर) तो ५१
 जरसो, राय कीलणदे रो प ३३१
 जरसो रावळ प २६६
 जलादित्य प १०
 जलाल अळकी तो ६६
 जलालदीन अकबर पातसाह तो १६२
 जलालवी मुलतान प २०३
 जलालवी मुलतान तो १६१
 जलालुद्दीन दे० जलालवी मुलतान ।
 जलालुद्दीन अकबर दे० जलालदीन अक
 बर पातसाह ।
 जलालुद्दीन मुलतान प २०३
 जयणसी कुतल रो प २६० २६५
 २६६ ३२६ ३३०
 जयणसी मोहिल तो १६५
 जयानसिध (रास) तो २३५
 जसकर प ६
 जसकरण प १५, ३०६
 „ दू ६४
 जसकरण (छिपियो) तो २३७
 जसकरण नरहरदास रो प ३०८
 जसकरण (बासो) तो २३७
 जसकरण भीम रो प १२१
 जसचंद घुधमार रो तो २१८
 जसपाल राणो तो १७६
 जसमाई प २६२
 जसराज (कल्याणसर) तो २२७
 जसराज रावळ कल्याणदे रो प २६५

जसवंत प. ६, २५, २७, २६, ६७, ७६,
 १६३, १६५, १६८, १८७, २०८,
 २१२, २८५, ३१३, ३२५
 .. डू. ७८, ८८, ६१, ६३, ११६,
 १२२, १२४, १२८, १२६, १४०,
 १७४, २५२, २६४
 जसवंत करमसी रो प. १२०
 जसवंत फेसोदास रो प. ३१३
 जसवंत झुंगरसीश्रोत डू. १५१
 जसवंत नारणदास रो प. ३५८
 जसवंत फरसरोम रो प. ३१६
 जसवंत भाटी डू. ७६, १०८, ११६,
 १२२
 जसवंत मदनसिध रो प. ३१७
 जसवंत मानसिधोत प. २१२
 जसवंत रावत नरहरोत प. ६६
 जसवंत रावळ प. ७६
 जसवंत रूपसीश्रोत डू. १४८
 जसवंत जूणकरण रो डू. ८१
 जसवंत बीजड़ देवड़ा रो प. १३४, १८१
 जसवंत (जसूत) बीरमदेश्रोत डू. ११७
 जसवंत घेरसलोत डू. ८०
 जसवंत सायूळोत डू. १६१
 जसवंतसिध प. २६, १३०, १७२, २११,
 २३४, २७६
 जसवंतसिध (फलासर) ती. २३०
 जसवंतसिध (पल्लू) ती. २२६
 जसवंतसिध (महाजन) ती. २२८
 जसवंतसिध महाराजा प. २११
 जसवंतसिध महाराजा डू. १०५, १०६,
 १०८
 जसवंतसिध महाराजा प्रथम (जोधपुर)
 ती. १८२, २१४, २१६
 जसवंतसिध राजा डू. १५७, २०२
 जसवंतसिध रावळ ती. ३६, २२०
 जसवंतसिध रावळ श्रमरसिधोत डू. १०६

जसवंतसिध (सांडवो) ती. २३२
 जसवंतसिध महाराजा प. २३४
 जसवंत हरीवाशोत डू. १६२
 जसवीर उर्वसी रो प. २०३
 जसहड़ प. ३६३
 जसहड़ श्रासकरणोत डू. ७४
 जसहड़ (जसळभेर) ती. २२१
 जसहड़ जमुल रो प. ३५५
 जसहड़ पाल्हण रो डू. २, ३६, ४३, ५३,
 ५४, ५५, ६४, ६५
 .. पाल्हण रो ती. ३४, २२१
 जसूत नायावत प. ३०६, ३१०, ३१३
 जसू प. ६६
 जसो प. ६६, १६७, २०१, २२६
 .. डू. ३३, ७६, १६६
 जसो श्रमरा रो प. ३५६
 जसो कचरा रो प. १६६, १६७
 जसो जगनाय रो प. ३०१
 जसो त्रिभणा रो प. २००
 जसो नायावत प. ३२७
 जसोवळ रावळ प. ७६
 जसो सोढो डू. १०३
 जसो हरपवळोत जाड़ेची डू. २३६, २४४,
 २४५, २४६, २४७, २४८, २४९,
 २५०, २५६
 जहांगीर नूरवीन पातसाह ती. १६२
 जहांगीर पातसाह प. २४, २६, ३०,
 ५६, ६३, १३०, २५६, २७६,
 २८३, २६८, ३०३, ३३१
 .. पातसाह डू. १५५, २५६
 ती. २१४, २१७, २३८,
 २७२, २७४, २७६, २७६
 जांभण डू. ३८, १४३
 जांभण पूजा रो प. ३५२
 जांभण वर्धसिध रो डू. १२७
 जांभण साजनीत ती. २४७

जानकदे हणू रो प २६६
 जानसाखान (जानिसारखान) प २६
 जानम घाघोडो प ३५०
 जामणीभाण (यामिनीभानु) प १३३
 जाम रावळ दू २१०, २१३, २१५,
 २१७ २२०, २२१, २३६ २४७,
 २४६ २५०, २५४
 , रावळ ती २६
 जामळसिध (पडिहारो) ती २३३
 जाटव ती १५६
 जाटो डूम ती १५
 जादम दू ६
 जावूराय ती २७६
 जान कवि ती २७४, २७५
 जानिसारखा फोजदार प ६६
 (दे० जानसाखान)
 जावाल (प्रजापाळ) प ७८
 जाय सर्मा प ७
 जालणसी राव (जोधपुर) ती २६, ३०,
 १८०
 जाळप दू १४३
 जाळपदास (खूहडो) ती २३१
 जाळपदास धरावत मोहित ती १७१
 जाळप राणो दू २६५
 जाळप सिधदासोत दू १६७
 जालमसिध (पडिहारो) ती २३३
 जालमसिध (बीदासर) ती २३१
 जालमसिध (सिधमुख) ती २२४
 जालमालादित्य प १०
 जालाप प ३५२
 जावदीला ती २०७
 जिंदराव घहुवाण प ११६, १३५
 १८५ १८६
 जिंदराव हाडो प १०१
 जितमत्र प ७८
 जितमत्र (जितशत्रु) प ७८
 जिंदराव प १७२, १८७, २०० २३०

जिंदराव खोधी प २५०
 ,, ,, ती ५६ ६५, ७५, ७६,
 ७७, ७८ ७९
 जिंदराव घोडो प २४७
 जिंदो जोधा रो प ३५६
 जीतमल प १०१, १११
 जीपो ई दो ती १३३
 जीवन नारण रो प ३५८
 जीवराज राजा ती १८७
 जीधो प ६८, २४३, ३५३
 , दू ७७ ७८, ६०, १४३, १५६,
 १६६
 जीधो गांगावन प २४१
 जीधो जगमाल रो दू १२२
 जीधो जेसा रो प १६६
 जीधो देवराज रो प १५७
 जीधो नरहरदास रो प ३६१
 जीधो भोजराज रो प ३५३
 जीधो रतनू धरमदासाणी दू २५३
 जीधो लूणकरण रो दू ८१
 जुगराज प १२८, १३०, १३१
 जुगलो भाभी ती १२१
 जुणसी कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।
 जुधसिध प ३१०
 जुधिष्ठिर राजा ती १८५
 जूभारसिध प २६, २१२, ३०७, ३२६
 ,, ती २२०
 जूभारसिध चत्रभुजोत प ३११
 जूभारसिध जगतसिधोत प २६१, २६८
 जूभारसिध वळपतोत प २३४ २३५
 जूभारसिध परसोतम रो प ३२३
 जूभारसिध राजा परमार ती १७६
 जूभारसिध (सलो) ती २३२
 जूभो चौधरी ती २७४
 जेठी पाहू प ३४६, ३५०
 जेठी दू १६६

जेठो गंगादास रो प. ३५३
 जेठो मांडण रो प. ३५७
 जेसळ रावळ हू. १०, १५, ३२, ३४,
 ३५, ३६, ३७, ३८, ६२
 „ „ ती. २६, ३३, २२२
 जेसावर राजा ती. १८७
 जेसो प. २२६
 जेसो कलिकरण रो हू. १५२, १५३
 „ „ „ ती. २१५
 जेसो जंता रो हू. २६४
 जेसो पतावत हू. २००
 जेसो भाटी हू. ६६, १६५, १८१, १८२,
 १६७
 „ „ ती. ७
 जेसो भैरवदासोत हू. १६४
 „ „ ती. २६६
 जेसो रायपाळोत हू. १४६
 जेसो राय (पूगळ) ती. ३६
 जेसो लाखा रो हू. २२४
 जेसो (लिखमी रो भाई) ती. १०५
 जेसो खलीर हू. २४०
 जेसो सरवहियो हू. २०२, २०६, २०७,
 २०८
 जेहो भारावत हू. २१५, २१६
 जैकिसन प. ३०८
 जैकिसनसिध प. २६८
 जैचंद हू. ६६, ७४
 „ ती. २२१
 जैचंद लखमसी रो हू. २, ३६
 जैत हू. ४५, ५३
 जैतकरण वेसू रो प. ३५२
 जैतकरण सोहड रो प. ३४०
 जैत पंचार प. १८०, १८१
 जैतमल प. २२, २२५
 जैतमल सीहावत हू. १५२
 जैतमाल प. ६१, २४६

„ हू. ८१, १६५
 जैतमाल गोयंदोत ती. ११४
 जैतमाल राजधर रो हू. ८०
 जैतमाल सलखावत हू. २८१, २८४
 „ „ ती. ३०
 जैतमाल सोढो ती. ३१
 जैतराय प. १०१, १८५
 जैतल हू. १४
 जैतल मलेसी रो प. २६४
 जैत लाक्षण रो प. २०२
 जैतसिध प. २२, ३०६, ३१५, ३१६,
 ३१६, ३२६
 „ ती. २२५
 जैतसिध अग्रसेन रो प. ३२०
 जैतसिध धासकरण रो प. ३०३
 जैतसिध (करणीसर) ती. २२४
 जैतसिध (ट्टिययो) ती. २३६
 जैतसिध (हुसारणो) ती. २३१
 जैतसिध द्वारकादास रो प. ३२३, ३२५,
 ३२६
 जैतसिध राजावत हू. ८१
 जैतसिध राव ती. १५२
 जैतसिध राय मोहणदासोत हू. १३३
 जैतसिध (सांडवो) ती. २३२
 जैतसो प. २३५, २४३, ३२७, ३४१
 „ हू. ६२, १०२, १७१, १६१
 जैतसो अचक्रावत हू. १८६
 जैतसो जदावत प. २३८
 „ „ ती. ८१, ८२, ८३, ६५,
 ६६, १००, १०१
 जैतसो कूंभा रो प. ३२८
 जैतसो जगनाथ देवडा रो प. १६५
 जैतसो (जैतळमेर) ती. २२१
 जैतसो नागावत प. २३७
 जैतसो पीयावत हू. १६४
 जैतसो, रांगा भोजराज रो प. ३४१

जंतसी रांगो प ६
 जंतसी राव दू. ६३, २२१
 ,, ,, ती १६ १७, ३१, ८०, ९०,
 ९१, ९२, १००, १०१
 जंतसी राघत प. ६६
 जंतसी राव भांगोत दू. १०७, ११६ १२१
 १३४
 जंतसी रावळ प १३, ७६
 ,, ,, दू. ११, ८४, ८५, ८६,
 ८७, ८८, ९२, १००, १२१
 ,, रावळ ती ३३, ३४, ३५, २२१
 जंतसी रावळ तेजराव रो दू. ४२, ४३
 जंतसी रावळ घडो दू. १०, १४, ३६,
 ४४, ५१, ६२
 ,, रावळ घडो तो २२१
 जंतसी राव (धीकूपुर) ती. ३७
 जंतसी बीरमदे रो प ३५६
 जंतसी तिघ रो प ३१५
 जंत सीसोदियो प ६८
 जंतसी हमीर रो प २३७
 जंतसेन दू ६
 जंतुग दू १०७, ११३, १३४
 जंतुग कोल्हाधत दू ७२, ७४, ११२,
 ११३
 जंतुग तणु रो दू १, १७
 जंतो प १६४, ३६२
 ,, दू ५३, ६६, ७७, २००, २६४
 जंतो ऊदावत दे० जंतसी ऊदावत ।
 जंतो छौंवावत छौंवा प १५३, १७०
 जंतो खेता रो प ३५२, ३५३
 जंतो जगमालोत दू. १२, १४१
 जंतो जोगावत दू. १८७
 जंतो जोधा रो ती ३७
 जंतो देवडो प. २२४
 जंतो मेहाजळ रो प १६१
 जंतो रतनोत प. २४३

जंतो रायमल रो प ३६०
 जंतो घाघेलो प. २२४
 जंतो साधळदासोत दू १७६
 जंतो सोढो प. ३६२
 जंतू जाट ती २७३
 जंपाळ प ८६
 जंपाळ राजा ती. १८७
 जंबह्ला प ३६३
 जंभाण प ३२४
 जंमल प. १११, १६६, ३६२
 ,, दू ६६, १६६
 जंमल अखैराजोत प २०८, २१२
 जंमल आसावत दू १७६
 जंमल ऊहड दू १६७, २०२
 जंमल किसना रो प ३५२
 जंमल कूभा रो प. ३२८
 जंमल जंसावत मुहतो प २२७
 जंमल तिलोकसी रो दू १६२
 जंमलदात ती २२७
 जंमल दास रो प. ३१७
 जंमल प्रथीराजोत प. १२५
 जंमल भा० प १५२
 जंमल भाटी कलावत दू १३२
 जंमल (भेळू) ती २२६
 जंमल मुहतो प २११, २२७
 जंमल रतनावत प १६७, १६६
 जंमल रांगो प. २८१, २८२, २८३
 जंमल, राम सोढा रो प ३५८
 जंमल राठोड ती १८३
 जंमल रायमलोत प १७ १८
 जंमल रासावत दू १०७
 जंमल हपसीस्रोत प ३१२
 जंमल बीरमदेश्रोत प ३२, ११२
 ,, ,, ती. ११५, ११६
 ११७, ११८, ११६, १२१, १२२
 जंमल बीरमदे सोढा रो प ३५८

जेमल सांगवत प. ६६
 जेमल साहणी प. १३८
 जेमल सीसोदियो प. २१
 जेमल हरराज रो प. १६३, १६४, १६८
 जेमाल प. ११७
 जेमुख राजदे रो प. ३५५
 जेराम प. ३०७
 जेरिख प. १२२
 जेवराय प. १३५
 जैसा ती. १८७
 जैसिध प. १२४, २७७, २७८, ३२१
 ३२२
 " दू. १२३, १३३, १७६, ३०४,
 ३०५
 " ती. २२०
 जैसिध करमचंद रो प. २०५
 जैसिधदे प. १४२
 जैसिधदे ऊदावत प. ३४६, ३५२
 जैसिधदे जोघा रो प. ३५६
 जैसिधदे रावळ दू. ८५, ८७, ८६
 जैसिधदे वरजांग राव रो प. २३२
 जैसिधदे सिधराय प. २७२, २७७, २७८
 " " दू. ३३
 " " ती. २६
 जैसिध महासिध रो प. २६७
 जैसिध रांगो प. १२०
 जैसिध राजा प. २५, ३०६, ३०६, ३१०,
 ३११, ३१५, ३१७, ३१६, ३३०,
 ३३१, ३३२, ३५६
 जैसिध राव प. १६६, १६७
 जैसिध राव मोहणदासोत दू. १०७
 जैसिध राव (घोकूपुर) ती. ३६, ३७
 जैसिध वीरमजी रो ती. ३०
 जैसिध सिलार रो प. १६४
 जैसो लींदा रो प. १६५, १६६
 जैसो जगमालोत प. ३०६

जैसो भैरवदासोत प. २१, २०७
 " " दू. ६६
 जैसो मांडण रो प. ३५७
 जैसो मालदे रो प. २०५
 जैसो राव दू. १२०, १२२, १२७
 जैसो राव धरतिप रो दू. १३७, १३८,
 १३६
 जैसो लखावत प. ३६०
 जोगराज प. ५, २५६
 " ती. ५०
 जोगराज रावळ प. ५, १२, ७६
 जोगराव प. २५६
 जोगादत दू. १२३, १२८
 जोगादत वरसल रो दू. ११८, १२०
 जोगावत प. ७८
 जोगो प. ३५३
 जोगी दू. १६, २०, २३, २४, २५
 जोगीदास प. १६६, ३१८, ३५६
 " दू. ८०, ८८, १२३
 जोगीदास ऊदावत प. ३५६
 जोगीदास कचरावत दू. १७४
 जोगीदास कांघळोत ती. १८
 जोगीदास गोयंददासोत दू. ११६
 जोगीदास ठाकुरसी रो प. ३६०
 जोगीदास मेदावत दू. १७२
 जोगीदास वेरसीओत दू. १८५
 जोगीदास सीसोदियो प. ६२
 जोगी दूहा रो प. ३५३
 जोगो प. १२४, १६०
 जोगो शल्लराजोत दू. १८७
 जोगो आसावत दू. १७६
 जोगी गौड़ ती. २६७
 जोगी जोघावत ती. १६४, १६५
 जोगी बारहठ दू. ७४
 जोगी मथुरोत दू. १४५
 जोगी मांडण रो प. ३५७

जोजड प २६३
जोजळ सालण रो प २०२
जोध प १०१, २०६, ३१२
जोध गोपाळ रो प ६२, ६७
जोध गोयबोन प ६७
जोध मानसिघोत दू १८८
जोधरथ राजा ती १८६
जोध बिहारी रो ती ३७
जोधसिघ प ३०६
जोधसिघ (जीळी) ती. २३३
जोध सोसोदियो प २७, ६३ ६४, ६५
जोधो प ३५६
" दू १७७
जोधो कथर राय रिणमल रो प १७
जोधो करमा रो दू ८०
जोधो कायळ रो प ३४१
जोधो तेजसी रो प ३५४
जोधो नारण रो प ३५८
जोधो भाटी दू १५३, १६४
जोधो मानसिघ रो प ३५६
जोधो मेहराज रो प ३४८
जोधो मोकल रो ती ११६
जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१,
२२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०,
१५८, १५९, १६०, १६१, १६२,
१६३, १६४, १६६, १६७, १८०,
१८१, १८२, २३१, २३५
जोधो राव प. २०७, ३४६ ३५१, ३५३
" , दू ६६, ८८, ३३५, ३३६,
३४०, ३४२
जोधो लाडखान रो प. ३२१
जोधो लोलावत प. २३८
जोधो सहसा रो प ३५६
जोधो सागावत प ३६०
जोधो सिघावत प. २४३
जोपसाह राठीड ती २८०

जोबनारथ प २८७
जोरावरसिघ ती २२०
जोराथरसिघ महाराजा (धीकानेर) ती. १२,
१८०, १८१, २११
जोवनजीत राजा ती १८७
जोवनार्थ प २८७
जोवनाथ प ७८
ज्ञानपति ती १८०

झ

झरडो बूडावत ती ७६
झांभण पडिहार प. २२५
झांभण भडारी प २२५
झांभण भुणकमळ दू २
झांभणसी चद्रावत ती २३६
झांभो प १६२, २००
झांभण धीठू चारण प. ५५
झालक राजा ती १७६
झूटो घ्रासियो ती. ८६
झूलो भाण प ८६, ८८
झूलो दद्रदास प ८६, ८८
झूलो साइयो प ८६, ८८
झेरडियो खूम प. २२८

ट

टॉड कर्तल ती. १६८, १६९
टोडरमल ती २७६

ठ

ठाकुर कचरा रो प १६६
ठाकुरजी प. २८६
ठाकुरसी प. १६७, १६४, २४८, ३२८
" दू ७७
ठाकुरसी घ्रासावत दू १४८
ठाकुरसी करण रो प ३६०
ठाकुरसी करमसीमोत दू. १८६
ठाकुरसी करमा रो दू ८०

ठाकुरसो जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
 ठाकुरसो जगमालोत दू. १६२
 ठाकुरसो जैतसिघोत ती. १७, १८, १५२,
 २०५
 ठाकुरसो तेजमाल रो दू. १२४
 ठाकुरसो धनराज रो दू. १२२, १२३
 ठाकुरसो रांणावत दू. १७२
 ठाकुर सेला रो प. २००

ड

डंडघर ती. १८७
 डंडपाल ती. १८६
 डांबियो ती. ७५, ७६
 डांबो थोरी ती. ७५, ७६
 डाभ रिप प. ३३७
 डाहलराय प. ५
 डाहळियो सिसपाळ रो ती. १५४, १५५
 डाह्याभाई पीतांबरदास देरासरी ती. २६३
 डूंगर देवडो प. १३६
 डूंगर भोल प. ८२, ८३
 डूंगर माना रो प. २०१
 डूंगर रिणमल रो प. १६२
 डूंगर घोमा रो प. २३१
 डूंगर सिधा रो प. ३५१
 डूंगरसी प. ६८, ७०, १५६, १६७,
 १६६, ३२८, ३४२
 ,, दू. १६८

डूंगरसी आसावत दू. १४८, १७५
 डूंगरसी कल्याणमलोत ती. २०६
 डूंगरसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
 डूंगरसी धनराज रो दू. १२४
 डूंगरसी वाला रो प. ११६, १२०, १२१
 डूंगरसी मालदेश्रोत दू. ६२
 डूंगरसी मेळा रो प. ३५६
 डूंगरसी राव दुरजणसल रो दू. १२८,
 १२६, १३०, १३३
 डूंगरसी रावळ प. ७६

डूंगरसी (लखमणसर) ती. २३३
 डूंगरसी लूणा रो प. ३६१
 डूंगरसी सांकर रो प. १६४, १६६, १६६
 डूंगरसी (सांपू) ती. २२४
 डूंगरसी सुरावत दू. १७८
 डूंगरसी हरवालोत दू. १६५
 डूंगरसीह ती. ३६
 डूंगो प. २०५
 डेलहो आसकरणीत दू. ७४

ढ

ढाहर जाड़ेचो दू. २०६
 ढील रचारी ती ७१
 ढेढियो मंगरियो दू. ३२
 ढोलो नळ रो प. २८६, २६३

त

तक्षक ती. १७६
 तगो प. २२३
 तणुं केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८
 तणुराय ती. २२१
 ततारखान प. ३२५
 ,, ती. ५३
 ततारसिध जगतसिध रो प. २६१
 तप प. ११६
 तपेसरी चहुवांण रो प. ११६
 तपेसरी घुंघ रो प. ११६
 तमाडची जांम रायसिध रो दू. २२४
 तमाडची जाड़ेचो रायवण रो दू. २०६
 तमाडची घोरमदे रो प. ३६१
 ताजखान रायसल रो प. ३२३, ३२४
 ताडजंघ प. ७८
 तातारखां प. ३२५
 तामसेन कलावंत प. १३३
 तारसिध अणवंसिघोत ती. ६०८
 तिरमणराय रायसल रो प. ३२३
 तिलोकचंद प. ३१६

तिलोकदास प ३०४
 तिलोकराम प ११७
 तिलोकसी प २३६
 „ डू ८६, १२२
 „ ती २२१
 तिलोकसी वृषावत डू १६२
 तिलोकसी जंतसिधोत ती. २०५
 तिलोकसी परबतोत डू १६२
 तिलोकसी फरसराम रो प ३२३
 तिलोकसी भाटी डू ३६, ४३, ५३, ५४,
 ५५, ५६, ५७, ५८, ६०, ६१, ६५
 तिलोकसी रूपसी रो प ३१२
 तिलोकसी वरजागोत डू १८०
 „ „ ती १०१
 तिलोकसी वंरसलोत डू. १२०
 तिलोकसी वंरागर रो डू ११८
 तिलोकसीह ती १८४
 तिहुणपालदेव ती. ५१
 तिहुणपाळ राणो ती ५२
 तीडो राव डू २८०
 „ „ ती २३, २४, ३०, १८०
 तीहुणराव वारहूठ रतन रो डू ७४
 तुगनाथ ती. १८०
 तुबर (डूलहदेव रो भाणेज) प २६०
 तुगलकशाह ती. १६१
 तुगलसाह सुलतान ती. १६१
 तुळछीदास प १०१, ३२३
 तुदसत प २८७
 तेजपाळ साह प १५६
 तेजमाल प ६१, १६३, १६६
 „ डू ६१, ६५, १२३
 तेजमान धमरावत डू. १८६
 तेजमाल किसनावत डू १२४, १२५, १३२
 „ „ ती ३७
 तेजमाल गोपद रो प २४०
 तेजमाल घना रो प २३६

तेजमाल (रोहीणो) ती २२६
 तेजमाल सूरजमलोत डू १२८
 तेजराव चाचगदे रो डू ३६, ४२, ४३,
 ६२
 „ चाचगदे रो ती ३३
 तेजल डू १४
 तेजविध जसवतसिधोत डू १०६
 „ „ ती ३६
 तेजसिध (जंतलमेर) ती २२०
 तेजसिध माधोसिध रो प २६६, ३०५
 तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२ १६३,
 १६८, ३४१, ३४२, ३५८
 „ डू. ३८, ५३, ६६, ७३ ७४, ११२,
 १६७
 तेजसी केतोदास रो प ३१४
 तेजसी छहुवाण प १८३, २२७
 तेजसी चू डावत प ७०
 तेजसी डू गरसोघोत प ६२
 तेजसी भाटी केहर रो डू. ७८
 तेजसी भोजा रो प ३५४
 तेजसी रांमावत डू १२०
 तेजसी राममल रो प ३२६
 तेजसी रावळ प ७६
 तेजसी रावळ देवीदास रो ३५
 तेजसी राव वरजाग रो प २३२, २४१
 तेजसी लूणकरणोत ती २०५
 तेजसी वणवीरोत डू. १६२
 तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४
 तेजसी सेखा रो प २०१
 तेजसी सोडो वीसा रो प ३५५, ३५७
 तेजसीह प १८८
 „ ती १४०
 तेजसीह राव ती ३७
 तेजस्वी विजड रो प १३४
 तेजो प ६६, ६६, १०१, १६५
 तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रताप रो प. १५६
 तेजो भाटी दू. ६६
 तेजो रायमल रो प. ३६०
 तेजो धानर दू. ३२१, ३२२
 तेलोचन दू. ५६
 तैस्सितोरी डॉ० ती. १७३
 तोगो प. २००
 ,, दू. ८४, १४३
 तोगो कचरा रो प. १६५
 तोगो किसनाधत दू. १६७
 तोगो दीर्घाण प. २०६
 तोगो सिया रो प. ३५१
 तोगो सूरामत प. १५३, १६७, १७०
 तोडरमल भोजराज रो प. ३२२
 प्रभवणो प. २८५
 त्रसिध प. २६२, २६३
 त्रिदस ती. १७८
 त्रिदस्यु दे० त्रिदस ।
 त्रिधानध प. २८७
 त्रिवंधन ती. १७८
 त्रिभणो करण रो प. १६६, २००
 त्रिभुवणसी कान्हडोत ती. २४
 त्रिभुवणसी, राध तीडा रो दू. २८०,
 २८३, २८४, ३१४
 त्रियारोन प. २८७
 त्रिलोचन दू. ५६
 त्रिसंकु प. ७८
 त्रिसाल प. २८७

थ

थानसिध प. ३१३
 थानसिध खांडेराव रो प. ३३१
 थाहू प. ६१
 थाहू सोदी-वारहठ प. ५६
 थिरो दू. ३८
 थिरो श्रयतारदे रो ३५५, ३६०

द

दंडपाल ती. १८६
 दत सर्मा प. ६
 दधीच प. १२३
 दधीचि ऋषि प. १२३
 दधीचि ऋषि ती. १७३
 दधाच दू. २०२
 दधाळ प. ३२७
 ,, दू. ७७, ७८, १२४, २०२
 दयाळ डोड ती. १३१
 दयाळदास प. २३६, ३०६, ३२७
 ,, दू. ६०, १२३, १२४, १६२,
 १७०, १७५, १६७
 दयाळदास खेतसीप्रोत दू. ६३, ६४, १०४,
 १०६
 ,, खेतसीप्रोत ती. ३५, २१७
 दयाळदास गोवाळदासोत दू. १४६, १४७
 दयाळदास (छिपियो) ती. २३७
 दयाळदास (जैसलमेर) ती. २२०
 दयाळदास तेगसी रो प. ३४२
 दयाळदास देईदासोत दू. १६६
 दयाळदास वळभडोत प. ३०७
 दयाळदास भाटी प. १६१
 दयाळदास (भादळो) ती. २२५
 दयाळदास भील प. ४६
 दयाळदास माघोदासोत दू. १४६
 दयाळदास (रायपुर) ती. २३६
 दयाळदास रायसल रो प. ३२४
 दयाळदास राव दू. १२१, १३०
 दयाळदास रावत दू. २६४
 दयाळदास राव (वरसलपुर) ती. ३७
 दयाळदास लिखमीदासोत दू. १८०
 दयाळदास सिढायच ती. २०६
 दयाळदास सिखरावत प. २३३
 दयाळदास सुजा रो प. २३१
 दयाळ सोडो प. ३६१

ददास रा' हू २०२
 दरमादि सर्मा प. ६
 दरियाखान प. ३२८
 दळकरण राघ ती ३५
 दलजी ती २३१
 दलपभन दे० गर्जासिध महाराजा ।
 दळपत प. २७, ६७, १६०, १६७, १८३,
 १८७, २३३, २३५, २४१, २८५,
 ३०६, ३०८, ३३१
 ,, हू ६०, ६३, १०७, १२१, १३१,
 १३४, १३६, १५७, १८७, १८६
 दळपत अळला रो प ३१५, ३०७
 दळपत कवर प. ३५४
 दळपत केशीदासीत हू १६५
 दळपत जगनाथोत प २०६
 दळपत जसधत रो प २८५
 दळपत नेताधत हू १६६
 दळपत पवार प १८३
 दळपत रामदास रो प ३३१
 दळपत राम रो प ३५८
 दळपत राजसिधोत प २१२
 दळदत राय प २८१
 दळपत लिखमीदासीन हू १८०
 दळपतसिध (कणवारी) ती २३२
 दळपतसिध (महाराजा चौका०) ती ३१
 १८१
 दळपतसिध रायसिधोत ती २०७
 दळपतसिध राय हू १४८
 दळपन सीसीदियो प १४८
 दलराय प १३५
 दलसिध (अजीतपुरी) ती २२३
 दलसिध (भेळू) ती २२५
 दलियो गहुलोत हू ३०३
 दलोप प २८८
 दलू प १६६
 दलो प २०५, २६४, ३५२, ३६०, ३६१

दलो हू २०६
 दलो घासियो प १७१
 दलो जोईयो प ३४७
 ,, ,, हू २६६, ३००, ३०२,
 ३०३ ३१७, ३१८
 दलो भुजवळ रो प. १६५
 दलो राजधर रो प २०५
 दलो राजदे रो प २६४
 दलो यिजा रो प ३५८
 दशरथ दे० दसरथ ।
 दशमनखान प ३०८
 दसरथ प ७८, १७८, २८८, २६२
 दस सक माघो ती १६०
 दससेन ती १८६
 दसाक हू ३
 दान (देवीदान) हू ७८
 दानसिध (पडिहारो) ती २३३
 दानसिध (पातळासर) ती २३३
 दानसिध (साडवो) ती २३२
 दानो भाटी हू ५७
 दामो नेता रो प ३५२
 दाऊदखान प २२३, २६२
 दामोजी हू २३७
 दामोदरसेन ती १८६
 दाराशाह दे० दारासाह ।
 दारानिकीह दे० दारामुकर ।
 दारासाह ती. १६२
 दारामुकर ती १६२
 दासू वहणीवाळ ती १५
 दासो प. १६३, १६८, १६६
 दासो नरु रो प ३१३, ११४, ३१५
 दासो पातळोन हू १७६
 दिनकर राणो प ६
 दिनमिणदास प ३३१
 दिलराम प. ३२१
 दितीप प. ७८, २८८, २६२

दिल्लीप ती. १७८
 दिवाकर प. १६२
 दीत प. १०
 दीत ब्राह्मण प. १०
 दीपचंद नाराणदास रो प. ३२६, ३२७
 दीपसिध प. ३१४, ३१६
 दीपसिध (अजीतपुरी) ती. २२३
 दीपसिध (कणवारी) ती. २३२
 दीपसिध (डुसारणो) ती. २३१
 दीरघबाहु प. २८८, २६२
 दीर्घबाहु ती. १७८
 दुजण जोघावत हू. १६४, १७४
 दुजणसल प. १६६, ३६३
 ,, हू. ६३, ६५, ६६
 दुजणसल धाराधरीस रो प. ३५५
 दुजणसल राध वरसिधोत हू. १२७, १२८,
 १२९
 दुरजणसल लूणकरणोत हू. ८६, ६०
 दुरंगदास दे० दुर्गादास (साहोर)
 दुरगदास भाटी हू. ६०, ६६, १०८,
 १२२, १२३, १३१, १३२
 दुरगदास (भादळो) ती. २२५
 दुरगदास मेघराजोत हू. १४५
 दुरगादास सहसमल रो प. ३१४
 दुरगो प. ६२, ६५, १०१
 ,, हू. ८६, ६१, २००
 दुरगो राध ती. २४०, २४६, २४८
 दुरगो सेखा रो प. ३२७
 दुरगो हमीर रो प. ३४३
 दुरजणसाल राध (वीकूपुर) ती. ३६
 दुरजणसाल प. २८१, ३२५, ३२६
 ,, ती० २२६
 दुरजणसाल नाराङ्गदासोत प. ३०४
 दुरजणसाल वलभद्रोत प. ३०७
 दुरजणसाल महिळू रो प. २८१
 दुरजणसिध प. २०६, ३२४

दुरजणसिध मानसिधोत प. २८१, २६८
 दुरजणसिध (सांगू) ती. २२४
 दुरजनसिध प. २१, २५
 दुरजो हू. ६५
 दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०
 दुरजोघन प. १३३
 दुरवासा प. १२२
 दुरसदास प. ४०
 दुरसो ब्राह्मो प. १७०
 दुर्गादास राठोड ती. २१३, २२६
 दुर्गादास (बैणातो) ती. २३१
 दुर्गादास (साहोर) ती. २३०
 दुर्जनमल राजा ती. १६०
 दुर्जनशाल दे० दुजणसल घ दुरजणसल ।
 दुर्लभराज ती. ५१
 दुलराज प. २६३
 दुलह प. १६
 दुलहराम प. १२६
 दुलेराय काराणी हू. २१४, २३७
 दुमाभक जैतकरण रो प. ३५२
 दुसाभक रावळ हू. १, १०, १५, ३१, ३२,
 ३३, ३४, ३५
 ,, रावळ ती. २२२
 दूगड्जो ती. ४६
 दूदो प. १५०, १६६, ३१६, ३४३
 ,, हू. ८१, १२४, १६८
 दूदो अडवाल रो प. ३६१
 दूदो आणंदोत हू. १५४, १५६, १६२
 दूदो कांन्हावत हू. १८१
 दूदो चौदो प. १५६
 दूदो जैमल रो प. १६७
 दूदो जोघावत ती. ३८, ३६, ४०
 दूदो नौघावत हू. १६७
 दूदो प्रथीराजोत हू. १६३
 दूदो प्रागदासोत हू. १८३
 दूदो भांना रो प. ३६०

दूदो भीष रो प ३२७
 दूदो माना रो प. २०१
 दूदो मेहरावत प १६८, १६९
 दूदो राजधर रो प २०५
 दूदो राव भर्षराज रो प. १३५, १३७,
 १४०, १६१
 दूदो रावत प ५०, ६६
 दूदो रावत जगधर रो प १२४, १२५,
 १२६
 दूदो राव नगा रो ती २४९
 दूदो रावळ दू. ३९, ४३, ४४, ५१, ५३,
 ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५
 ,, रावळ ती. ३४, १८४, २२१
 दूदो राव सुरजन रो ती २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७०, २७१, २७२
 दूदो लकडखान रो प १११, ११२
 दूदो चंरसल रो प ३५३
 दूदो सकर्तासघोत दू १६५
 दूदो सहसमल रो प ३१४
 दूदो सागावत प ६८
 दूदो सुरजन रो प ३१५, ३१६
 दे० दूदो राव सुरजन रो ।
 दूतहदेव प. २९०
 दूतहराव सोढल रो प २९५
 दूतंराव लूणकरण रो प ३१९
 दूसळ दू ५८
 देईदास प २४२, २४३
 ,, दू १६६, १६८
 ,, ती २३४
 देईदास कानावत दू १६५
 देईदास जैतावत दू १६२, १६३
 देईदास तेजा रो प ३५२
 देईदास पतावत मेहवचो दू १७५
 देईदास भानीदास रो दू १०४
 देईदास भायल प १९४, १९८, २४०,
 २४१

देईदास भोपत रो प ३१७
 देईदास मनोहरदासोत दू १७०
 देईदास महकरणोत प २३३
 देईदास माघोदासोत दू १८८
 देईदास घोरावत दू १७७
 देईदास सहसमल रो प. ३१४
 देव दू १५
 देवल दू १४
 देवो प १६८
 देवो दू १०७, १२४
 देवो चहुवाण बागडियो प ११९, १७२
 देवो भंरवदासोत दू १७८, १९०
 देवो रतनू-बारहू दू ७४
 देवो रावळ प ७९
 देवो वणवीरोत प २४२
 देवो सीहूड घनराज रो दू १०४
 देवो सोळकी दू १०७
 देवो हुमीर रो प २३७
 देपाळ प २३२, २६१, २८०
 देपाळ जोईयो दू ३०४
 देपो प ३६३
 देपो प २०५
 देतण काकिल रो प. २९४, ३३२
 देतो प ३४१, ३४३
 देत्हो दे० देतो ।
 देवकरण दीवाण गोपाळ रो प ३१०
 देवकरण राजा ती १७५
 देवनीक ती १७८
 देवराज घोडावत ती १५७
 देवराज प १५७, १६८, २३९, २६१,
 २८५, ३६०, ३६१, ३६२
 ,, दू ५८, ९३, १०४, १९९,
 २०१, ३०४
 देवराज आसराव रो प ३६३
 देवराज कापळ रो दू १४५
 देवराज मूळराज रो दू १०, ५३, ७३,
 ७५, ९२, १४४

देवराज मूळराज रो ती. ३४, २२१
 देव राजवर रो प. ३५६
 देवराज भोहा रो प. ३३६
 देवराज मांडण रो प. ३५६
 देवराज घाघेलो प. २६१
 ,, ,, ती. ५०
 देवराज विर्जेराव चूडाळा रो
 दे० देवराव विर्जेराव चूडाळा रो ।
 देवराज घोका रो ती० २०५
 देवराज धीरमोत ती. ३०
 देवराज वीसा रो प. १६६
 देवराज सांखलो प. ३५३
 देवराज सातळोत दू. ८४
 देवराज तीहड रो प. ३४०
 देवराजादित्य प. १०
 देवराव विर्जेराव चूडाळा रो दू. १०,
 १८, १६, २०, २१, २२, २३, २४,
 २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१
 देव सर्मा प. ६
 देवसिंघ प. ३०४
 देवांनी प. २६३
 देवाइत दू. १६
 देवाणिक प. ७८
 देवादित प. ३, १०
 देवादित्य दे० देवादित ।
 देवानीक प. २८८
 देवायर प. १६२
 देवियो थोरी ती. ५६
 देवीदांन दू. १०८, १६८
 देवीदांन सोम-भाटी दू. ७७
 देवीदांन सांघतसी-भाटी दू. ७७
 देवीदास प. १६, ३३, १४३, १६३, २११
 ,, दू. ८२, १०२, १२३, १३०, १६७
 देवीदास (कणवारी) ती. २३२
 देवीदास चाचा रावळ रो दू. ११, ८३, ८४
 ,, ,, ,, ,, ती. ३५

देवीदास चूडासमा रो दू. १
 देवीदास जेतावत प. ६१, ३५४, ३५७
 देवीदास (जंस०) ती. २२१
 देवीदास भाटी दू. ८५
 देवीदास सकतसिघोत दू. ६५
 देवीदास सुजावत राव प. ५०, २५६
 देवीसाह प. १२६
 देवीसिंघ प. ३०६
 देवीसिंघ (ऊडसर) ती. २२६
 देवीसिंघ करणसिघोत ती. २०८
 देवीसिंघ (जंतपुर) ती. २३०
 देवीसिंघ (भनाई) ती. २२४
 देवो ऊदावत प. १५२
 देवो त्रिभणा रो प. २००
 देवो विक्रमादीत रो दू. १४४
 देवो हाडो (बांगरो) प. ६७, ६८, ६९,
 १००, १०१
 देवो हिमाळा रो प. २४४
 देसपाल ती. १८८
 देसळ दू. १०, ३२
 देसावर राजा ती. १८६
 देसावळ माघो ती. १६०
 देहड मंडळीक प. १२३
 देहु रांणो प. १५
 देहुल विर्जेराव रावळ रो दू. ३३
 देहो दू. १२६
 दोदो सूंमरो ती. ६२, ६७, ६६, ७१,
 ७२, ७३
 दोराव रांणो प १२३
 दोलतखान प. १०१
 दोलतखान भाटी दू. २, १०, १२२
 दोलतखान भोजू दू. १८६
 दोलतखान कवि ती. २७५
 दोलतखान ती. ६०, ६१, ६३, २३०
 दोलतखान वहियो ती. २६८, २६९,
 २७०, २७१

दोलतसिंघ प. ३२२
 दोलतसिंघ (कल्याणसर) ती. २३४
 दोलतसिंघ (खनाघडी) ती २३६
 दोलतसिंघ गजसिंघोत भाटी ती २१३
 दोलतसिंघ (तिहाणवेसर) ती. २२७
 दोलतसिंघ (नींबाज) ती २३५
 दोलतसिंघ (धाप) ती. २२३
 दोलो गहलोत दू ३१४
 घास दू २०२
 ब्रह्मास प. २६२
 ब्रह्मास ती १७७
 द्रोण दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
 द्रोणधर प २६०, २८०
 द्रोणाचारज दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
 द्रोणाचार्य महर्षि ती. १५३, १५४
 द्वारकादास प ३०६, ३२२, ३२३, ३२७
 द्वारकादास गिरधरदास रो, राजा प.
 ३२१, ३२७
 द्वारकादास नरसिंघदास रो प ३२०
 द्वारकादास नीचा रो प ३११, ३१२
 द्वारकादास पतावत दू १७१
 द्वारकादास भाटी दू ६४, १०६, १३१,
 १३२, १६७, १८८, १६७
 द्वारकादास मनोहरदासोत दू १२०
 द्वारकादास मेडतियो दू. १७७
 द्वारकादास मेहाजळ रो प १६०

घ

घणसुर दे० घणसुर ।
 घनवालसेन ती. १८६
 घनकपाळ प २८६
 घनराज प १६७
 „ दू. ८१, ६३, १२१, १२२,
 १२४, १२८, १३८
 „ ती २३१
 घनराज खेतसीघोत दू ६६

घनराज गोयदासोत दू. १८०
 घनराज जैतावत दू २००
 घनराज नेतावत दू. १०७
 घनराज धोकावत दू १७३
 घनराज सावळदासोत दू १८१, १८२,
 १८४
 घनराज सीहड उधरणोत दू १०३, १०४
 घनराज हरराज रो प १६३, १६४
 घनालसेन ती १८६
 घनुद्धर प ७८
 घनो ब्राह्मणत दू १७७
 घनो गौड ती २७०
 घनो जोगा रो प ३५७
 घनो भांडणोत प. २३६
 घनो धीसा रो प १६६
 घरण सा प. ३६
 घरणोवराह प ३३७, ३३८, ३५५, ३६३
 „ ती १७५
 धरमचंद प. ३२६
 धरमदेव प ३३७
 धरमागद प. २७
 धरमो दू १४३
 धरमो धोडू प ३४७
 धरमोस प २६२
 धर्म सर्मा प ६
 धर्मागद राजा ती १७५ (दे० धरमागद)
 धर्मवि प. २८८
 धवल जाडेचो दू २२५
 धवलोजी राय इंदो दू ३१०
 धांघळ ती २६, ५६
 धांघू प ३३७
 धाऊ भेड्डो दू. ६०, ६१
 धारगिर राजा ती १७५
 धारदे दे० धोरदे जोईयो ।
 धारदे मढोत जोईयो ती. ३०
 धार धवल दे० धोर धवल ।

घारावरीस सोमेसर रो प. ३५५, ३६३
घारु ग्रानळोत प. २५३, २५४, २५५,
३४०

„ ग्रानळोत ती. २८६

घारो देवडो प. १५६

घारो सोढो प. २२५

वाहडु राजा ती. १७५

घिलनाशय प. ७८

घिपताशय दे० घिलनाशय ।

घोरजवे दे० घोरवे जोईयो ।

घोरतसिध (सांडवो) ती. २३२

घोरतसिध (तिरंगसर) ती. २२४

घोरतसिध (हरदेसर) ती. २३२

घोरवे जोईयो दू. ३१७, ३१८, ३१९,
३२०

घोरघवळ ती. ५३

घोर राठोड ती. २१६

घोरसेन राजा ती. १७५

घोरो जसिधदेघोत प २३२, २३६

घोरो देघराज रो दू. २०१

घोरो मालक रो प. ३३१

धुंभाळक परमार ती. १७६

धुंघ प. ११६

धुंघमार प. ७८, २८७, २९२

धुंघळ प. १७२

धुंघळियो साहणी प. २२६

धुंघुमार ती. १७७, २१८ (दे० धुंघमार)

धुवसघ प. २८८

धुंघळीमल जोगी दू. २०६, २१०, २१२

धूमरिख ती. १७५

धूमरिख दे० धूमरिख ।

धूमरिखालक दे० धुंभाळक ।

धूमरिखी राव ती. २६, १८०

धुतल्यंद ती. १८५

धोधादास दू. ८१

धोवो दू. ८०

घोम ऋषि प. ३३७

घोमरिख प. २८०

घोमरिख प. २६१, ३३७

घोमारिख प. ३५४

ध्रुवसंघ ती. १७६

ध्रुवसंघि ती. १७६

ध्रुवसिन्धु ती. १७६

न

नंदराय प. ४७

नंदराय बालणोत प. २७६

नंदियो प. १७४

नंदो प. २७६

नकोदर पांटे रो ती. १४, १५

नगजी राव चंदे रो ती. २४८, २४९

नगराज खींदे रो प. ३४१

नगो प. १७, २२, २७, ६७, १६६,
१६८, २०५

„ दू. ७७, ७८, २६४

नगो भारमलोत ती. ११७, ११८, ११९,
१२०, १२१

नगो सवरा रो प. १६७

नवो सोढो दू. २२१, २२३

नयपाल राजा ती. १८८

नरदेव प. ५, २६०

नरनाथ सर्मा प. ६

नरपत जाम दू. २०६

नरपति राणो प. ६

नरपाळ प. २८६

नरबद प. ४६, ५०, १०६, ११०, १२५,
१२६

„ दू. १६७, १६८

नरबद मेघावत मोहित ती. १६१, १६२,
१६३, १६४, १६६

नरबद सत्तावत दू. ३३६

„ „ ती. ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४,
१४५, १४६, १४७, १४८, १५०

नरबिम्ब रावळ प. १२

नरधम रावळ प. ७६

नरब्रह्म रावळ दे० नरधम रावळ ।

नरवाहण प. १२३

नरवाहण रावळ प. ७६

नरवाहन रावळ प. ५, १२

नरवीर रावळ प. ७६

नर सर्मा प. ६

नरसिंघ प. १२६, १६३, १६६, १६७,
२००

„ दू. ६६, ८१, १०७, १२०, १६०,
२००

नरसिंघ उदकरणीत प. २६०, २६५,
२६७

नरसिंघ ऊदावत दू १७३

नरसिंघ खीदावत ती १४१

नरसिंघ गोपवदासोत दू १८०

नरसिंघदाम प २३६, ३०४, ३०५,
३२०, ३२४, ३२५

„ दू १८४

नरसिंघदास ईसरवास रो प ३५४

„ „ „ दू. १६१

नरसिंघदास कल्याणदासोत दू १५८

नरसिंघदास छीतरवास रो प ३०८

नरसिंघदास जाट ती १४, १५

नरसिंघदास देवीदासोत दू ८५ ८७, ८६

नरसिंघदास (नींबोळ) ती २३६

नरसिंघदास फरसराम रो प ३१६, ३२४

नरसिंघदास भालरसीधोत दू १५२

नरसिंघदास (भेळू) ती. २२५

नरसिंघदास मानसिंघ रो प. ३२६

नरसिंघदास मुहतो जैमलोत प. ७७

नरसिंघदास रावत प. ४६, ६५, ६६

नरसिंघदास (रोणवो) ती. २२६

नरसिंघदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२०
नरसिंघदास सावळदासोत दू. १७४,
१८२

नरसिंघदास सोंघळ ती ३८, १४१,
१४३, १४४, १४५, १४६

नरसिंघ देवडो तेजा रो प १६५

नरसिंघ बापा रो प ३४३

नरसिंघ भाणोत दू १५१

नरसिंघ राजा ती १६०

नरसिंघ घाघावत दू १६२

नरसिंघ सोंघळ प २२६ (दे० नरसिंघ-
दास सोंघळ)

नरसिंघ सोढो प ३६१

नरहर प १२, १३३

„ दू ८८, ९०, ९४, १२३, २००

नरहरवास प २७, ६७, १०२, १११,

१२५, १५६, १६१, १६५, १७८,

२१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६

३२५

„ दू १७४, २६४

नरहरदास ईसरदासोत दू १५५, १५६

नरहरदास केसोदासोत दू १७

नरहरदास गोपददासोत दू १५०, १५५

नरहरदास दुरगावत प ३४३

नरहरदास पचाडण रो प ३०७

नरहरदास भानोदासोत दू १६६

नरहरदास भंरवदासोत दू १६६

नरहरदास रामोत दू १२०, १२२

नरहरदास रायसिंघोत दू १६४

नरहरदास सावळदासोत दू १७६

नरहरदास सोढो प. ३६१

नरहर रावळ प १२

नराडण जोधावत दू १७३

नराडणदास प. ६७, ६९, २१०, २११,

३२०

नराडणदास आसावत दू १४७

नराइणदास खंगारोत प. ३०४
 नराइणदास हाडो प. १०४
 नरु प. १५, ३१८
 नरु मेहराज रो प. ३१३
 नरो प. २०५, ३५७
 ,, दू. ८१
 नरो अजावत दू. १४४
 नरो राजा चंद रो प. ३१३
 नरो घोकावत ती. २०५
 नरो सुजावत ती. १०३, १०५, १०६,
 १०७, १०९, ११०, १११, ११२,
 ११३, ११४
 नरु प. २८९, २९३
 ,, ती. १७८
 नलनाभ प. २८८
 नवखंड रावळ प. १३
 नवघण प. २४६, २४७
 ,, दू. २०२
 नवग्रहा प. ११७
 नवर्लसिघ (खूहड़ी) ती. २३१
 नवर्लसिघ (गोरीसर) ती. २३१
 नवर्लसिघ (साखू) ती. २२४
 नवसहसो दे० मालदेव राव ।
 नवसेरीखान प. २५७
 ,, दू. २६२
 नस्ता (नरु) राघळ प. ७९
 नांगळ दुगणसाल रो प. ३५५
 नांदण दू. ६६
 नांदो विजा रो प. ३५८
 नांग चावडो दू. ३११
 नांगवे प. १३०
 नांगवे प. १२९
 नागवाळ राणो प. ६, १५
 नागावित प. ३, १०
 नागावित्य दे० नागावित ।
 नागारजन खंड रो दू. २०२, २०३

नागार्जुन दे० नागारजन ।
 नागोरीखान ती. १२९, १३२
 नाटो प. १५९
 नाटोजंध प. ७८
 नाथ ती. १०८
 नाथू प. २०५
 नाथू माला रो दू. १७८
 नाथू रतनसी रो प. ६७
 नाथू रिछमलोत दू. ११६, १४३
 नाथो प. १२१, २३६, ३१६, ३२१
 ,, दू. ७५, ७९, ८८, ९०, १२३,
 १२५, १८४, १८७, १९१, १९९,
 २६४
 नाथो खंगारोत ती. ३७
 नाथो गोधाळदास रो प. ३१०
 नाथो घाय-भाई दू. १८०
 नाथो पतावत दू. १७१
 नाथो भाटी किसनावत दू. ७८
 नाथो रूपती रो दू. १९६, १९७, १९८,
 १९९
 नाथो लिखमीदासोत दू. १६६
 नाथो लूणा रो प. ३२७
 नाथो चोरम रो प. १९७
 नाथो सिघ रो प. ३१५
 नादो दू. १४३
 नादो रायचंदोत भाटी दू. ९९, १००
 नापो प. १०१
 ,, दू. १४३
 नापो घोरा रो प. ३३१
 नापो मांगकराव रो प. ३४६, ३५३,
 ३५४
 नापो रिणधीरोत ती. १३०
 नापो चरजांग रो दू. १९८
 नापो सांखलो ती. ५, ८, ९, ११, १९,
 २०, २१
 नाभंगराय प. २८८

नाभ प ७८
 , ती १७८
 नाभसुख (नाभसुख) प ७८
 नारण प १०१, २३५
 दू १४३ २६४
 नारण जोधावत दू १६४
 नारणदास प २७ ६३ १६५, ३२७
 , दू ८१ ६६, १६२, १८६
 नारणदास अखैराजोत दू १८८
 नारणदास ईसरदासोत दू १८६
 नारणदास पातावत प ३१
 नारणदास भाडा रो प १०२
 नारणदास भनिदास रो प ३४३
 नारणदास मानसिध रो प ३२६
 नारणदास माघोदास रो प ३५८
 नारणदास मालवेप्रोत दू ६२
 नारणदास रायसिधोत दू २५५ २५६
 नारणदास रावळ जैतसी रो दू ८५
 नारणदास साईदास रो दू १७६
 नारणदास सावळदासोत दू १७६
 नारणदास सूजायन दू १६०
 नारसिध ती २२८
 नाराइण गोयव रो प ३५८
 नाराइणदास प ३२०
 नाराइणदास जमसोत प ६६
 नाराइणदास पचाइणोत प ३०६
 नाराइणदास भाणोत प २१०
 नाराइणादित्य प १०
 नाराणदास बोडो प २४६ २४७
 नाराणदास धाघावत प २४७
 नारायण प १६७ १६६ २३७ २४२
 ३३१
 नारायण ती २२०
 नारायणदास आसकरणोत दू १३६
 नारायणदास (करेभडो) ती २२७
 नारायणदास (तिहाणदेसर) ती २२७

नारायणदास (भळ) ती ०
 नारायणदास शैरवदासारी
 नारायण मुहणोत प १६६
 नारायणदास (मेवसर) ती
 नारायणदास रावत प ६२
 नारायण रोमलोत दू १
 नारायणसन राजा ती १८
 नाल प २८८
 नाल्हो सीहड रो प ३४१
 नासरदीन सुलतान ती १६१
 नासर संद ती २७३, २७५
 नासिर सैयद दे० नासर संद ।
 नासिद्दीन दे० नासरदीन सुलतान ।
 नाहडराय पडिहार ती २८
 नाहर दू ६५
 नाहरखान प २७, ६५ ६६, ११७
 १४२, १५४, १५५ १५८, ३२५
 नाहरखान दू १०८, १३०, १५६
 १८८, २६३
 नाहरखान गोकळदास रो प २०६
 नाहरखान नाराणदास रो प ३५८
 नाहरखान राघोदास रो प २८३
 नाहरसिध (जाकरी) ती २३३
 नाहरसिध (रावतसर) ती २२६
 निकुभ प १२२
 ती १७३, १७७
 निकुभ श्रष्टि दे निकुभ ।
 निखय प ७८
 निपम राजा ती १८६
 निर्जाम साह ती २७६
 नित्यानद सर्मा प ६
 निरघोस प ६
 निधगराह प २८८
 निपय ती १७०
 नीबो प ७०
 नीबो आणवोत दू १५४, १६०

नींदो कांधळोत ती. १६, २१
 नींदो जैसिघडे रो प. २३२
 नींदो जोधावत ती. ३१
 नींदो मुंहतो दू. १३५
 नींदो राव महेशोत दू. १८२
 नींदो सिवदास रो दू. १६७
 नींदो सीमाळोत दू. ४१, ४२
 नींभड पोहड दू. १३
 नीतपाळ प. २८६
 नीत राजा ती. १८६
 नील प. ७८
 नूरुद्दीन जहांगीर यादशाह दे० जहांगीर
 नूरुद्दीन पातसाह ।
 नेतसी प. १६६
 ,, दू. १६२, १७४
 नेतसी अजावत दू. ८०
 नेतसी दुजणोत दू. १७५
 नेतसी भा० प. १५२
 नेतसी मालदेशोत दू. ६६
 नेतसी मेहरांवन रो प. ३६१
 नेतसी रामोत दू. १२०
 नेतसी राव दू. १२१
 नेतसी धीरमोत प. २४०
 नेतसीह राव (वरसलपुर) ती. ३७
 नेतो दू. १६८
 नेतो चाचा रो प. ३५१
 नेतो जैमलोत दू. ६६, १६६
 नेतो परबत रो दू. ८२
 नेतो विजा रो दू. ११७
 नेमकादिरप प. १०
 नेणसी मुंहतो प. ८८, १७२, २७६
 नेणसी मुंहतो ती. ४६, १६८, १७३,
 १७४, १७७, २१४, २१६, २६४
 नेणसी सिवराज रो प. ३५६
 नींघण रा' दू. २०२
 न्यामतळां कधि ती. २७४

प

पंच दे० चंप ।
 पंचाहण प. २२, २५, १०६, १६५, ३०६
 ,, दू. ६६, १२०, १४२, १५१
 ,, ती. ६६, ६७, २२०
 पंचाहण कचरा रो प. १६५
 पंचाहण खेतसी रो दू. ६३, ६५
 पंचाहण जैतसीश्रीत दू. १६६
 पंचाहण जोधावत दू. १६४, १७७
 पंचाहण पंधार प. १४१
 पंचाहण प्रथीराजोत प. २६०, ३०७,
 ३०६
 पंचाहण भगवानदासोत दू. १५२
 पंचाहण मूळावत दू. १६०
 पंचाहण मेहाजळ रो प. १६१
 पंचाहण रांगा भोजराज रो प. १७२
 पंचाहण रूपसी रो प. ६७
 ,, ,, ,, दू. १४८
 पंचाहण हुमीर रो प. २३७
 पंचायण दे० पंचाहण ।
 पंचायण रावत ती. १७६
 पंजुन सामंत प. २६०
 पंजू प. २२०, २२१
 पंजू पायक दू. ४१, ४२, ६१
 पंडरिष्य प. २८८
 पंडवो प. १६
 पंधार प. ३३६
 पताई रावळ ती. २५, २६
 पताळसिंध दे० पातळसिंध राजा ।
 पतो प. २७, ११६, १६८, १६८, ३३०,
 ३५८, ३६२
 पतो दू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४,
 १६७
 पतो गांगा रो प. ३५५, ३५६
 पतो धारण प. १३६
 पतो चीबो प. १४८

तो जंमल रो दू. १४५
 तो जौगोदास रो दू. १६६
 तो बहियो प. २२६
 तो देवडो सांवतसीघोत प. १५३
 तो नगावत दू. १८१
 तो नींवावत दू. १५४, १६०
 तो मदा रो प. १६७
 तो महनसी रो प. १३५
 तो महिपा रो प. ११६
 तो मूळावत दू. १६०
 तो रांणावत दू. १५१, १७१
 तो रांणो प. ३५८
 तो राजघर रो दू. १७७
 तो रायमल रो प. १६
 तो राव कला रो प. १६०
 तो रूपसी रो दू. १६६, १६७
 तो सिधावत प. २४३
 तो सिखरा रो प. १६५
 तो सींघळ प. २२५
 तो सीसोदियो प. ३२, ६७, १११,
 ११२
 , " तो. १८३
 तो सुरताणोत दू. ६६, १०८
 तो सूजा रो प. २३६
 तो सूरु देवडा रो प. १७०
 अत्रनेत्र प. ७८
 अदमपाळ प. २८६
 अदम राणो दू. २६५
 अदम रिख दू. ६
 अदमसिंघ दू. ६३
 अदमसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
 अदमसिंघ (जोळी) ती. २३३
 अदमसिंघ (जेसळमेर) ती. २२०
 अदमसिंघ (जंतपुर) ती. २३०
 अदमसिंघ भाटे दू. ११०
 अदमसिंघ (भादळो) ती. २२५

अदमसी प. १६३
 अदमसी कांनडदेघोत दू. २८३, २८४
 अदमसी रावळ प. ७६
 अदमसी विजंसी रो प. २३०, २३१
 अदमादिरय प. १०
 अदमो सेठ ती. २१५
 अदारय ती. १८०
 अघ ऋषि दू. ६
 अघनाभ कवि प. २०४, २१५
 , , ती. २६३
 अघो जाड़ेचो दू. २५३, २५४
 अमार डाहळियो ती. १५४
 अमो घोरघार ती. ५८, ६०, ७८, ७९
 अरताप प. ११७
 अरतापसिंघ मानसिंघोत दू. १६३
 अरतापसी लूणकरणीत ती. २०५
 अरपाळ राजा ती. १८५
 अरवत प. ३६१, ३६२
 अरवत आणंदोत दू. १५४, १६२
 अरवत केहर रो दू. ७८
 अरवत गांगा रो दू. ८१, ८२
 अरवत रावत प. ७१, ७२
 अरवतसिंघ प. ४०, १७४
 अरवतसिंघ मेहाजळ रो प. १६१
 अरवतसिंघ सीसोदियो प. १५५, १५६,
 १५७
 अरवत सेखा रो प. १६८
 अरमपय राजा ती. १८६
 अरमार प. ४
 अरवेज साहिजादो प. ३२१
 अरसराम प. ६८
 अरसराम भारमलोत प. २६१
 अरसराम रायसलोत प. ३२३
 अरसराम (हरदेसर) प. २३२
 अरसोतम प. ३२३
 अरसोतमसिंघ प. २६८, ३२२, ३२३

पराछित ती. १८६
 परिपाल ती. १८५
 परियत्रराइ प. २८८
 परीआइत डू. ६
 परीक्षित ती. १८५
 परीकत प. ८, १०
 परीहयत राजा प. १०
 परुपत प. २८७
 परुरव पैवार रो प. ३३६
 परुराई ती. १७५
 पवन्य प. ७८
 पसायत गाडण डू. ११८
 पसो प. २१
 पहपलकराज प. २८८
 पहलादसिध प. ३११
 पहारासिध ती. २२४
 पहारा ती. २३४
 पहोड डू. १७ वे० पाहोड
 पांचो डू. ८१, १६६
 पांचो नगा रो प. १६७
 पांचो मांनारो प. १६८
 पांचो वीला रो प. १६६
 पांडव ती. १५३, १५४
 पांडो गोवा रो ती. १३, १४
 पांणराज प. २८८
 पातळ किसनावत डू. १६४
 पातळ लोमावत डू. ८४
 पातळ घरसिध रो डू. १२७
 पातळसिध राजा ती. १७६
 पातो चोवी प. १४६
 पातो नभवणा रो प. २८५
 पातो फरात प. १४५
 पातो भरमा रो प. १७२
 पातो रावत डू. ६७
 पातो वीकमसी रो प. २३१
 पातो सांगा रो प. १७२

पावुळी ती. ४०, ५८, ५९, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ७९
 पायक प. २८८
 पारजात प. ७८
 पारारिख प. १२२
 पारियात्र ती. १७६
 पाल उदैचंद राजा रो प. ३३६
 पालण काल्हणोत वे० पाल्हण काल्हणोत
 पालण पंवार प. १८१
 पालणसी छोहिल रो प. ३३०
 पालदेव सर्मा प. ६
 पाल्हण काल्हणोत डू. २, ३६, ५४
 " " ती. ३४, २२१
 पासैनजित प. २८७
 पाहर्दासिध प. १३०
 पाहण ती. २२१
 पाहु बापा राय रो डू. १, १०, ३३
 पाहु जेठी प. ३४६, ३५०
 पाहोड डू. १ वे० पहोड
 पियुराव डू. ७७
 पिथोरो राजा ती. १६०
 पिराग जांभणोत प. २३८
 पिरागदास प. ३२३
 " डू. १३३
 पिरागदास वीरमदेवोत डू. १७१
 पिराग भाटी डू. ६६
 पिरोजशाह वे० पीरोसाह ।
 पोच सर्मा प. ६
 पोत सर्मा प. ६
 पोताम्बरदास देरासरी ती. २६३
 पोयड घूहड रो ती. २६
 पीयम राघ प. ३६२
 पीयमराघ तेजसोयोत प. २३२, २४१
 पीयळ वे० प्रिथोराज कल्याणमलोत ।

१) पल्लसिघ दे० पातलसिघ राजा
 १) यो प. १६४, १६६, १६९, ३१६,
 ३२९, ३३०
 १) यो दू. ६६, ७७, ९०, ९२, ९५,
 १२८, १७५, १९८
 १) यो घ्राणंघोत दू. १५४, १६३
 १) यो ऋग्हायत दू. १८१
 १) यो जसूतोत दू. १७०
 १) यो देदावत दू. १९०
 १) यो वीसावत दू. १९४
 १) यो सीसोदियो घाघावत प. ६४, ९६
 १) राजादो दू. ४५
 १) र ब्रह्मान चिसती प. ३१८
 १) रो आसियो दू. १०१
 १) रोत दू. ३४२
 " ती. १८
 १) रोतशाह पातसाह दू. १
 " " ती १८४
 १) रोसाह पातसाह दू. १, १०, ५०
 १) रोसाह सुसताण ती. १९१
 जन राजा प. २९३, २९४, २९६
 ज राजा ती १८०
 ङरीक प. ७८
 " ती. १७८
 णपाल राणो प. १५
 प्यपाल दे० पुनपाळ ।
 घन्वा (सुघन्वा) प. ७८
 नपाळ ऊदा रो प. ३४६
 नपाळ जागळवो प. ३५४
 नपाळ राणो प. ६
 नपाळ रावळ लखणसेन रो दू. ४२,
 ४३, ११४
 नपाळ रावळ लखणसेन रो ती. ३३
 नराज दू. ३२
 नसी दू. ८९
 नसी, रावळ जंतसी रो दू. ८५

पुरस बहावर प. ३२२
 पुरकृतस ती १७८
 पुररवा दू. ९
 पुररवा दे० परुराई श्रीर पुररवा ।
 पुरयोत्तमसिह प. ३२३
 पुष्कर ती. १७९
 पुष्पसेन दे० पोहपसेन ।
 पुष्य ती. १७९
 पूजो दू. ८९
 पूजो घूडा रो प. ३५१
 पूजो पाता रो प. १७२
 पूजो राजा रो प. ३५२
 पूजो रावळ प. ७७, ७९, ८७
 पुनो प. १९९, २००
 पुनो इंदो दू. ३४२
 पुनो घवंडे रो दू. ३१०
 पुनो बोला गहिलोत रो दू. ३१४, ३१५
 पुनो भाटी राणावत दू. ६६
 पूरणमल प. १०४, १०८
 " दू. १२५
 पूरणमल कांघळोत ती. १६
 पूरणमल गोपाळदासोत दू. १८९
 पूरणमल जंतसिघोत ती २०५
 पूरणमल दासा रो प. ३१८
 पूरणमल प्रताप रो प. २८
 पूरणमल प्रथोरानोत प. २९०, ३१३
 पूरणमल मांडणीत दू. १८६
 पूरणमल मालदेघोत दू. ९२
 पूरणमल राजा दू. ३३५, ३३६
 पुरो प. १०९, १९९, ३१६, ३४२
 " दू. १२९, १३०, २६२
 पुरो जेमलोत प. ६९
 पुरो भाणोत प. २६
 पुरो राणावत दू. १७२
 पुरो सिघ रो दू. २६४
 पुथीप प. ६

पूथुश्रवा प. २८८
 पूथुवीराज कुंवर ती. २४७
 पूथुवीराज चौहान प. २६६
 पूथुवीसिंघ (लोवो) ती. २३२
 पेयड़ प. ६, १४, १५
 ,, दू. १००
 पेमली थोरी ती. ५६
 पेमसिंघ प. ३०८
 पेमसिंघ छत्रसिंघ रो प. २६६
 पेमसिंघ (नीवां) ती. २२५
 पेमसिंघ (लांघिवा) ती. २३५
 पेमसिंघ (घाप) ती. २२३
 पेरजखान जोगा रो प. १२४
 पेरोसा सुरतांग दू. ५०
 पैजारखान प. ४६
 पैरोज प. ३२८
 पैहळाव प. ३२१
 पोलस्त अगस्त रो प. १२२
 पोलियो नाई ती. २१४
 पोहड़ दू. ११, १२, १३, १४
 पोहपसेन प. १२४
 ,, ती. १७५
 प्रद्येमधवा पो. २८८
 प्रजापाल प. ७८
 प्रणव ती. १७८
 प्रतफ प्रवेस प. २८६
 प्रतबिंघ प. २८६
 प्रताप (चंडाघो) ती. २३४
 प्रतापचंभ प. ३१६
 प्रतापमल राम रो प. ३१४
 प्रताप रांगो प. ६, १५, २१, २८, ३०,
 ३६, ३६, ४८, ७४, १०६, २०८
 प्रताप रावळ प. ७३
 प्रताप रिणधीर रो प. १४२, १५६
 प्रतापसूद प. १२६, १३०
 प्रतापसिंघ प. ६८, ३०५, ३११

प्रतापसिंघ कछवाहो दू. १५२
 प्रतापसिंघ कल्याणमलोत दू. २७६
 प्रतापसिंघ कुंवर ती. १५२
 प्रतापसिंघ (गोरोसर) ती. २३१
 प्रतापसिंघ (छिपियो) ती. २३७
 प्रतापसिंघ जसकरण रो प. १२१
 प्रतापसिंघ भगवंतदासोत प. २६१
 प्रतापसिंघ भगवंतदास रो प. ३००
 प्रतापसिंघ भाटी सुरतांगोत दू. १००
 प्रतापसिंघ मनोहरदासोत प. ३०५, ३११
 प्रतापसिंघ (महाजम) ती. २२८
 प्रतापसिंघ मालदे रो प. ३१५
 प्रतापसिंघ राजा (किशनगढ) ती. २१७
 प्रतापसिंघ रावत प. ६६
 प्रतापसिंघ (सिंघमुख) ती. २२४
 प्रतापसी प. १११
 ,, दू. ८८, २५६
 प्रतापसी चहुवांग, राव ती. १८३
 प्रतापसी रावत दू. २६४
 प्रतापादीत प. १३३
 प्रतापी रावळ प. ७६
 प्रतिस्थोम ती. १७६
 प्रतीक प. २८६
 ,, ती. १७६
 प्रथम रांगो प. ६
 प्रथसवा प. २८८
 प्रथीचंभ मनोहर रो प. ३१६
 प्रथीदीप भारमल राजा रो प. २६१
 प्रथीमल प. १८५, १८६
 प्रथीमाल प. १८६
 प्रथीराज प. १७, १६, ५५, ५६, ६६,
 १२५, १२६, १३०, १४४, २०६,
 २४१, २५२, २८६, ३०७, ३११,
 ३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४
 प्रथीराज दू. ८६, ६२, ६५, ६७, ६८,
 १२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १९७, २०२, २६४
 प्रथोराज ती. ११६, ११७, ११८, ११९,
 १२०, १२१, १४०
 प्रथोराज उठणो-प्रणो प. १७, १९
 प्रथोराज कधरावत दू. १७४
 प्रथोराज करमचंद रो प ३१५
 प्रथोराज राव, कल्याणमलोत धोकानेरियो
 प २५६
 प्रथोराज कांग्हावत दू. १९३
 प्रथोराज गोयददासोत दू. १५५, १५६,
 १५७
 प्रथोराज चद्रसेणोत प. २६०, २६७
 प्रथोराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१,
 २६६, ३३९, ३४४
 प्रथोराज जूम्हारसिध रो प २९८
 प्रथोराज जैतावत दू. २०१
 प्रथोराज भालो मानसिध रो दू २५६
 प्रथोराज देवडो सुजावत प. १५४, १५५,
 १५६, १५७, १६१, १६२, १६५,
 १६६
 प्रथोराज (भूकरी) ती. २२३
 प्रथोराज पातावत दू. १४९
 प्रथोराज बळ्ळोत दू. १७३
 प्रथोराज भोजराजोत दू. १२२, १३८
 प्रथोराज राजा कछवाहो ती. १५२
 प्रथोराज रायमल रो प. ९१, ९२,
 २८१, २८४
 प्रथोराज रावत, जैतावत प ६०, ६६
 प्रथोराज राव दलपतोत दू. १३१, १३२,
 १४४
 प्रथोराज रावळ प. ७०, ७१, ७२, ७३,
 ७९
 प्रथोराज रावळ उदैसिधोत प. ८७
 प्रथोराज राव (वंरसलपुर) दू. १२१
 प्रथोराज हरराजोत प. २५६
 प्रथोराज हाडो केसोदास रो प ११७

प्रथोसिधजी कंवर प. ३२२
 प्रथोसिध परसोतम रो प. ३२३
 प्रथु प. २८७
 प्रदमन दे० प्रदुमन ।
 प्रदुमन प. ७८
 ,, दू. १, १५, १६, २०९
 प्रद्युम्न दू. ९, १५, २०९
 प्रयागदास ती. ११९, १२०
 प्रशांतनु दे० प्रसयतु ।
 प्रसयतु ती १७९
 प्रसेनजित प. २८७, २९२
 ,, ती. १७९, १८०
 प्रसेनघन्वा प. २८८
 प्राग दू. ९
 प्रागदान ती. २३३
 प्रागदास प. २१२
 ,, दू. १२०
 प्रागदास करमसोमोत दू. १६३
 प्रागदास कलावत दू. १६२
 प्रागदास दयाळदास रो दू. ९४
 प्रागदास सावळदासोत दू. १८३
 प्राद्धित राजा ती. १८६
 प्रासेनजित प. २८९ (दे० प्रसेनजित)
 प्रिथीचंद प ३१९
 प्रिथोराज कल्याणमलोत ती. २०६, २०७
 (दे० प्रथोराज कल्याणमलोत)
 प्रिथोराज वंरसलपुर राव ती. ३७
 प्रिथु प. ७८
 प्रेतारथ दू. ९
 प्रेमचंद प ३१९
 प्रेम मुगल प. २४४
 प्रेमसाह प १३१
 प्रेमसिध प ३२१, ३२८
 फ
 फर्तसाह ती. २७६

कर्तसिध प. २५, १३३, ३०६, ३११,
३१८
" दू. ६५
" ती. २२३, २२४, २२५, २३१,
२३२, २३३, २३४, २३५

कर्तसिध कितोरवासीत प. ३०७
कर्तसिध लाडखान रो प. ३१८
कर्तसिध विजैसिधोत दू. ११०
कर्तसिध हररामोत प. ३२४, ३३५
फदनखां ती. २७५
फरसराम प. ६६, ३०७, ३२३
फरसराम उर्वैसिधोत प. २१, ३०८
फरसराम कचरावत प. ३१६
फरसराम द्विदावन रो प. ३०७
फरसो प. १२१
फरसो सुजा रो प. ११६
फरीब शेल ती. २७६
फरेखान (फरेवान) प. २६२
फारवंस ती. १७३
फिरोजशाह बादशाह दू. १०
" " ती. १८४
फुंदो कांघड़ प. २०३
फूल दू. २२२, २३३
फूल जाड़ेचो छाहर रो दू. २०६
फूल जाड़ेचो घवल रो दू. २२५, २२६,
२२७, २२८, २२९, २३०, २३१,
२३३
फूलाणी दू. २३३

ब

बंध प. ३३८
बंध राजा प. ३३६
बंधाहत प. ३३८
बंध दू. २१५
" ती. १८०

बंधगियो जाम दू. २२४
बंध राजा (भारवणी रो बाप) प. २६३
बंधेसर दू. २१५
बहुर्वै राजा ती. १८६
बद्री तिरमणोत प. ३२३
बद्रीदास प. ३०६
बळ प. ११६, १३५, २४७
बळकरण प. १०१
" ती. २२१
बळकरण जगनाथ रो प. ३०२
बळकरण नरहरदास रो प. ३०८
बळकरण पूरा रो प. ३४२
बळभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७,
३२९, ३५६
" दू. ६०, २६४
" ती. २२८
बळभद्र नरसिधदास रो प. ३२०
बळभद्र नारायणदासोत प. ३२४, ३२६,
३२७
बळराम प. २८, ३०६
" ती. २३६, २३७
बलराज प. १००
बळराज तेजसी रो प. ३५७
बळ राजा प. १६०
बळ लाक्षण रो प. २५०
बळवीर प. १२६
बळसोही राव लाक्षण रो प. १७२, २०२.
बलाहक राजा ती. १८७
बळिकरन पुरीवत दू. १७२
बळिवाल प. २८६
बळिभद्र प्रथीराज रो प. २६०
बळिभद्र बांकड़ो राजा प्रथीराज रो
प. ३०७
बलिराम फरसरामोत प. ३१६, ३२३
बलिराम भगवंतदासोत प. ३००
बलि राजा प. १६०

बलि राव लाखण रो प. २३०
 बली प १०० (दे बलि राव साखण रो)
 बलीराम नरसिंघदासोत दू. १८३
 बलू प २५, ६८, ३०७, ३०८, ३१२,
 ३२५, ३२६, ३४१
 , दू ६४, १२४, १२८, १२६, १३१,
 १३२, १४३, १४४, १७४
 बलू उदेंभांगोत देवडो प. ३२
 बलू कागहाधत
 बलू केसोत दू १८८
 बलू घट्टाण प. ६३
 बलू जसवंतोत दू १४८
 बलू जंमल रो प. ३१७
 बलू राव प २२७, २२८
 बलू सकतावत प. २७
 बलू सावतसीभ्रोत प २३४
 " " ती २१७
 बलू सावळदासोत दू १७६
 बलू सादूळोत दू १६४
 बलू सुरजनीत दू १८५
 बलू सुरतांगोत दू १५०
 बलू हुल प २७६
 बहलीम प २२८
 बहलोल लोदी पातसाह ती. २७३
 बहलोल मुलतांग ती. १६०
 बहवन भोजरा रो प. ३३३
 बहादर प ६२ दे० बाहदर
 बहादर पानसाह प २०, ४६, १०६
 " " दू. २६२
 " " ती ५५, ५६
 बहादर राजा प. २०, २६८
 बहादुर प २६२
 बहादुरसाह बादसाह दे० बहादर
 पातसाह ।
 बहादुरसिंघ ती. २२३, २२७, २२६
 बहादुरसिंघ राजा (किसान०) ती. २१७

बहिराम मुलतांग ती. १६२
 बहुवं राजा ती १८६
 बांगण ती. २२१
 बागण जसहडोत दू ३६, ४३, ५४
 बांगो हाडा रो प. १०१
 बाकळियो दू २५७
 बागण दे० बागण ।
 बागुळ धुधमार रो ती. २१८
 बाघसिंघ (नीवा) ती. २२५
 बापो भगा रो प. ३४३
 बापो राव ती. २२२
 बापो रावळ प. ३, ४, ७, ८, ११, १२,
 ७८
 बापो रावळ दू १, १०, ३३
 बाघर पातसाह प. १६
 " " दू २६२
 " " ती १६२
 बादूराम रायसल रो प. ३२४
 बाळग घाघ रो प २६१, २८०
 बाळनाथ जोगी प ३५१
 " " ती १०३, १०७
 बाळप सोळकी प २८०
 बाळवघ सालघाहन रो ती २७
 बाळव ती ३७
 बाळवघ नी. ३७
 बाळव भाट प ३६३
 बालहराव राणो मोहिल ती १७०
 बालो प ५० ६७, ११६
 बालो उदेंकरणोत प. २६५, २६६,
 ३१३, ३१८
 बालोजी प २६४
 बालोजी जगनाथ रो प ३०२
 बालो भोजा रो प ११६
 बालो राव दू ६५
 बालो सेलहय प. १५३
 बाहुळ घरणीघराह रो प. ३३७, ३३८

बाहवर प. ३२८ दे० बहावर
 बाहुक ती. १७८
 बाहेली गूजर दू. ५५
 बिद्यपसाव रावळ प. १२
 बिजड़ प. १३५
 बीका राव } दे० बीको राव ।
 बीकाजी राव }
 बीज प. २५८, २६३, २६४, २६७,
 २६८, २६९
 बीज राजा ती. १८५
 बीबी प. १२४
 बीभी जांम दू. २५४
 बीरसीह रावळ प. १२
 बुकण भाटी-अभोहरियो दू. ३०२
 बुद्धसेन राजा ती. १७५
 बुध दू. १, ९, ११, १५, १६, १४०
 बुध ईच (बुधईस) ती. १७६
 बुधरांम प. ३०८
 बुधसिध प. ३०८
 " ती. २३२
 बुधसिध जगतसिध रो दू. १०९
 " " ती. ३६, २२०
 बुधसेन प. २९२
 बुलाकी प. २९८
 बुजो बारहठ दू. ३८, ७४
 बुजो घांछोत ती. ५९, ६२, ६४, ६५,
 ६६, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९
 बुचनो दू. २५४, २५५
 बुहड़ मंछळीक प. १२३
 बुजो छूंडा रो प. ३५१
 बुटी दू. ९
 बुडी भाळरोत प. २४५, २४७
 बुबी रांणो ती. १५८, १७१
 बुहड़ बुटी दू. ६३
 बुहड़ सोलंकी प. २८०
 बुहड़देव रांणो दू. २६४
 बुहारिष प. २६१

बह्मन्ध प. ७८
 बहदस (बूहदश्व) प. २८७
 बहानखा ती. ५७
 भ
 भईया दू. १, ११
 भगवंतदास प. ३२९
 ,, ती. २२६
 भगवंतदास राजा भारमलोत प. ११२,
 २९१
 भगवंत राय प. १३१
 भगवंतसिध प १४, १५
 भगवंतसिध ती. २२५, २३३
 भगवांन प. २९
 ,, दू. ७७, ८१, ८९, १२२, १२८,
 १७७
 भगवांन किसनावत दू. १९१
 भगवांन भेघराज रो प. ३५९
 भगवांन सोढो प. ३६१
 भगवांनदास प. १३०, १६०, १६३,
 १६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२९
 भगवांनदास दू. ९८, १२९
 भगवांनदास अखंराजोत दू. १५२
 भगवांनदास कल्याणमलोत ती. २०६
 भगवांनदास गोपाळदासोत दू. १८९
 भगवांनदास दयाळदासोत दू. १४७
 भगवांनदास नारणदासोत दू १८७
 भगवांनदास फरसरांम रो प. ३१६
 भगवांनदास (भूकरो) ती. २२३
 भगवांनदास रांमचंदोत दू. १५९
 भगवांनदास राजा कछवाहो दू. १४५
 भगवांनदास राजा भारमलोत प. २९१,
 २९७, ३०२
 भगवांनदास रायसिधोत दू. १२५, २५५,
 २५६
 भगवांनदास लूणकरणोत प. ३२०
 भगवांनदास धीरमदेप्रोत दू. १६९

भगवानदास सीहावत दू १२४
 भगवान सकतावत प २७
 भगवान हरराजोत दू ६६
 भगीरथ प २८८
 भड लखमसी राणो प १५
 भडसी कुतल रो, कछवाहो प २६५
 २६६ ३३०
 भडसूर राषळ प ७६
 भवो पचापणोत प २१, २०७
 भवो सावतसी रो प २००
 भरत ती १८०
 भरपरो प ३३६
 भरमो घाडो दू २४२
 भरमो वहुवाण प १७२
 भरह राणो प १२३
 भरक ती १७८
 भव ती १७६
 भवणसी जाम्हाण रो दू ३८
 भवणसी भूवर रो प १६
 भवणसी (भीमसी) राणो प १५
 भवणसी राणो ती २३६, २४७
 भवनो रतनू दू १४
 भवसी राणो प १५
 भवानीसिध ती २२३, २३२, २३७
 भाडो जैतावत दू ६६
 भाडो जैरा रो प- १०२ १०६
 भाण प २२, १२०, १४१ १८६, २३५,
 २३७, ३६०
 , दू १२२, १४३
 ,, ती ८७, ८८
 भाण अखैराज रो प २०७ २०६, २१०
 भाण अभावत पडिहार प १५२
 भाण कल्याणमलोत ती २०६
 भाण खीवा रो प ३६०
 भाण जेसावत दू. १५० १५१
 भाण भूलो चारण प ८६, ८८

भाण तेजमालोत दू १२४
 भाण दुजणसाल रो प ३५५
 भाण दूदा रो प ३६१
 भाण नारणोत दू ६६
 भाण (भेऊ) ती २२६
 भाण मनोहरदासोत दू १६७
 भाण मोटल रो प ३४१
 भाण रायमलोत दू. १८६
 भाण रायसघोत दू १६४
 भाणराव भोजराजोत दू १३७
 भाण रिणधीर रो प १४२, १५८
 भाणल दू ६१
 भाण घाडेल दू २२०
 भाण सकतावत प २६
 भाण सहसावत दू १८६
 भाण साईदासोत दू १७६
 भाण तिघोत दू १६३
 भाण सीहावत दू १२४
 भाणी घाघळ प २२५
 भाणो मोसण-चारण प १०५, १०६
 भाणो सीसोदियो प १११
 भाण प्रतविध रो प २८६
 भानीदास प २७६
 , दू ११, ८० ६२, ६३,
 १३६, १६३
 ,, ती २२०
 भानीदास कां ह रो दू ८८
 भानीदास दुजणसलोत दू १२८ १२६,
 १३२
 भानीदास घरजांगोत दू १६१
 भानीदास घोरमदेघोत दू १६८
 भानीदास (भवानीदास) वरसलपुर राव
 ती ३७
 भानीदास हरराजोत ती ३५
 भानीदास हमीर रो प ३४३
 भानीसिध ती २२३, २२८ २३७

भांनो दू. १६६
 भांनो खेतसी रो प. ३६०
 भांनो जोगा रो प. ३५७
 भांनो रावत प. २७, ६४, ६५
 भांनो सोनगरो ती. ४१, ४२, ४३, ४४,
 ४५, ४६
 भांमो साह ती. १२३
 भाखर प. २४१, २४७
 ,, दू. ७६, १६८
 भाखर रांणो प. १५, २३१
 भाखरसिध ती. २३६
 भाखरसी प. २७, १५६, १६६, ३६१,
 ३६३
 ,, दू. ११, १७८, १६६
 ,, ती. २३६, २४०, २४१
 भाखरसी कल्याणमलोत् ती. २०६
 भाखरसी खंगारोत् प. ३०६
 भाखरसी जसवंत रो प. २०८
 भाखरसी वासावत प. १६३, १६६, २३७
 भाखरसी दूदावत दू. १६७
 भाखरसी भांगीदास रो दू. १६८
 भाखरसी महिकरन रो प. ३५६
 भाखरसी रायपाळोत् दू. १५२
 भाखरसी वैरसल रो प. ३६३
 भाखरसी सावुळोत् दू. १६६
 भाखरसी हरराज रो दू. ६८
 भागचंद दू. ८०, १२४, १४२, २०१
 ,, ती. २२८
 भागचंद जैतावत दू. २००
 भागचंद हाढो प. १०१
 भागस सकता रो प. १६८
 भागादिश्व प. १०
 भागीरथ प. ७८, २६२
 ,, ती. १७८
 भाढी द. ६, १६
 भाढी सालवाहन रो ती. ३७

भादू रावळ प. ५, १२
 भादो नारणदासोत् दू. १८८
 भादो भोजा रो प. ३५४
 भादो मोकळ रो ती. ११६
 भादो रावळ प. ७८
 भाद्रावळ जोगी दू. २१६
 भानू ती. १७६
 भानुमान ती. १७६
 भामाशाह दे० भांमो साह ।
 भावसिंह ती. २२६, २२८, २३०
 भारतसिध ती. २२६, २३५
 भारथचंद्र राजा प. १२६
 भारथसाह प. १२६
 भारथसिध प. २६८
 भारथी प. ३०७
 भारद्वाज ती. १५४
 भारमल प. १५६, १६६, १७१, २०५,
 ३०६
 भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६
 भारमल जगमालोत् ती. ३, ४
 भारमल जोगावत ती. ३१
 भारमल प्रथीराजोत् प. २६०, २६१,
 २६७
 भारमल भंरु रो प. ३२५
 भारमल राजा ती. २१७
 भारमल राजा प्रथीराज रो प. २६१
 भारमल रावळ प. ३५६
 भारमल चौकावत प. २००
 भारमल सांगावत प. ३६०
 भारमल सेखा रो प. ३२८
 भारमल सोम रो प. १६६
 भारो दू. २०६, २१५
 भारो साहिब रो दू. २५३, २५५
 भालो रावळ प. ७६
 भावसिध प. २७, १०२, ११३, १६०,
 ३०४, ३२४

भार्गसिध दू ६३, १६६, २६३
 ,, ती २३७
 भार्गसिध कान्होत दू १५०, १८४
 भार्गसिध मानसिध राजा रो प २६१,
 २६७, २६८, ३१०
 भार्गसिध राजा दू १४७
 भार्गसिध सेखा रो प ३१७
 भासादित प ७८
 भौदो प १६२
 भौष प २६, २७, ३२६, ३४१, ३४३
 , दू. १, ७७, ८१, ६६ ११६, १५१
 भौष करणोत प २३५
 भौष करमा रो प १६५
 भौष कल्याणदासोत दू १६६
 भौष कूभाषत प २३६
 भौष जगमाल रो प ३२६
 भौषड पुजन रो प. २६४, २६६ ३३२
 भौष डोडियो प ६२
 भौष दूदायत दू १६३
 भौष देवडो प १६६
 भौष पचाइण रो दू २५५
 भौष प्रथीराज रो प ३१५
 भौष प्रागदासोत दू १८३
 भौष भगवतदासोत प २६१
 भौष राणावत प १६६
 भौषराज दू १२४, १२८, १७८
 भौषराज प्रथीराज रो प ३०२
 भौषराज मेळावत दू १६६
 भौषराज सादा रो प ३६२
 भौषराय प १३१
 भौष रावळ दे० भौम रावळ ।
 भौष रुघनायोत दू १६०
 भौष वाघ रो प २०८
 भौष सावतसोयोत प २३४
 भौवसिध परसोतम रो प ३२३
 भौवसी प २६०

भौवसी राणो दे० भवणसी राणो ।
 भौव सीहृद रो प ३४३
 भौव सुरतायोत दू १७१
 भौव हमीरोत दू. २०६, २११, २१२,
 २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
 भौवो दू ७८, १६६
 भौवो साडावत प २४३
 भौवो साहणी दू १६६
 भौलो प २०५, २६०
 भौम प ५७, ५८, ५९, १०६, १५६,
 २६०
 ,, दू २११
 भौम ईसर रो प १२१
 भौम खगार रो प ३६३
 भौमचद राजा ती १८८
 भौम चवडोत (चूडावत) दू ३१०, ३४२
 ,, ,, ती ३१
 भौम जसहडोत दू ७३
 भौम जेठवो दू २२०
 भौमदे प २६१
 ,, ती २२१
 भौमदे आसकरणोत दू ५७ ५६, ६०
 भौमदे नानग सुत प २६०
 भौमदेव लघु ती ५१
 भौमदेव वृद्ध ती ५१
 भौमपाल प २६०
 भौमपाळ छत्रमणोत ती २१३
 भौम मेघराज रो प ३५६
 भौम राणो झालो दू २६४
 भौमराज ती २२५
 भौम राजा प ३०
 ,, , ती ५२
 भौमराव जंतिसिधोत ती २०५
 भौम रावळ हरराजोत दू १, ६, ११,
 १४, १५, ६४, ६८, ६९, १००,
 १०१, १०२

भीम रावळ हरराजोत ती. ३५
 भीम बडो दू. २०६
 भीमसिंघ ती. २२५, २२८
 भीमसिंघ महाराजा ती. २१३
 भीमसिंघ रावळ प. ८७
 भीमसी रांगो दे० भवणसी रांगो ।
 भीमसोळफी प. २८०
 भीमो दू. ३४२
 भीमो रावत दू. ८६, ८७
 भुंहुसाजळ साहजी प. १५
 भुजवळ रतना रो प. १६४, १६५
 भुजो संढायच दू. ३३६
 भुटो दू. २१, २२
 भुणंगसी रांगो प. ६
 भुणकमळ दू. २, ३८, ३९
 भुवनसिंघ प. ६
 भूघर दू. १६८
 भूपमीच प. २८६
 भूमान प. २८६
 भूवडू राय ती. ५१
 भूवर प. १६
 भेटो दू. ८१
 भैरव प. २३२, ३१३
 भैरव दू. ६६, ६७
 भैरव कवि प. ७
 भैरवदास प. २१, १११
 „ दू. ८८, १२४, १८२, २००
 भैरवदास जेसावत दू. १५३, १७८, १६२
 भैरवदास देवडो प. १५३, १५४, १५५
 भैरवदास भरोटघाळो दू. १२०
 भैरवदास मेळावत दू. १६६
 भैरवदास रांगो दू. ६४, ६८, ६९
 भैरवदास वेणीदासोत दू. १६८
 भैरवदास सोळकी नाथावत प. ५०
 भैरव देवडो प. १६६
 भैरव भांना रो प. ३६०

भैरव राव प. २३२
 भैरुं प. ३१३
 भैरुंदास जैसिंघदेवोत प. २३८
 भैरुं सुजा रो प. ३२५
 भोंसला शाहजी दे० भुंहुसाजळ साहजी ।
 भोभो नाई प. २४८, २४९
 भोगादित प. ३, १०, ७८
 भोगादित्य दे० भोगादित ।
 भोज प. २८, ७६, १११, ११२, ११६,
 १५३, १६०, २०५, ३६२
 भोज दू. १, ३
 „ ती. २२१
 भोजदे प. २३१
 „ दू. ८२, ८३
 भोजदे गांगा रो प. ३५६
 भोजदे रावळ विजैराव रो दू. ३३, ३४,
 ३५
 भोज पंवार प. २६३
 „ „ ती. २८, १७५
 भोज पंवार सिंघळसेन रो प. ३३६
 भोजराज प. २१, १६३, ३०६, ३२३
 „ दू. १३८, १८६, १६६, २०६,
 २१५, २५६
 „ ती. २२५, २२६
 भोजराज अखैराजोत प. २०८, २१२
 भोजराज उर्वेसिंघ रो प. २१
 भोजराज कांन्ह रो प. ३५३
 भोजराज चंद्रसेन रो प. ३५५, ३५६
 भोजराज जगनायोत प. २०६
 भोजराज जसूतोत दू. १७०
 भोजराज जीवा रो प. २४१
 भोजराज जैतसिंघोत ती. २०५
 भोजराज नीबावत दू. १५४, १६२
 भोजराज पंचाइण रो प. २३७
 भोजराज मालदेश्रोत दू. १७८, १६३
 भोजराज राजदे रो प. २६४, २६६,
 ३३२

भोजराज घाघोत दू १७६
 भोजराज राणो प १७२
 भोजराज रायसलोत प ३२१, ३२२
 भोजराज रूपती रो प ३०५, ३१२
 भोजराज सावळदासोत दू १७४, १७६
 भोजराज साला रो प ३४१
 भोजराज सिधोत दू १६४
 भोज राव दू १७१
 भोज विजैराव लज्जा रो ती २२२
 भोज सुरजन रो तो २६६, २६७, २६८,
 २६९, २७२
 भोजादित प ३, ७८
 भोजा दत्त प १२
 भोजो प ११६, २४०
 „ दू ८०, ६६ १६४
 भोजो कृष्णा कापळिया रो प. २४६, २५०
 भोजो जोघावत दू १७७
 भोजो डेपावत प २८४, २८५
 भोजो साडा रो प ३५४
 भोजो सोढो प ३६१
 भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६,
 १६४, २३७, २३८, २४२, २६१
 „ दू ८१, ८२, १२३, १६६, २६४
 भोपत ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
 भोपत कचरावत प ३१६, ३१७
 „ „ दू १८५
 भोपत चकतो ती ३७
 भोपत जसवत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०
 भोपत पतावत दू १६०
 भोपत भारनल रो प २६१, ३०२
 भोपत माडणोत प ३५४
 भोपत मानावत दू १७६
 भोपत राम रो प ३५८, ३६०
 भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८
 भोपत रायसिधोत दू १०७
 „ „ ती. २०७

भोपन राहडोत दू ३२
 भोपत लिखमोदासोत दू १६६
 भोपत सहसावत दू १७६
 भोपत सावळवासोत दू. १७४
 भोपतसिध प ३२२
 „ ती २२७, २३०
 भोपत सिधोत दू. १६३
 भोपत सोढो प ३६१
 भोपाळ प ६८
 भोपाळ दू ६१
 भोमपाळ राजा ती १८८
 भोमसिध ती २२५, २२६, २३२
 भोमसिध साहूळसिधोत ती. २१३
 भोवड प २५६
 भोवडराज प २५६
 „ ती. ४६
 भोवो नाई प २४८, २४९
 भोहो तेजपाळ रो प. ३३६
 म
 मगळराव मन्मराव रो दू ६, ११, १५
 १६, ३१
 मगळराव, रावळ वद्यु रो दू १४०
 मन्मराव दू १, ६, ११, १५, १६
 १४०
 मडळीक दू ८८, २६३
 मडळीक चहुवाण ती ३
 मडळीक जगमालीत ती ३, ४
 मडळीक राव (वंरसलपुर) दू १२१,
 १२६, १३०
 मडळीक राव (वंरसलपुर) ती. ३७
 मडळीक सरवहियो दू २०२, २०३,
 २०४, २०५, २०६
 मक राणो दू. २६५
 मजाह्विळा प १३६
 मयुरादास प. ३०८
 मदनपाळ राजा ती. १८८
 मदर्नासिध प. २५, ३१०

,, ती. २२३
 मदनसिंघ फरणासिघोत ती. २०८
 मदनसिंघ फरसरांम रो प. ३२३
 मदनसिंघ सेखा रो प. ३१७
 मदनो प. १४६
 मदनफरखान ती. ५३
 मदो रामदास रो प. १६७, १६८
 मधु दू. ३
 मधुकरसाह गतापद्ध रो प. १२६, १३०
 मधुकीटभ प. ४७
 मधुकीटभ दीत्य दे० मधु कीटभ
 मधु रांणी परमार ती. १७५
 मधु राजा परमार ती. १७६
 मधुवनदास प. ३१०
 मधुसूदन प. १३३
 मनदेव प. २८६
 मनभोळियो डूम दू. २३२, २३३, २३४
 मनरदास ती. २२३
 मनरांम (खनावडी) ती. २३६
 मनरूप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६
 मनरूपसिंघ प. ३००
 मनरूप (हरदेसर) ती. २३२
 मनहरदास (फल्यांणसर) ती. २३४
 मनहरदास (जीळी) ती. २३३
 मनहरदास (जैतपुर) ती. २३०
 मनहरदास (खलमणसर) ती. २३३
 मनहरदास (सांठवी) ती. २३२
 मनु प. २८७
 मनोरदास नरहरदासोत प. २३८
 मनोहर प. २३, २७६, ३१६, ३४३
 ,, दू. ७८, ८५, ८८, ९०, ९६,
 १२२, १७६, १७८
 मनोहरदास प. ६, १६५, ३१८, ३२७,
 ३४२
 मनोहरदास दू. १२०, १२६, १६१,
 १६७, १८६, १६४
 मनोहरदास ती. २२३

मनोहरदास अर्खराजोत दू. १५२
 मनोहरदास उर्वसिघोत दू. १८८
 मनोहरदास फलावत दू. ६, ११, ६२,
 १०२, १०३, १०४, १८२, १८४
 मनोहरदास खंगारीत प. ३०५
 मनोहरदाम जसूतोत दू. १७०
 मनोहरदास नायावत प. ३१०
 मनोहरदास पातळोत दू. १६४
 मनोहरदास पिरागदासोत दू. १७१
 मनोहरदास रावळ प. ३५६
 ,, ,, ती. ३५
 मनोहरदास रद्र रो प. ३१६
 मनोहरदास सांधळदास रो प. ३४२
 मनोहर राव प. २७६, ३१६
 मनोहर रावळ दू. ७७, ८०
 मनोहर रूपसी रो प. ३४३
 मनोहर (सिघराव-भाटी) दू. १०७
 मनोहर सोढो प. ३६१
 मनोहर प. २३७
 ममारखसाह सुलतांग ती. १६१
 ममूसाह अमराव प. २१८, २१६
 मयलसी रावळ प. ७६
 मरीच प. ७७, २८७, २६२
 मरीच रांणी दू. २६५
 मरीचि ती. १७५
 मरु राजा ती. १७६, १८५
 मरुदेव ती. १७६
 मरुनादित्य प. १०
 मलकंवर ती. २७६, २७८, २७६
 मलिक दू. ४८
 मलिक झंवर दे० मलकंवर ।
 मलोनाथ रावळ ती. २७, ३०, २५१,
 २५२, २५५, २५६
 मलूकचंद राजा ती. १८८
 मलूखां राजा प. १३०
 मलोसी डोळियो ती. १३४, १३५

मलेती पुजनराव रो प २६०, २६४,
२६६, ३३२
मलो सोळकी प. ३४२
मलो सोळकी दू. १५३
मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ ।
मल्लीनाथ राव दू. २४८, २८१, २८२,
२८३, २८४, २८५, २८७, २८८,
२८९, २९०, २९१, २९६, ३००,
३०७, ३०८, ३०९
मल्लीनाथ रावळ दू. १३० (दे० मली-
नाथ रावळ)
महेंद्रराव प. १७२, २३०, २४७, २५०
महकरण रणायत प. २३३
महदू दू. २१५
महदू ऊनडू दू. २३८
महणती प. १३४, १३५, १६६, १८७
महदराव प. १०१
महदती प ३४३
महपाळ राणो (परमार) ती. १७५
महपो पमार (परमार) दू. ३३८, ३३९,
३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)
महपो पमार (परमार) ती. १७६
(दे० महिपो पवार)
महमद प. २६२
" दू. ३४३
" ती ५४, ५५, ५७
महमद भालो दू. २५८
महमद पातसाह ती. १, २, २८
महमद बेगडो प २६२
" दू. २०२, २०३, २०४, २०५
" ती. २५, ५६
महमदअली सुलतान ती १९२
महमदखान ती. ५३
महमदसाह ती १९१
महमदी आदल सुलतान ती. १९१
महमूद प. २६२
महमूद बेगडा बावशाह-दे० महमद बेगडो

महर जाडेचो दू. २०६
महरावण प. ३६१ (दे० महिरावण)
महरावण तिलोकती रो दू. १६२
महाजोध राजा ती. १८७
महानद प ७८
महाबळ राजा ती. १८७
महामति प. ७८
महायश ती. १७८
महारिख रितेश्वर प १९३
महासिध प. २८, ६६, ६६, १२५, ३२३,
३२८, ३२९
" दू. ६३, २६३
" ती २२०, २३६
महासिध ईसरदासोत दू. ६५
महासिध अग्रसेन रो प ३१६, ३२२,
३२४
महासिध कदमाहो मानसिधोत दू. १३३
महासिध जगतसिधोत प २६१, २६७
महासिध राजसिधोत प. २०६
महासिध राव प. २८१
महिंद्रराव प २०२ (दे० महेंद्रराव)
महिकरण प. ३५७
महिकरण कूभा रो प ३५६
महिपाळदे ती ५२
महिपाळ राजपाळ रो प ३४४
महिपाळ राजा ती १८८
महिपाळदे बोडो लखा रो प २४७
महिपो बेल्हा रो दू. ११२
महिपो केहर रो दू. ७७, ७८
महिपो चहुवाण प ११६
(दे० महियो चहुवाण ?)
महिपो घंधार प १६, १७
(दे० महपो पमार)
" " दू. ३३८, ३३९, ३४०, ३४१
(दे० महपो पमार)
" " ती १, २, १३४, १३५, १३८,
१३९, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)
महिपो भूवर रो प. १६
महिमडल-पालक ती. १८०
महियो चहुवाण प. १७२
(दे० महियो चहुवाण ?)
महियो सीतोदियो प. ६२
(दे० महियो सीतोदियो ?)

महिरांघण दू. ८८ (वे० महिरांघण)
 महिरांघण चौघा रो दू. ११७
 महिरांघण घाघेली प. २२६
 महिळू प. २८१
 महोकरण नारण रो प. ३५८
 महोदास प. ७८
 महोपाळ प. २८६
 महोपाळ राजपाळ रो प. ३३६
 महोपिठ प. ३३६
 महोराव प. १३५
 महोरावण वरसल रो प. ३६०
 महोवर प. ४
 महेंद्रराव प. १८६ (वे० महेंद्रराव)
 महेंद्रावित्य प. १०
 महेश प. ८, २२, १६४, २०१, २३५,
 २४०, ३६०, ३६१, ३६२
 महेश दू. ८४, १००, १०४, १८३, १६७,
 १६६
 महेश करमा रो दू. ८०
 महेश कलावत प. ३५४
 महेश घडसी रो दू. १८६
 महेश जीवा रो प. २४१
 महेश ठाकुरसी रो प. ३६०
 महेशदास प. १३५, १७६
 ,, दू. ६५, १८४, २६३,
 महेशदास अचळदासोत दू. १५६
 महेशदास आडो किसनावत दू. १५, २६५
 महेशदास कलावत दू. १८४
 महेशदास खेतसी रो दू. १२३
 महेशदास गोपंभदासोत दू. १५०
 महेशदास जगदेवोत दू. १४०
 महेशदास दळपतोत प. २३४, २४६
 ,, ,, दू. १७७
 महेशदास पीया रो प. ३३०
 महेशदास राव सूरजमलोत दू. ६०
 महेशदास रूपसीभोत दू. १४८

महेशदास ललावत दू. १६१
 महेशदास लूणकरणोत दू. ६०
 महेश प्रतापसिधोत ती. १५२
 महेश भैरव रो प. १६६
 महेश मानसिधोत प. ३५६
 महेश साईदासोत दू. १७६
 महेश सेखावत दू. १७३
 मांखण सैद प. २७, ६५
 मांगळ प. २६३
 मांगळराय प. २८६
 मांजो चूंडावत प. ६६, ७०
 मांढण प. २४३, ३६१, ३६२
 ,, दू. १४३, १७०, १७२, १८२,
 १८४
 मांढण ऊहड प. २४३
 मांढण ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
 मांढण फूपावत दू. १८१, १८७, १८६
 ,, ,, ती. १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२८, २७४
 मांढण खांट ती. ५६
 मांढण जोघा रो प. ३५७
 मांढण रांणावत प. २३६
 मांढण वणावत सांखलो ती. ३१
 मांढण वरसी रो प. ३५६
 मांढण सकतावत प. २७
 मांढण सीहड रो प. ३४१
 मांढण सोडो दू. ८२, ८३, २६२, २६३
 ,, ,, ती. ३४, ३५
 मांढो प. ६६
 मांढो जैतसी रो, रांणो प. ३४१
 मांढो मुंहतो दू. १३५
 मांढो हरभम रो प. ३५२
 मांढकराव आसराव रो प. १०१, १७२,
 २०३, २३०, २५०, २५१
 मांढकराव पुनपाळ रो प. ३४६, ३४७,
 ३५३

माणकराव रांगो मोहिल दू ३२२, ३२३,
 ३२४
 ,, रांगो मोहिल ती १५८, १७१
 माणकराव सिधराज रो प ३५६
 माणकराव सोढो प ३६३
 भावल देवाइत दू १६
 मांघाता बकर्व ती १७८
 मांघाता बकर्वती ती १७८
 मान प १०१
 मान स्त्रीभावत दू ६, १३६, १६१
 मान चहुवांग प ७४, ७५, ७६, ७७
 मान तुघर, राजा ती १८३
 मानघाता प ७८, २८७
 मान पूरा रो प १०६
 मान रांगो प २३१
 मान लणवापो प २२४
 मान वीरभांग रो प १२०
 मान सांखळदासोत प ७३
 मानसिध प १६०, ३१६, ३२८, ३२९
 ,, दू ८८ ६५, १२२, १२६, १७०,
 १६२, १६४
 ,, ती २३०, २३१, २३२
 मानसिध अर्खराजोत प २०७, २०८
 मानसिध ळदावत दू १७३
 मानसिध कछवाहो प ३० ३६, ४०,
 ४८, १३३, २५५, २५६, ३०८,
 ३१३
 मानसिध करणोत प ६५
 मानसिध कांह रो दू १३६
 मानसिध गागावत प ३५८, ३५९
 मानसिध जेतसिधोत ती २०५
 मानसिध जेमलोत प ६६
 मानसिध भालो दू २४५, २५६, २५९
 मानसिध तेजसी रो प ३२६, ३५४
 मानसिध डुरगावत प ३२७
 मानसिध भगवतदासोत प २५५, २५६,
 २५७ २५९

मानसिध भांगोत प २६
 मानसिध भाखरती रो प ३५६
 मानसिध बेहकरणोत दू १६३
 मानसिध राजा प २६१, ३०८, ३
 ३४२
 ,, दू. १४७
 ,, ती २१७
 मानसिध राव प. १४२, १४३, १
 १५०, १६१, १६५, १६६
 मानसिध रावत, सोसोदियो प ६६,
 ६८
 मानसिध राव दूवा रो प १३५ १
 १३८, १३९, १४०, १४१
 मानसिध रावळ प ७३, ७४, ७५,
 ७७
 मानसिध राव (बेरसलपुर) ती ३
 मानसिध राव स्त्रीरोही प० २२, २३,
 मानसिध लखावत दू १६१
 मानसिध तावळदासोत दू १७४
 मानसिध हाडो प ११७
 मानो प २६, १४६, १५६ १
 २३८, ३६२
 ,, दू ६६, ७७, १४३, २६४
 मानो केसोदासोत दू १८८
 मानो जोगा रो प ३५७
 मानो डूगरसोभोत दू १७६
 मानो देवराज रो दू २०१
 मानो नरवद रो प २४८
 मानो नीबावत दू १५४
 मानो मदा रो प १६८, १६९
 मानो महिपड दू ६२
 मानो राव प १४३
 मानो रूपावत ती ८४
 मानो ललमण रो प ३४१
 मानो वीसळ रो प २००, २०१
 मानो साईदासोत दू १७६
 मानो सिखरा रो प १६५

मानो सिवदासोत दू. १४४
 मानो हमीर रो प. ३५८
 माखनखां सेयव दे० मांखण सेद ।
 माघ राजा परमार ती. १७६
 मायुर दू. ३
 माधवदास फेसवदासोत प. २११
 (दे० माधोदास फेसोदासोत)
 माधवदे प. ३३६
 माधव ब्राह्मण प. २६२, २७७
 " " ती. ५०, ५१, ५३,
 १८४
 माधव माधो राजा ती. १६०
 माधवसेन ती. १८६
 माधवादित्य प. १०
 माधू भाटो दू. ५८
 माधो प. १६६, १६७, २४२, ३४३
 माधो फाना रो प. ३६०
 माधो गिरधर रो प. ३४३
 माधोदास प. ३१३, ३२५
 ,, दू. ६०, ६२, ६६, १२२,
 १२३, १२५, १७०, १८४, १६१,
 २६३
 माधोदास फलावत दू. १६२, १८४
 माधोदास फान रो प. ३१४
 माधोदास फेसोदासोत दू. १६३
 (दे० माधवदास फेसवदासोत)
 माधोदास गोवाळदासोत दू. १४६
 माधोदास छीतरदास रो प. ३०८
 माधोदास नारणदासोत दू. १८८
 माधोदास राधोदास रो प. ३२८
 माधोदास धांकीदास रो प. ३५८
 माधोदास सुरतांणोत दू. १७२
 माधो रिणमळोत दू. १६१
 माधो लाडखान रो प. ३२१
 माधोसिध प. २२, २५, ६८, ३०६,
 ३२६

माधोसिध ती. १७६, २२८, २३३
 माधोसिध कछवाहो दू. १५१
 माधोसिध जसवंत रो प. २०८
 माधोसिध जोधा रो प. ३५६
 माधोसिध भगवंतदासोत प. २६१, २६६
 माधोसिध मालवे रो प. ३१५
 माधोसिध सीसोदियो दू. २६३
 माधोसेन राजा ती. १८६
 माहू रांगा रावळ रो प. १६६
 माल प. ३४३
 माल दू. २१५
 मालक खंराज रो प. ३३१
 मालण कचरावत प. ३५७
 मालण जेसा रो दू. १८१
 मालवे दे० मालवेध राव
 मालवे कचरावत प. ३१५, ३१६
 मालवे जंतसिधोत ती. २०५
 मालवे नाराइणदासोत प. २११
 मालवे (जोळी) ती. २३३
 मालवे पमार ती. १८३
 मालवे (पल्लू) ती. २२६
 मालवे भाटो दू. ६०, ६२, १०२, १३३
 मालवे मूखाळो सांवतसी रो प. २०४, २०५
 मालवे राव (राव मालवे राठोड) प.
 ६०, ६२, १६८, २०७, २३३,
 २३८, २६७, ३१६
 ,, राव (राव मालवे राठोड) दू. १३, १४,
 ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१,
 १६२, १६३, १६४, १७४, १७७,
 १८०, १६०, १६२, १६४
 ,, राव (राव मालवे राठोड) ती. २८, ८६,
 ८७, ६३, ६४, ६५, ६७, ६८,
 ६६, १०१, १०२, ११४, ११५,
 ११६, ११७, ११८, ११९, १२०,
 १२१, १२२, २१५
 मालवे रावळ लूणकरणोत दू. ११, १३,
 १४, ८६, ६१, ६७, १०६

मासदे रावळ लूणकरणीत ती ३५
 मासदे राव (बंरसलपुर) दू १२१, १२२
 १५४
 ,, राव (बंरसलपुर) ती ३७
 मासदेव राजा परमार ती १७६
 मासदेव राव गांगायत दू १३७, १३८,
 १५४
 मालदे सोडो प ३६१
 माल पवार प २८०
 मालोदास करणसिधोत ती २०८
 मालुजी ती २७६
 मालो प २७, ५०, १६८, १६९
 ,, दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२
 मालो किसनावत दू १२४, १२५
 मालो चारण प १८४
 मालोजी रावळ दे० मलीनाथ रावळ
 मालो जोधावत दू १७७
 मालो देवराज रो दू १०४
 मालो रतनू-धारहठ दू ५४
 मालो रावत वूदा रो प १२४
 मालो रावत हांमा रो प १४६
 मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ
 मालो सिध रो दू २६२, २६४
 मालो सिलार रो प १६५
 मालो सूजावत प १४४
 मालो सेखा रो प १६५
 माल्हण सूर दू १५३
 मावल धरसडो दू २३२, २३३
 माहगराव गोदा रो प २५३
 माहप प. ५, १३, १४, ७०, ६०
 माहिसिध प ११६
 मित्राधरण प १२२
 मिरजो खान दे० खान मिरजो
 मिलक केसर दे० केसर मिलक
 मिलक खान प १४६, १४७
 मिलक खान हेतावत प २४६

मिलक बेग दू २६०
 मिलक मोर प. २३१
 मोर्या प १०१
 मोर गामरु प २१८, २१९
 मोर मलिक प २३१
 मुगदराय प १३३
 मुजपाळ हेमराजोत ती ३०
 मुघ प ११६
 मुघपाळ प ११६
 मुघ राणो दू २६५
 मुघ रावळ देवराज रो दू १०, १५,
 ३१, ३२
 मुकद प १६, २०
 ,, दू ६६, १२३, १८० १६६
 मुकद ईसरदासोत दू ६४
 मुकददास प १२५, २११, २१२, २३३
 ३०८, ३२०
 ,, दू ८८, १७०, १६०
 ,, ती २३५, २३६
 मुकददास कधरावत दू. १७४
 मुकददास जंतसिध रो प. ३०३
 मुकददास नरसिधोत दू १८३
 मुकददास भोपन रो प ३१७
 मुकददास माधोदासोत दू १४६
 मुकददास सावळदासोत दू १७४
 मुकददास सीसोबियो प १४८
 मुकददास सुरताणोत दू १६०
 मुकददास हरदासोत दू १६५
 मुकरबला ती २७७
 मुकुर्दासिध प. ११५
 मुकुद सुरताण रो प ३५६
 मुधनपाळ प २६०
 मुगटमिण ताजखान रो प ३२४
 मुगलखान इसमाइलखा रो दू १०४
 मुघरादास प २५, ३१०
 मुघरो दू. १३२, १४२

मुथरो रांगा रो दू. १०४
 मुथरो रायमलोत दू. १४४
 मुथरो हरावत दू. १४४, १४५
 मुदकर प. २६२
 मुदकरखान प. २२३
 मुद्राकर प. ११६, २६२, ३०२
 „ दू. २४१
 „ ती. ५५
 मुराद प. ३०५
 मुरादवगस प. ३१
 मुरारदास प. ३०६
 „ दू. १४६
 मुहमुद्दीन श्रादित ती. १६१
 मुहम्मदशाह ती. १६१
 मूजो प. ३४६, ३४७, ३५२
 मूलक ती. १७८
 मूळदेव प. २६१, २६०
 मूळदेव लघु ती ५२
 मूळपसाव दू. २, ३६ ४३
 „ ती. २२२
 मूळराज दू. ६२, १०६, १४४
 मूलराज बालुबय दू. २६६
 मूलराज चावडो दू. २६७, २६८
 मूलराज रावळ दू. १०, १४, ३६, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८,
 ७३, ७५, १०२, ११०, ११२
 मूळराज रावळ ती. ३३, ३४, १८३,
 २२०, २२१
 मूळराज लघु ती. ५१
 मूळराज वाघनाथोत ती. २६
 मूळराज वृद्ध ती. ५१
 मूळराज सोलंकी प. २६०, २६१, २६५,
 २६७, २६८, २६९, २७१, २७८,
 २८०
 मूळराज सोळंकी दू. २५८

„ „ (मूळदेव) ती. ४६
 मूळवो दू. २१५
 मूळ सांगमरावोत ती. २८५; २८६,
 २८७, २८८, २८९, २९०, २९१,
 २९२, २९३
 मूळ सेपटो प. २२६
 मूळो दू. १६८. २०१
 मूळो नीवायत दू. १५४, १६२
 मूळो प्रोहित ती. ६७
 मूळो रावत रिणघोर रो दू. ११७
 मूळो वंणावत दू. १६०
 मूसाखान दू. २५३
 मेघ दू. २०६, २६४
 मेघनाव प. १०५, १०६
 मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०
 „ दू. १२०, १६७, १७०, १८८,
 १८९, २०१
 मेघराज श्रालैराजोत दू. १६२
 मेघराज गांगावत प. ३५८, ३५९
 (दे० मेघो गांगावत)
 मेघराज भालो-मकवाणो दू. २५६
 मेघराज झुवावत दू. १६२
 मेघराज रांगो दू. २५७
 मेघराज रावळ दू. ६७
 मेघराज बीरदासोत दू. १४५
 मेघराज हमीरोत दू. १७६
 मेघ रावत दे० मेघो रावत ।
 मेघवीसो ती. २०५
 मेघादिव्य प. १०
 मेघो प. २०५
 मेघो कचरा रो प. १६६
 मेघो गांगावत दू. १००
 (दे० मेघराज गांगावत)
 मेघो नरसिंघवासोत ती. ३८, ३९, ४०
 मेघो भैरवदास रो प. २४१
 मेघो महेस रो दू. १०४
 मेघो रांगा रो दू. १०४, १७२
 मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राय वधु रो ती १६१, १६६, १७१
 मेघ कद्यवाहो प २६४
 मेढारि राजा ती १८५
 मेवनीमल प १२६, १३०
 मेर प १७२
 मेरादित्य प १०
 मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५,
 ३५७
 ,, दू ३३८, ३३९
 ,, ती १३५, १३६, १३८ १४६
 मेरो भ्रचलावत दू १८७, १८९
 मेळो दू ८०
 मेळो गजू रो प ३५६
 मेळो सांगायत दू १६६
 मेळो सेपटो ती २५८, २५९ २६०,
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
 मेयादित्य प १०
 मेहकरण प ३२०
 मेहकरण तेजसीघोत दू १६३
 मेहदो पालनसी रो प ३४०
 मेहर वुरक दू ३१
 मेहराज प २०
 मेहराज धर्खराजोत दू १७८
 मेहराज गोपळदेघोत प ३४७ ३४८,
 ३४९, ३५०
 मेहराज सांगळियाणी रो प ३४७
 मेहराज खरीसिध रो प ३१३
 मेहराज साखलो दू ३१२, ३२६, ३२७
 मेहराज सोढो प ३६१
 मेहरो प. १६६, २००
 मेहाजळ प १४५, ३६०
 मेहाजळ केहर रो दू २, ६ ३८, ७८,
 ८१, १०७
 मेहाजळ जगमाल रो प १६०, १६१
 मेहाजळ नारणोत दू १७४
 मेहाजळ रायपाळ रो प ३५१

मेहो प ३४१, ३४२, ३५३
 मेहो तजसीघोत दू १६४
 मेहो भागत रो प १६८
 मंगळ प १६८
 मंगळदे देवडो दू ६७ ६८
 मंगळदे भाटो दू ५२
 मंदो घोवा रो प ३४२
 महदमती (महदमती) दू १५१
 महोपो रांगो ती २३६
 महारावण काहावत प २३६
 महारावण साईरासोत दू १७६
 मोकळ प १०६, २०३
 मोकळ (जेतळमेर) ती २२१
 मोकळ याने रो प ३१८ ३१९
 मोकळ रांगो प ६ १५, १६, ६१, ६२,
 ३४२
 ,, रांगो ती १२६, १३०, १३४,
 १४१, १४६
 मोकळ साखा राणा रो दू ३३४, ३३५,
 ३३७
 मोकळती जाडेचो दू २०६
 मोकळ सोभ्रम रो दू १००
 मोलरो राजा प ३३३
 मोजवीन सुलताण ती १६१
 मोजवे जेंसिधदे रो प ३५२
 मोतल प ३४१
 मोटो राजा प
 मोटो राजा दू ६०, ६३, ६६, १२४,
 १२६, १३०, १३२, १४५, १४६,
 १४४, १४५, १४७, १६३, १६४,
 १६५ १६६, १७६, १७६, १८०,
 १८१, १८२, १६४, २५६
 (वे० उदेंसिध महाराजा)
 मोटो दू ६६, १२३
 मोड जांम दू २१४
 मोडो रावन कुतल रो प १२४

मोडी मूळवांगी ती. ५, ६
 मोवतसिध ती. २२७
 मोरी प. ८, १२
 मोहकर्मसिध प. २४, २६, २६६, ३०५,
 ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४
 ,, ती. २३०, २३२, २३३
 मोहण प. ३७, १६५
 ,, दू. ८८, ८९
 मोहण जोगा रो प. ३५७
 मोहण दहियो ती. २७०, २७१
 मोहणदास प. ६६, १२५, १६७, ३०७,
 ३१६, ३२५, ३२७
 ,, दू. ६१, १२०, १३३, १६८,
 १७४, १७५, १७७, १६८
 ,, ती. ३६
 मोहणदास ईसरदासोत दू. ६४, १०६
 मोहणदास फल्यांगदास रो प. ३१२
 मोहणदास गोपंददासोत दू. १५५
 मोहणदास चतुरभुजोत दू. १८५
 मोहणदास जंतसी रो दू. १६४
 मोहणदास नरहरदास रो प. ३०८
 मोहणदास भगवानदास रो प. ३०२
 मोहणदास राजावत दू. ८२
 मोहणदास रूपसीधोत दू. १४८
 मोहणदास सुरतांगोत प. ३०४
 मोहणसिध प. २५, २८, ६७
 मोहणसिध करणसिधोत ती. २०८
 मोहणसिध सुरते रो प. ३१
 मोहनराम प. ३१०, ३२०, ३२६
 मोहवतखान (मोहवतखा) प. २५, ३१,
 २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४,
 ३२१, ३२५
 ,, दू. ८०, ११६, १३१
 ,, ती. २४६, २७७, २७६
 मोहित रावळ प. ७८
 मोहिल प. ४५, ८६

,, ती. २५०
 मोहिल सुरजनोत ती. १५३, १५५, १५८
 मोजुद्दीन मुलतान दे० मोजदीन मुलतांग

य

यमादित्य प. १०
 ययळ दू. १२४
 ययाति दू. ६
 यशपाल रांगो परमार ती. १७६
 याकूतयां ती. २७६, २७६
 यादव दू. ६
 यामिनीभानु प. १३३ (दे० जांमणी भांग)
 युधिष्ठिर प. १६०
 ,, ती. १८५
 युवनाश्व प. ७८
 युवनाश्व ती. १७७
 ,, द्वितीय ती. १७७
 योगराज ती. ४६
 योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २६२
 ,, ती. १७८
 रघोस प. २६२
 रजमाई प. २६२
 रजा वहादुर प. ३०४
 रळ रांवण इंद्रराघ ती. १६६
 रणजय ती. १७६
 रणजीतसिध ती. २३२
 रणधीर प. १४२
 ,, दू. १७७, १६६
 रणधीर गाजणियो दू. २२१, २२२
 रणधीर चवंडे रो दू. ३०६
 रणधीर खाना रो दू. ११७
 रणधीर नायू रो दू. १६८
 रणधीर मूळावत दू. १३६
 रणमल जांम दू. २२४

रणमल नींबा रो दू. १६१
 रणमल बाघेली दू. २५३
 रणसिंघ राजा ती. १६०
 रणसिंह दे० रंणसी राणो ।
 रणसीह दे० रंणसी रांणो ।
 रतन प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१,
 ३२३, ३२६
 „ दू. १४, ६०, ६५, ६७, १५७,
 १६६
 रतन धारण दू. ३८, ७४
 रतन जैसिघड़े रो प. २३२
 रतन दासे रो प. ३१५, ३१७
 रतन महेसदासोत प. २४६
 रतन राव प. ११३, २४६, २५६, २८३
 „ „ दू. १५८, १५९
 रतन लूणोत बांभण दू. १६, २५, २६
 रतन सांखलो सीहड़ रो प. ३४२
 रतनसिंघ ती. १८३, २२०, २२८, २३५
 रतनसिंघ भाटी दू. ११०
 रतनसिंघ महाराजा ती. १८०
 रतनसी प. २७, १६५, १६६, १७२
 „ दू. ८०, ६३, ६८, १२४,
 १२६, १८५, १८८, २६३
 „ ती २२१
 रतनसी अखैराज रो प २०८, २१२
 रतनसी अजंसी रो प. १४, १६, २०
 रतनसी अलाबत दू. १७६
 रतनसी कमा रो प ३५६
 रतनसी गांगा रो प. ३५६
 रतनसी चहुवाण ती १८३
 रतनसी जंतसी रो दू. १८६
 रतनसी नरहरदासोत दू १५०
 रतनसी नाढावत सींघळ ती. ४१
 रतनसी भोंवरराज रो प. ३०३
 रतनसी भोंवसी रो प. २६०
 रतनसी भोंघोत दू. १८३

रतनसी महकरणोत प २३५
 रतनसी माला रो दू. १७८
 रतनसी रांणो प. १६, २०, २१, १०४,
 १०५
 रतनसी रांणो ती. ३४
 रतनसी रांणो अमरा रो प. ३१
 रतनसी रांणो जंतसी रो दू. ३, १०,
 ३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१,
 ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
 रतनसी राजा प २६०
 रतनसी राव प ६२, २६७
 रतनसी राव काधळोत प. ६६, ६७
 रतनसी रावळ प. ७६
 रतनसी रावळ पदमणीवाळो प. १३
 रतनसी राव लाखण रो पोतरा रो प. १७२
 रतनसी लूणकरणोत ती. २०५
 रतनसी बीजा रो प. ३५८
 रतनसी सांगावत प. १०२, १०३
 रतनसी सिंघराज रो प. ३५६
 रतनसी सोसोदियो प. ५०, ७४
 रतनसी सीहड़ रो प. ३४०
 रतनसी सेखा रो प. ३२७
 रतनसी सोडो प. ३६१
 रतनसेन प. १२६
 रतनसेन रांणो ती. १८४
 रतन हमीरोत प. ३०५
 रतनो दू. १४५, १६६
 रतनो गांगा रो प. ३४३
 रतनो पीयावत दू. १६३
 रतनो घोरम रो प. १६४
 रतनो धीसा रो प. १६६
 रतनो वंणा रो प १६६, १६७
 रतनो सकरोत प. २४३
 रतनो साखलो प. १८, २८२, २८३
 रतो दू. १४३
 रतो पिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प. ६, १४
 रत्नसिंह रावल प. ६
 रत्नादित्य ती. ४६
 रत्नजीत प. १२६
 रत्नधीर प. १२६
 रत्नादित्य प. १०
 रत्नादित्य ती. ४६
 रववंत प. २६२
 रवो सुरतांणियो वारहूठ दू. २०२
 रसखंडवीज राजा ती. १८७
 रांगणवे राव दू. ११४, ११५, १३८,
 ३१२, ३१३, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२४, ३२७
 रांगक राय प. २८६
 रांगमवे प. ३४८, ३४९, ३५०
 रांग वरजांगीत ती. ३०
 रांगादित्य ती. ४६, ५०
 रांगो प. २४०
 ,, दू. ६४, १०४, १२८, २५६
 ,, ती. २२१
 रांगो शर्खराजोत प. २१
 रांगो तेजमालोत दू. १२४
 रांगो दूबावल दू. ६५
 रांगो नरवद रो दू. १६७
 रांगो नीवावल प. २३३
 रांगो नेता रो प. ३५२
 रांगो भीवावल प. २४३
 रांगो रामावल दू. १६४, १७१
 रांगो रायपालोत दू. १५१
 रांगो रावळ रो प. १६६
 रांगो राहड़ोत राहड़-धोधी दू. ३२
 रांगो सहसावल दू. १७६
 राम प. १३०, १४२, १५४, १५५,
 १५६, १७२, २३७, ३६४
 ,, दू. ७७, ८६, १४१, १६०
 राम उदैसिंघ रो प. ३१३

राम उरजण रो प. ११०
 राम कंवर प. ३१५
 राम कंधरावल ती. २१५
 राम कूंभावल दू. १७६
 राम खैराटो प. २७६
 रामचंद प. २७, ६३, १११, ३०७,
 ३०८, ३०९, ३२८
 ,, दू. ७७, ८८, ९२, १०५, १२१,
 १२२, १२४, १२८, २००
 ,, ती. २२५
 रामचंद इंंदो ती. २८२, २८३, २८४,
 २८५
 रामचंद करमसी रो प. ३२५, ३२६
 रामचंद गोपाळदासोत दू. १०६
 रामचंद गोयंवदासोत दू. १७५
 रामचंद जसवंत रो प. २०६
 रामचंद नरहरदासोत दू. १६६
 रामचंद फरसरांम रो प. ३१६
 रामचंदर प. २६८
 रामचंद राजा धीरभांण रो प. १३३
 रामचंद राव प. १०१
 रामचंद राव जगनाथोत प. ११३
 रामचंद रावळ दू. २००
 रामचंद रूपसी रो प. ३१२
 रामचंद धाघावल दू. १६२
 रामचंद वेणावल मोहिल ती. १७२
 रामचंद सिंघोत रावळ दू. ६३, १०३,
 १०४, १०५, १०८
 ,, ,, रावळ ती. ३५
 रामचंद सुरतांणोत दू. १५८
 रामचंद्र दसरयजो रा प. ७८, १२६
 (दे० श्रीरामचंद्रजी श्रवतार)
 रामचंद्र राजा ती. १८८
 रामचंद्र रायमालोत प. ३१८
 राम चवंडे रो दू. ३१०
 राम जगमालोत दू. १६१

राम जादव ती. १८३
 रामण प १६०
 रामदास प. १२४, १२५, १६४, १६६,
 ३१७
 ,, दू. ८०, ६६, १२३, १४७,
 १८१, १८४, १८६, १६६
 रामदास ईशरदास रो प. ३५४
 रामदास ऊदावत प. ३०२, ३३१
 रामदास केसोदासोत दू. १८८
 रामदास चांदावत दू. १५८, १६६
 रामदास देवा रो प. १६८, १६६
 रामदास नाथा रो दू. ७५
 रामदास भाखरसोभोत दू. १५२
 रामदास मालहण रो दू. १५३
 रामदास मेहाजळ रो प. ३५१
 रामदास राजसिध रो प. ३०३
 रामदास राजसी रो प. १६७
 रामदास घणवीर रो प. ३३१
 रामदास सुजावत दू १६०
 रामदे पीर प. ३५०, ३५१
 रामदेव राठोड ती. १६६, १६७
 राम नारणोत प ३५८
 राम पचाइण रो दू ११६
 राम मालदेसोत दू. १६७
 राम रतनसोसोत प. १५१
 राम रांगो दू २६५
 राम राव प. २१२
 राम रावळ जंतसो रो दू. ८५
 राम रावळ देवीदास रो दू. ८४, ८५
 राम नृणकरणोत ती. २०५
 राम वरजाग रो प २३२
 राम सहस्रमल रो प. ३१४
 रामता (रामस्या) दू. ४८, ४९
 रामसाह प. ३०८, ३१०
 रामसाह नाथावत प. ३१०
 रामसिध प ६६, १५६, १६३, १६४,

१६५, २००, २११, ३०७, ३२४,
 ३२७, ३२९, ३६१
 ,, दू. ८५, ८८, ६२, ६५, ६६,
 १२२, १२३, १२४, १६५, १७०,
 १७१, २६३
 ,, ती. २२३, २२५, २२७, २३०
 रामसिध अखंडराजोत प. ३६०
 रामसिध अर्भराम रो प. ३०२, ३०७
 रामसिध अर्भसिधोत दू. ११०
 रामसिध आसावत प. ३४३
 रामसिध उग्रसेण रो प ३१६, ३२०
 रामसिध कवचर जंसिधोत प. २६८
 रामसिध करमसेनोत प. ६६
 रामसिध कल्याणमलोत ती. २०६
 रामसिध कान्ह रो दू. १३६
 रामसिध वीवो प. १७४
 रामसिध जगामाल रो प २३
 रामसिध तेजसी रो प. ३२६
 रामसिध नरसिधदासोत दू. १८३
 रामसिध पचाइणोत दू. १०५, १०८
 रामसिध वलू रो प ३२६
 रामसिध भीवोत दू. १७०
 रामसिध भोपत रो प. ३२८
 रामसिध महासिधोत प २६१
 रामसिध मानसिध रो प. ६८
 रामसिध मेहाजळोत दू. १७४
 रामसिध राजा प. १३०
 रामसिध रावळ प. ७६
 रामसिध चाधेलो प. १७२
 रामसिध धोकावत दू १७३
 रामसिध वीरमदेसोत दू. १६७
 रामसिध सिखरावत प. २३३
 रामसिध सूरजमलोत दू १८६
 राम सुजावत प. ३५६
 राम सोढो प. ३६४
 रामेश्वर राजादे रो प. २६४, २६६

रामो प. १६, २४२
 ,, दू. ६६, १२६, १६७
 रामो चारण प. १११
 रामो जांभण रो प. २३६
 रामो जोधावत दू. १६४
 रामो देवडो प. १५५, १५६, १५७,
 १६५, १७६
 रामो नाथु रो दू. १६६
 रामो तारण रो प. ३५८
 रामो भाखरसी रो प. ३५६
 रामो मांडण रो प. ३५७
 रामो माघा रो प. ३६०
 रामो लूणावत प. २३५
 रामो सोहड़ ती. १०६, ११०
 रामो हाडो प. ११८
 रांवण प. ४७, ११६, १६० (दे० रांमण)
 रा' दयात दू. २०२
 रा' नोंघण दू. २०२
 राइसी (रासी) रावळ प. ७६
 राखाइच दे० राखायच सोळंकी ।
 राखाइत दू. २६६, २६६, २७०, २७१,
 २७२, २७३, २७४
 राखायच सोळंकी प. २६५, २६६,
 २६६, २७०, २७१
 राखो दू. १०४
 राघवदास प. ११७
 राघवदास दू. १२८
 राघवदास कल्याणमलोत ती. २०६
 राघवदे प. १६
 ,, दू. २६४
 राघवदे घरजांग रो प. २३२
 राघवदे सीसोदियो-लाखावत प. ५३, ५४
 राघो प. २०५
 ,, दू. ८५, १६०; १६७, १६६, २१५
 राघो किसना रो प. ३५२
 राघोदास प. १६०, १६७, २३३, ३२७,
 ३२८

राघोदास दू. ८६, १२२, १७७, १८८
 ,, ती. २२६
 राघोदास अर्खराजोत दू. १५२
 राघोदास उर्वसिध रो प. ३१२
 राघोदास खंगारोत प. ३०५
 राघोदास डुंगरसीओत दू. १४८
 राघोदास तिलोकसी रो दू. १६२
 राघोदास देवडो जोगावत प. १५७
 राघोदास धीरावत दू. २०१
 राघोदास फरतरांम रो प. ३१६
 राघोदास नहेतोत प. २०१
 राघोदास रांम रो प. ३१४
 ,, ,, ,, दू. १६१
 राघोदास धोठळवास रो प. ३०८
 राघोदास वीरमदेओत दू. १७१
 राघोदास साहूओत प. २८३
 राघो नाथु रो दू. १६८
 राघो चालो ती. १२६
 राघो भाखरसी रो प. ३६१
 राज प. २५८, २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६७, २८०
 राजकुळ प. २६०
 राजचंद्र प. १२६
 राजडियो मूर-मालहण रो दू. ४२
 राजदे प. ३३२
 राजदे चाचगदे रो प. ३५५, ३६३
 राजदेव प. २६०
 राजघर प. १६६
 ,, दू. २
 ,, ती. २२१
 राजघर घवंडे रो दू. ३१०
 राजघर जोधा रो प. ३५६
 राजघर भोजावत दू. १७७
 राजघर मर्नासिघोत प. ३५६
 राजघर रिणघीर रो प. २०५
 राजघर लखमण रो दू. ७६, ८०

राजधर वैरसी रो प ३५६
 राजर्षाण भाट प २८७
 राजपाळ प २६०
 ,, ती २२१
 राजपाळ रांगो धनु रो दू. १४०
 राजपाळ रांगो सांगा रो दू १, ११,
 १२, १३, १६
 राजपाळ वैरसी रो प ३३६, ३४२, ३४४
 राजमल जर्वसिध रो प ३१३
 राज रावळ दू ३
 राजरिल प १२२
 राज सर्मा प ६
 राजसिध प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३,
 ३०६, ३१६, ३१७
 ,, दू ८८, ९३, १२२, १४०,
 १६५, १७६, १८१, १८४, १८५,
 २६४
 ,, ती १८१, २२६, २३८, २३७
 राजसिध घासकरण रो प ३०३
 राजसिध करनोत प ६८, ७०
 राजसिध लींघावत दू १८२, १८४
 राजसिध गोपाळदासोत दू १०६
 राजसिध जसवतोत दू १४६
 राजसिध दयाळदासोत दू १४७
 राजसिध म० कुषार दू ११०
 राजसिध रांगो प ६, १५, ३१, ३२,
 ४६, ५२, ५३
 राजसिध रामसिधोत प ३२६
 राजसिध राघोदास रो प ३१४
 राजसिध राजा ती २१७
 राजसिध रावत प ६६
 राजसिध राव सुरनाथ रो प १३६,
 १५३, १५४, १५८, १६१, १६३,
 १६४
 राजसिध ललावत दू १६१
 राजसिध वेणीदासोत दू १५७, १६८,
 १६१

० राजसिध हमीरोत प ३०५
 राजसिध हररांमोत प. ३२४
 राजसी प १६५, १६८, ३४३
 ,, ती २२२, २३६
 राजसी षवरसी रो, रांगो प ३४६
 राजसी तेजसी रो प ३४२
 राजसी देवडो प १५७
 राजसी नाया रो प १६७
 राजसी भैरवदासोत दू १६६
 राजसी राधावत प १५३
 राजसी ह्रींगोळ रो प १७२
 राज सीळकी प २६१, २६५, २८०
 राजावित प २५६
 ,, ती ४६
 राजादे धोजळदे रो प २६४, २६५,
 २६६
 राजा सर्मा प ६
 राजो प ३०८, ३०६, ३१०, ३११
 राजो ती २२६
 राजो ऊगमणावत ती २५२
 राजो करण रो प ३५२, ३५३
 राजो काघळोत ती २१
 राजो (बाहडमेरी रो) दू ८८
 राजो रांगो दू २६२, २६५
 राजो धीकाजो रो ती २०५
 राज्यसिध राजा ती १६०
 रामनारायण ब्रूगड प १३४
 रामशाह दे० रामसा ।
 रामादित्य प १०
 रायकवर प ३१५, ३१७
 रायकरन दू १२३
 रायचद भाटो दू ६६, १००
 रायचद मनोहर रो प ३१६
 रायघण दू १, २०६, २१५, २१६,
 २५४
 रायघण हमीर रो २०६, २११

रायघवल ऊगमणावत ती. २५२
 रायपाळ तेजती रो प. ३४१
 रायपाळ नापा रो प. ३५४
 रायपाळ राव ती. २६, १८०
 रायपाळ साहणी ती. ८४
 रायपाळ सिधा रो प. ३५१
 रायपाळ सीहावत हू. १४५
 रायभांण हाडो रायसिध रो प. ११७
 राय भूवड ती. ५१
 रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३,
 ३२६, ३२७
 ,, हू. ७८, ८१, १२८, १४३,
 १४५, २००, २६३
 ,, ती. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८
 रायमल श्रचळावत हू. १८५
 रायमल उर्वेतिघोत हू. १४६
 रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२
 रायमल करमा रो प. १६५, १६६
 रायमल किसनावत हू. १२४, १२५
 रायमल गोयंददासोत हू. १७५
 रायमल दासा रो प. ३१८
 रायमल दुरजणसलोत हू. ६६
 रायमल देवावत हू. ७६
 रायमल घनराजोत हू. १२२, १२३
 रायमल महकरणीत प. २३५
 रायमल मालदेवोत ती. १५२
 रायमल रांणावत हू. १५१
 रायमल रांणो प. १५, १७, १८, १९,
 ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१,
 २८१, २८४, ३५२, ३५६
 रायमल राव ती. २४६, २४७, २४८
 रायमल सिवराज रो प. ३५६
 रायमल सुरा रो प. ३६०
 रायमल सेखावत प. ३१६
 रायसल प. ३२२, ३२३, ३२४, ३५८
 ,, हू. ६६

रायसल खीची प. २५५, २५६
 रायसल दूवावत ती. ६४, ६७, ६८
 रायसल राजा परमार ती. १७६
 रायसल सूजा रो प. ३२०, ३२४
 रायसिध प. २२, २३, २५, ३१, ४७;
 ७४, १०१, ११७, १४२, १४६,
 १५१, १५२, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५९, १८६, १९१, १९२,
 १९४, १९६, २३७, ३५६
 ,, हू. ६५, ७७, १२४, १४३
 ,, ती. २३३, २३६
 रायसिध कछवाहो ती. ३२
 रायसिध कल्याणदास रो प. ३१२
 रायसिध किसनावत हू. १२५
 रायसिध गोयंददासोत हू. १५५, १५६,
 १५७
 रायसिध चंद्रसेनोत (चंद्रसेणोत) प. १५१
 १५२
 ,, ,, हू. १७५, १८६
 रायसिध जाम लाखा रो हू. २२४
 रायसिध जाळपोत हू. १६७
 रायसिध जेसावत हू. १५०
 रायसिध भालो हू. २४४, २४५, २४६,
 २४७, २४८, २४९, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६,
 २५९
 रायसिध ठाकुरसी रो प. ३६०
 रायसिध पंवार हू. २६०
 रायसिध पोथावत हू. १६३
 रायसिध भीमावत हू. १०३
 रायसिध भैरवदासोत हू. १६६
 रायसिध महाराजा ती. १८, ३१, १८०,
 १८१, २०६, २१०, २२४
 रायसिध मांडण रो हू. २६३, २६४, २६५
 २६७
 रायसिध मालदे रो प. ३१५

रायसिध राजा दू ६४, १२८, १३२
 १३६, १४६
 रायसिध राय अर्जुनराज रो प १३५,
 १३६, १३७, १४१, १६१
 रायसिध धणवीरोत्त व २४२
 रायसिध योसावत दू १६४
 रायसिध सूजावत प २४२
 रायसिध हरदास रो दू २६३
 रायसी राणो महिपाळ रो प ३४४,
 ३४५, ३४६
 रातण काकिल रो प २६४, ३३२
 रावत प ६५, ६६
 ,, दू ६१, १४३
 रावत देवडो सेलावत प १४३, १५८,
 १६३, १६४
 रावत महकरणोत्त प २३५
 रावतसिध प ६३, ६५, ६६
 रावत हामावत प १४६
 रावळ सुमाण बापा रो प ४, १२,
 ५६, ७८
 रावळ बापो प ३, ४, ७, ८, ११, १२,
 ७८
 रावळो राणो, सजन रो प १६३, १६४
 रासो दू ८६, १६२, २००
 रासो उर्वसिध रो दू. १३०
 रासो धनराजोत्त दू १००
 रासो नरसिधदास रो दू १८३
 राहुड रावळ विजैराव रो दू २, ३२
 ३३
 राहुप राणो, रावळ करण रो प ५, ६,
 १३, १५, १६, ७०
 राहुप रावळ प ७६
 राहिव दू २०६, २३६
 राहिव हमीर रो प ३५८
 राहुड राजसी रो ती २२२
 रिखीशवर प. १०

रिखी सर्मा प. ६
 रिडमल सारगोत्त दू १७४
 रिणछोड मगादासोत्त ती २२०
 रिणधधळ प ३३६
 रिणधीर प २०, १५८ १५६, २०५,
 २०७, ३४८
 रिणधीर चूडावत ती १२६, १३०,
 १३२, १४०
 रिणधीर सुरावत ती १४०
 रिणमल प ३५७
 रिणमल केलणोत्त दू १२, ११६, १४०,
 १४१
 रिणमल घट्टवाण प १२१
 रिणमल देवडा सलता रो प १३५,
 १३६, १६२, १८८
 रिणमल नीवावत दू १५४
 रिणमल भाटी दू ३, ७७
 रिणमल राव राठोड (राव रिडमल)
 प १५, १६, १७, २१, ५३, ५४,
 २०६
 ,, राव राठोड (राव रिडमल)
 दू ३८, ६६, ८४, १४५, ३०६,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२६, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३४०,
 ३४१, ३४२, ३४३
 , राव राठोड (राव रिडमल)
 ती १, २, ३, ४, ६, ६, ३१, ८४,
 ६०, १२६, १३०, १३२, १३३,
 १३४, १३५, १३६, १३७, १३८,
 १३९, १४०, १४१, १४६ १८०,
 २२६, २२६
 रिणमल लाला रो प ३५२
 रिणसिध प ३१८
 रिणसी प १६६
 रिप राजा ती १८५

रिसालू राजा सालवाहन रो दू. ६
 " " " " ती. ३७
 रुकनदीन सुलतांण ती. १६०; १६१
 रुकनुदीन दे० रुकनदीन सुलतांण ।
 रुक्मांगदजी चंद्रावत दे० रुक्मांगदजी
 चंद्रावत ।
 रुक्मांगद चांदावत ती. २४६
 रुक्मांगदजी चंद्रावत ती. ३२
 रुघनाथ प ६६, ३२३, ३२५
 ,, दू. ६०, ६२, ६६, ६७, १०५,
 ११६, १२३, १२८, १३०, १६८,
 १८५, १८८
 रुघनाथ ईसरदासोत दू. ६५, १०७,
 १३१, १३२
 रुघनाथदास प. २५
 रुघनाथ पतावत दू. १७१
 रुघनाथ भाणोत दू. १०४, १०८
 रुघनाथ भोजराज रो प. ३२३
 रुघनाथ राव दू. १२१
 रुघनाथसिध प. ३०६, ३१४
 ,, ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
 २२८, २२९
 रुघनाथसिध उप्रसेण रो प. ३२०
 रुघनाथ सुरतांणोत दू. १६०
 रुघनाथ सेखावत दू. १७३
 रुणक ती. १८०
 रुणकराय प. २८८
 रुवो प. १७२
 रुवो चवंडे रो ती. ३१
 रुवो देवड़ी तेजसी रो प. १६२, १६३,
 १६४
 रुवो राणा लाखा रो प. १६
 रुद्रकंवर प. ३१६
 रुद्रदास झूलो-चारण भांण रो प. ८६,
 ८८
 रुद्रनाथ प. १६०

रुद्रसिध प. २१, २३
 रुद्र ती. १७८
 रुद्रक प. २६२
 रुद्रक ती. १७८
 रूपचंद भारमलोत प. २६१, ३१४
 रूपड़ो रांणो पडिहार दू. १२, ५३, ७३,
 १४०, १४२
 रूप राघोदास रो प. ३१६
 रूपसिध प. २३, १०१, ३२०
 ,, ती. २२४, २३०
 रूपसिध भारमलोत प. २७६
 रूपसिध राजा (किशनगढ) ती. २१७
 रूपसिध राव भारमलोत दू. १०४, १०५,
 १०६
 रूपसिध रुक्मांगदोत ती. २४६
 रूपसी प. ३१२, ३१३, ३१८, ३१९,
 ३२६
 ,, दू. ११६, १७६, १८२, १८७
 ,, ती. २२१
 रूपसी श्रासावत प. ३४३
 ,, ,, दू. १४७
 रूपसी जसवंत रो प. ३१७, ३१८
 रूपसी जोधा रो प. ३५६
 रूपसी प्रथोरान रो प. ६७, १११, १६५,
 ३१२
 रूपसी रायमल रो दू. १४५
 रूपसी रायसिधोत दू. १६८
 रूपसी लक्ष्मण रो दू. ७६, १६६
 रूपसी लूणकरणोत ती. २०५
 रूपसी वेंरामी प. ३१३
 रूपसी सोमोत दू. ७५, ७६, ७७
 रूपो प. १६७, २०१
 ,, दू. १४३
 रूपीखां करमसोश्रोत ती. २१४
 रेडो घायभाई ती. ८३
 रेवकाहीन प. २६०

रेंगसो रांणो ती १५८, १७०
 रोमीतान ती ५५
 रोह रांणो प १२३
 रोहिताश्व ती १७८
 रोहितास प ७८
 रोहितास राजा हरिचव रो प २८७,
 २९२, २९३

ल

लकडखान प १११
 लक्ष्मणसिंह प ६
 लक्ष्मीदास ती २२८, २३१
 लक्षण दू २१५
 लक्षणसेन दू २, ३६, ४०, ४१, ४२,
 ४३
 लक्षणसेन राव ती १५८
 लक्षणसेन रावळ दू ११४
 „ , ती ३३
 लखधीर प १८६
 „ दू २४१
 „ ती ३७
 लखधीरसिध ती २२६
 लखमण प ११७, १६१ २२६
 „ दू १४, ५२, १८८
 लखमण ईसरदासोत दू १७६
 लखमण केहर रो दू २, १०, ११, ७५,
 ७६ ७८, ७९, ८०, ९२, ११२
 „ ती ३४, २२१
 लखमण(लखमण)ढोला रो प २८९, २९३
 लखमण नारणीत दू १६०
 लखमण भादावत प ६१
 लखमण रावत रिणधीरोत दू ११७
 लखमण रावळ दू १६६
 लखमण सातळ रो प ३४१
 लखमणसी भड प १४
 „ , ती १८४
 लखमणसेन रायपाळजी रो ती. २६
 लखमती कालण रो दू २, ३६

लखमती राणो प. ६, १४, १५
 „ „ ती १७६
 लखमसेन प्रमतेनोत चहुवाण ती २६
 लखमीदास दू १२८, १३० १६१,
 १७०, १८३, १८५, २००
 लखमीदास धनराजोत दू १२४
 लखसेन राजा ती १७५
 लखो प १८७
 लखो दू १८७
 लखो प्रमरा रो दू १२२
 लखो जिनसी रो प
 लखो जगनाथोन दू १६६
 लखो नरवद रो प १२१
 लखो बोडो प २४७
 लखो मुहतो दू ६
 लखो धोजड रो प १३४
 लखो घोरमदेघोत दू १६१
 लखपाल राजा ती १८८
 लखमणसेन राजा ती १८६
 लखपाळ राजा ती १८८
 लखोड दू १, ११, १७
 लखाव्यान प ५६
 लख भाट प २७७, २७८
 लख रामचद्रजी रो प २९३
 लखकरी कामरां प. ३००
 लखुधो दू १, ११० १६
 लखल ती १८०
 लखा बलाय प ६१
 वे० पृथ्वीराज उडणो।
 लांप बाभण दू १६, २५, २६
 लाखण पुजन रो प २९६
 लाखण राणो परमार ती १७६
 लाखण राव प ६७, १००, ११६,
 १३४, १३५, १७२, १८६, २०२
 २३०, २४५, २४७ २५०, २५१
 लाखणसी दू १२४
 „ ती. २३२

लाखणसी मलेसी रो प. २६४
 लाखाइत प. २६६
 लाखो प. १८६, ३६१
 लाखो अजा रो दू. २२४, २२५, २४१
 लाखो अमणावत ती. २५२
 लाखो गोवावत प. २३८
 लाखो जमला रो दू. २२८, २२९, २३०
 २३१, २३२, २३३, २३४, २३५
 लाखो जाहेबो प. २६४, २६५, २६६,
 २६९, २७०, २७१
 " " दू. २५८
 लाखो जाम दू. २१७, २१८
 लाखो जाम मारु दू. २६६, २६७
 लाखो डूंगरसी रो प. १२१
 लाखो फुलाणी दू. २०९, २१६, २१७,
 २१८, २३६, २६८, २६९, २७०,
 २७१, २७२, २७३, २७४
 लाखो रांणो प. ६, १५, १६, ३४
 " " दू. ३३१
 लाखो राव प. १३५, १३६, १४२,
 १४४, १५८, १६०, २८४
 लाडक वजीर दू. २१९
 लाडखान प. २७, ३६१
 " दू. १२४, १७४, १८३, २०१
 " ती. ३७, २२७
 लाडखान ऊदा रो प. ३१८
 लाडखान किसनावत प. ६६
 लाडखान जेमल रो प. ३१७
 लाडखान भैरवदासोत दू. १९६
 लाडखान रायसल रो प. ३२१
 लाडखान रायसिघोत दू. १९४
 लाडखान वाघावत दू. १६२
 लाडखान स्यामदासोत प. ३०९
 लाधो प. १६८
 लालचंद दू. ६२
 लाल डूंगरसी रो प. १२०
 लालरंग प. २८९

लालसिघ प. ५९, ११९
 " ती. २२३, २२४
 लालो प. १०१, २२६
 लालो चवंडेजी रो दू. ३१०
 लालो जेमल रो प. ३५२
 लालो नरु रो, राव प. ३१८
 लालो नाया रो दू. ७५
 लासो साहणी दू. १६६, १६८
 लिखमण सोभत (-तोभावत ?)
 प. २२४
 लिखमसी दू. ८८
 लिखमीदास गोयंददासोत दू. १८०
 लिखमीदास बेईवासोत दू. १६६
 लिखमीदास वाघोत दू. १६१, १६२
 लिखमीदास सेखावत प. २३९
 लिखमीदास हाडो मानसिघोत प. ११७
 लिताट सर्मा प. ९
 लीलामाघो राजा ती. १९०
 लूको ती. १०८, ११३
 लूडो सेलोत प. २२५
 लूभो प. १८७, १८८, ३४८
 लूभो चवंडेजी रो दू. ३१०
 लूभो पता रो प. १३५
 लूभो विजड रो प. १३४, १६२, १८१
 लूसकरण प. २२४, ३०२
 " दू. ८१, ८६, ९१, ९२,
 १०३, ११०
 " ती. २२०, २२७
 लूसकरण मदनसिघ रो प. ३१७
 लूसकरण राव दू. ८५
 लूसकरण " ती. ३१, १८०, १८१,
 २०५, २२८
 लूसकरण रावळ प. २२
 " " दू. ११, ८७, ८८, ८९
 " " ती. ३५, १५१, १५२
 लूसकरण राव मुदस्तांगोत प. १५२
 लूसकरण राव सूजा रो प. ३१९

लूणकरण राम हमीर रो दू. १४५
 लूणकरण सोहड रो प ३४०
 लूणप भाटी ऊदस रो दू. ६६, ७०, ७१,
 ७४

लूणराध दू. २, ३६, ४३
 लूणी प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३,
 १८७, ३१६

लूणी अजा रो दू. २६२
 लूणी उर्वसिध रो प. २२
 लूणी रहियो प. २२६
 लूणी मोहित दू. १८, १६
 लूणी भाणकराव रो प. ३६३
 लूणी मेहरावण रो प ३६१
 लूणी राणावत प २३५
 लूणी राम रो प. ३१३
 लूणी रायसिधोत दू. १६८
 लूणी रावत ती ७, ८
 लूणी राध भोजा रो प ३५४
 लूणी राहिव रो प. ३५८
 लूणी विजड रो प १३४, १८१, १८२,
 १८१

लूणी बिजा रो प १६३
 लूणी साईदास रो प ३२७
 लूणी सीसोदियो प. ६६
 लूणी सूजावत दू. १५१
 लूणी हुरराव रो प. १६४
 लख सर्मा प. ६
 लोडचद ती १८६
 लोडचद ती १८६
 लोडी जनागर रो दू. २०६
 लोली गोपावत प २३८
 लोली घवडेजी रो दू. ३१०
 लोली राणा रो प २०६, २०७
 लोली सोमगरो ती. १३३
 लोहचद राजा ती १८६
 लोहड प १०१

लोहट रांगो मोहित ती. १५८, १७०,
 १७१
 लोसत्य प. ७८

व

वंसीदास प. ३०८
 वल्लतसिध ती. २२५, २२८, २३२, २३५
 वल्लतसिध परमार ती. १७६
 वल्लतसिध महाराजा ती. २१३
 वच्छो प ३५३
 वछरान राणी मोहित ती. १५६, १६०,
 १७१
 वछराव दू. ६
 कछुवधराज प. २८६
 वछु, राणा सोहड रो प ३४३
 दे० वछो सोहड रो ।
 वछु राव ती. १६१
 वछु रावळ मुंघ रो दू. १, १०, १५,
 ३१, ३२, १४०
 वछो जवदू रो प. १०१, १०२
 वछो माला रो दू. १७८
 वछो सोहड रो प ३४०, ३४१
 दे० वछु, राणा सोहड रो ।
 वज्रदीप दे० वज्रद्वीप
 वज्रद्वीप प. २६३
 वज्रधर प. ७८
 वज्रधाम बालरथ रो प २८८
 वज्रधाम ललमत रो प २८८
 वज्रनाभ प ७८
 वज्रनाभ ती १७६
 वज्रनाभ प्रहुमत रो दू. १, ६, १६
 वडगछ्छो जती ती. १६
 वडसीस रावळ प. १२
 वणराज चावडो ती. २६, ४६, ५०
 वणधीर प. १७, २०, २१, १६३, २७६,
 २६०, ३१३, ३३१
 , दू. १६
 वणधीर उधरण रो प ३१३
 वणधीर कागहा रो प. ३५८

वणवीर जेता रो दू. १५३, १६२
 वणवीर भानोदास रो प. २७६
 वणवीर मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
 वणवीर मेर रो प. १७२
 वणवीर राघ सांकर रो प. १६४
 वणवीर वरती रो दू. ८१
 वणवीर सिघावत प.
 वणवीर हरराज रो प. १६४
 वणसूर ती. १५३
 वत्स ती. १७५
 वत्स वृद्ध ती. १७६
 वनमाळीदास भगवंतदास दाला रो
 प. २६१
 वनराज चाश्रीडो प. २५८, २५९
 " " दू. २६६
 (दे० वणराज चावडो)
 वन सर्मा प. ६
 वनेसिघ ती २३५, २३६, २३७
 वनो प. ३६१
 वनो गोड ती. २७०, २७१
 वनो भाटो दू. ६६
 वयरसोह चावडो ती. ५०
 वरजांग प. १६८, २४४, ३६२
 " दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
 वरजांग चूडावत ती. ३१
 वतजांगदे प. २४४
 वरजांग पोकरणो ती. ११३
 वरजांग भीमावत दू. ३४२
 वरजांग भैरुंवासोत दू. १६०, १६२
 वरजांग राव दू. ११७
 वरजांग राव पाता रो प. २३१, २३२
 वरजांग हुमीर रो प. ३५६
 वरदायीसेन ती. १८०, १६३, २०४
 वरदेव सर्मा प. ६
 वरसिघ प. १०१, १२७, १२८, १६५,
 २५६
 " दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

वरसिघ
 वरसिघ
 वरसिघ
 वरसिघ
 वरसिघ
 वरसिघदे
 वरसिघदे
 वरसिघ रांणो
 वरसिघ रावठ
 वरसिघ राव ह
 १२७, १२८
 वरसो खाट ती. १
 वरसो हरदास रो
 वरसो प. २८६
 वरसो तेजस राजा ती.
 वरसो ती. १७६
 वरसोभराज सोळकी प. २
 " " ती. ५१
 वरसोभराज ती. २३६
 वरसोभराज प. २८०
 वरसिघ ऋषि (दे० वरसिघ रिं
 वरसिघ रिंसीस्वर प. १३४, २३६
 " " ती. १७५
 वरसुवान राजा ती. १८६
 वरसुदेव दू. ६
 वरसुदेव बांभण लुंगोत दू. १६
 वरसु सर्मा प. ६
 वरसुपाळ इंद्रवाळ रो प. २६०
 वरसुती दू. १३०
 वरसुती लाला रो प. ३५२
 वरसु ती. १७६
 वरसुतीदास दू. २०१
 " ती. २२०
 वरसुतीदास जसावत दू. १०३
 वरसुतीदास जेमल रो प. ३५८

बाकीवेग मोहवतलां रो प ३०१
 बाकी दू. ६०
 बांदर ती २२१
 बांनग देव दू १४
 बांनर दू २
 बावपतिराज प १००
 बावय सर्मा प ६
 बाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६,
 १६५, १६७, १६८, ३४४
 ,, दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२,
 १३१, २६४
 , ती २३०, २३१
 बाघ छमरा राणा रो प ३१
 बाघ कांन्हावत दू १६३
 बाघ छोधी प २५६
 बाघ छाहड रो प ३६३
 बाघ जसवत रो प २०८
 बाघजी प ३०८
 बाघ ठाकरसीप्रोत ती १८
 बाघ तिलोकसीप्रोत दू १६२
 बाघ पवार प ३३८
 बाघ प्रथोराज रो प. ३१२
 बाघ फरसराम रो प ३१६
 बाघ भारमल रो प ३२८
 बाघमार घूहडजी रो ती २६
 बाघ रतनसीप्रोत दू १७६
 बाघ राणो दू २६५
 बाघ राजा परमार ती. १७६
 बाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
 बाघ रिणमलोत दू १६१
 बाघ वीदा रो दू. २६३
 बाघ साखलो प ३३८, ३४४
 बाघ सांबळदासोत दू १६६
 बाघ सिरग रो दू १२२
 बाघ सुरताणोत प ३०४
 बाघो प १६, २०, ५१, २४१, ३५६
 ,, दू ६०, २०१

बाघो कांधलोत राठोड ती २१, १६२,
 १६३
 बाघो कांन्हा रो प ३५८
 बाघो जीवा रो प २४१
 बाघो प्रथोराज रो प २४२
 बाघो राठोड सूजावत ती ८६, १०५
 बाघो राव दू ११६
 ,, ,, ती २१५
 बाघो रावत सूरमचव रो प ५०
 बाघो विजा रो प २४७
 बाघो सूजावत प ३२०
 बाघो सेजावत दू ११६, १२०, १२१,
 १२४
 ,, ,, ती ३७
 बाटसन ती १७३
 बादळ सोमगरो ती २८० २८६, २६०,
 २६१
 बाय सर्मा प ६
 बाळद ती ३७
 बाळग प २८०
 बालहर राणी ती १५८
 बाळाववध ती ३७
 बालो (दे० बालो)
 बाळो प १२१
 बासत सर्मा प ६
 बाहड प्रोहित ती २४
 बाहनीपति ती १७६
 विकुक्षि प ७८
 विकुय प ७८
 विक्रम प १६०
 विक्रमचव राजा ती १८८
 विक्रम चरित राजा ती १७५
 विक्रमपाल राजा ती १८८
 विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
 विक्रमादित प २०, ५०, १०३, १०४,
 १०८, १०६, ३०३, ३३६
 विक्रमादित्य प १०, ३१६

र जेसा रो दू. १५३, १६२
 र भानोदास रो प. २७६
 र मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
 र मेर रो प. १७२
 र राव सांकर रो प. १६४
 र रंरती रो दू. ८१
 र सिघावत प.
 र हरराज रो प. १६४
 : ती. १५३
 ती. १७५
 दू. ती. १७६
 डोदास भगवंतदास राजा रो
 ।. २६१
 न चाओड़ो प. २५८, २५९
 । „ दू. २६६
 दे० वणराज चावड़ो)
 र्ति प. ६
 घ ती. २३५, २३६, २३७
 प. ३६१
 गीड़ ती. २७०, २७१
 माटी दू. ६६
 गीह चावड़ो ती. ५०
 ग प. १६८, २४४, ३६२
 दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
 ग चूंडावत ती. ३१
 गदे प. २४४
 ग पोकरणो ती. ११३
 ग भीमावत दू. ३४२
 ग भैरुंदासीत दू. १६०, १६२
 ग राव दू. ११७
 ग राव पाता रो प. २३१, २३२
 ग हसीर रो प. ३५६
 गीसेन ती. १८०, १६३, २०४
 । सर्म प. ६
 ग प. १०१, १२७, १२८, १६५,
 २५६
 दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

„ ती. ३६, २२७
 घरसिघ उदैकरणोत प. २६५, ३१३
 घरसिघ खेतसीओत दू. १७३
 घरसिघ जोधावत ती. २८
 घरसिघदे द्वारकादास रो प. ३२२
 घरसिघदे धीरावत प. २३६
 घरसिघदे मधुकरसाह रो प. १३०
 घरसिघदे वाघेलो प. १३२, १३३
 घरसिघदे घीसळवे रो प. ११६
 घरसिघ रांणो दू. २६५
 घरसिघ रावळ प. ७६
 घरसिघ राव हरा रो दू. १२१, १२६,
 १२७, १२८, १३७
 घरसो खांट ती. ५६
 घरसो हरदास रो दू. २६३
 घरही प. २८६
 घतं तेजस राजा ती. १८५
 घर्ही ती. १७६
 घलभराज सोळंकी प. २६०
 „ „ ती. ५१
 घलभराम ती. २३६
 घलभराज प. २८०
 घशिष्ठ ऋषि (दे० घसिष्ठ रिखीस्वर)
 घसिष्ठ रिखीस्वर प. १३४, २३६
 „ „ ती. १७५
 घसुदान राजा ती. १८६
 घसुदेव दू. ६
 घसुदेव बांभण लुंणोत दू. १६
 घसु सर्म प. ६
 घस्तपाळ इंद्रपाळ रो प. २६०
 घस्तो दू. १३०
 घस्तो लाला रो प. ३५२
 घह ती. १७६
 चांकीदास दू. २०१
 „ ती. २२०
 चांकीदास जसावत दू. १०३
 चांकीदास जैमल रो प. ३५८

बाकीबेग मोहबतलां रो प ३०१
 बाकी दू. ६०
 बाबर ती २२१
 बांग देव दू १४
 बाबर दू. २
 बाबपतिराज प. १००
 बाबय सर्मा प ६
 बाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६,
 १६५, १६७, १६८, ३४४
 ,, दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२,
 १३१, २६४
 ,, ती २३०, २३१
 बाघ अमरा राणा रो प. ३१
 बाघ कान्हायत दू १६३
 बाघ खीची प २५६
 बाघ छाहड रो प ३६३
 बाघ जसवत रो प २०८
 बाघजी प. ३०८
 बाघ ठाकरसीग्रोत ती. १८
 बाघ तिलोकसीग्रोत दू १६२
 बाघ पवार प. ३३८
 बाघ प्रथोराज रो प. ३१२
 बाघ फरसराज रो प ३१६
 बाघ भारमल रो प ३२८
 बाघमार घूहडजी रो ती २६
 बाघ रतनसीग्रोत दू. १७६
 बाघ राणो दू २६५
 बाघ राजा परमार नी. १७६
 बाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
 बाघ रिणमलोत दू १६१
 बाघ घोवा रो दू. २६३
 बाघ साखलो प ३३८, ३४४
 बाघ साबळदासोत दू. १६६
 बाघ सिरग रो दू. १२२
 बाघ सुरताणोत प ३०४
 बाघो प. १६, २०, ५१, २४१, ३५६
 ,, दू ६०, २०१

बाघो कांथलोत राठोड ती २१, १६२,
 १६३
 बाघो कान्हा रो प. ३५८
 बाघो जीवा रो प २४१
 बाघो प्रथोराज रो प २४२
 बाघो राठोड सूजायत ती ८६, १०५
 बाघो राय दू ११६
 ,, ,, ती. २१५
 बाघो रावत सूरमचद रो प ५०
 बाघो विजा रो प २४७
 बाघो सूजायत प. ३२०
 बाघो सेखायत दू ११६, १२०, १२१,
 १२४
 ,, ,, ती ३७
 बाटसन ती १७३
 बावळ सोनगरो ती २८०, २८६, २६०,
 २६१
 बाय सर्मा प ६
 बाळद ती ३७
 बाळग प २८०
 बालहर राणो ती. १५८
 बाळाबधध ती ३७
 बालो (दे० बालो)
 बाळो प १२१
 बासत सर्मा प. ६
 बाहड प्रोहित ती २४
 बाहनीपति ती १७६
 बिकुलि प ७८
 बिकुप प. ७८
 बिक्रम प १६०
 बिक्रमचद राजा ती १८८
 बिक्रम चरित राजा ती १७५
 बिक्रमपाल राजा ती. १८८
 बिक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
 बिक्रमादित्य प. २०, ५०, १०३, १०४,
 १०८, १०९, ३०३, ३३६
 बिक्रमादित्य प. १०, ३१६

विक्रमादित्य राजा ती. १८८
 विक्रमादित्य सांगा रो, रांगो प. ४६
 विक्रमादीत राव केलहण रो दू. ११६,
 १४३, १४४
 विक्रमादीत राव मालदेश्रोत दू. ६०
 विक्रमायत भालो ती. ११
 विक्रमायत राजा प. ३१६
 विक्रसाज प. २८८
 विजड प. १८३
 विजड प्रोहित ती. २४
 विजपाळ दू. १५
 विजय ती. १७८
 विजयमल राजा ती. १६०
 विजय राजा ती. १८६
 विजयसिंघ महाराजा ती. २१३, २१५
 दे० विजयसिंघ महाराजा ।
 विजयादित्य प. १०
 विजलादित्य प. १०
 विजै प. ७८
 विजैचंद्र ती. १८०
 विजैदत्त प. २, ३
 विजैनित्य प. ७८
 विजैपान प. ६
 विजैपाळ प. १०१
 ,, ती. २६
 विजैपाळ रांगो दू. २६५
 विजैरथ प. ७८
 विजैराम प. ३२३, ३२६
 ,, ती. २३५, २३६
 विजैराम अखैराज रो प. ३०२
 विजैराम खर्दसिंघोत प. ३०८
 विजैराज दहियो प. २२६
 विजैराय प. २८८
 विजैराव दू. ६, ११
 विजैराव चूडाळो दू. १, १०, १७, १८
 विजैराव रावळ वल्लु रो दू. १४०
 विजैराव लांजी (—लंजी) दू. २, ३१,
 ३२, ३३, ३४
 ,, ,, ती. २२२

विजैराव लूणकरण रो दू. ६१
 विजैराव खोरमोत ती. ३०
 विजैवाह प. १२३
 विजै सर्मा प. ६
 विजैसिंघ प. ३२४
 ,, ती. ३६, २२०, २२६
 विजैसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 विजैसिंघ महाराजा दू. ११०
 दे० विजयसिंघ महाराजा ।
 विजैसी प. २२५, २३१
 विजैती अखलहण रो प. २२६, २३०
 विजैसेन राजा ती. १८६
 विजो प. २२, २३, २७, २८, ३०,
 १६३, २००
 ,, दू. ७७, ७६, १०४, २००, २०८
 ,, ती. २२१
 विजो इंदो (कस्तूरियो मृग) दू. ३४२
 विजो ऊवावत ती. ११
 विजो करमा रो प. २४७
 विजो पूंजा रो प. १७२
 विजो भांमीदास रो दू. १६१
 विजो भाटी दू. ३४२
 विजो रूपसी रो दू. १६६
 विजो खोरमदे रो दू. ११७, १२०
 विजो सीहड रो प. ३४१
 विटठलनाथजी गोखामी ती. २०६,
 २७५
 विथक दे० विश्वक ।
 विदूरथ ती. १८१
 विद्रुथ राजा ती. १८६
 विनिजंघि प. ७८
 विमळ राजा प. १२३
 विरदसिंघ राजा ती. २१७
 विरसेह (वीरसेन) रावळ प. ७६
 विराज सर्मा प. ६
 विराट सर्मा प. ६
 विराम साह ती. १६१

विलापानस प ७८
 विलहण प १२२, १२४
 विषसत प २६२
 विषसान प २६२
 विषस्वत दे० विषसत ।
 विषस्वान दे० विषसान ।
 विशक दे० विश्वक ।
 विश्व प २८६
 विश्वक ती १७६
 विश्वनि (विश्वानित) प ७८
 विश्वसक्त ती १७६
 विश्व सर्मा प ६
 विश्वसह ती १७८
 विश्वसिक्त ती १७६
 विश्वस्त ती १७६
 विश्वस्तक ती १७६
 विश्वावसु प ७८
 विष्णु दू ३
 विसनदास प ३१७
 " दू १६४
 " ती २८१, २८२, २८५
 विसनदास राम रो प ३१४
 विसर्गसिध रामचदोत दू १५६
 विसनो दू ८०
 विसरजन दू ३
 विसीढो चारण ती २८६, २८७, २८८,
 २८९, २९०
 विस्वसेन प २८८
 विस्वावसु प ७८
 विहारी प १२५, २३५, २४६, ३२७
 " दू १२३
 विहारी कुर्भ रो ती ३७
 विहारीदास प २०८, ३०५
 " ती २२०
 विहारीदास उप्रसेण रो प ३२०
 विहारीदास दयालदासोत दू ६४, १०६
 विहारीदास नाथावत प ३१०

, , दू १६६
 विहारीदास रायसल रो प ३२४
 विहारीदास सूरसिध रो दू १३३
 " " ती ३६, ३७
 विहारी प्रागदासोत दू १८४
 बीजो वेणीदासोत दू १६८
 वीरुम प १६०
 वीरुमचित्र प. ३३६
 वीरुमसो प २३१
 वीरुमसो केल्हणोत दू २, ३६
 वीरुमसो सोहृद दू ४३, ४४, ४५, ५०
 वीरुमसो जोधावत प ३५३
 वीरुमसिध प १०
 वीरुमो प ३२७
 " दू ७६, १७०, १७४, १७८, १६२
 वीरुमो ईडरियो दू २५४
 वीरुमो कल्याणदास रो दू ६३
 वीरुमो खेतसीप्रोत दू १७३
 वीरुमो जयसिध रो प १६४
 वीरुमो दहिषो प २२६
 वीरुमो भदा रो प २००
 वीरुमो राव दू ८५, ८६, ६४, १२०,
 १४५
 " " ती १३, १४, १५, २०
 २१, २२, २८, ३१, १६५, १८०,
 १८१, २०५
 वीरुमो रावत प ६२, ६३
 वीरुमो वरसिध रो प २३६
 वीरुमो प १३४, १६२, १८१, १८३,
 १८७, १८८
 वीरुमो प २६०
 वीरुमो जगनाथ रो प ३०१
 वीरुमो मन्वेसी रो प २६४, २६६
 वीरुमो राव ती २२१
 वीरुमो सोलकी प २६३, २६४, २६५,
 २६७, २६८, २६९
 वीरुमो प. २४०

वीजो गोयंद रो प. ३५८
 वीठळ प. १६५
 ,, दू. ७८, १६६
 वीठळ गोयंदोत दू. ७६
 वीठळदास प. २५, ३१४, ३१६, ३१७,
 ३२३, ३२७
 ,, दू. ३, ८८, १०८
 वीठळदास कैसोदासोत दू. १६३
 वीठळदास गोपालदासोत दू. १५०
 वीठळदास गौड़ प. ३०४
 वीठळदास नारणदासोत दू. १८८
 वीठळदास पंचाङ्गोत प. ३०८
 वीठळदास प्रागदासोत दू. १७१
 वीठळदास राजा प ३०४, ३०६
 वीठळदास राठोड जमलोत प. ३२१
 वीठळदास लखावत दू. १६१
 वीठळदास सहस्रमलोत दू. ६६
 वीठळदास सांबळदासोत दू. १८४
 वीठळदास हरदासोत दू. १६५
 वीणो जाळपदासोत मोहिल ती. १७२
 वीदो प. १६८, २४१, ३४१
 ,, दू. १४३, २६३
 वीदो खालत दू. १०७
 वीदो भासो प. ४०
 ,, ,, दू. २६३
 वीदो तेजसी रो प. ३५७
 वीदो भारमलोत ती. ६५, १००
 वीदो राव ती. २८, ३१, १६५, १६६,
 १६७, २३१
 वीदो रावत दू. १२१
 वीदो राहड़ दू. १०७
 वीदो वीसळ रो प. २०१
 वीदो साह दू. ११३
 वीदो हरावत दू. १२६
 वीर ती. १७६
 वीरघन ती. १८७
 वीरचरित प. २६२

वीरह रावळ प. ७६
 वीरदास दू. ७८ ८०, ८१, ८८, ६१
 वीरदास नोसळोत दू. ७६
 वीरदास माना रो दू. २०१
 वीरदास रामा रो प. ३५७
 वीरघन राजा ती. १८७
 वीरघयळ श्रवतारदे रो प. ३५५
 वीरघयळ चारण लांगडियो दू. २०६,
 २०७, २०८
 वीरघयळ (राजा) ती. ५३
 वीरनरसिंघ रांणो प. ३४१
 वीरनाथ राजा ती. १८७
 वीरनारायण प. १८७
 वीरनारायण पंवार प. २०३
 वीरनारायण भोज पंवार रो ती. २८
 वीरवलसेन राजा ती. १८६
 वीरभद्र प. १३३
 वीरभाण प. ११६, १२०, १३३
 ,, ती. २३१
 वीरम प. १५, १६, १६६
 ,, दू. १७०
 वीरम ऊदावत प. २४०
 वीरम कुंभा रो प. १६७, १६८
 वीरम खावडियाणी रो प. ३४७
 वीरमजी राव ती. ३०, २१५
 वीरमदे प. १६७, २६१, २८५, ३४१
 ,, दू. ३२, ८८, ६४, ६६, १००,
 १२१
 ,, ती. २२८
 वीरमदे श्रवतारदे रो प. ३५६, ३६१
 वीरमदे जर्वेसिंघ रांणा रो प. २२
 वीरमदे कंवरगुर, कांणहडदे रावळ रो
 प. २०४, २०६, २२१, २२२,
 २२३, २२४, २२५
 ,, ,, ,, ,, दू. ४०
 ,, ,, ,, ,, ती. २८,
 १८४

वीरमदे गोकुलदास रो प. २६
 वीरमदे घाचा रो प ३५८
 वीरमदे जसवत रो प २०८
 वीरमदे दूदावत ती १०४
 वीरमदे देवराज रो प २८५
 वीरमदे, राणा जैसिधदे रो प ३५६
 वीरमदे रामावत दू. १६४, १६७
 वीरमदे राय ती. ८०, ८१, ८२, ८३,
 ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ६३, ६४,
 ६५, ६६, ६७, ६८, ६९, १००,
 १०२, ११५, १८०
 वीरमदे रामसिधोत दू १२५
 वीरमदे रावत रिणघीरोत दू ११७
 वीरमदे धरजागीत दू १६१
 वीरमदे धाघेलो प २६१
 वीरमदे सहस्रमल रो प ३१४
 वीरमदे सूरजमल रो प ३०
 वीरमदे हरदास रो दू. २६३
 वीरमपाळ राजा ती १८८
 वीरम माला रो प. १६६
 वीरम वीका रो प १६४
 वीरम वेगू रो प. ३५२
 वीरम सतल्लावत दू २८१, २८४, २८५,
 २६६, ३००, ३०१, ३०२, ३०३,
 २०४, ३०६, ३१७, ३२०
 वीरम सोडल रो प ३४०
 वीरम हमीर रो प २३७
 वीर विक्रमादित्य राजा ती. १७५
 वीर सर्मा प ६
 वीरसिध राजा ती १६०
 वीरसीह रावळ प. १२, ७६
 वीरसेह (वीरसेन) प ७८
 वीरसेन राजा ती १८६
 वीर राजा गहरवार रो प १२८, १३०
 वीरो दू. ८५
 वीरो भोजावत दू १७७

वीर्यपाल ती १८८
 वीरलक्ष्मीसोभत प. २२६
 वीरवर प. २८८
 वीरम रांगो दू २६५
 वीरलक्ष्मी प २६१
 वीरलक्ष्मी दू २०३
 वीरलक्ष्मी ठाकुर रो प. ३००, ३०१
 वीरलक्ष्मी दूदावत दू. ६५
 वीरलक्ष्मी मुखपाळ रो प. ११६
 वीरलक्ष्मी राव प २६१
 वीरलक्ष्मीदेव ती ५१, ५३
 वीरलक्ष्मीदेव सोळकी ती २८०, २८५, २८६,
 २८७, २८८, २६०, २६१
 वीरलक्ष्मी लालण रो प २०२
 वीरलक्ष्मी साखलो ती. ३०
 वीरलो प २०५
 ,, दू १००, २०६
 वीरलो श्रावमम रो प २००
 वीरलो उधरण रो प २३१
 वीरलो जोषावत प २४३
 वीरलो पूना रो प १६६
 वीरलो वणघीरोत दू १६४
 वीरलो वीका रो ती. २०५
 वीरलो वीरम रो प १६८
 वीरलो हमीर रो प ३५५, ३५६, ३५७
 वीरलो मेघराजोत ती २६
 वीरलो ती १७८
 वीरलोपाल ती. १८८
 वीरलोत् ती १७६
 वीरलोवर्ष प २८६
 वीरलोदल ती १७६
 वीरलोदभानु ती १७६
 वीरलोदण ती १७६
 वीरलोदण ती १७६
 वीरलोदण प २८६
 वीरलोदण ती १७७, १७६

बृहसत प. २८७
 बृहस्पल ती. १७६
 वेगड़ रांगो दू. २६५
 वेगड़ो भील प. ३३५
 वेग सर्मा प. ६
 वेगू भोजदे रो प. ३५२
 वेगो रांगो मोहिल ती. १५८, १७१
 वेण राजा प. २८७
 वेणादित्य प. १०
 वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३,
 ३२७, ३३०
 ,, दू. ६२, १२०, १४६, १८३,
 १६६, १६६
 वेणीदास केसोदासीत दू. १६८
 वेणीदास गोपंदासीत दू. १५५, १५७
 वेणीदास जोगावत दू. १७७
 वेणीदास ठाकुरसीओत दू. १४८
 वेणीदास दूदा रो प. ३६१
 वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०
 वेणीदास वलुओत प. २३४
 वेणीदास सहसमल रो प. ३१४
 वेणीदास सिध रो प. ३१५
 वेणो देदावत दू. १६०
 वेणो रायमलोत दू. १२३
 वेद सर्मा प. ६
 वेन प. ७८
 वेरड़ दू. ११८
 वेळावळ प. १२१
 वेसो प. १६६
 वेहाद्रभाज प. २८६
 वेजल रावळ ती. ३३
 वेजल सालघाहन रो दू. ३७, ३८
 वेणो प. १६६
 वेणो श्रमरा रो प. ३५६
 वेणो मोहण रो प. ३५७
 वेणो राजघर रो प. १६६
 वेरड़ रावळ प. ५, ६

वैरसल प. २४३
 ,, दू. ८८, ११८, १२०, ३४२
 वैरसल कुंवा रो प. ३६०
 वैरसल खंगारोत प. ३०५
 वैरसल गांवा रो प. ३५६
 वैरसल गोवाळ रो प. ३१०
 वैरसल जसा रो दू. ३३
 वैरसल जैता रो प. ३५२, ३५३
 वैरसल प्रथीराजोत दू. १६७
 वैरसल बलू रो प. ३४१
 वैरसल भीम रो प. ३६३
 वैरसल भोजावत दू. १७७
 वैरसल माळ रो प. १६६
 वैरसल रांगावत दू. १५२
 वैरसल रांगो ती. १५८, १६१, १६२,
 १६३, १६४, १६६, १७०, १७१
 वैरसल राठोड प्रथीराजोत प. १५३
 वैरसल राव घाचा रो दू. ११७, ११८,
 ११६, १२०, १२६, १३७
 वैरसल राव (पूगळ) ती. ३६, ३७
 वैरसल रूपती रो प. ३१२
 वैरसल सांकरोत दू. १८०
 वैरसल हमीर रो प. १५
 वैरसिध राजा ती. ४६
 वैरसी प. ३१८
 ,, दू. ८२, ६२
 ,, ती. २२७, २२८
 वैरसी नारणोत प. ३५८
 वैरसी रांगो प. १२३
 वैरसी रायमलोत दू. १८२, १८५
 वैरसी रावळ प. ५
 ,, ,, दू. २, ८१
 ,, ,, ती. ३४, २२१
 वैरसी लखमण रो दू. ११, १४, ७६, ८०
 वैरसी लूणकरणोत ती. १५२, २०५
 वैरसी घाघावत प. ३३८, ३३६, ३४४
 वैरसी हमीरोत प. ३५६

चंरागर दू ११८
 चंरागी प ३१३
 चंरीताल प २५
 , दू २२८, २३२, २३६
 चंरो प १०१, १०२, १०६, २८१
 ३४३
 चंरो भीष रो प ३४१
 चंषस्वत प ११६
 चंषस्वत मनु प ७८
 घोटी दू १
 घोटी-रावण, दोदो दे० दोदो सूमरो ।
 घट्टीत प २८८
 घहदा प २८६
 घहान चिसती पीर प ३१८
 घहा य (ग्रहान्य) प ७८
 विदावनदास प ३०७

श

शभुपाल राजा ती १८८
 शत्रुजय राजा ती १८६
 शत्रुघ्न राजा ती १८७
 शत्रुजित दे० सलाबीत ।
 शम्सला दे० समसला ।
 शम्सुद्दीन दे० समसदीन सुलतान ।
 शलादित्य ती ४६
 शहरयार दे० साहयार पातसाह ।
 शहरयार शाहजादा दे० सहरियाल
 साहिजादो ।
 शादमा प ३००
 शालिवाहन दे० सालवाहन ।
 शालिवाहन परमार राजा ती १०५
 शावस्त ती १७७
 शाह घालम प ५६
 शाहजहा दे० साहजहा पातसाह ।
 शाहजहाँ शहाबुद्दीन दे० साहजहाँ
 सायबदीन ।

शाहजी भोंसला दे० भुहसाजळ साहजी ।
 शाहबुद्दीन बादशाह दे० साहिबदी
 पातसाह ।

शिवधन प २६२
 शिवग्रहा कछवाहा प ३२६
 शिवाजी छत्रपति प १५
 शिविर राजा ती १७५
 शिगुपाल ती १५४
 शीघ्र ती १७६
 शुद्धोद ती १७६
 शुद्धोदन ती १७६
 शेख पीर बुरहान चिदती प ३१८
 शेख फरीद ती २७६
 शरशाह सूर बादशाह दू १५४
 श्यामदास प १४४, १५६
 श्याव ती १७६
 श्यावस्त दे० शावस्त ।
 श्रीकरण रावळ ती २३६
 श्रीपाल प २८६
 श्रीपूज रावळ प ५
 श्रीमोर ती १५५
 श्रीय ती १७६
 श्रीवद्य प २६२
 श्रीवत्स ती १७७
 श्रुत ती १७८

ष

षटम प २८८
 षटवाग प २८८
 ,, ती १७८

स

सकर दू ८४, ८८
 सकरदास प १२१
 सकरदास रामोन दू ८४, १२०
 सकर माधो ती १६०
 सकर लाला रो प १३६

संकर सिंघावत प. २४३
 „ „ दू. १००
 संकर हींघोळ रो प. २३५
 संक्रमाघो ती. १६०
 संग्रामसाह प. १२६
 संग्रामसिंघ ती. २२६
 संग्रामसिंघ हररांमोत प. ३२४
 संग्रामसो दुरजणसाल रो प. ३५५
 संघदीप प. २८८
 संजय ती. १७६
 संढोष राजा ती. १८६
 संसन घोहरो ती. १५७
 संतोष प. २६२
 संभरांण प. १०१
 संभूसिंघ ती. २३५, २३६, २३७
 संमत प. ७८
 संसाद प. २८७
 संसारचंद प. २०५
 „ ती. २३१
 संसारचंद श्रचळावत दू. १८१, १८२,
 १८४, १८५
 सडयो बांकलियो ती. २५, २६
 सकत प. ७८
 सकतकुमार रावळ प. ५, १२
 सकतसिंघ प. १११, १३१, २११, २३४,
 ३०३, ३११, ३१४, ३२०
 सकतसिंघ दू. १६६
 सकतसिंघ घ्रासकरण रो प. ३०४
 सकतसिंघ उर्वसिंघोत प. २१२
 सकतसिंघ खेतसोओत दू. ६३, ६४
 सकतसिंघ तेजसी रो प. ३२६
 सकतसिंघ मांनसिंघोत प. २६१, २६८
 सकतसिंघ राव दू. १६४
 सकतसिंघ वेणीदासोत प. २३४
 सकतसिंघ त्रिदावन रो प. ३०७
 सकतसिंघ सुरतांणोत प. ३०४

सकतसिंघ हमीरोत प. ३०५
 सकतसिंघ हरदासोत दू. १६५
 सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८
 „ दू. १७४, २६४
 सकतो गोयंद रो प. १६६
 सकतो रायमलोत दू. १४५
 सकतो वीरमदेश्रोत दू. १७०
 सकतो वैरसल रो दू. ८०
 सखितकुमार रावळ प. ७८
 सगण ती. १७६
 सगतसिंघ ती. २२०, २३२
 सगतो दू. १८०
 सगर प. ३०, ७८, २८८, २६२
 „ ती. १७८
 सगर रांणो प. ६२, ६५
 सगर रांणो उर्वसिंघ रो प. २२, २३,
 २४, २५, २७
 सगरांसिंघ प. २६८
 „ ती. २२३
 सगरो बालीसो प. ६७
 „ „ ती. ४१, ४३, ४७, ४८
 सजन भायल प. १६३
 सजो राजा रो दू. २६२
 „ „ „ ती. २१४
 सजोतराय (सुजतराय) प. २८६
 सभो राजावत वे० सजो राजा रो ।
 सत राजा परमार ती. १७५
 सतीदांन रूपावत ती. २२५
 सतो प. ६६
 „ दू. २, ५३
 „ ती. २२१
 सतो खीमराज रो प. ३५५
 सतो चूंडावत दू. ३००, ३०६, ३१०,
 ३३६, ३३७
 सतो चूंडावत ती. ३०, १२६, १३०,
 १३२, १३३

सतो जाम द्रू २०५, २३७, २४०, २४१,
२४२, २४३
सतो जोषाषत प २४३
सतो समाइची रो प. ३६१
सतो देवराज रो प ३६२
सतो भाटी लूणकरणोत ती. १४०
सतो रांगो द्रू २६५
सतो शंभाषत प १६६
सतो राय प १५, १६
सतो रायत रतनसी रो प ५०
सतो रिणमलोत द्रू २२३, ३४२
सतो लूणकरणोत द्रू. १४५
सतो लोला रो प २०७
सत्यवत ती १७८
सत्यव्रत हरिश्चन्द्र ती १७८ वे०
हरिश्चन्द्र ।
सत्रजीत प १२६
सत्रसाल (शत्रुशल्ब) प. १२०, २०६
" " द्रू १५६, १६५,
२६४
सत्रसाल नराइणदासोत प ३०५
सत्रसाल राय द्रू १२३
सत्रसाल सूरसिघोत ती. २०८
सत्रसिघ द्रू ६६
सत्राजित वे० सलाजीत
सत्वात द्रू ३
सदरथराज प. २८८
सद्र राजा ती १८५
सबळसिघ प २५, ३१, ६८, ६६, ७०,
२३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०,
३२५, ३२८,
सबळसिघ द्रू १, १२०, १३१. २००
" ती २३०
सबळसिघ ईसरदासोत द्रू १८६
सबळसिघ कबर प. ३०८
सबळसिघ किसनसिघ रो प ३०६

सबळसिघ धतुरमुजोत पुरधियो प ६६
सबळसिघ पूरावत प २६
सबळसिघ प्रधीराजोत द्रू १५७
सबळसिघ प्रागदासोत द्रू १८३
सबळसिघ करधराम रो प ३२३
सबळसिघ मानसिघोत प. २६१, २६८
सबळसिघ राजावत द्रू १५०, १७०
सबळसिघ रायळ दयाळदासोत द्रू. ६३,
६७, १०४. १०५, १०६, १०७,
१०८, १०९
सबळसिघ रायळ दयाळदासोत ती ३५,
३६, २२०
सबळसिघ त्रिदावनदास रो प ३०७
सबळो प १५८, २०६
" द्रू ८८, १२१, १६६, १७१, २६५
सबळो सादुळोत प ३६०
समपू प २८६
समरसी प. १०१
समरसी कीतू रो प १६६, २४७
समरसी शायळ प १३, ७६, ८०, ८१,
८२, ८७, २०३
समरो प १३४ १६५ १८७
समरो देवढो प १४४, १४५, १४६, १४७,
१५१, १८१
समरो नरसिघ रो प १६६
समसला ती २७४
समसदी द्रू ६६, ७१
समसदीन सुलताण ती. १६०
समसुदीन वे० समसदी ।
समुद्रपाळ राजा ती १८८
समो बलोच द्रू १३०, १३६
सरखेतला ती ८५, ८८, ६०, ६१
सरदारसिघ ती २२०, २३१
सरदारसिघ महाराजा (वीकानेर) ती १८०
सरफराजला ती २७७
सरवासु प. २८७

सराजदी दू. ४८, ४९
 सरानुद्दीन दे० सराजदी ।
 सरूपसिंघ प. १३३
 ,, ती. २२८, २३०
 सरूपसिंघ अनीपसिंघोत ती. २०८
 सर्वकाम ती. १७८
 सलखी प. १६
 ,, दू. २८०, २८१, २८४
 सलखी देवराज रो प. ३६३
 सलखी राव तीड रो ती. २३, २४, २६,
 २७, ३०, १८०
 सलखी लूभावत देवडो ती. २६
 सलराज प. २८८
 सलाजीत (सत्राजित = शत्रुजित) प. ७८
 सल्लूणी प. २२५
 सलेमखां दू. ११५
 सलेमसाह पातसाह ती. १६२
 सलेहदी राजा भारमल रो प. ३०२
 सलेदी सुरतांणीत दू. १५२
 सलो राठोड़ प. २२५
 सलो सेपटो प. २२५
 सल्हदी प. २६१, ३३१
 सल्हदी गिरघर रो प. ३२२
 सल्हदी रतनसी रो प. ३५६
 सल्हदी राजावत प. ३२१
 सल्हदी सांगा रो प. ३२५
 सवरो प. १६६, १६७
 सवीर प. ७८
 सवाईसिंघ ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
 २२९
 सवाईसिंघ रावळ दू. १०९
 सहंस राजा प. ३३६
 सहजईंद्र राजा प. १२८
 सहजग प. १३०
 सहजपाळ राजा प. १२८
 सहजपाळ गाडण प. २२५

सहजसेन दू. ९
 सहजपाळ ती. २९
 सहदेव प. २८६
 ,, ती. १७९
 सहदेव सकतावत प. ३०४
 सहरियाळ साहिजादो दू. १५६
 सहबाजखां प. २१०
 सहवण (सहवर्ण) प. ७८
 सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४,
 १८८, १८९, २३१, ३६१
 ,, दू. ६२, १४३
 सहसमल चवडे रो दू. ३१०
 सहसमल चैनण रो प. ३१४
 सहसमल चूठावत ती. ३१
 सहसमल दुसाळ रो प. ३५२
 सहसमल देवडो ती. २६, ३१
 सहसमल मालदेवोत दू. ६६, ६७
 सहसमल रायमल रो प. ३२५
 सहसमल रायसिंघोत दू. १२५
 सहसमल राव प. १३५, १३६
 सहसमल रावळ प. ७४, ७९
 ,, ,, ती. २६६
 सहसमल वीसळ रो प. २०१
 सहसमल सोम रो दू. ७६, ७७, ११६,
 ११९
 सहसमल हाडो प. ११०
 सहसमान प. २८९
 सहसो प. २४३, ३६१
 ,, दू. १२०, १३०, १७०, १९८,
 २००
 ,, ती. २२०
 सहसो ऊदावत दू. १७९
 सहसो खरहण रो प. ३५६
 सहसो ठाकुरसीधोत दू. १८९
 सहसो बयाळवासोत दू. १६६
 सहसो प्रताप रो प. २८

सहसो मोकल रो प. ६२
 सहसो सृजा रो दू. १६१, १६२
 सहस्रार्जुन दू. ६
 सहस्वान ती १७६
 सहाबुद्दीन गीरी प. १८०
 सहिसो ती. ६५
 साइयो भूलो चारण प. ८६, ८८
 साईदास प. १११, १४२, २७६, ३२५
 साईदास अभा रो प. ३२७
 साईदास तिलोकसी रो दू. १६२
 साईदास प्रथीराज रो प. २६०
 साईदास भाटी दू. ६६
 साईदास राजसोमोत दू. १७६
 साईदास रावत प. ६६
 साईदास हरवासोत दू. १६०
 साकर घांषा रो प. २००
 साकर पीयावत दू. १६३
 साकर प्रथीराजोत दू. १६३
 साकर भुजबळ रो प. १६४
 साकर सूरामत दू. १८०
 साखलो प. १८, ३३७, ३६३
 सागण प. १६६
 „ दू. ३६, ४३, ५४, ८४
 „ ती. २२१
 सांगम भगळराव रो दू. १६
 सांगमराव खोची प. २५१
 सांगमराव राठोड ती. २८०, २८१,
 २८२, २८३, २८४, २८५, २६०
 सागी रवारी दू. १६, २०
 सांगो प. २८०
 सागी दू. ८१, ८८, १४४
 „ ती. २३१
 सांगो ऊदावत प. ३६०
 सांगो करमा रो प. १६५
 „ „ „ दू. ८०

सांगो खडेर दू. १०३
 सांगो खोबा रो दू. १२१
 सांगो गोपदोत दू. १७६
 सांगो पीयावत दू. १६०
 सांगो प्रथीराजोत प. २६०, ३०७, ३१४
 सांगो बोहड सोळकी रो प. २८०
 सांगो भाटी ती. १७
 सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५
 सांगो मन्मराव रो दू. १, ११
 सांगो राणो प. ४६, २८६
 „ „ दू. २६२, २६४
 „ „ ती. २४८
 सांगो रांगो मालकराव रो ती. १५८,
 १७१
 सांगो रांगो रायमल रो प. ६, १५, १८,
 १६, २०, २१, २३, १०२, १०३,
 १०४, ११६, १५०
 सांगो रावळ बछु रो दू. १४०
 सांगो घडवज प. १५६
 सांगो वणवीर रो प. १७२
 सांगो विजावत दू. १६६
 सांगो सिधोत प. ६८
 सांगो सुतताण राजा ती. १६०
 सांगो सेलार प. २२५
 सांगो हिमाळा रो प. २४४
 साघण रावत ती. १७६
 साडो डोडियो प. ३६
 साडो पुनपाळ रो प. ३५४
 साडो रायपाळोत ती. २६
 साडो सांखलो ती. ८४
 साडो सिधावत प. २४३
 सांडू प. १११
 सामतसिध ती. २२६
 साम दू. १, ६, १६
 साम उदेंसिधोत प. २२
 सामतसी रावळ प. ७६

सांमदास दू. ७८, ९०, १२६
 सांमदास अमरा रो दू. १२२
 सांमदास खेतसीघोत दू. ६५
 सांमदास गोपालदासोत दू. १०७
 सांमदास जोगा रो प. ३५७
 सांमदास जोगीदासोत दू. १८५
 सांमदास नाथावत प. ३११
 सांमदास भांणोत दू. १६४
 सांमदास मेघराज रो प. ३५६
 सांमपत जाम दू. २०६
 सांमसिध प. २६, ३२४, ३२७
 सांमो प. ३६१
 सांमो दू. ८०, २००
 सांम्व दे० सांम ।
 सांवत प. २४७
 सांवत करमचंद रो प. २०५
 सांवतसिध प. ३२८
 सांवतसिध ती. २२६, २३२, २३५,
 २३७
 सांवतसिध चावडो दू. २६७
 सांवतसिध सेलावत ती. ३२
 सांवतसिध सोनगरो ती. २६१, २६२,
 २६३
 सांवत सिंहायच-चारण ती. २८०, २८१
 सांवतसी प. १६७, १८७, २१३, २८५
 ,, दू. २, ४, ७७, ७८, १०३
 सांवतसी केहर रो दू. ७७
 सांवतसी चीवो प. १३८, १३६
 सांवतसी महकरणोत प. २३३
 सांवतसी रांणो ती. १५८
 सांवतसी रायमल रो प. २८४, २८५
 सांवतसी रावळ चाचगवे रो प. २०४
 सांवतसी बीकावत दू. १७३
 सांवतसी बीसा रो प. २००
 सांवतसी सखळ रो प. १६४
 सांवतसी सुरा देवडा रो प. १७०

सांवतसी सोनगरो रावळ ती. २३
 सांवळ प. २६, १६५, ३३६
 ,, दू. ७७, ८४, १६६
 सांवळदास प. २७, ६७, ७०, १०१,
 १०२, ११५, ११७, १२०, १२५,
 १६८, २०८, ३०६
 ,, दू. १२५, १२६, १६१, १६१,
 २६४
 ,, ती. २२७
 सांवळदास कलावत दू. १६२, १७४
 सांवळदास डूंगरसीघोत दू. १७५, १७६
 सांवळदास देवकरण रो प. ३१०
 सांवळदास नारणदास रो प. ३५८
 सांवळदास पंचाइणोत प. ३०६
 सांवळदास बळकरण रो प. ३४२
 सांवळदास भांणीदगसोत दू. १६६
 सांवळदास भाटी गोपालदासोत दू. १०७
 सांवळदास मेहकरणोत दू. १६३
 सांवळदास रायमल रो दू. १२३
 सांवळदास रावळ प. ७०
 सांवळदास लूनकरण रो प. ३१६, ३२२
 सांवळदास संसारचंद रो दू. १८१, १८२
 सांवळदास हुमीरोत प. ३४३
 सांवळ मांडणोत प. २३६
 सांवळ सावववे रो प. ३३६
 सांवळसुध रोहडियो-चारण दू. २३६, २३८
 सांवळो प. १६४
 सांसतव प. २८७
 सागण ती. २२१
 सागर रांणो दू. १५८
 साजन ती. २३६, २४७
 साड जाम दू. २१४
 सातळ प. १६३, २२५
 ,, ती. १८४
 सातळ अखा रो प. ३४१

सातळ केहर रो दू ७७
 सातळ घट्टवाण दू ५८
 सातळ माटी दू ८५
 सातळ रांगो दू २६५
 सातळ राध जोषावत ती ३१, १०४,
 १८२
 सातळ वरसिध रो दू. १२७
 सादमत प ३००
 सादमो सुलतान प. ३००
 सादूळ प २२, २७, ११७, १६४, ३०६,
 ३१३, ३२८ ३४३
 , दू ७८, १६८, २००, ३२७, ३२८
 सादूळ कचरावत दू १८४
 सादूळ किसनावत दू १६४
 सादूळ खेतसी रो प ३६०
 सादूळ गोपाळदासोत दू १०५
 सादूळ गोपदीत दू १७५
 सादूळ जगहय रो प २४१
 सादूळ जाभूण रो प २४०
 सादूळ दुजणसल रो दू ६०
 सादूळ दूदावत दू १६७
 सादूळ नरहरोत प ६६
 सादूळ भानीदास रो दू १२८
 सादूळ भाखरपीप्रोत दू १६६
 सादूळ भारमलोत प २६१, ३०२
 सादूळ मनोहर रो प ३४३
 सादूळ मानावत दू १६०
 सादूळ मालदे रो प ३१५
 सादूळ राणावन दू १५२
 सादूळ राणो सूजा रो प. २३१
 सादूळ रामावत प १६६
 सादूळ रावत परमार ती १७६
 सादूळ राध महेसोत प १५२
 सादूळ वीठळदासोत प ३०६
 सादूळ साकर रो प १६४
 सादूळ सावतसीप्रोत प २३४
 सादूळसिध ती २२५, २२६

सादूळ सिधोत दू १७६
 सादो दू ३२७, ३२८
 सादो कुषर दू ३१२, ३२५, ३२६, ३२७,
 ३२८
 सादो देवराज रो प ३६१, ३६२
 सादो रांगदेवोत प्रोटीट प ३४८,
 ३४९
 साबर ती २७८
 सायबसिध ती २२३, २२८, २३०
 सायब हमीरोत दू २४४, २५० २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६
 सायर प ३६२
 सारग ईसर रो प ३५१
 सारगखान ती २१, २२, १६३, १६४
 सारगदे जैमल रो प २१२
 सारगदेव वाघेली ती ५१
 सारग नारणोत दू १७४
 साल काल्हण रो दू २
 सालवाहण प ६६
 " दू १५, ३८
 सालवाहण राजा परमार ती १७५
 सालवाहण रावळ प ७८
 सालवाहन प १२३ १३५ २५६, ३३६
 " दू २ ३६, ३७
 सालवाहन श्ररषसिध रो ती ३७
 सालवाहन चपनराय रो प १३१
 सालवाहन राजा प २५६
 सालवाहन राजा दू ६
 सालिवाहन रावळ प ५, १२
 " " दू १०
 " " ती ३३, २२१
 सालो सोहड रो प ३४०, ३४१
 साल्ह दू ३६
 साल्हो सोभ्रम रो प २३० २३१
 सावत हाडो प ११७

साबट्ट भाट्टी हू. ३१६
 साबर प. १२२
 साहजहां पातसाह प. ४८
 " " हू. १०५
 " " ती. १८, १६२, २३८,
 २४६, २७७, २७८
 साहजहां सायबदीन पातसाह ती. १६२
 साहली ती. २७७
 साहणपाळ रांणो मोहिल ती. १५८, १७०
 साहणमल दे० साहणपाळ रांणो मोहिल ।
 साहणखान प. २२
 " हू. १३४
 " ती. २७७
 साहणार पातसाह ती. १६२
 साहरण जाट ती. १३
 साहरण घट्टा रो प. १०१, ३३८
 साह, रांणा उर्देसिध रो प. २२, २५
 साहजहां पातसाह दे० साहजहां पातसाह
 साहिब प. २७
 " हू. २०६, २१६, २२२, २२३
 साहिबखान प. १५७, २७६
 साहिबखान घेणीदास रो प. ३३०
 साहिब गांगा रो प. ३५८
 साहिबदी पातसाह ती० १८३
 साहिल प. ११६
 साहुर अमरा रो प. १६५
 सिध प. २३, १६०, २१२, २५६, ३०४,
 ३२८
 " हू. ११, ६०, १००, १०३, १०४
 सिध भालो, अजा रो प. ५१
 " " " " हू. २६२, २६३,
 २६४
 सिध करमचंद रो प. ३१५
 सिध कांधळोत प. ६७
 सिध फांन्हावत हू. १६३
 सिध खेतसीघोत हू. ६५

सिध जैतमालोत हू. १८७
 सिध ठाकुरसीघोत हू. १८६
 सिध देवकरण रो प. ३१०
 सिध भांणीदासोत हू. ६३
 सिध रतनसिघोत हू. १७६
 सिध राय प. ११६
 सिध राय प. १३५
 " हू. १०१०
 " ती. २२२
 सिध रायत प. ६५
 सिध रूपसीघोत हू. १४७
 सिधलसेन राजा परमार प. ३३६
 " " " ती. १७५
 सिधसेन राजा दे० सीहोजी राय ।
 सिधो घाघावत प. २४२
 सिधराज प. २८६
 सिध राजा ती. १७६
 सिधु ती. १७६
 सिधु प्रसयतु का पुत्र ती. १७६
 सिहबल राजा ती. १८५
 सिहल कवि हू. ७५
 सिफंदर प. २६२
 " ती. ५५, १७१
 सिफंदर लोदी ती. १६२
 सिखर प. १६
 सिखरो हू. ३०७
 सिखरो अगमणावत हू. ३१४, ३१५, ३१६
 " " ती. २५०, २५२,
 २५३, २५४, २५५, २५७, २६०,
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
 सिखरो बोडो प. २४७
 सिखरो भुजबल रो प. १६५
 सिखरो महकरण रो प. २३३
 सिखरो रतना रो प. १६७
 सिद्धराज सोळंकी प. २७८
 सिद्धराव प. ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिघडे ती २६, ५१
 सिधगराय प २८८
 सिधराज प २८६
 सिधराव प २७५, २७६, २८०
 (दे० सिद्धराव)
 सिधराव जैसिघडे प २६०, २७४, २७७
 (दे० सिद्धराव जैसिघडे)
 सिधराव सोळकी करन रो प २८०
 सिरग खेतसोघोत डू १२२, १२३
 सिरगजी ती २२३
 सिरग जैसिघोत ती २०५
 सिरग डुंगरसोघोत डू १०७
 सिरदारसिघ प १२०
 सिरदारसिघ प्रतापसिघ रो प १२१
 सिरपुज रावळ प १३
 सिरवान भाटी ती ५७
 सिलादत प ३
 सिलार रावळा रो प १६४ १६५, १६७
 सिधदानसिघ ती २२३, २२८
 सिधदास डू ८०, १५१
 सिधदास नाथू रो डू १६७ १६६
 सिधधान प २६२
 सिधबहा प २६५, २६६
 सिधब्रह्म कछवाहो राजा उदकरण रो
 प ३२६
 सिधर प १२३
 सिधर राजा परमार ती १७५
 सिधराम प २६ ३०७
 सिधराम उदैसिघोत प ३०८
 सिधराज डू ३४२
 सिधराज राजा प २६२
 सिधसिघ प २६८
 ,, ती २३७
 सिधसेन राजा ती १८६
 सिधो प १५, १६०, १७२, १६७, १६८,
 २००

सिधो डू १४३
 सिधो कलवेचो डू १००
 सिधो मोहिल प ३३५
 सिधो पूजा रो प ३५१
 सिधो राव छाजू रो ती २४१, २४२,
 २४३, २४४ २४५, २४६, २४७
 सिधपाळ प २८६
 सोंगट मोहिल जगरांमोत ती १६५
 सोंधळ नीवाधत प २०७
 सोंधो प ३२७
 सोंधो नाथा रो प ३२७
 सोंगळ कव दे० सिहल कवि
 सोमाळ डू ४१ ४२
 सोयळ पवार डू ६
 सोल प ७८
 सोहड डू ३६ ४३
 सोहड काल्हण रो डू २
 सोहड चावग रो राणो प ३४० ३४२
 ३४३
 सोहडदे रावळ प ७६
 सोहड भाटी डू ६४
 सोहड रावळ प १२
 सोहड साखलो प २५३
 ,, ,, ती १४०, १४२ १४३
 सोहपातळो प २१७
 सोहमाल ती १२५
 सोहा राठीड प ३३३
 सोहेंद्र रावळ प १२
 सोहो प १ २४८
 ,, डू १०८ १२२, १८६
 सोहो गोविंद रो डू ७७ ७८ १०६ १०७
 सोहो जगमाल रो डू ८४
 सोहोजी राव डू २५८ २६६ २६७
 २६८, २६९, २७१, २७२ २७३
 २७४ २७५ २७६
 ,, ,, ती २६ १७३, १८०
 सोहो घनराज रो डू १२३

सुरपुंज रावळ प. ७६
 सुषचंद ती. १६०
 सुविधि राजा ती. १८५
 सुसिध प. २६२
 सुस्तराज प. २८६
 सुप्रो प. १६
 सुजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,
 १०२, ११६, १२१, १२४, १६१
 २४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२
 ,, हू. १६६
 सुजो आसावत प. ३४३
 सुजो करणोत प. १६८
 सुजो छेतसो रो प. ३६०
 सुजो जगमालोत हू. १६१
 सुजो जसूतोत हू. १७०
 सुजो जैसा रो प. १६६
 सुजो देईदास रो प. ३१७
 सुजो देवटो प. १५६, १६४
 सुजो पतावत हू. १५१
 सुजो पूरणमल रो प. ३१३
 सुजो प्रागदासोत हू. १८३
 सुजो भाटी हू. ६६
 सुजो भारमलोत प. २००
 सुजो भुजवळ रो प. १६५
 सुजो महीकरण रो प. ३५६
 सुजो मांडणोत प. २३६
 सुजो रांणो प. २३१, २३५
 सुजो रांमावत हू. १६१
 सुजो रायमलोत प. ३१६
 ,, ,, हू. २००
 सुजो राव प. ३६१
 ,, ,, हू. १५३, १७८
 सुजो राव, जोधावत ती. ३१, ८६, १०५
 सुंदर ११४, १८२, २१५, २१६, २३५
 सुंदर २. रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८
 सुकर सोळी ५धीर रो प. २४२

सुजो धीजा रो प. ३५८
 सुजो वेणावत हू. १६०
 सुजो सिलार रो प. १६७
 सुमरो हू. २३८
 सुर प. १७८, १८८, १६०, २६२
 (दे० सुर मालण)
 सुरज प. ७८, १२५, २६२
 सुरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६९, ७३,
 ७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,
 १०३, १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, १०९, ११०, १२०, २०६,
 २११, २१२
 सुरजमल हू. ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,
 १२४, १२८, १३६, १५६
 सुरजमल ती. २२७
 सुरजमल अमरा रो प. ३०, ३५६
 सुरजमल किसनावत हू. १६६
 सुरजमल केसोदास रो प. ३१४
 सुरजमल गोपाळदासोत हू. १८६
 सुरजमल घांपा रो प. ३५६
 सुरजमल बालासो ती. ४१
 सुरजमल लूणकरणोत हू. ६०
 सुरजमल हाडो प. २०
 सुरजसिध प. ५३, २४७
 सुरजसिध राजा हू. ८१, ६६, ११६,
 १५५, १५८
 सुरजसिध राव हू. १३१, १३२
 सुरजसिध प. १२०, २६६, ३०७, ३०८
 ,, ती. २२१, २२४, २२६, २२६
 सुरजसिध महाराजा (वीकानेर) ती. ३२,
 १७७, १८०, १८१, २०८
 सुरदास प. २३२
 ,, हू. १६४
 सुरदेव ती. २१६
 सुर नरसिधोत प. १५३
 सुर नाहरखी

पातसाह दू १७७, १८०, १६०,
१६२
पाळ प. २८६
मचद प ५०
माघवदे रो प ३३६
मालण (सूरमाल्हण) दू ४०, ४१,
४२, १५३, १७८
र राणो दू २६५
रसिध प २५, २६, २८, १५३, १६१,
३०३, ३०५, ३०६, ३०६, ३११,
३२०, ३२२, ३२६, ३२८
रसिध दू १५८
रसिह ती २३०
रसिधजो राजा प. ३२३
रसिध करसराम रो प ३२३
रसिध भगवतदास रो प २६१, ३००
रसिध महाराजा (जोधपुर) ती १८२,
२१४
रसिध महाराजा (बीकानेर) दू १११
रसिध मानसिधोत प ३२७
रसिध रायसिधोत महाराजा (बीकानेर)
ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
२१० (दे० सूरसिध महाराजा
बीकानेर)
रसिध राव दू १३०, १३१, १३२,
१३३, १३६, १४४
रसिध रूद्र रो प ३१६
रसिध बीकूपुर राव ती ३६
रसिध सुरताण रो प १५८
रसिध दू ३, ६
" ती. २३१
रसिध उपसेन रो प २६२
रसिध राजा ती. १८६
रसिध प ७०
" दू ८४, ८८, १७८, १८६
रसिध कलावत प. १६६

सुरो कायळोत ती. २१
सुरो काना रो प ३६०
सुरो डूगरती रो प. १२०
सुरो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४,
१७०
सुरो नरबद रो प २४८
सुरो नरसिध देवडा रो प १६५, १६६,
१६७
सुरो भैरवदासोत दू १७८
सुरो माधा रो प. ३२१
सुरो लोलावत प २३८
सुरो वसू रो प. ३५२
सुरो सोडो प ३६२
सुरपाळ पदमपाळ रो प २८६
सुरपाळ भीमपाळ रो प. २६०
सेख फरीद ती २७६
सेखो प ६७ ३२७
" दू. १४२, १४३, १६८
सेखो खारवारा रो राव ती ३७
सेखो खेतसीप्रोत दू १७३
सेखो घडुवाण भाङ्गणोत प १५२, २३६
सेखो प्रताप रो प २८
सेखो माकळ रो प ३१८, ३१६
सेखो रतना रो प ३१७
सेखो राणो दोला रो दू २६५
सेखो रामावत प १६८
सेखो राव दू. ११०, ११८, ११६, १२०,
१२४, १२६, १३७
" " ती १६, ३१, ३६
सेखो रुदा रो प १६१
सेखो सावत रो प २००, २०१
सेखो सुजावत प २४१, २४२ ३६०
" " ती ८६, ८८, ८९, ९०,
९१, ९२
सेतराम दू २६८

सीहो रामदासोत दू. १६६
 सीहो राजादे रो प. २६४
 सीहो रायमल रो प. ३२७
 सीहो रावळ प. ५, ७८
 सीहो रुदा रो प. १७२
 सीहो सीवळ दू. १८७
 " " ती. १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२७, १२८
 सुंदर प. ३४३
 " दू. ८६, ६५, १२३, १७७, १६६,
 २००
 सुंदर कचरावत प. ३५७
 सुंदरचंद राजा ती. १८८
 सुंदरदास प. २६, ६६, १२५, १७३,
 १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१,
 ३४३
 सुंदरदास दू. ८१, ८८, ६०, ६३, १२६,
 १५८, १५९, १६४, १८३, १६२
 सुंदरदास ती. ३७, २२५, २२६, २२७
 सुंदरदास गोयंददासोत दू. १५०
 सुंदरदास गोड प. ११७
 सुंदरदास देवराज रो दू. १०४
 सुंदरदास भगवानदासोत दू. १५२
 सुंदरदास भारमल रो प. ३०२
 सुंदरदास भौवोत दू. १७२
 सुंदरदास मुंहणोत प. १६७
 सुंदरदास लाठळान रो प. ३२१, ३२५,
 ३२७
 सुंदरदास सुरताण रो प. ३०४, ३१२
 " " " दू. १५६
 सुंदरदास सूरजमलोत दू. १८६
 सुंदर भारमलोत प. २६१
 सुंदर सहसावत दू. १७६
 सुंदरसी मुंहतो ती. २१४
 सुंदर सोढो प. ३६१
 सुकर सोळकी प. २६१, २८०

सुकव प. ७८
 सुकायत राजा ती. १८७, १८८
 सुकृत दे० सुकव ।
 सुकृत सर्मा प ६
 सुखचंद माधो ती. १६०
 सुखरामदास ती. २२६
 सुखसिघ ती. २२४
 सुखसिघ सूरजमलोत ती. २१७
 सुखसेन राजा ती. १८६
 सुगणी मुंहतो प. ३३८
 सुचंद माधो ती. १६०
 सुजत प. ७८
 सुजन अर्जुनोत मोडिल ती. १६६, १७०
 सुजय प. ७८
 सुजाण प. २७
 " दू. ६२, १२३
 सुजाणराय प. १३१, २७८
 सुजाणसिघ प. २२, ३०, ६७, १३०,
 २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८,
 ३१०, ३२८
 सुजाणसिघ दू. ६५, ६६, २६४
 " ती. २२४
 सुजाणसिघ परसोतम रो प. ३२३
 सुजाणसिघ महाराजा (वीकानेर) ती. ३२,
 १८०, १८१, २११
 सुजाणसिघ माधोसिघ रो प. २६६
 सुजित प. ७८
 सुंदरसन प. ३२७
 " दू. ८८
 " ती. ३६
 सुंदरसन भाटी मानसिघोत दू. १३२
 सुंदरसन राव जगदेव रो दू. १३६
 सुदर्यराज प. २८८
 सुदर्शन प. ७८
 सुदर्शन ती. १७६
 सुदर्शन प. २८८, ३२७

सुदास ती १७८
 सुदेव ती १७८
 सुदसेन ती २३०
 सुधन राजा ती १८६
 सुधन्व प २८८
 सुधन्वा दे० पुधन्वा ।
 सुधानेध प. २८७
 सुधियह्या प २६३
 सुधोम प २८६
 सुनगराय प २८८
 सुप्रतिकाम दे० सुप्रतिकाश ।
 सुप्रतिकाश ती १७६
 सुबाहु प २८८
 सुबुद्ध सर्मा प ६
 सुभकरण प. १२७, १३१
 सुभराम ती २३५
 सुभाष्य सर्मा प ६
 सुमत दे० समत ।
 सुमल प. १२३
 सुमित्र ती १८०
 सुमित्र मांगळ रो प २६३
 सुमेधा प ७८
 सुरचद माधो ती. १६०
 सुरजण प. ११०, १११, ११२
 सुरजन प ३०६, ३१५, ३२८
 सुरजन आसावत दू १४६
 सुरजन ऊगा रो दू ८१
 सुरजन कचरावत दू १८४
 सुरजन जंतसिधोत ती २०५
 सुरजन राणो ती १५३, १५५, १५८
 सुरजन रायपाळ रो प ३५४
 सुरजन राव ती २६६, २६८
 सुरजन सीहड रो प ३४०
 सुरतराज प. २८६
 सुरतसिध प. ३०८
 सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०,

१०६, ११०, १३५ १३६, १४१,
 १४२, १४३, १४५, १४६, १४७,
 १४८, १४९, १५०, १५१, १५२,
 १५३, १५८, १६०, १६६, १६७,
 १६९, १७१, २००, २१०, २३६,
 २८१, २८३
 ,, दू ११, ८०, ८५, ८८, ८९, ९८
 ९९, १०४, १०८, ११६, १२४,
 १३६, १४३, १५८, १५९, १६१,
 १६५, १६७, १६८, २००
 ,, ती २८७
 सुरताण कल्याणमलोत ती २०६
 सुरताण कोटडियो दू. १००
 सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८
 सुरताण चवडे रो दू ३१०
 सुरताण जाभण रो प २४०
 सुरताण जमलोत ती १२०
 सुरताण आलो प्रधीराजोत दू २५६
 सुरताण आलो सिध रो दू २६२ २६३
 सुरताण ठाकुरसी रो दू १६२
 सुरताण दुरगावत प ३४३
 सुरताण प्रधीराजोत प ३०४
 सुरताण भाखरसीघोत दू १५२
 सुरताण मानावत दू १५४, १५७, १७६
 सुरताण रतनसीघोत दू १८६
 सुरताण राणावत दू १७१
 सुरताण रायमल रो प ३२७
 सुरताण रायसिधोत दू १५०
 सुरताण राव प २८१
 सुरताण राव भाणोत प २४६
 सुरताणसिध प ३२३
 ,, ती २२४, २२७, २३५
 सुरताणसिध ठाकुर परमार ती १७६
 सुरतो प. ३१
 सुरथ प ७८
 ,, ती १८०

सुरपुंज रावळ प. ७६
 सुवचंद ती. १६०
 सुविधि राजा ती. १८५
 सुसिध प. २६२
 सुस्तराज प. २८६
 सुप्रो प. १६
 सुजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,
 १०२, ११६, १२१, १२४, १६१
 २४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२
 ,, दू. १६६
 सुजो आसावत प. ३४३
 सुजो करणोत प. १६८
 सुजो खेतसी रो प. ३६०
 सुजो जगमालोत दू. १६१
 सुजो जसंतोत दू. १७०
 सुजो जैसा रो प. १६६
 सुजो देईदास रो प. ३१७
 सुजो देवढो प. १५६. १६४
 सुजो पतावत दू. १५१
 सुजो पूरणमल रो प. ३१३
 सुजो प्रागदासोत दू. १८३
 सुजो भाटो दू. ६६
 सुजो भारमलोत प. २००
 सुजो भुजवळ रो प. १६५
 सुजो महीकरण रो प. ३५६
 सुजो मांडणोत प. २३६
 सुजो रांणो प. २३१, २३५
 सुजो रांमावत दू. १६१
 सुजो रायमलोत प. ३१६
 ,, ,, दू. २००
 सुजो राव प. ३६१
 ,, ,, दू. १५३, १७८
 सुजो राव, जोधावत ती. ३१, ८१, १०५
 ११४, १८२, २१५, २१६, २३५
 सुवर् ६. रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८
 सुकर सोळी वीर रो प. २४२

सुजो धीजा रो प. ३५८
 सुजो वेणावत दू. १६०
 सुजो सितार रो प. १६७
 सुमरो दू. २३८
 सुर प. १७८, १८८, १६०, २६२
 (दे० सुर मालण)
 सुरज प. ७८, १२५, २६२
 सुरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६९, ७३,
 ७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,
 १०३, १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, १०९, ११०, १२०, २०६,
 २११, २१२
 सुरजमल दू. ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,
 १२४, १२८, १३६, १५६
 सुरजमल ती. २२७
 सुरजमल अमरा रो प. ३०, ३५६
 सुरजमल किसमावत दू. १६६
 सुरजमल केसोदास रो प. ३१४
 सुरजमल गोपाळदासोत दू. १८६
 सुरजमल चांपा रो प. ३५६
 सुरजमल बालासो ती. ४१
 सुरजमल लूणकरणोत दू. ६०
 सुरजमल हाडो प. २०
 सुरजसिध प. ५३, २४७
 सुरजसिध राजा दू. ८१, ६६, ११६.
 १५५, १५८
 सुरजसिध राव दू. १३१, १३२
 सुरतसिध प. १२०, २६६, ३०७, ३०८
 ,, ती. २२१, २२४, २२६, २२६
 सुरतसिध महाराजा (बोकानेर) ती. ३२,
 १७७, १८०, १८१, २०८
 सुरदास प. २३२
 ,, दू. १६४
 सुरदेव ती. २१६
 सुर नरसिधोत प. १५३
 सुर नाहरखान रो प. ११७

सूर पातसाह दू १७७, १८०, १९०,
१९२
सूरपाळ प. २८६
सूरमचद प. ५०
सूर माधवदे रो प. ३३६
सूरमालण (सूरमालहण) दू ४०, ४१,
४२, १५३, १७८
सूर रांगो दू २६५
सूरसिध प २५, २६, २८, १५३, १६१,
३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११,
३२०, ३२२, ३२६, ३२८
सूरसिध दू १५८
सूरसिह ती २३०
सूरसिधजी राजा प. ३२३
सूरसिध फरसुराम रो प ३२३
सूरसिध भगवतदास रो प २९१, ३००
सूरसिध महाराजा (जोधपुर) ती. १८२,
२१४
सूरसिध महाराजा (बीकानेर) दू. १११
सूरसिध मानसिधोत प. ३२७
सूरसिध रायसिधोत महाराजा (बीकानेर)
ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
२१० (दे० सूरसिध महाराजा
बीकानेर)
सूरसिध राव दू १३०, १३१, १३२,
१३३, १३६, १४४
सूरसिध हद्र रो प ३१६
सूरसिध धोकूपुर राव ती. ३६
सूर सुरताण रो प १५८
सूरसेन दू. ३, ९
" ती. २३१
सूरसेन उग्रसेन रो प २९२
सूरसेन राजा ती. १८६
सूरो प. ७०
" दू ८४, ८८, १७८, १८९
सूरो कलावत प. १९९

सूरो काथळोत ती. २१
सूरो काना रो प ३६०
सूरो डूगरती रो प. १२०
सूरो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४,
१७०
सूरो नरबद रो प. २४८
सूरो नरसिध देवडा रो प १६५, १६६,
१६७
सूरो नरबदासीत दू. १७८
सूरो माधा रो प. ३२१
सूरो लोलावत प २३८
सूरो वगू रो प. ३५२
सूरो सोढो प. ३६२
सूर्यपाळ पदमपाळ रो प २८६
सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २९०
सेख फरीद ती. २७९
सेखो प. ६७ ३२७
" दू. १४२, १४३, १९८
सेखो खारबारा रो राव ती. ३७
सेखो खेतसीप्रोत दू १७३
सेखो चहुवाण भाभणोत प १५२, २३९
सेखो प्रताप रो प २८
सेखो मोकळ रो प. ३१८, ३१९
सेखो रतना रो प ३१७
सेखो राणो बोला रो दू २६५
सेखो रामावत प १९८
सेखो राव दू. ११०, ११८, ११९, १२०
१२४, १२६, १३७
" " ती १९०, ३१, ३६
सेखो हदा रो प १६३
सेखो सावत रो प २००, २०१
सेखो सूजावत प २४१, २४२, ३६०
" " ती. ८६, ८८, ८९, ९०,
९१, ९२
सेतराम दू २६८

सेतरांम वरदायीसेनोत ती. १८०, १९३,
 १९४, १९५, १९६, १९७, १९८,
 २०१, २०२, २०३, २०४
 सेनजित ती. १७७
 सेन राजा ती. १८५
 सेरखान रतनसी रो प. ३५६
 सेरमदन राजा ती. १८७
 सेरसाह पठाण पातसाह ती. १९२
 सेरसिघ ती. २२६, २२८, २२९
 सेवो सांखलो दू. २६१
 सेहराच वेदा रो प. ११९
 सेहसो चानिणदास रो प. ३१४
 सेहसो प्रधीराज रो प. २९०
 संसमल रावळ प. ३९
 सोढ उर्से राजा रो प. २९३
 सोढ देव प. २९०
 सोढल राजा प. २९५
 सोढो छाहड़ रो प. ३६३
 सोढो वाहड़ रो प. ३३७, ३३८, ३५५
 सोनग सीहोजी रो ती. २९
 सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५
 ,, ,, ,, ती. ३०
 सोभ हरभम रो प. ३५३
 सोभो रांमा रो प. ३५७
 सोभो रावत प. १९६
 सोभो राव लाखा रो प. १५८
 सोभो रिणमल रो प. १३५, १३६
 सोभो हीमाळा रो प. २४४, २४५
 सोभ्रम प. १६९, २३०, २३१
 सोम प. ११९, १६९, १९३
 ,, ती. १८४
 सोम केहर रो भाई दू. ११६
 सोमचंद व्यास प. २२५
 सोम चहुवाण दू.
 सोम चंडावत प. ३४१, ३४३
 सोमदत्त प. ३
 सोम भाटी दू. ७५, ७६, ७७

सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१
 सोमसी दू. ३
 सोमेस प. २८९
 सोमेसर जसहड़ रो प. ३५५, ३६३
 सोमो प. ३४३
 सोमो राकसियो दू. ३१२
 सोहड़ प. ११९
 सोहड़ सातहू सूरवात ती. ३०
 सोहित प. १००, १०१
 सोही प. ११९, १३५, १८६, २३०,
 २४७, २५०
 सोहर जाट ती. १५
 स्यांम प. २७, १२५, १२६
 स्यांम कूंभावत दू. १७९
 स्यांम जगावत दू. २६३
 स्यांमदत्त ती. २२५
 स्यांमदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८
 ,, द. ९२, ९३, १८८, १९०,
 १९७, १९८, २६४, २६८
 ,, ती. २२५
 स्यांमदास भगवांनदासोत दू. १५२
 स्यांमदास रावळ प. ७९
 स्यांमदास वीठळदासोत प. ३०९
 स्यांमदास सीतोदियो प. १४८
 स्यांम देदा रो दू. २६३
 स्यांमरांम प. ३२३
 स्यांमरांम घालेंराज रो प. ३०२
 स्यांमसिघ प. २३, १९७, ३०६, ३०८,
 ३१६, ३२२
 स्यांमसिघ दू. ९३, १७०
 ,, ती. २३२
 स्यांमसिघ जसवंत रो प. २०९
 स्यांमसिघ पता रो प. ३३०
 स्यांमसिघ परसोतम रो प. ३२३
 स्यांमसिघ मनोहरदास रो प. ३४२
 स्यांमसिघ मानसियोत प. २९१, २९९

स्यामसिध मानसिधोत वू. १६३
 स्यामसिध राजा रो प ३०८
 स्यामसिध राव प २८१
 सतनख प ३३६
 ह
 हदापळ दे हदाळ ।
 हवाळ प ३००
 हसन घसु प ७८
 हसपाळ पबिहार प ३३३, ३३४
 हसपाळ मेहदा रो प ३४०
 हस राजा परमार ती १७६
 हस रावळ प ५, १२, ७६
 हसो सीहड रो प. ३४०
 हर्दहप प ७८
 हठीसिध ती २२६, २२७
 हठीसिध राव ती २४६
 हनुमान प २६०
 हणू तसिध ती २३१
 हणू राजा, प २६३, २६४, २६६
 हणू राजा, काकिल रो प ३३२
 हदनेत्र प ७८
 हदो वू १७८
 हदो गागा रो प ३५६
 हदो मानारो प ३४१
 हनु प ७८
 हबीबखान प ३०७
 हबीब पठाण वू २५४
 हमाऊ पातसाह प २०, ३००
 " " वू ८०
 " " ती १६, १८३, १६२
 हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६
 " वू ३, ८०, २१५, २१७, २१८
 हमीर अशतारदे रो प. ३६०
 हमीर आसावत वू १७६
 हमीर एको वू १३१, १३२
 हमीर करमा रो प. १६५

हमीर कुनत रो प २६५, २६६, ३३०
 हमीर खगारोत प ३०५
 हमीर खीदावत प ३४१, ३४३
 हमीर गोपदरो ती ११५
 हमीर गोहिल प ३३५
 हमीर घिरा रो प ३५६
 हमीर बहियो प ११७, १२५
 " " ती २६७, २६८, २६९,
 २७०, २७१, २७२
 हमीरदे चहुवाण प. २२०
 " " वू ५८
 " " ती. १८४
 हमीर देवराजोत वू ५३, १४४, १४५
 हमीर बीजो वू २०६
 हमीर भीम रो प ३३५
 हमीर, रतनसी रांगा रो वू ३६
 हमीर राणो प ६, १४, १५
 हमीर राव ती २८
 हमीर रावत, परमार ती १७६
 हमीर लाखारो प १३६, १६१
 हमीर घडो वू २०६, २१३
 हमीर धणबीरोत प ३५८
 हमीर धोकावत प २३७
 हमीर सांक्रोत वू १८०
 हमीर सोढो प ३३८
 हमीर हरा रो वू १२१, १२६
 हयनर राजा ती १८६
 हर प. ११
 हरकरण प ३१६
 हर करमतीघोत प ३५१
 हरख सर्मा प ६
 हरचद दे० हरिचद
 हरचद रायमलोत वू १४५
 हरजस प २८७, २६२
 हरणनाम प २८८
 हरदत्त राणो, मोहिल ती १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१
 ,, दू. ७७, ७९, १०७, १२३,
 १६२, १६६, २६३
 हरदास राजा रो दू. ८०
 हरदास अहड़, मोकळोत ती. ८५, ८७,
 ८८, ८९, ९०, ९२
 हरदास कांनावत दू. १६५
 हरदास डुंगरसीओत दू. १७८
 हरदास पतावत दू. १९७
 हरदास भगवंतदासोत प. २६१
 हरदास भाटी दू. १७६
 हरदास महेसोत प. २३७, ३४१
 हरदास लूणकरणोत दू. ९०
 हरदेव प. ३२२
 हरधवल प. १२२
 ,, दू. २२०, २३९
 हरनाम प. २६२
 हरनाथ प. ३०८, ३२०, ३२२
 ,, दू. ९०, ९६, ११९
 ,, ती. ३७
 हरनाथसिध ती. २३२
 हरनाथसिध तोडरमलोत प. ३२२
 हरपाळ प. २६०
 हरपाळ रांगो दू. २६५
 हरभम दू. १५३
 हरभम किल्हणरो दू. ११६, १४३
 हरभम राव दू. ११६
 हरभम सांखलो मेहराज रो प. ३५०,
 ३५१
 हरभाण प. ३२२, ३२४
 हरभीम राजा ती. १८९
 हरभू पोरे प. ३४८
 हरभी मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३,
 १०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो
 मेहराज रो)
 हररांम प. २७, ३०६, ३०८, ३१२,
 ३२०, ३२७

,, दू. १२२, १५१, १८७
 हररांम जसवंत रो प. ३१७
 हररांम रायसल रो प. ३२४
 हररांमसिध ती. २२५
 हरराज प. २२, ९९, १००, १६३, १६४,
 २८१
 ,, दू. १७८
 ,, ती. २२०
 हरराज करमसी रो दू. १९०
 हरराज जैतसी रो प. ३१५
 हरराज ठाकुरसी रो प. ३६०
 हरराज देवडो प. १४५
 हरराज नरवद रो प. १०९
 हरराज नारण रो प. ३५८
 हरराज मातवेवोत, रावळ दू. ९२, ९७,
 १०२
 हरराज रावळ दू. ११, ९२, ९७, ९८,
 ९९, १०२
 ,, ,, ती. ३१, ३५
 हरराज समरसी रो प. १०१
 हरराज सोळकी, दुरजणसाल रो प. २८१
 हर सर्मा प. ९
 हरसिधदे प. १२९
 हरसिध राव (पूगळ) ती. ३६
 हरसूर रांगो प. १५
 हर हारीत प. ११
 हरिअश्व ती. १७७
 हरि कांहा रो प. ३५२
 हरिचंद (हरीचंद, हरिचंद्र) दे०
 हरिचंद्र राजा ।
 हरिजस प. ३१६
 हरित प. २८८
 हरिताश्व दे० हरिअश्व, हरिअश
 हरिदास प. १६६, २३३, ३२९
 हरिदास अमरा रो प. ३५९
 हरिदास फरसरांम रो प. ३१६
 हरिदास वीठळदास रो प. ३०८

हरिदास सिलखावत प. २३३
 हरियज्ञा ती. १७७
 हरिमो घोरी ती. ६२, ६३, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७५
 हरिवंश राजा ती. १७६, १८७
 हरिश्चंद्र राजा प. ४२, ४७, १६०,
 २८७, २९२, २९३
 " " ती. १७८
 हरिसिंघ प. २११, ३१५, ३२०, ३२५
 " दू. ६५, ६६, ११६, १२४
 हरिसिंघ अमरसिंघोत दू. १०६
 हरिसिंघ किसनसिंघोत दू. १७५
 हरिसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 हरिसिंघ चांदावत ती. २४६
 हरिसिंघ नारणदासोत दू. ६२
 हरिसिंघ परसोतम रो प. ३२३
 हरिसिंघ भीमसिंघोत दू. १०७
 हरिसिंघ रतनसोमोत दू. १८३
 हरिसिंघ राजा ती. १६०
 हरिसिंघ राव प. ३०६
 हरिसिंघ सकतसिंघोत दू. १०६
 हरिसेन राजा ती. १८६
 हरिहर प. ७८
 हरीदास प. १६१
 " दू. १०५
 हरीदास कलावत दू. १६१
 हरीदास गोपाळदासोत दू. १६८
 हरीदास जोगीदासोत दू. १८५
 हरीदास दलावत दू. ३०४
 हरीदास पता रो प. १६०
 हरीदास पेरजखान रो प. १२४
 हरीदास भगवानोत दू. १६१
 हरीदास भाणोत दू. १६४
 हरीदास माधोदासोत दू. १७२
 हरीदास मोहन रो प. ३५७
 हरीदास रतनसो रो प. ३५६

हरीदास रामचबोत दू. १८३
 हरीदास रायमलोत दू. १७५
 हरीदास धाघोत दू. १७६
 हरीदास सुरतांगोत दू. १६०
 हरीदास सोढो प. ३६२
 हरी नाया रो दू. ७५
 हरीपाळ राजा ती. १८८
 हरी भाखरसो रो दू. १६७
 हरी रांगो दू. २६५
 हरीराम प. २५
 हरीराम रायमलोत ती. २१७
 हरीसिंघ प. २४, ३०२
 " ती. २२१, २३६
 हरीसिंघ जसवतसिंघोत ती. २१७
 हरीसिंघ राघवदास रो प. ११७
 हरीसिंघ रावत प. ६४, ६६, ६७
 हरीसिंघ बोरमवे रो प. २०८
 हरो दू. १५, ८१
 हरो राठोड दू. ५८
 हरो सेला रो दू. १२०, १२१, १२५,
 १२६, १२७, १३७, १४१
 हखंमादित्य प. १०
 हर्जनकार सर्मा प. ६
 हर्जनर सर्मा प. ६
 हयंदव ती. १७८
 हामो प. १०१
 हामो काठालो दू. २४०
 हामो रतनावत प. १६५
 हांस रावळ प. ७६
 हांसू ती. २२१
 हांसू पडोहियो दू. ३१७
 हाजीखान प. ६०, ६१, ६२
 हाजो प. २४७
 हाजो काठी दू. २२०, २३६
 हाडो प. १०१
 हाथो प. २६, १०१

हाथी अभा रो दू. १४१
 हाथी ईसरदास रो दू. १३०
 हाथी भाटी दू. ६६, ११६
 हाथी बाळा रो प. १२१
 हाथी सुरतांग रो दू. २६३
 हाथो प. ११६, २३१
 हापो रावत परमार ती. १७६
 हापो रावळ दू. ८४
 हारस चारण दू. २३७
 हारीत ऋषीश्वर प. ३
 हारीत ऋषि दे. हारीत रिख ।
 हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२
 हालो हमोर रो दू. २०६, २१५, २१६
 हावसिद्ध प. ७८
 हिगोळो आहाडो प. १११
 हिदाल प. ३००
 हिडुसिघ प. ३०६
 हिडुसिघ माघा रो प. ३२१
 हिमर्तसिघ प. ३०६, ३११, ३१७, ३२६
 हिमर्तसिघ फछवाहो ती. ३१
 हिमर्तसिघ परसोतम रो प. ३२३
 हिमर्तसिघ मानसिघोत प. २६१, २६६
 हिरण्यनाभ प. २८८
 हिरण्यनाभ ती. १७६
 हिरवेनारायण प. ३०४, ३१०
 हिरवेरांम प. ३०८, ३२४
 हिरवेरांम अखेराज रो प. ३०२
 हिरन प. ७८

हींगोळ प. १७२, २३५
 हींगोळदास दू. ८१, १०४
 हींगोळदास सुरतांगोत दू. १७२
 हींगोळो पीपाडो ती. १२०
 हीमर्तसिघ ती. २२४, २२६, २३०, २३३
 हीमतो दू. ६५
 हीमाळो, राव वरजांग रो प. २३२, २४४
 हीरसिघ ती. २३६
 हुमायु बादशाह दे० हमाऊ पातसाह ।
 हुमायू पातसाह प. १६ (दे० हमाऊ
 पातसाह)

हुरड घनो दू. २०
 हुसंग गौरी पातसाह ती. २४३, २४७
 हुंन राजा प. २५५
 हुंफो सांदू दू. ६२
 हुवेनारायण ती. २३६
 हुदई सर्मा प. ६
 हेडाऊ दू. २१६
 हेमराज दू. १२३, १६६
 हेमराज खोदावत प. १६६
 हेमराज पडिहार दू. १४०, १४२
 हेमवर्ण सर्मा प. ६
 हेमादित्य प. १०
 हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९२,
 २९३, २९५, २९६, २९७, २९८
 हीहय प. ७८
 होरसराड प. १२६

[२] स्त्री - नामावली

[स्त्री नामावली में पुल्लिङ्ग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिङ्ग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं। उनकी स्त्रीलिङ्ग-रूप विलक्षण व्यंजना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूँढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहाँ दिये जा रहे हैं।]

आंणी - कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय। जैसे—खावडियाणी, जोईयाणी इत्यादि। पुरुष नामों के अन्त में यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ में बदल जाता है। जैसे साखी फूलाणी।

ओळगण, ओळगाणी - १. गायिका। यह प्रायः ढाढी जाति की होती है। राजस्थान के साचोरी प्रदेश में और उत्तर गुजरात में महतरानी को 'ओळगाणी' और महतर को 'ओळगाणी' कहते हैं।

कुवराणी - कुवरानी।

कुवर, कुवर - कुवरि, कुवरी। जैसे—घासकुवरबाई, उमेदकुवर इत्यादि।

खवास - १. राजा की दासी २. खेल ३. सेविका।

खवास-विणियाणी - बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो।

खालसा - १. राजा की एक विशेष दासी। २. एक खेल।

खीचण - खीची-क्षत्री वंश में उत्पन्न स्त्री।

चहुआण, चहुवाण (-जी) - चौहान क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के समुराल का उपनाम तथा संबोधन।

चारण - चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री। चारणी भी कहा जाता है।

ची - कतिपय नगर या प्रदेश नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति। जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि।

चूडावत (-जी) - चूडा के वंश में उत्पन्न कन्या के समुराल का उपनाम और संबोधन।

छोकरी - दासी।

जोगण, जोगणी - १. योगिनी। २. योगी (जोगी) की स्त्री।

ठकराणी - ठाकुरानी।

डूमणी - ढाडिन, गायिका।

दे - देवी का संक्षिप्त रूप। जैसे—अतरगदे, उद्धरगदे इत्यादि में। पुरुष नामों के अन्त में यह 'देव' शब्द के संक्षिप्त रूप में भी प्रयुक्त होता है। जैसे—कान्हडदे, गोगादे इत्यादि में।

नाचण - नाचने वाली, नृत्यकी।

पंवार (-जी) - पंवार (परमार) क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के समुराल का उपनाम या संबोधन ।

पासर्वाँन - राजा की एक पर्दायत दासी ।

पूतळ छोकरी (-छोरी) - दासी ।

बा - १. माता. २. राजरानी. ३. राजमाता ।

वाई - १. स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इंद्रावतीवाई, रामीवाई इत्यादि ।
२. पुत्री. ३. वहिन. ४. बच्ची, कन्या ।

घर - १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुआ (-वा) - फूफी ।

माजी - १. राजमाता. २. माता. ३. वृद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (-जी) - राठीड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का समुराल पक्षीय संबोधन और उपनाम ।
राठोड़णीजी, राठोड़णीजी, राठोड़णीजी (राठीड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय - १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—गुमानराय पातर, गुलाबराय खवास इत्यादि । पुरुष नामों के अंत में भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुंडराय, रामराय इत्यादि ।

वजीरण - १. वजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान में जागीरदार के दास को वजीर भी कहते हैं ।

वडारण - ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती - १. शक्ति, देवी. २. देव्यांसी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री. ४. भोपी ।

सहेली - १. साधिन. २. दासी ।

सेखावत (-जी) - १. शेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का समुराल पक्षीय उपनाम तथा संबोधन ।

स्त्री - नामानुक्रमणिका

अ

- अतरगदे तुवर ती २०६
 अतरगदेजी पवार ती २०६
 अखेकुवर बेराधरी ती २११
 अजबदे घनराजोत भटियाणी ती २१०
 अजादे बहियाणी प ३४४
 अजेदे बहियाणी प २५२
 अजेमाळा पातर ती २१०
 अतभागदे राणी (अजवरजी) ती ३२
 अनारकळी पातर ती २०६
 अनेकुवरजी ती २११
 अमोलकदे भटियाणी ती २१०

आ

- आचानण ती २८१, २८२, २८३ २८४,
 २८५
 आछी शाहजादी ती १६१
 आसकवर बाई, (राजा भावसिध री राणी)
 प २६६
 आसकवर बाई (राजा मानसिध री राणी)
 प २६७
 आसारण प. ६३

इ

- इद्रकुवर (कस्तूरदे राणी) ती. ३२
 इद्रावती बाई (आसकरण री राणी)
 प ३०३

ई

- ईंदी ती १०७ १०८
 ईंदरची दू ८७
 ईहबदे ती २५८

उ

- उद्यरगदे ईंदी ती २६
 उदकुवर चहुवाण ती २१५
 उमादेवी भटियाणी ती २१५
 उमबकुवर तुवर, राणी ती. २११, २१२

ऊ

- ऊषळ (कानडदे री बेंटी) दू ४१
 ऊमादे (कानडदे री राणी) प २२५

ओ

- ओळगाणी दू ३३६
 " री. २५८

क

- ककाळी प ३३६
 कबळदे राणी प २२५
 कबळावतीबाई, (गोरघन री पत्नी) प. ३०३
 कबळावती, (बीबा री बंर) प १२४
 कनकावतीबाई, राणी प २६७
 कनकावती (राव भोज री पत्नी) प १११
 कपूरकळी खालसा ती. २०६, २१२
 कमोदकळा खवास ती २११
 कमोदी खवास ती २०६
 करणा री मा प १६२
 करमा खवास प ३१२
 करमती बाई (मेहराज री पत्नी)
 दू १७८
 करमती हाडी राणी प २०, ४६, ५०,
 ६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४,
 १०८, १०९
 करमती हाडी राणी दू २६२
 " , " ती. ५५

कल्प्यांणवे (राजा गर्जसिंघ री रांणी)

प. ३०१

कल्प्यांणवे देवड़ी ती. २६

कसतूरवे रांणी (इंद्रकुंवर) ती. ३२

कसमीरवे रांणी ती. ३१

कांमरेखा पातर ती. २१०

कांमसेना पातर ती. २१०

किसनवाई प. १६७

किसनराय ती. २११

किसनाई खवास ती. २११

किसनावती वाई प. ३१२

कुंजकळी पातर ती. २११

कुमरवे द्व. २८०

कूंभारी द्व. २६६

केर वा द्व. २१६

केसर इंदी ती. ३१

केसरवे कछवाही ती. २१४

केसरवे नरुकी प. ३१५

कोटेची ती. २५०, २५१, २५२

कोडमवे धीकूंपुरी ती. २११

ख

खवास (गोकळदास री मा) प. ३१६

खातण (मेरा री मा) प. १५, १६

खावडियांणी प. ३४७

खेतुवाई (राव सूजा री वेटी) प. १०२

खेतू राठोड़, माजी प. १०७

ग

गंगाजी रांणी (सोभागवे) ती. ३१

गण्डराय पातर ती. २११

गवरां ती. २११

गांगे री मा ती. ८०

गायडदेवी सीसोदणी ती. २१४

गाहिडदे रांणी ती. ३२

गांदोली द्व. २८७

गुणकळी पातर ती. २१०

गुणजोत घडारण ती. २१२

गुणजोत सहेली ती. २०६

गुणमाळा खवास ती. २११

गुमानराय पातर ती. २११

गुमांनी पातर ती. २१२

गुलाबराय खवास ती. २०६

गुलाबराय पासवांन ती. २१३

गुलावां पातर ती. २११

गोकळदासरी मा, खवास प. ३१६

गोडू रांणी प. २६८

गोपाळवे सींघळ प. २५७

गोरज्या मोहिलांणी ती. ३०

गोरां पातर ती. २११

च

चंद्रकुंवर, रांणी (जोधपुर) द्व. ११०

चंद्रकुंवर, रांणी (वीकानेर) ती. ३२

चंपाकळी ती. २११

चंपावती पातर ती. २११

चतुरसिंघरी मा मंणी प. ३१२

चहुआंणजी ती. ६३

चहुवांण } ती. ३
चहुवांणी }

चांदकी प. १३३

चांदण ती. ३०

चांद वा सोडी द्व. २०६

चांद वीवी ती. २७२

चांपा वाई प. १३७, १४१, १६३; १६७

चांपादे, (राठोड़ पृथ्वीराज री पत्नी)

ती. २०६

चावड़ी रांणी द्व. २७४, २७५, २७६

चावोड़ी (मूळराज री मा) प. २६४,

२६५

चैनसुखराय खालसा ती. २११

चोघरण ती. १४, १५

चोहान रानी ती. ३

ज

- जसमावे, (महाराजा रायसिंह की रानी)
ती. २०७
- जसमावे हाडी (राय जोया री राणी)
प. १०१
- जसमावे हाडी (राय जोया री राणी)
ती. ३१
- जसमावे हाडी ती. २१६
- जसवंतवे राणी ती. ३१
- जसहृदवाई भांगळियांणी दू. ३०४, ३०६
- जसोदा (जैसा भरवदास री बेटो) प. १११
- जसोदावाई (मोटा राजा री बेटो) प. ३००
- जसोदा (भाटी भानीदास री बेटो)
दू. १३२
- जाणवे राणी ती ३०
- जाणावे हुलणी ती. ३१
- जाटणी (बाबूराम री मा) प. ३२४
- जाड्हेची (राखाइच री मा) प. २६५,
२६६
- जीऊ पातर ती. २१०
- जीवी, जीवू ती २१०
- जेळू प. १२४
- जेसळमेरी राणी, रतन कवरजी ती २०६
- जैतळवे, कामंडवे री राणी प. २२५
- जैमाळा पातर ती. २०६, २१०
- जोईयांणी, (सलखेजी री राणी) ती. ३०

झ

- झाली कवराणी, (कुं जोगे री बहू)
ती. १६५

ड

- डगली खवास ती. २०६
- डाहो डूमणी दू. २३०, २३१
- डाहो घाय दू. १८
- डोकरी ती. १०१, १२६
- डोड गेहली ती. ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

- तनतरग पातर ती. २११
- ताज बीबी ती. २७५
- तारावे राणी, चहुवाण (तीडे री अतेवर)
ती. ३०,
- तारावे, (राय सुरताण री बेटो। प्रपीराज-
उडण री अतेवर) प. १७, २८१
- तारावे (हरिचंद री राणी) प. २६३
- तुवरजी अंतरंगवे ती. २०६
- तुरकणी ती. २७८

द

- दमपतीवाई प. ३१२
- दमंतोवाई (मोटा राजा री बेटो)
प. ३१२
- दुरगावती बाई (राजा भगवानदास री
राणी) प. २६७
- दूडी माघण प. ६६
- देवडी (चापा सींगळ री बेंर) प. १६३
- देवी सोनगरी प. १५
- द्रोपदा चहुवाण ती २६
- द्रोपदा तुंवर ती. २१०

घ

- घण (जाड्हेचा फूल री राणी) दू. २२८,
२२९, २३०
- घनाई राठोड (राणा सांगा री राणी)
प. १६, २०, १०२
- घायजी ती ६६
- घाहू पातर ती. २१६
- घाहू री मा प. २५४
- घोरनाई प. २२

न

- नवरगदे साखली, राणी ती. ३१, १६५
- नाई री बेंर प. ३२१
- नागही चारण दू. २०२, २०३, २०४
- नारगी पातर ती. २०६
- नैणजधा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।

नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पंगळी घेटी प. ३४०

पंवार रांणी प. १०७, १०८

पत्ती, (जंतमाल री घेटी) प. २४६

पदमणी प. १३, १४

” हू. ४२, २०२, २०३, २०४,
२६६

पदमणी ती. २५८

पदमां देवडी (मालदेवजी री मा) ती. २१५

पदमां विणियांणी; खवास प. ७३

पदमां (भांतीदास री मा) हू. ६२

पदमावती पातर ती. २१०

पदमावती रांणी वे. परमावती रांणी ।

पदमावती रांणी, (रांणा सांगा री कन्या)
ती. २१५

परमावती रांणी ती. १८६

पांगळी घेटी प. २५३, ३४०

पातसाह री सहली हू. ७०

पारवती भटियांणी हू. ६६

पुण्यकुंवरि दे. पोहपकंवर माजी

पूतळ छोकरी प. २०

पूरांवाई महेंवची हू. १५६, १५७

पेमांवाई ती. ५६

पेमावती पातर ती. २११

पोहपकंवर. (अजीर्तसिधजी री माजी)
ती, २१३

पोहपराय श्रोळगण ती. २१०

पोहपावती, (मोटा राजा री रांणी)
हू. १२८

प्रतापदे खेळावत, रांणी ती. २११

प्रेमकळी ती. २११

प्रेमकुंवर भटियांणी, रांणी ती. २१०

प्रेमलदे हू. १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११

फत्तू सहली ती. २१२

व

बहुळी जोगणी प. २०४

बाबूराम री मा जाटणी प. ३२४

बालबाई बीकानेरी प. २६०

बाहडमेरी प. १४३, १४८

बाहडमेरी हू. ८६, ८८

बिरवडी, चारण-काळेती ती. ७६, ७७

बुधराय पातर ती. २१०

बूट पदमणी (राजा मोखरा री घेटी)

प. ३३३, ३३४

भ

भगतदे रांणी ती. ३१

भटियांणी (जोधाजी री रांणी) ती. १५८

भटियांणी रांणी ती. ३१

भांणवती ती. २१०

भांणवदे ती. २१०

भाणीबाई (भांण जेसावत) हू. १५१

भाटियांणी (रावळ केहर री घेटी) हू. ३२

भानुदेवी ती. २१०

भानुमती ती. २१०

भारमल आंधी प. ३४६

भारमली प. ३४६

भावळवे, (कांहडदे री रांणी) प. २२५

म

मनरंगदे भटियांणी, रांणी ती. २१०

मनसुखदे धीकंपुरी, रांणी ती. २११

मलकी वैहणीवाळ ती. १३, १४

महताव पातर ती. २१२

महेंवची हू. ८४

मांगळियांणी, (ऊर्द की वीर) प. ३४७

मांगळियांणी (वीरमजी की स्त्री)

हू. ३०३, ३०४

मांगल देवाहत हू. १६

मांणवती पातर ती. २१०

मांगवदे सोडी, रांणी ती. २१०
 मारवणी प. २६३
 मालवणी प. २६३
 मीराबाई प. २१
 मृदंगराय पातर ती. २११
 मेघमाळा खवास ती. २११
 भेलणवे रांणी, खीचण प. २६४
 भंणी, चतुरसिध री मा प. ३१२
 मोतीराय सहेली ती. २०६
 मोहनी पातर दू. ८१
 मोहिल कुवरानी दे० मोहिल रांणी ।
 मोहिल राणी दू. ३१२, ३१३, ३१४,
 ३२५, ३२८, ३२९
 मोहिलांणी (घोडे री ठकरांणी) ती. १६६
 मोहिलानी दे० मोहिल राणी ।
 म्रघावतीबाई (राजा जसिध री रांणी)
 प. २६७

य

यशोदा (राजा रायासिह की रानी)

दू. १३२

र

रगनिरत पातर ती. २११
 रगमाळा पातर ती. २१०
 रगराय पातर प ६१
 " " ती. २०६, २१०, २११
 रंगादे भटियांणी ती. ३१
 रभा दू. ३७
 रभावती (मोटा राजा री बेटी) दू. ६३
 रतनकवर जेसळमेरी ती. २०६
 रतनकुवर रांणी ती ३२
 रतनादे (किसनदास री बेटी) दू ६०
 रतनादे भटियांणी, राणी ती २६
 रतनावत राणी ती. ३१०
 रतनावती (पोहपसेन री पत्नी) प. १२४
 रघाय दू. १६, २०, २३, २५
 रांगादे, जसहङ्ग-भटियांणी ती. ३०

रांणीबाई (रात्र मालवे री रांणी) दू. ६१
 रामकंठर (कला री बेटी) दू. ६८
 रायकंठर भटियांणी, रांणी ती. २०६
 रामजोत खालसा ती. २१२
 रामीबाई ती. १३३, १३४
 रामोती खवास ती. २११
 राईकवरबाई (राजसिध री रांणी)
 प. ३०३
 राजकवर, मोटा राजा री बेटी प. २६
 राजबाई दू. ७२, ८५
 राजबाई भटियांणी प. २६
 राजां पातर ती. २१२
 राठयङ्ग दे० राठोड सती ।
 राठोङ्ग (राठोडली) ती. ६३
 राठोड सती दू ३२४, ३२५
 रायकवरबाई (सबळसिध री बँर) प. २६८
 राही ब्राह्मणी ती. २१२
 राह सहेली ती. २१२
 रत्नमावती बाई, राजा महासिध री रांणी
 प. २६७

रुठी रांणी दे० उमादेवी भटियांणी
 रूपकळी खालसा ती २०६, २११
 रूपमजरी पातर ती. २१०
 रूपरेखा सहेली ती. २०६, २१०
 रूपावे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मीदेवी ती २१५
 लखा मांगळियांणी राणी, दू ६१
 लजसी (तेजसी री बँर) प. १८३
 लवणकवरजी ती. २१०
 लग्न सगती ती २२२
 लाछ सगती ती २२२
 लाछाई वी ती. ३०
 लाछाई देवडी दू ७५, ७६, ७७, ७८
 लाडां भटियांणी, रांणी ती. ३०
 लालादे ती. २०६

सालां देवडी, रांणी ती. ३१
 सालां मांगळियांणी, रांणी ती. ३०
 लिखमांदि भटियांणी ती. २१५
 लिखमी ती. १०४, १०५
 लिखमी रांणी प. ३६१
 " " दू. १५३
 लीलादे मेहवची दू. ७५, ७८
 लूंगकुंवर, रांणी ती. २१०

व

वडकुंवार वेटी दू. २२७, २२८
 वडकुंवार ती. २५०
 वनां पातर ती. २११
 वहुजी ती. ८०
 वाघेली ती. ६३, ६६
 वारु पातर प. २१६
 विजनां ती. २१२
 विजी पातर ती. २१२
 विजकुंवर दू. ११०
 विनेकुंवर दू. ११०
 विमळादे रांणी दू. ५३, ७३, ७४, ७५,
 २८५
 वीरां हुलणी, रांणी ती. ३०
 वेणीवाई दू. १५१
 वजवर (रांणी अतभागवे) ती. ३२

श

शेळावतळी ती. ६३
 शेळावत रानी प. ३२३

स

सकांमी सहेली ती. २१२
 सजन भटियांणी दू. ६०, ६८
 सजनांवाई दू. ६८
 सजनां (राव मालदेव री वेटी) दू. ६२
 सतभामावाई दू. २५६
 सदां सवास ती. २११
 सदांमी ती. २१२.

सदांकुंवर ती. २७०, २७१
 सरकसळी ती. २०६
 सरसकळी पातर ती. २०६
 सरुपदे (कछवाही) ती. ३१
 सरुपदे गोहिलांणी, रांणी ती. ३०
 सरुपदे भाली ती. २१४
 सरुपदे रांणी दू. २६४
 सरुपां पातर ती. २११
 सांखली, सांखळात री वेंर दू. १८१
 सांखली ती. १४५
 सांखली, आना री वहु प. २५४
 सांखली, सुरतांग री वेंर प. २८२
 साहमती कछवाही ती. २१४
 साहिबदे तुंघर, रांणी ती. २११
 साहिबदे (दलपत री मा) दू. १३४
 सिणमारदे जेसळमेरी, रांणी ती. २१०
 सींघळ, खोचो वाघ री मा प. २५६, २५७
 सींघलियांणी प. २५६
 सीताई प. २२१
 सीतावाई बाहुमेरी दू. ८६, ८८,
 सीसोदणी ती. ८०, ८३, ८६
 सीसोदणी (राव मंडळीक री वेंर) दू. २०३
 सीहा री डोकरी ती. १२७
 सुंदर भुवा (मिचंद री भुवा) प. ३३८
 सुखविलास पातर ती. २११
 सुगणांदि सोडी, रांणी ती. २११
 सुघडराम सवास ती. २०६
 सुजांणवे (राजा सूरसिंघ री रांणी) दू. ११६
 सुपियारदे ती. ३८, १४१, १४२, १४३,
 १४४, १४५, १४६, १४७, १४८
 सुभविलास ती. २११
 सुरतांगदे देरावरी, रांणी ती. २११
 सुवळी सीसोदणी ती. २३
 सुहवदे जोईयांणी प. २५१, २५२
 सुहागण रांणी प. १३
 सूरजवे (राजा गर्जसिंघ री रांणी) प. २६६

सूरमदे सालली ती. ३०
 सेखावत प. ३२३
 सेखावत मोहल दू ११०
 संणी चारणी देवी प २०४
 सोडी दू ५८, ५९
 सोड (कूमा री बँर) दू २९७
 सोडी, पावुनी री ठकराणी ती. ७२, ७६,
 ७९
 सोडी राणी दू. ६०
 सोडी (रावळ सखणसेन री राणी) दू ४०
 सोडी (लाखा री बँर) दू २३२ २३३,
 २३४, २३५
 सोनगरी प. २०६
 सोनगरी ती ७, ८
 सोनगरी (कां.हृदये सोनगरा री बेटो)
 दू ४०, ४१, ४२
 सोनाबाई ती ५८, ५९, ६३, ६९
 सोना (मोहिल ईसरदास री बेटो)
 ती ३१
 सोभागदे चावडी (सोहोजी री भतेवर)
 ती २९
 सोभागदे भटियाणी, राणी (गगाजी)
 ती ३१
 सोभागदे (दुरजनसाल री राणी)
 प. ३२५
 सोळकणी (जदे री बँर) ती २५८,
 २५९, २६१

सोळकणी (जगमालजी री बँर)
 दू २८७, २८८
 सोळकणी (सावतसिध सोनगरा री बँर)
 ती २९१, २९२
 सोळकणी (सोहोजी री भतेवर) ती २९
 सोहदू रजपूताणी दू १४२
 सोहद्री भटियाणी, राणी दू. ११९
 स्वाळल री जाटणी प ३२४

ह

हसबाई, (राणा लाखा री राणी) प १५,
 १६
 हसबाई (राव लूणकरण री पत्नी)
 प. ३१९
 हसावळी राणी प. १२३
 हरखरेखा ती २०९
 हरखा (मोटा राजा री राणी) दू १३२
 हरजोतराय बझरण ती २११
 हरमाळा सहेली ती २०९
 हररेखा ती २०९
 हसती (हसणी, हसणी) खालसा ती २११
 हासाजी गहलोत, राणी ती २०९
 हाडी करमेती प. ५०
 हाडी, कला जगमालोत री बेटो प ५०
 हाडीजी राणी ती १३५
 हाडी ठाकराणी प ७५
 हरद दू १९, २०, २४, २५

[३] अश्वदि पशु नाम



अमोलक घोड़ो हू. २०३
 अरबी घोड़ो प. ६६
 उचासरो घोड़ो (उच्चैश्रवा) हू. २०३
 उजाळो-घद्येरो प. २४६
 एकलगिङ्ग-घाराह प. १७०
 एकलवाडुचर प. १७०
 एकल-सूकर प. १७०
 ऐराकी घोड़ो प. ६६, १०४
 " " हू. ७०
 " " ती. ४४, ११६
 कच्छी घोड़ी हू. २५७, २५६
 करहो-भीणो हू. २३३
 काछण-घोड़ी ती. २५७, २५६
 काछी खानाजाद (घोड़ी) ती. २५६
 काछी घोड़ो हू. २६४
 काळवीं घोड़ी ती. २४
 कोड़ीघन घोड़ो प. २७२, २७३, २७४,
 २७५
 " ती. ११०, १११
 खानाजाद काछी दे० काछी खानाजाद ।
 खासो ऊंड ती. १०६
 छुरीकार घोड़ी ती. ६६
 जूह वाकरो ती. २६०
 जेठी-घोड़ो हू. ३१४, ३१५, ३३५
 भाभो-घोड़ो प. २०६
 भीणो करहो दे० करहो भीणो ।

तेजल-घोड़ो ती. ६४
 दरियाई घोड़ो ती. २८०, २८१
 दरिया-जोइस हाथी ती. ६१
 नीली घोड़ी प. २६३
 नीलो (घोड़ो) ती. १२०
 पट-हसती हू. ४८
 पट्टाभरण हू. ५०
 पड़ोहियो घोड़ो हू. ३१८
 पांणीपंथो-घोड़ो हू. ५५
 पाटहड़ो-महुवो (घोड़ो) प. २७१, २७२
 बचियां रो घोड़ो प. २८१
 बांडो ऊंड ती. ७१, ७२
 बोर घोड़ी ती. २८१, २८३, २८४
 भुंवर घोड़ी ती. १५
 मृग घोड़ो (अग घोड़ो) ती. २६६, २७१
 मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६
 मोर घोड़ो प. ३४६
 " " हू. ३२५, ३२७
 सांप घोड़ी प. ३५०
 लाल घोड़ो हू. २०३
 लाल लसकर घोड़ो प. १०४, १०५, १०६
 लिखमो घोड़ी हू. २०३
 घटी घोड़ी प. २६३
 वेल भेंस हू. १३
 साहुलो भेंसो प. २१८
 सुपेद हाथी हू. ७०

२. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, आदि

अ

अंजार डू. २५५
 अतरगढो दे० अतरगढो ।
 अतरवेध प. ३३२
 अबली रो टुक प. ६६
 अंवाघ प. ४६
 अफेली प. १७६
 अखासर डू. १११
 अचलगढ प. १७७
 अजमेर प. २४, ३७, ३८, ५२, १८६,
 १६८, २५२, २८०, २६६, ३०३,
 ३६२
 „ डू. १०२, १५१, १५५, १६२,
 १६३, १६७, १७१, १७४, १८०,
 १८८, १८९, १९३
 „ ती. ६५, ६६, ६७, १७४, १८४,
 २१५
 अजमेरगढ ती. १७४
 अजमेरपुर प. १८६
 अजीतपुर दे० अजीतपुरी ।
 अजीतपुरी ती. २२३
 अर्जपुर ती. २१६
 अजोध्या प. २६२
 अटक प. ३००, ३१४
 „ डू. १६८
 अटबड़ी डू. १४५
 अटरोह प. ११६
 अटाळ चारणां री प. १७६
 अटाळ-भाटां री प. १७६
 अटाळी प. १८, २८२
 अणसलो (तिधाने का गढ) प.

अणदोर प. १६२, १७७
 अणघार प. १७६
 अणवांगो डू. १५७
 अणहलनगर प. २६१
 अणहलनगर दे० अणहलपुर-पाटण ।
 अणहलपुर पाटण प. २५८, २५९, २६०,
 २६१, २७१
 „ डू. २६६
 „ ती. २६, ४६, ५०, ५१,
 ५२, १७३
 अणहलवाडो दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहलवाडो-पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अभेपुर ती २१८
 अमोहर डू १०
 अमणेर प. ३४०
 अमरकोट दे० अमरकोट ।
 अमरपुर प. ३१६
 अमरसर प. २८७, ३१८, ३१९, ३३२
 अमरा अहीर री हांणी प. ३१८, ३१९
 अरजगियारो डू. ४
 अरजणी डू० ३६
 अरजियाणो प. १६५, ३३५
 अरटवाडो प. १६२, १७७
 अरटिमो डू. १६३
 अरणो प. ५२
 अरणोद प. १२८
 अरबह प. १८७, १८८, १८९
 अरोड़ डू. २८
 अरुंद प. १८७

अघाइनो प. १२८
 अघाहू दू. १४२
 अवेळ प. १७७
 अहनला दे० एहनळा ।
 अहमंदावाद दे० अहमदावाद ।
 अहमदनगर प. ३२६
 " दू. १८४
 " ता. २७२
 अहमदपुरी दू. २४१
 अहमदावाद प. ३७, ६७, २०८, २६२
 " दू. २०२, २०३, २०७, २०८,
 २५३, २६०, २६१
 " ती. ५३, ५६
 अहवा दू. १२
 अहाड प. ३३
 अहिचावो प. १७९
 अहिचावो-खुरद प. १८०
 अहिलाणी दू. १५३
 अहूर प. २४०

आ

आंतरगढो दू. १२, १४२
 आंतरवो प. ११०
 आंतरी प. ४२
 " ती. २३६, २४०, २४१, २४२,
 २४३, २४५, २४६, २४७,
 २४८
 आनापुर प. १७६
 आनावास दू. १६७
 आनो प. २८५
 आंबयळो प. १७४
 आंवरी प. ३२
 आंबलो दू. १७६
 आंबार दू. १८५
 आंबाव प. ४६, १५६
 आवेर दे० आमेर ।
 आवेरी प. ४४
 आवेलो प. १७७

आंबो दू. ८४
 आमरण दू. २४०
 आउग्रो प. १७८
 " दू. ८६
 " ती. २१५
 आउर नगर प. ५
 आउवो दे० आउग्रो ।
 आऊठ फोड-वंभणवाड दू. २३६
 आऊठ फोड सांमई दू. २१८
 आऊठ लाय सांमई दू. २३७
 आकडसावो प. २८२, २८३
 आकडावास दू. १८०
 आकळ दू. ४
 आकुवाई दू. ४
 आकेली प. १७६
 आकेवळो दू. १११
 आकोतो प. ४७, ५६
 आखूना प. १७६
 आगरियो प. २८५
 आगरो प. १८, ११२, ३३७
 " दू. १४७
 " ती. २८, १६२
 आघाट दे० आहाड ।
 आघाटपुर दे० आहाड ।
 आचीणो दू. १७२
 आजोर दू. २५४
 आभारी प. १७६
 आभारी-वंभणां री प. १७४
 आठफोट प. २७१
 आठांणो प. ६६
 आणंदपुर प. ७
 आधोत्तर प. ३४६
 आपुरी प. १७७
 आपू प. १३४, १३५, १४१, १४४, १५१,
 १७३, १७७, १८०, १८१, १८२,
 १८३, १८४, १८७, २५८, २७३,
 २७४, ३३६

,, बू ३४, ३८, ६८
 ,, ती १७४, १७५
 ग्रामव ती २४०, २४५
 ग्रामेर प २८७, २९०, २९३, २९४,
 २९५, २९६, २९७, २९८, २९९,
 ३२९, ३३०, ३३१, ३५६
 ,, ती २७२
 ग्रारली प १७६
 ग्रारम बू ६
 ग्रालमपुर-री मैडो प १२८
 ग्रालघाडो प १७५, २४८
 ग्रालासण प २४८
 ग्रालियो प १७७
 ग्रालोपो प १६२
 ग्रारठ कोड दे० ग्रारुठ-कोड सामई ।
 ग्रारवड सावड प ३६
 ग्रारवळ प १५८
 ग्रारसणीकोट बू ४, ८, ९, १०, ३८
 ११२, ११३
 ग्रारसणीकोनीट बू ४
 ग्रारसपुर प ३८
 ग्रारसरानडो बू १९०
 ग्रारसलकोट प २०२
 ग्रारसलघासी ती ५३
 ग्रारसलोई बू ४
 ग्रारसावस प १८०
 ग्रारसा-री-नाडो दे० ग्रारसरानडो ।
 ग्रारसाघाडो प १८०
 ग्रारसेरगड ती १७३
 ग्रारतो बू ४
 ग्रारतोप प २४०,
 बू १५५, १५६, १५७, १७०
 ग्रारहप बू ४
 ग्रारहाड प ९, ३२, ३३, ४३, ८०, ८१
 ,, ती १७३
 ग्रारहाळी बू ४
 ग्रारहुर प २४०

ग्रारहोर प ५, ७, ३९, ४२, २४०
 ग्रारहोरगड ती २१८

इ

इध्यापुर बू १७२
 इध्रवडो बू १७८
 इध्राणो प २३६
 इकुवरडा प १७८
 इटावो (मेडता रो) बू १८९
 इणगार प ३३१
 इसलामपुर कीसीयळ प ५२
 इसलामपुर मोही प ५२

ई

ईंदाघाटी बू ३०८
 ईंकड बू ४
 ईंकर प १, ३७, ३८, ३९, ४३, ४७,
 ५१, ८६, १४५, १४६, १५६, २४८,
 २८४
 ईंकर बू ५०, ८९, ९२, १७०, १७२,
 २५६, २७६
 ईंकरगड प ३७
 ईंढवो बू १७९
 ,, ती ११५
 ईंसवाळ प ४१

उ

उटाळो प २७
 उडवाडियो प १७५
 उडवाडो प २४७
 उगरावण प ९५, ९६
 उगरास ती ११०
 उजीण दे० उजण ।
 उजण प ३७, ९७, २०९, २११, ३४३,
 ३६०
 ,, बू ९०, १५९, १६०, १६१,
 १६३, १६७, १८०, १८३, १९१

उज्जैन दे० उज्जैन ।

उड़ प. १७४, १७६

उड़छो प. १२७, १२८, १२९

उतोसा प. १७७

उत्तर-गुजरात हू. २६६

,, ती. २९

उत्तर प्रदेश प. २१०

उदयपुर दे० उदयपुर ।

उदरा प. १७३

उदळियावास हू. ३६

उदीवस हू. १७०, १७१

उदयपुर प. १, ५, ८, ११, १५, २१,

२४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५,

३६, ३७, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३,

४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६,

५७, ६१, ६३, ६४, ८६, ९१, ९५,

९६, १२७, १५४, ३२२.

,, हू. ९५

,, ती. १७३

उदही प. २८७, ३०२, ३०६, ३११.

३२०

उनावो प. ४, १५

उनो हू. ८

उपमणो प. १७७

उमर प. ३३६

उमरकोट दे० ऊमरकोट ।

उमरणी प. १७८, २७२

उमरलाई हू. १८८

उरमाळकोट हू. २६२

ऊ

ऊंच-वेरावर हू. १८

ऊंताला दे० ऊंताळो ।

ऊंताळाव प. ५६

ऊंताळी प. ६६

ऊंतोळाव प. ३७

ऊंताळा दे० ऊंतालाव ।

ऊढसर ती. २२६

ऊदारी प. २४०

ऊदावतां-री-देवळी ती. २३७

ऊपरमाळ परगनो प. ४४, ५२

ऊपरकोट प. ३३६, ३३८, ३५५, ३५८,

३५९, ३६०, ३६१, ३६३,

३६४

,, हू. ६, ११, ३१, ३२, ३८,

४०, ७८, ७९, ८२, ८३,

८४, २२१, २६२, २६३

,, ती. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०,

१११, २५०

ऋ

ऋषिकेश (श्रावू, राजस्थान) प. १७८

ए

एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२, ३४,

३५, ४४

एलछ प. १२७

एवा-रो-परगनो प. ११५

एहमळा प. २१०

ऐ

ऐवडी-भाटां-री प. १८०

ऐहमंदावाद दे० अहमदावाद ।

ऐहमदनगर दे० अहमदनगर ।

ओ

ओईसां प. २३३

,, हू. ९६, ९७, १५९, १७०,

१७१, १७४, १८८

ओगरात ती. १०८

ओगो-भीम-रो प. ३९

ओडवाडियो-चारणां-रो प. १८०

ओडवाडो हू. ९१

ओडीह हू. ३२५

ओडीसो प. ८

घोडू प १७७
 घोडो डू. ६
 घोयसा दे० घोईसा ।
 घोरीसो प १७८
 ओलू प ४१
 घोळधी डू १४६, १४६
 घोळो डू ६, ६७
 घोसियां प ३३७, ३३६
 घोहलांणी इद्रवडो डू. १७८

क

कपकोट दे० कांघडकोट ।
 कपडकोट दे० कांघडकोट ।
 कघार प १८७, ३११
 „ डू २, १०२
 कवळपुर ती २१६
 ककु ती २३३
 कच्छ प ३६१, ३६४, ३६५
 „ डू ३७, २०२, २०६, २१२,
 २१४, २१७, २३०, २३७, २४२,
 २४३, २५२, २६६
 „ ती १७४
 कछ दे० कच्छ ।
 कछडनी प १२७
 कटक प १८७, २२७
 कटखडो प ११०
 कटहड प ३०६
 कठाड प ४७
 कणवण-वेवडोवाळो डू ३
 कणवार डू. १८७
 कणवारी ती २३२
 कणवारो ती २३२
 कणवीर प. ५३
 कणावड प २४७
 कणियागिर (जालोर) प. १८७
 कतर ती. २२७

कनकगिरि (जालोर) प १८७
 कनड ती २७६
 कनघज प ८
 „ डू २६६, २६७, २६६, २७४
 „ ती १७३, १६३, २०३
 कनघजगड दे० कनघज ।
 कनोडियो प ३५७
 कझीज दे० कनघज ।
 कपडघज दे० कपडविणज ।
 कपडविणज ती १७४
 कपासन प ३७, ५३
 कपासियो प १७५
 कपिलकोट प २६६ (दे० केसाकोट)
 „ डू २१६
 कपूरियो डू १५१
 कमळपुर ती २१६
 कमळांपावा ती १२३
 कमळो डू. १२
 कमा-रो वाडो डू १८७
 कमोल प. ४२
 करडो सत्ता रो डू ३३
 करणाट प २२१
 करणावटी ती. १५४
 करणीसर ती २२४
 करपू डू. १३८
 करनघास प २८५
 करनचगड ती. १७४
 करमतीसर प २३६
 „ डू. १६४
 करमावस प. २८, १६६
 करलो (?) प १०६
 करहर प. १२८
 करहुटी प १७५
 करहेडो प. ३७
 करहेडोगड ती २१८
 करडो डू १६७

करेभङ्गो ती. २२७
 करोली हू. १, १६
 कर्णाटक प. २२१
 कलदुवा प. ३२
 कळसकी हू. १११
 कळहटगढ ती. १७४
 कलाधी प. १७६
 कला-री-फोट्टी हू. १२७
 कलासर ती. २३०
 कळुंभी प. ४२
 कल्याणसर ती. २२७, २३४
 कवरला प. १७८
 कवळी हू. ११६
 कवीवो प. ३२
 कसमीर प. ८ दे० कासमीर ।
 कसूची ती. ११७
 कांगटो प. ३१६
 कांगणी प. ३१६
 कांगळ हू. १७६
 कांभरी हू. १८८
 कांगळ हू. ४
 कांगणो ती. १२६
 कांगणवद हू. ४
 कांगडफोट हू. २१४
 कांगनासर हू. ६, १२
 कांग हू. १
 कांगलो प. २४८
 कांगो ती. २१७
 कांगडो हू. १६२, १६६
 कांगसकराही प. ४७
 कांग-पहाडो-रो-सूवो प. ३१८
 काकरधो प. ४२
 काका हू. ३२
 काचालेडो हू. २२१
 काछ दे० कच्छ ।
 काछ-कालबर हू. २४३

काछो हू. २, ४, ७६, १८६, १६८,
 १६६
 काछोली प. १७४
 काठसी हू. १६६
 काठासी हू. १६३
 काठियावाड हू. २०२, २६६
 काठीपाह हू. २६०, २६१
 काठो हू. ३०७
 काणणा ती. २२६
 कावल दे० कावुल ।
 काविल दे० कावुल ।
 कावुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०
 " हू. ११८, १६४, १६८
 काभडो हू. १७४, १६२, १६६
 कायलांगो ती. १४८, १४६
 कारोली-भाटां-रो प. १८०
 कालंबर प. १३२
 काळंदी प. १३६, १४३, १४७, १५८,
 १६७, २४६
 काळंपरी दे० काळंदी ।
 कालंबर हू. २४३
 काळधरी दे० काळंदी ।
 काळवास ती. २२८
 कालांगो हू. १२५
 काळाऊ हू. ३०६
 काळिया-ठट्टी हू. १७६
 काळो-डुंगर हू. ४, १३, २७
 कासी प. २१६
 " ती. २६६
 कासमीर दे० कासमीर ।
 कासवरा प. १८०
 कासमीर हू. १५६ दे० कासमीर ।
 कासी दे० कासी ।
 काहूनी हू. ३१४
 " ती. ५
 किटांगो हू. १३६

किणमरियो प १२३
 किणसरियो ती १७३
 किरडो द्व. ६८, ११४, १२७, १५२
 किरतावटी ती १५४
 किरघाड ती २६८
 किराडू प ३३७
 किलाकोट दे० केलाकोट ।
 कियानणो प. २०
 किसमगढ द्व १७०, १७१, १७२
 ,, ती. २१७
 कीभरी द्व. १७४
 कीठणोद (कीटणोद) द्व. १८२, १८३
 कीतेर प ४२
 कुकण प ८
 कुच प १२८
 कुड द्व २३८
 कुडणो प २११
 कुडळ प १६६, २००
 ,, द्व १०६, १२१, १२६, १५४,
 १६४
 ,, ती. ७८, २८१, २८३, २८४,
 २८५
 कुवीरोह प. ३४६
 कुभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६,
 ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६,
 १३८, २०७, २१०, २८४
 ,, द्व १६६, १६४
 ,, ती ४७
 कुभांणो ती. २२८
 कुभाद्यत प. २४८
 कुभार-रो कोट द्व ५
 कुछारु द्व ४
 कुडकी प ३०३
 ,, द्व १४७
 कुडळें गुळाई द्व २३८
 कुरडो प २५

कुराज प ४७
 कुळयांणो प १६३
 कुळदहो प. १७६
 कुळघर द्व ८
 कुसमळो द्व १०४
 कुहड द्व १५१
 कुहाडियो प. ४२
 कुळडी द्व. ३६, ४३
 कुजावाडो प. १७६
 कुडळ दे० कुडळ ।
 कुडणो द्व. १८३
 कुडाळ प ४५
 कुडोरी द्व २६३
 कुपडावास द्व १५०
 कुपावास द्व. १८२, १८३, १८४
 कुपासर द्व. ७६, १३६
 कुमळमेर दे० कुभळमेर ।
 कुवीरो प ३४६
 कुचमो प. १७६
 कुडणो प. २०६
 कुडो प. ११६
 ,, द्व १६५
 कुवसू ती २२६
 केकडी प २७६
 केदार प ८
 केदार (केदारनाथ) द्व २०४
 केरभळ दे० करेभळो ।
 केरभळो दे० करेभळो ।
 केरडू ती ११०
 केराकोट प २६६ (दे० केलाकोट)
 ,, द्व. २१६ -
 केलणसर ती २२६
 केलवाडो प ४२
 केलवो द्व. २२०
 केलाकोट द्व २१६, २२५, २२६, २२८,
 २२९, २३१, २३३, २६६

केलावो दू. १५७, १५८, १५९
 केवडो प. ३५
 केसुली प. २८५
 केहरोर दू. १०, १७, ११५, ११७,
 १२०
 कैर प. १७४
 कैरलो प. २३५
 कंठ दू. १४२
 कंलघो प. ६, ४०, ६६
 ,, दू. २२०
 कंलावो दू. ८० टो० केलावो ।
 कंलाहकोट प. २६६
 कोजडो प. १७६
 कोटडो दू. ४, ७७
 कोटडो प. ३२, १७८, ३३४
 ,, दू. ५, ६, ८, ११, १३, ६७, ६८,
 ६९, १२६
 ,, ती. ३, ४
 कोटहडो दू. ११
 कोटा दे० कोटो ।
 कोटो प. ४४, १०१, ११०, ११४,
 ११५, २५३
 कोठारियो प. ३७, ४४, ४७
 कोडमदेसर ती. १६, १८१
 कोडियावास दू. ८
 कोडियासर दू. ६८
 कोडोवास दू. ६
 कोडणावाटी प. २४२
 कोडणो प. २४२
 ,, दू. ६६ १००, १०२
 ,, ती. ८७, २५६, २६१
 कोदमियो प. १०५
 कोरटो प. १६२, १७७
 कोरणो प. २३६
 कोसर दू. ३३०
 कोत्रियासर दू. १३६

कोडीसिध प. १५१
 कोळू दू. ४
 ,, ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७
 कोसीयळ प. ५२
 कोसीयूर प. १००
 कोहर दू. ३२
 ,, ती. २२१
 कोरपुर दे० खेड़ ।
 ख
 खंडरगढ प. ४७
 खंडेलो प. ३२०, ३२१, ३२२, ३२३,
 ३२७
 ,, ती. २१७
 खंडेलो-रंवासो प. ३२०
 खंडोखली दू. १३६
 खंधार दे० कंधार ।
 खंभणोर दे० खमणोर
 खखर-भखर प. २६, ४६
 खजवाणो दू. १२२
 खजूरी प. ११७
 खटखट प. ११३
 खटोटी दू. ६६, १६३
 खड्यळोदो प. १८०
 खडाळ दे० खाडाळ ।
 खडीण दू. ४, ५
 खटोरां-री-गाव दू. ४
 खत्रियावाळो दू. ४
 खनावडी ती. २३६
 खमण प. ४१
 खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८
 खरणो दू. ८
 खरड दू. ३, ११, १२, १६, ११३,
 ११६, १४०, १४१, १४३
 खरड-केल्हणां-री दू. १६, १४२, १४३
 खरड-मुधरो दू. ११, १६
 खरडो दू. ६०

खरदेघळो-भाट-रो प ६१
 खघात-रो-गांघ दू. ४
 खांडप दू १८७
 खाडापत-बाभर्णा रो प १८०
 खांडार दू ८
 खाण प १३६
 खाणा प १८०
 खांभळ प. १७६
 खालरघाडो प. १७४
 खाटहडो दू ३१
 खादू प २५१
 खाडाळ दू ३, ४, ८, १७, १८, २६,
 २७, ३१, ३२, १०३, २६१
 खाडाळो प १६४
 खाडाहळ दे० खाडाळ ।
 खातासेडो प ११५, २५२
 खावड दू १२६
 खारडी प २४२
 खारवारो दू १११
 ,, ती. ३७
 खारवो दू १२५
 खारियो प ३६१
 ,, ती २३६
 खारोंग दू ८६, ८७
 खारो प २४८
 ,, दू ४, ३१, १७४, १८६
 खारो खावड प ३३७
 खारो दू १०८, १४८
 खिणियो प ६०
 खिराळ प. २३६
 खोंदासर दू ३६, १२३
 खोंबलसर दू ४
 खोंबलो दू. ८४
 खोंबसर प. ३४१, ३४७
 ,, दू ६२, १४५, १४८, १६०
 खोंबो दू ५

खोचवद दू ७७
 खोचोघाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५
 खोनावडी दू ८१
 खोमत प १७५
 खोरद दू ४
 खोरवारो दू ११
 खोरवो (खोरवो) दू १२, ११६, १४२,
 १४३
 खोरोहरी प २४०
 खुपु प ७३, ८८
 खुटहर रो मंडो प १२८
 खुडियाळो दू १७१
 खुडियो ती १६
 खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १६१,
 ३३३
 ,, ती ५५
 खुराडो-भाटा-री प. १८०
 खुरासाण दे० खुरसाण ।
 खुरासाण दे० खुरसाण ।
 खुहियो दू ३१, ३२
 खुटलो दू १७१
 खूहडा, दू ४
 ,, ती २२२, २३१
 खेजडली प २३३
 खेजडलो दू. १४५, १४७, १४६
 खेजडियो प १६२
 खेड प ३३३, ३३४
 ,, दू ३८, १३०, २७८, २७९, २८०,
 २६०, २६१
 ,, ती १७३
 खेड-पट्टन दे० खेड ।
 खेड पाटण दे० खेड ।
 खेतपाळिया-रो गाव दू ६
 खतसी रो गुडो दू १७३
 खेतासर दू १५६, १७६
 खेरडी दू २२६, २२७, २३०
 खेरवारो प ४४

खैरवो दू. १६२, २६४
 खैराबद प. ११०, ११४
 खैराबाद ती. २१६
 खैरीगढ प. २१०
 खोखरांगो दू. १११
 खोखरियो प. ६०
 खोखरो दू. ६५
 खोखड़ी प. १७६
 खोखोली प. १२७
 खोड़ प. २१०
 खोड़ादरो प. १८०
 खोटाबळ दू. ६८
 खोह प. ३०७, ३०६, ३२३
 खोहरी प. ३२३

ग

गंगादास-री-सादय़ी प. ४३, ४६
 गंगारडो ती. ११६, ११८
 गंगावाळी दू. १६०, १६१
 गजनी दू. १५, ३४, ३५, ६७
 ,, ती. १८३
 गर्जसिधपुरी दू. १५१
 गजियो दू. ४
 गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ ।
 गढ बंधव प. १३२
 गढ रिणभोर प. ३७
 गढिया दू. ८६
 गढी दू. १६६
 गणकी-भाटां-री प. १८०
 गणोडो ती. १६०
 गमण प. ४१
 गरभवास दू. २६१
 गरघो प. २१
 गर्लाणयो प. २११
 गळयळ प. १७६
 गलापडी दू. ५
 गळियोकोट प. ८४, ८५
 गांगरडो प. ३०४

गांगाहो दू. १००
 गांगुरण दे० गांगुरण ।
 गांगेरो प. ७०
 गांधवात दू. १७२
 गांधी प. २८५
 गामटाणो दू. १५१
 गामरोनगढ ती. २०६
 गामुरण प. ११३, ११५, २५२, २५६
 गामूरण प. २५२
 गादेरी (लवेरा री) प. २३८, २३६,
 २४०
 गाहिडवाळो दू. २, ३३
 गिरनार प. २२
 ,, दू. १, २०२, २०४, २०५,
 २०६, २२०, २४०
 गिरराजतर दू. १३६
 गिरवर प. १५८, १७४
 गिरवार प. ३२
 गिरवो प. २१, ३६, ६१, ६२
 गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर
 गींगोळ प. १७६
 गींघाळो दू. १७६
 गुडयांण प. ११३, ११५
 गुजरात प. १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२
 ८६, १०६, १३२, १३६,
 १४२, १७२, १८५, २१३,
 २१५, २२७, २३६, २४४,
 २६२, २७६, २७८, ३००,
 ३०२, ३३१
 ,, दू. २६, ३८, १४६, १५८, १६३,
 १७६, १८२, १६८, २०२,
 २०४, २०५, २२०, २४०,
 २५७, २५८, २६६, २७६,
 २८७, २६६, ३०७
 ,, ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५,
 ५७, १३६, १७४, १८४,
 २८०, २८१
 गुजरात (पंजाम) प. ३००

गुज्जर वू ३८
 गुडो ली. २२२
 गुडो प. ४२, २०६
 " वू. ६४, १४७, २८५, ३००
 गुनोर प. १२७
 गुलाई वू. २३८
 गुत्तियो वू ८
 गुहीली प १७६
 गुगोर प ११५, २५२
 गुड प. १२८, १३१
 गुडसवाडो प १७५, १७६
 गुडो दे० गुड ।
 गुदसच दे० गुडोच ।
 गुवावरो प. १७८
 गुवाळी प ४२
 गुवीच प २११
 " वू. १६३, २६३
 गुजर प. २७८
 गुजरखड प. १८७
 गुजरघरा प. २६०, २६१
 गुदो प. १६६, २५३, ३४४
 " वू १४७, १६०, १८६, २८०, २८५
 २६६, ३००
 " ली. १८
 गुंडाप ली. ३२६
 गुंमलियावास वू. २६४
 गुंमल्यावास ली. २३५
 गुंहलोडावाळो वू. १३५
 गुमोड पृ. १२८
 गुस्सम प. १६०
 गुकर्ण दे० सांस्कृतिक नामावली में ।
 गुगलीसर वू. १३५
 गुधेलाव वू १६३
 गुठियो प. ६२
 गुठोळाव प. ६४
 गुडवाड दे० गोडवाड ।
 गुडो-भीम-री प. ३६

गोडलो प. २८५
 गोडवाड प. ५३, ५५, २८५
 " वू. १५३, १६८
 " ली. १७३
 गोपावस वू १६३
 गोपदी (सिर्वाणा री) प २३८
 गोपलदे प. ११५
 गोपीमरियो वू. १६०
 गोपव वू. ४
 गोपवपुर प. १७६
 गोपव-रो-वाडो प २३३
 गोरहर वू. १२६
 गोरहरो वू. ६, ७७
 गोरोसर ली. २३१
 गोरोटी वू १६
 गोलाहाली (गोलावासणी) वू. १६८
 गोवस प ३६०, ३६१
 गोवोल प. १८०
 गोहिल टोळो प. ३३५
 गोही वू ४
 गोहुवाळ ली. १३५
 गोडवेदा ली. २६६
 ग्यासपुर प. ६०, ६१
 घावधी वू ७६, ७७, १३६
 ग्वालियर प. १२८, १३१, २८६, २६०,
 २६३, ३०३
 " वू. २५६
 " ली. १८३
 ग्वालेंर दे० ग्वालियर ।

घ

घटियाळी वू. ४, १२, ३४२
 घमोल वू ७६, ६७
 घांघाणी ली. ६०
 घांगत प. १७४
 घाणेर प. ३६

घांजेराघ दे० घांजेरो ।
 घांजेरो प. ४१
 घांजा प. १७८
 घांजेरा ती. ४२
 घांमट दू. ५
 घांतिर प. ४१, ४७
 घांघेडो प. १२८
 घाटी प. ११४
 घाटी प. ४०
 घाटोली प. ११४
 घीघालियो दू. १८०
 घूंघरोट (घूंघरोट) प. १६४, १६५,
 १६६
 " दू. २६०, २६१,
 २६४
 घोघूंघ प. ४२
 घोघूंघो प. २६, ३०, ३५, ३७, ४२,
 ४६, ४८
 घोहाहड़ दू. १४८
 घोटाहड़ो दू. ४
 घोसमन प. ५३

च

चंग दू. ६६
 चंगावडो दू. १७२
 चंडालियो दू. १७०, १७२, १७३
 चंडावळ प. २६
 " दू. १४६
 चंडाघो ती. २३४
 चंदावतो प. ३६
 चंदेरियां-रो-गांव दू. ८
 चंदेरी प. २०
 " ती. २१८
 चंद्रावतो प. १३५
 चंवरगाढ प. १२७, १२८, १३१
 चनार प. १७४
 चरहाडो प. १७७

चवदं-चाळ प. २८७
 ,, ती. १७०, १७१
 चवदं-चाळ-दुंढाहड़ प. २८७
 चवदं-चेटी प. ३६४
 चवरासी दे० चीरासी ।
 चवरो प. २३४
 चवाडी प. २३३
 चांदण प. २४७
 चांदरस दू. ११६
 चांवन दू. ३६, ४३
 चांघणो दू. ७४
 चांघानेर ती. २५, ५५, १८३
 चांघातर दू. ४, १४६, १६३, १७५
 चांघोल प. १७५
 चांघडियाल दू. १६६
 चांमूं दू. ६७, ६२, १२५, १६०, १६७,
 १७५
 चाखू प. ३५०
 चाखू दू. १२३.
 चाचरडो प. १७४
 चाचरणी प. २५२, २५६, २५७
 चाटली प. ३५४
 चाटसू प. २८७, २६२
 चाडी दू. १२२, १३८, १४२
 चारण-खेडो प. ६१
 चारणवाळो दू. ३६
 चारणां-चांभणां-रो-सांभण प्रदेस प. १७३
 चावंड प. ३५, ३७, ४३, ५७
 चावंडरो प. २८५
 चावळो दू. १८१
 चाहड़ दू. ४
 चाहिल ती. १७
 चित्तौड़ दे० चीतोड़ ।
 चित्तौड़गड़ दे० चीतोड़ ।
 चित्रकोट प. ८
 चित्रांगलस दू. २५

चिनडी दू १७२ /
 चिहू दू १३६
 चीलखो व. ३२
 चीताखो व ६५, ६६
 चीतोड प ३, ५, ६, ८, ९,
 १२, १३, १४, १५,
 १६, १७, १८, २०,
 २१, २४, २६, ३०,
 ३२, ३७, ३८, ४४,
 ४८, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५६,
 ६२, ६६, ६७, ७०,
 ७६, ८०, ८१, ८१,
 ८२, ८८, १०२, १०३,
 १०४, १०५, १०६, १०७
 १०८, ११०, १११, १२०,
 १२५, १५६, १८६, २०५,
 २४३, २७६, २८०, २८१,
 २८२
 , , दू १४५, १५३, १५८, १८१,
 २६२, ३३१, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३७, ३३८, ३३९
 , ती ५, २८, ५५ १३६,
 १४६, १७३, १८३, २४१,
 २८१

चीतोडगड व. १८६
 चीत्रोड दे० चीतोड ।
 चीत्रोडगड दे० चीतोड ।
 चीमडी प २४०
 चीम्हो दू ३१
 चीबागाव प १७७
 चीमणयो ती २३३
 चीरखो प ४४
 चीवळी प १७७
 चीहरडा प. १७८
 चीहळी प. ४७

घुडियाळो प १७६
 घूडासर प ३४७
 ,, ती १८१
 घूडो रांगपुर दू २५६, २६०
 घूर्नागो व. १७४
 घुनी दू १२
 घूहडसर दू १११, १२५
 घेढो दे० घवई-घेढी ।
 गेलावस प १७६
 गैराई दू ६५, १६८, १७०
 गोकोगड प १२७
 गोलावसणी दू १४८
 गोचरो दू ६
 गोडोलो दू १३८
 गोपडा दू १५३
 ,, ती ८४
 गोपडो दू १४८, १६७, १७८, १८१
 गोरवाड दू. २०२
 गोळी-मणेर प ७६
 गोलेर प ४७
 गोहटण प ३६४, ३६५
 , दू ५, १२६
 गोहटण दे० गोहटण ।
 गोहडा दू १६४
 गोकडो दू १४८
 गोराली प २५०
 गोराली भाद्राजण री ती २५६, २६२
 गोराली मिलक-री प ८०, ८१, ८२
 गोराली रतनपुर-री प ४४
 ग्यार-छपन प. ३६
 छ
 छडाणी दू १८२
 छतीस पवन प १२४
 छपन प ४३
 छपन-चावड (छपन-चावड) प ४३
 छपन रा-गाव प. ३६
 छमीछो ती. ५६

छहोटण वे० चोहटण ।
 छाईयो दू. २२१
 छाकैरलो प. ४७
 छाद्योळाई दू. १८७
 छापर दू. ३२४, ३२५
 ,, ती. १५३, १५४, १५६, १५६,
 १६१, १६२, १६३, १६५,
 १६६, १६७, १७१
 छापरोलो प. ३२
 छापुर दे. छापर ।
 छाकू दू. १२
 छाळी-पूतळी प. ३८, ३६, ४३, ४७
 छाळी-पूतळी-राणां-री प. ३८, ३६
 छाळी-पूतळी-रा-मगरा प. ४३
 छाहोटण दे. चोहटण ।
 छिपियो ती. २३६
 छीलो दू. १६३
 छेलपुर प. २५३
 छोडो दू. ४
 छोहलो प. ३४६

ज

जंगळघर ती. २०७
 जगडवास प. ३२८
 जगतहर-रो-परगनी प. १२७
 जगदेवाळो दू. १११
 जगनेर प. ४३, ४७, ११०
 जगियो दू. ४, ५
 जगू दे० भूभू ।
 जडियो प. १७६
 जतहर दे० जगतहर-रो-परगनी
 जयलो प. ६५
 जमखद ती. २१४
 जयपुर दे० जेपुर ।
 जरगो प. ४२, ४३, ११६
 जळखेड-पाटण ती. २१८
 जघनपुर प. १८
 जवाच दे० जवाच ।

जवाच प. ३८, ४३, ४७
 जसखेड-पाटण दे० जळखेड-पाटण ।
 जसरासर प. ३४६
 जसवंतपुरो प. २०४
 जसूवेरो दू. १३६
 जसोदर प. १७६
 जसोल ती. २२०, २२१
 जसोळाव प. १७६
 जहाजपुर प. ३८, ४७, २७६, २८०
 ,, दू. २६३
 जहांनावाद दू. १०५
 जांगळ प. ३४४, ३४५, ३४६, ३४७,
 ३५२, ३५३
 ,, दू. ३००, ३०१
 ,, ती. २८
 जांभोरो दू. ६
 जांणां ती. २२३
 जांणावाडो प. १७८
 जांनड दू. ६
 जांनरो दू. ६
 जांनो प. ४३
 जांभ-रो-गुडो प. ३५०
 जांभ-घाघोडे-रो-गुडो प. ३५०
 जांमेळाव दू. १२३
 जाकरी ती. २३३
 जाखवर प. १८०
 जाखोरो ती. ४१
 जाजपुर प. २७६, २८०
 ,, दू. २६३
 जाजीवाळ दू. १८५
 जाटीवास दू. १७३
 जाडो दू. २५०
 जादवस्थळ दू. ३
 जामनगर ती. २६
 जामोतर प. १७७
 जायल प. १८०, २५०, २५१, २५२,
 २५३

जायलवाडो ती १७४
 जारोडो प. ३८
 जालधर प. ८
 जालिना वू. १६३
 जालसू ती. ११६
 जालिघो वू. ५
 जालीवाडो प. ७५७
 जालेली वू. ६, १६३
 जाळोर प. १४, १७, २५, ३७,
 ६०, ६१, १३५, १३६,
 १४६, १४७, १६१, १६२,
 १७२, १७३, १७८, १८१,
 १८७, १८४, १८५, १८६,
 १८८, १८९, २०३, २०४,
 २१२, २१३, २१६, २१७,
 २१८, २२०, २२२, २२४,
 २२६, २३०, २३१, २३४,
 २३५, २३६, २३९, २४०,
 २४१, २४५, ३३६, ३६१
 ,, वू. ३६, ४२, ६१, ६७,
 १४६, १४८, १५०, २६०
 ,, ती. २८, १२४, १८४, २१४,
 २८०, २६१, २६२, २६३,
 २६४
 जातहकुडो प १७६
 जातहणो वू १६३
 जायव प. ४७
 जायद-नहराय प ४७
 जायद प. ३५, ४३
 जावाळ प १७६, १७७
 जासातर ती. २३२
 जाहडेवेटी प. १७६
 जालिपाकी वू. ४
 जोरण प. ५३
 जोरावळ प. १७५
 जोरोतरो प. ४७

जोतगरी प ६०
 जोतवाडो प. ३६, ४०, ४१, १११
 जोळी ती. २३३
 जोहरण प २७, २६, ४८, ५३,
 ६२, ६३, ६४, ६५
 जुट वू. ६६
 जुहलो वू १५०
 जुडियो-तेवडो वू. १३६
 जुणलो ती. २३६
 जुवावरो प १८०
 जुम्भणू ती. १६२, १६३, २७३
 जुम्भो वू १६६
 जुडो प ४६
 जुड वू १५६, १६६
 जुनागड वू. १६
 ,, ती. १७४
 जुनी प. ३३७
 जेबाघ वू. ३६
 जेराहत वू ४
 जेतळगिर वे. जेतळमेर ।
 जेतळमेर प २२, १४७, २०६, २०७,
 २३२, ३३४, ३३५, ३४६,
 ३५२, ३५५
 ,, वू. १, २, ३, ४,
 ५, ६, ८, ९,
 १०, ११, १२, १३,
 १४, १५, १६, २७
 २९, ३१, ३२, ३४,
 ३५, ३६, ३८, ३९,
 ४२, ४३, ४४, ४५,
 ४६, ४७, ५०, ५३,
 ५५, ५७, ५९, ६२,
 ६३, ६४, ६५, ६७,
 ७२, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ७९,
 ८०, ८१, ८२, ८३,
 ८४, ८५, ८७, ८९,

६१, ६३, ६४, ६५,
६७, ६८, ६९, १००,
१०२, १०३, १०४, १०५,
१०६, १०७, १०८, १०९,
११०, १११, ११२, ११४,
११८, १२६, १२२, १४७,
१५२, १६२, १६६, १६७,
१६८, २६१, २८०, २९०,
३००

, ती. २६, ३३, ३४, १८३,
१८४, २०६, २१५, ६१७,
२२०, २२१

जेसळां (जेसलां) हू. १६०

जेसांण, जेसांणो दे. जेसळमेर ।

जेसावस हू. १७३, १८७

जेमुरांणो हू. ४, ८, १३, १४४

जेसकोट प. २०२

जेसपुर ती. १७, १८, २३०

जेसपुरो ती. १७

जेसवाढो प. १५८, १७५

जेसतारण प. ६२, ८६, ८८, २६४

, हू. १४८

, ती. ३६, १४१, १४५, २३५,
२३६

जेतोवास हू. १५०

जेपुर प. १७, ३११

जेवांघ दे. जेवांघ ।

जेराहत हू. ४, १००

जोगणपुर हू. ६५

जोगाळ हू. ६१

जोजावर प. ३७, ५२, २०२

जोतपुर प. १७५

जोवपुर प. २५, २६, २७, २८,
३७, ८६, १०१, ११४,
१३०, १३६, १४२, १४४,
१४७, १५३, १५८, १६०,

१६१, १६२, १६४ १६५,
१६६, १७०, २०७, २०८,
२०९, २३३, २३७, २४०,
३०६, ३०९, ३१०, ३११,
३१४, ३१६, ३१७, ३१८,
३२०, ३२२, ३२३, ३२४,
३२८, ३४२, ३४६, ३४७

, हू. ३३, ३८, ३९, ५३,
६६, ७७, ७९, ८०,
८१, ८४, ८६, १००,
१०५, १०६, ११० ११६,
१२२, १२३, १२५, १२८,
१३८, १४५, १४६, १४७,
१५१, १५६, १६१, १६४,
१६५, १७३, १७५, १७६,
१७९, १८०, १८२, १८६,
१९०, १९४, १९६, २६३,
२६४, २७७

, ती. १२, २८, ३४, ८०,
८१, ८३, ८४, ८६,
९०, ९२, १००, १०१,
१०२, १०४, ११५, ११८,
१२१, १२२, १२०, १८१,
२१३, २१४, २१५, २१६,
२१७, २३५, २३७

जोषटावांस हू. १७३

जोवनेर प. ३३०, ३३१

जोळपो प. ११६

ज्याकरी ती. २३३

भ

भम्हू हू. ३६, १७७, १७८

भम्हो हू. ३२

भारहर प. ३०७

भररो हू. ४

भांवर-घाळां-रो प. १७६

भांभण दू २
 भांभमो प ३३७
 भावटो प १७६
 भातनाळो प ४१
 भाडलड दू ३८
 भाडहर दू १२, १४२
 भाडोल प ३६, ४२
 " दू २६३
 भाडोनी प ४६, १७३, १७७
 भात प १७६
 भातावाळी-सावडी प ५
 भातावाळी देलवाडो प. ४४
 भालावाड दू. २५८, २६२
 भालावाड-छोटो दू २६२
 भावल ती २२
 भोंपडो प २२३
 भुभुवाडो दू २६०
 भुवडाखेडो प ४७
 भुठाडियो दू १८१
 भुरो दू ३६
 भेरडियो प २२८
 भोरा मगरा पट्टो प १७६
 भोरो प १७३, १७६
 ट
 टगरावती प ४२, ४६
 टमटमो प १७६, १७६
 टारुरो प १७५
 टावरियावाळो दू. १३५
 टोकली प ३२
 टोबडो दू १७३
 टोमो दू ६
 टोवरियाळो दू. ४
 टूक प ४७
 टेडयो दे. टंहिया ।
 टेहियो दू ४, ६, १०३
 टोकल प. १५८
 टोडो प १७, ४७, ६१

ठ

ठरडो दू ८४

ड

डमाणी प १७५
 डगिरा प. २४०
 डगरी दू ६
 डामर दू ४, १५५, १६०, २६१
 टाक प १७५
 डामर प ४७
 डामडी दू. १५६
 डामतो दू. २, ४, १०
 डाल्ल प ५
 डोघाडी प. १७७
 डोडलोद प १७७
 डोडवाणो प. ३२४
 " दू ६, ३०८, ३२८
 " ती. ६५
 डोडवाना दे. डोडवाणो ।
 डोवजाळ दू. १११
 डुगरपुर प. १४, २६, ३५, ३७,
 ३८, ३९, ४३, ४६,
 ५३, ७०, ७१, ७५,
 ७७, ८०, ८१, ८२,
 ८४, ८५, ८६, ८७,
 ८८, ११६ १२१
 " दू. १६३
 " ती २२६
 डुगरी प. १७६
 डुगरो-देस प ४३
 डेडुवा प. १७६
 डेह दू १५७
 डोमरी दू. ६७
 डोडवाडो प २५३
 डोडियाळ प १४७, १६०
 " ती. १२४, १२५

७

ढाकसरी	प. ३४७
ढाको	ती. १४
ढाहो	प. २८, ३२३
डिलडो	प. १८
डिली	दे. दिल्ली ।
डोंकली	डू. ६६
डोंगसरी	ती. २२५
डोकाई	डू. १६१, १६७, १७१
डूढाड	प. १८७, २६३, २६५, ३४२
"	डू. ३१५, ३३५, ३३६
डूढार	दे. डूढाड ।
डूढाहुड	प. २८७
डोज	प. ४२
डोलाणो	प. २८५
डोहो	प. ३२३

त

तई-धईतरो	डू. ४
तडूयो	प. १७४
तणणो	डू. ११६
तणुकोट	डू. ३
तणुसर	डू. ४
तणोट	डू. ४, १०
तणोटकोट	डू. १७
तलवाडो	ती. ३
तलावस	प. ११७
तानाणो	डू. १४२, १४३
ताणो	प. ३७
"	डू. १५३, १८१
तानो-सोळकी-मला वाळो	प. ३४२
तानुवास	प. २३३
तानुवास	प. २३८
तांबडियो	डू. १६६, १८२, १६५
ताडतोली-वांभणां-री	प. १८०
तालियाणो	प. २४०

ताळो	प. ३१८
तिघरो	डू. १८६
तिपमो	प. १८०
तिमरणी	प. १६७, २३३, ६
"	डू. १४८
तिमरली	दे. तिमरणी ।
तिलंगाण	प. ८
तिलवाडा	दे. तलवाडो ।
तिलवाडा-फेवर	डू. २८४, २८५
तिलवाडो (मालाणो)	डू. १३०, २८५
"	ती. ३

तिलावली	प. ३४०
तिलाणिस	डू. १५६
तिसीगडो	डू. ४१
तिहाणवेसर	ती. २२७
तीतरडो	प. ३२
तीतरी	प. १७६
तीस-रा वाणडियां-वेवड्यां-रो-जतन	प. १७३, १७८

तुंड	प. २४७
तुवरं	डू. १४८
तेजसी-रो-गांव	डू. ४
तेलपुरो	प. १७३
तेसियाणो	प. २४०
तोडडो	प. २८०, २८१
तोडो	प. ४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१
"	डू. १५५
तोडो-मायरचाळ-रो	प. २८०, २८१, २८३
तोडो-मोंव-रो	प. ३०१
तोसोणो	प. ३४३
अंबक	प. १, १२२

त्रिकुट दू. २४२
त्रिकोणगढ (सका) दू. ३६
त्रिगठी दू. १६६
त्र्यम्बक वे. प्रबंधक ।

थ

थटो प. ६०, २६२
" दू. ३२, ८०, ८२
" ती. २८०, २८१
थट्टा वे. थटो ।
थम्कडो दू. १६०
थळ दू. २, ३१, २८५
" ती. ६५, ६६, १०३
थळघट दू. ३२०
थळो प. १७५
" दू. ३२३
थळडो प. १६४
थहीयाघत दू. ४
थान गांव दू. २८४, २८५
थालनेर प. १२९
थाघर प. १७८
थाहर-वासणी दू. १८७
थाहरी दू. १६८
थिराव प. १७२
थूर प. ३२
थुळायो दू. ५
थोम दू. ६०
थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दतारखो प. १७८
दतीवाडो प. ३६२
दक्षिण (प्रवेश) प. १८५
दताणी प. २३, १५०, १६६, १७५
ददरेरो ती. ७२, २७३
ददरेरो वे. ददरेरो ।
दभोड प. १२८

दमोई प. १२७
दमोदर दू. ४
दलोत प. ३८
दलोत-कलोत प. ३८, ३९, ४३, ४७
दसाडो दू. २६१
दसोर प. ३७, ३८, ६४
दहवारी प. ३२, ४३
दहियाघत प. १८७, २४८
दहियाघतरी वे. दहियाघत ।
दहोपडो प. २३३
" दू. १८२, १८३
दहीपडो वे. दहोपडो ।
दहीगांव प. २४७
दहोसतोप दू. ६
दांतणियो प. २४१
दांतीवाडो प. १५१, १५२, ३६२
" " दू. १४६
दांमण प. २१२
दागजाळ दू. ६
दिलण (वेश) प. २३४
दिलडो प. १८
दिली वे. दिल्ली ।
दिल्ली प. १८, ५८, ५९, ७०,
८२, १८०, १८५, २०४,
२२४, २९२
" दू. १५, १६, ५६, ६५,
६९, ७४, ७५, २८२,
२८३, २८५, ३०२, ३०८
" ती. ५३, ५५, १०२, १५१,
१६२, १७४, १८३, १८५,
१९२, २३८, २४३
दिहायलो प. १२८
दीव बदर ती. ५६
दुकोत प. २५३
दुजाघर दू. ४
दुजासी दू. ४
दुणियासर ती. २३०

पुजोद प. १७६
 धुरंगगढ ती. १७३
 दुत्तारणो ती. २३१
 धूणपुर झ. ६३, ३२५
 ,, ती. १०१, १५१
 धूवमड प. ३१
 ,, झ. १४६
 धूवोड प. ३१
 धूनाडो प. २३३
 धेछ प. २११, ३६२
 धेदपुर प. १५८
 धेदापुर प. १७५
 धेवाहर झ. १११
 धेपारी झ. १३६
 धेपारो प. १२४
 धेरावर प. १२२, १२३, २५३
 ,, झ. १०, १८, २१, २२,
 २३, २५, २६, ३०,
 ७६, ६३, ६६, १०८,
 ११४, ११५, ११६, ११७,
 ११८
 ,, ती. ३४, १७४
 धेरासर झ. ४
 धेलवाडो प. ३४, ४४, १५८, १७७
 धेलांगो-भाटो-रो प. १८०
 धेलोद प. १७७
 धेव प. ४३
 धेव-गदावर प. ४३
 धेवको-पाटण दे. धेव-रो-पाटण ।
 धेवसेत प. १७६
 धेवडी प. ३२
 धेवडो प. २४७
 धेवत झ. २६१
 धेवतकही झ. २६१
 धेव-गुडुन दे. धेव-रो-पाटण ।
 धेव-रो-पाटण (धेवको-पाटण) प. २१३,
 २१४, ३३५

धेवळिया-रो-भेरवाडो प. ४५
 धेवळियो प. १६, २७,
 ३८, ४५, ४
 ८६, ८८, ९
 ९३, ९४, ९१
 ९७, १६४
 ,, ती. २१७
 धेवळी प. ४७
 ,, ती. २३७
 धेवळी ऊवावतो की ती. २३७
 धेवलोवात प. २४८
 धेवहर प. ४३
 धेवाहत झ. १६, ११३
 धेवीखेडो प. ११५, २०८
 धेवो झ. ४, ९, १०३
 धेसुरी प. ४१, २८४, २८५
 धेसेहुरो-सेत प. ४२
 धेहेरे-भाचाहर झ. १२६
 धोडोळाई झ. १४७
 धोसा प. २८७
 धोलतावाद प. १३१, २३४
 ,, झ. १२२
 ,, ती. १८३, २४९, २७६, २७७
 धोसा प. २६७
 ध्रम झ. ३१
 ध्रमद प. ८
 ध्रमपुर दे. ध्रोगपुर ।
 ध्रम प. ३५७
 ,, झ. १३, ३६
 ध्रोगपुर झ. ६३, ६२५
 ,, ती. १०१, १५१, १५३, १५४,
 १५९, १६१, १६२, १६४,
 १६५, १६६, १६७
 ध्रोगातिर दे. ध्रोगपुर ।
 ध्रारकाजी प. १११, २६३, २६४, २८६,
 ३३७

द्वारकाजी दू. २२५, २६६, २६७, २६८
 ,, ती. २६६
 द्वारामती के द्वारकाजी ।

घ

घण्टी के घण्टी ।
 घण्टी दू. ८४, ३२९
 घनवाडी प. ६०
 घनवाडी प. २४८
 ,, दू. ६, ८
 घनारी प. १७४
 घनियावाडी प. १७५
 घनेरियो प. ६०
 घनेरी प. १५८, १७६
 घमाणी प. १२७
 घमोतर प. ६६
 घरियावद प. ३८, ४३, ४५, ६४, ६६
 घवळको दू. २६०
 घवळपुर प. ३१
 घवळहर दू. २१५, २४०, २४६
 घवळासर दू. १११
 घवळरो दू. १७८
 घवो दू. १५०, १५६
 घाघणियो दू. ७९
 घाघपुर प. १७५, १७९
 घाघुरी दू. १, १६, २६०
 घाघुरती ती. २२९
 घानेरा प. १७८
 घामणियो प. २८५
 घामणी प. १२७
 घाचरियो प. १७९
 घाट ती. ७५, १७४
 घाघीळाव दू. १६८
 घार प. ४, ३२, ४३, ३३६
 ,, दू. २६, २९, ३०, ३१
 धारणवाय दू. १४८

धारता प. ६१
 धारनगर ती. १७३
 धारवा प. १७८
 धोंगाणो दू. १७०
 धोणोद दू. २१०, २१२, २१४, २२१
 धीरावद प. ४५
 धीरावादगढ ती. २१९
 धीवली प. १७५
 धुबावत प. १८०
 धूळकोट प. ११३
 धूळोप प. ११६
 धोष प. ३३५
 धोघुको प. ३३५
 धोरीनमो प. २४८
 धोलपुर प. २०९, २३४
 धोळहर के धोळहरो ।
 धोळहरो प. २५
 ,, दू. १, २४०, २४४, २४७, २४८
 ,, ती. ८४
 धोळरो प. २५
 धोलपुर के धोलपुर ।

न

नदराय प. ४७
 नदियो प. १७४
 नगरकोट प. ३००
 नगरगाव दू. १३६
 नगरघट्टा प. ८, ६०
 नगरसाई दू. २३७
 नगराजसर दू. १११, १३६
 नटियाद ती. १७४
 ननेठ दू. ६१, १२८, १३३, १३४
 नरवर प. १२८
 नरघरगढ ती. १७४, २१७
 नरसाणो दू. १४८
 नरसाणो प. ३०४, ३०५, ३३०, ३३१,
 ३५६

नराहणो वे. नरांणो ।
 नरायणो वे. नरांणो ।
 नरावस प. २३८
 नळधर प. २६३, २६४, ३०३
 नळधरगढ प. २८६, २६३, २६४, ३०३
 नवकोट हू. १४
 नवदीप हू. ३८
 नवलखणी प. १८६
 नवलखी-सिध हू. २३७
 नवलाख-उहर प. १३२
 नवसर प. २१०
 " हू. ६२
 नवसरो प. १६०, १६४, २११
 नवानगर हू. १५, १६, २०५, २२०,
 २२१, २२३, २२४, २३६,
 २४०, २४१, २४४, २४७,
 २४६, २६०, २६१
 " ती. २६
 नवोसहर प. २८०
 नहवर हू. ३२
 नांदणो प. ११७
 " हू. १३
 नांदियो वू. १५०, १६६, १६७
 नांदोती प. ३०६
 नांनारुओ प. १७८
 नांमी प. १६२, १७७
 नाई प. ३२
 नाउओ-घावरेडो प. ६६
 नाकोडो प. ३३३, ३३४
 नागंजो फोट हू. २२
 नागडी हू. १६०
 नागण प. २४७
 नागवहो प. १, २, ८, ११, ३५
 नागरचाळ प. २८०
 नागांणी प. १७७
 नागांणो वे. नागोड

नागो-जोगीकोट (वेरावर,
 नागोर प. २४, १२५
 २५३, २६७,
 ३४७, ३४८,
 " हू. ५४, ६५,
 ११५, १३१, १
 १५३, १५६, १
 ३००, ३०१, ३१
 ३१२, ३१३, ३१
 ३२४, ३२६, ३२८
 ३३७
 " ती. २६, ८५, ६०,
 ६७, १५४, १८२, :
 नागोर-री-पट्टी प. २५०
 नाघणो हू. ८, १२, ११६, १
 १४३
 नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३
 १८१, १८६, १८७, १८८
 २०२, २०६
 " हू. ३२६, ३३०, ३३१
 " ती. ४८, १३३, १७३
 नाडूलगढ वे. नाडूल ।
 नाडूळार्ई ती. १३४
 नाडोळ वे. नाडूल ।
 नाडोलगढ ते. नाडूल ।
 नापवांणो ती. २२८
 नापूसर हू. ७५, १२३
 नादियो वे. नांदियो ।
 नापावस हू. १६३
 नाभासर वू. १२३
 नारंगगढ ती. १७४
 नारणसर हू. १३५
 नारवणो प. १६२
 नारवरो प. १७७
 नारनोळ ती. १५१
 नारायसो प. २६०

नाञ्ज दू. १२८
 नासिक प १, १२२
 नाहरळाव प. १७८
 साहयार दू. १३
 माहेसर प ४२
 निरर्वाणो प ३२०
 निवार्ई प. ३१४
 नोंबडो दू २११
 नोंबलो प १६५
 ,, दू. १२, १३४, १३५, १३७
 नोंवा ती २२५
 नोंवांवरी ती. २२५
 नोंवाज प. ६०, १५७, १५६
 ,, ती. २३५
 नोंवाडो ती २३७
 नोंबलायी दू १२
 नोंबालियो दू. १२
 नोंबुडो प. १७५
 नोंबोडो प. १७५
 नोंबोळ प. ६२
 ,, ती. २३६
 नोंबोवरी ती २२५
 नीतोडो प १७४
 नीनरिया दू ५
 नीभिया दू. ५
 नीमच दे मीमच ।
 नीमज दे. नीवाज ।
 नीलकठ प २३६
 नीलपो दू. ३२
 नीलावो दू. १४८
 नीलिया प. ८६
 नीलेर प. १७५
 नीवाई प २८७
 नूंहन प. १७६
 नेउवो प. ६२
 नेगरडो दू ६

नेछवो प. ३५८
 नेडाण दू. ३६
 नेनरवाडो प १८०
 नेहडाई दू ४, ६
 नेणपाप प. ११०, २८३
 नेणेर प ६४
 नेल दू ३६, ११७, ११८, १२७,
 १३४, १३५
 नेल-चारणवळो दू. ३६
 नेल-सेवडो दू. ११७, ११८, १२७, १३४
 मोहर प. १७६
 ,, ची. १८

प

पंचळ वेत प. ४५
 पचाळ दू ३७, २४२
 पजाव प ३००
 पई-मपारो प. ४३
 पसाळव दू. २२१, २५६
 पलेरीगळ प. २१०
 पछवाळो दू ४
 पटाऊ प. २४२
 पटून दे. पाटण ।
 पटूनखेड दे खेड ।
 पटून देवको प. २१३, २१४, ३३५
 पटून-प्रभास प २१३
 पटून-शिव प २१३
 पटून-सोमनाथ प २१३
 पठार प. ४४
 ,, ती. २४०, २४१, २४७
 पडावळ प. ५४
 पडिहारो ती. २३३, २५०, २५१
 पयग प. १७३, १७४, १७५
 पडोळायो दू. ३०४, ३१७, ३१८
 पनवाळ प. ३१५
 पनोतो दू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६
 पवई प. १२७
 पवजयो प. १२८
 पमांणा प. १७४
 परवतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६,
 ३१२
 परवर गाँव प. ३६०
 पळाइतो-हाटांवाळो प. ४४
 पलू (पळू) ती. २२६
 परलू ती. १७३, २२६
 पश्चिम-रेलवे दू. २६६
 पांचडो प. १७४
 पांचनडो दू. १८७
 पांचरवरो दू. १८६
 पांचलो प. १७५, १७८, २००
 ,, दू. १७०, १७५, १८७
 पांचाडी-भाहरो दू. ६५
 पांचाल प. ४५
 ,, दू. २४२
 पांडरी-भाटां-री प. १८०
 पांडवारी प. १२७
 पांणीपथ ती. १६
 पांवावाडो प. १७६
 पांनिलो प. २४३
 पांसयो दू. २५३
 पांसूवाळा प. १७६
 पाखंड ती. २
 पाटडी दू. २५८, २५९
 ,, ती. १७४
 पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०,
 ११३, १८६, २५३
 २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६६, २६७,
 २६९, २७१, २७२,
 २७३, २७४, २७५,

२७७, २८४, ३३६
 ,, दू. ३३, २३४, २५८,
 २५९, २६६, २६७,
 २६९, २७२, २७३
 ,, ती. २६, ४६, ५०,
 ५३, ५६, ५८,
 २८५
 पाटण (यूवी) प. १०८, ११३
 पाटरिया (प्रवेश) दू. २५८
 पाटरी दे पाटडी ।
 पाटोडी (पाटोघी) प. ८६, २४३
 पाटरी दू. १८५
 पाडलोळी प. ४७
 पाडीव प. १५५, १७६
 पातंदर-चारणांरो प. १८०
 पातळसर ती. २३३
 पातळासर ती. २३३
 पाताळवेश प. १६२
 पाद्रोड प. ४१
 पाद्रोलायां दे. पद्रोळ्यां ।
 पाघोर प. १७६
 पाणीपत दे. पांणीपथ ।
 पानोरो प. ३८, ३९
 पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
 ,, दू. ३८, ५१, ५४, ५५,
 २१४
 पारसी (पारस) दू. २४२
 पाल दू. ३८
 पालडी प. ३२, १५६, १५८, १६२,
 १६८, १७५, १८०
 पालडी-वाहरली प. १७७
 पालडी-माहिली प. १७७
 पाळडी रावळां-री प. १८०
 पालसी प. १७८
 पाली प. २०७, २०८, २०९, २११,
 २१२, २३५, २३६, २४१

बू १६६, १८०, २७७, २७८
 " ती १३०, २३५

पालीताणो प ३३५

पावट बू. ३८

पावागढ ती २५

पाहरादगढ प १२७

पाहुवेरो बू. ११, १११

पिडरवाडो प १७५

पीडवाडो प ४१

पीगियो प १७६

पीछोली प ३२

पीठवाडो बू १११

पीढी प ८८

पीथापुर प १५८

पीयासर बू ७६, १३६

पीयोली प १७६

पीपळ षडसायो बू ५३, ५४

पीपळवो बू ६

पीपळहडी प ४३

पीपळाई प ३२०

पीपळी-रावळा-रो प. १८०

पीपळू प १११, १२४

पीपळी बू ६५

पीपलोण प १६७

पीपाड प ११४, ३४१

, बू १५०, १८६ १६३

,, ती ८८, ६४

पीरान पाटण दे पाटण (गुजरात) ।

पीळपोळाळ प १६

,, बू २६२

पीहलाप प ३४७

, बू. १२२

पुजूरो प ८६

पुनपुरी प १७६

पुर प १४, ३७ ४७, ५३

,, बू १५१

पुकर प. २४

पुगळ दे पुगळ ।

पूजा-साठियारी-परती प २७७

पुगळ प. २५३, ३४६, ३४८, ३४९,

,, बू १०, ११, १२, ४२,

११०, १११, ११३, ११५,

११५, ११६, ११७, ११९.

१२०, १२२, ३१२, ३१८,

३२४, ३२७, ३२८

,, ती. ३१, ३३, ३४, ३६

पुछणो बू १६४

पूनो प २०६

पूनासर बू ६६, १६३

पूरव रो सूवो प २६७

पेयापुर प १७५

पेयोडाई बू ६, ८

पेरवा प १७६

पेशावर प. ३०२

पेसवा चारणा रो प १७६

पेळाडतो प ११४

पेंसोर प ३०२

पोकर दे पुकर ।

पोकरण प १८६, २३६, ३३७

पोकरण बू ६, ११, १६, ५३,

७४, ७५, ७६, ८०,

८४, ६७, ६८, १०३,

१०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, ११३, ११७, १३१,

१३२, १३८, १४४, १८३,

१६६, २००

,, ती १०३, १०४, १०५, १०६,

१०७, ११०, १११, ११२,

११३, ११४

पोछीणो बू. ३३

पोटलियो बू ६

पोलावास प. २४०

पोसतरा प १७५

पोसाणो प. १६२
 पोसाळियो प. १७७
 प्रभासक्षेत्र दे. प्रभासक्षेत्र ।
 प्रभासक्षेत्र दू. ३
 प्रयाग प. १३२
 ,, ती. २७६
 प्रोहितघाळो-गांव दू. १३५

फ

फतहगढ ती. २१७
 फतहपुर दे. फतहपुर ।
 फतहपुर प. ३१२
 ,, ती. १६२, १६३, १६४, २७३,
 २७४
 फळवध प. १७७
 फळसूंड दू. १०४
 फळीढी दू. ४
 फळीधी प. ६०, ३५०
 ,, दू. ११, ६८, ७७, ६४,
 ६८, १०६, ११३, ११४,
 १२२, १२४, १२८, १२६,
 १३०, १३१, १३२, १३६,
 १३८, १४१, १४३, १४५,
 १५२, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६६, १७६,
 १७७, १८०, १८१
 ,, ती. २८, १०३, १०५, ११४
 फामूणी प. १७६
 फारस ती. ५५
 फिरसुळी प. १७४
 फुलाज दू. १८६
 फूलसरेशु प. १७६
 फूलियो प. २६, ३७, ४८, ११०, २७६
 ,, दू. ६
 ,, ती. २२२
 व

वंगाल ती. १८६, २६६
 वंगालो दे. वंगाल ।
 वंठात प. ३१६
 वंध दू. १११
 वंधटो दे. वांधडो ।
 वंधध प. १३२, १३३
 वंधघण्ट प. २०, १३२, १३३
 वंधघो प. २०
 वंधो ती. २२४
 वंभलवाङ्ग-प्राञ्जकोट दू. २३६
 वंभारो प. ४५
 ,, दू. २३६
 वंभोरो-रो-परगतो प. ११६
 वंभोरो प. ४३, ४५
 वग प. १७६
 वगडी प. ६०
 वडोवा (गुजरात) ती. २५
 वडोवो (सीरोही) प. १७५
 ,, ती. २५
 वधनोर प. ५३
 वघाळो दू. ६६
 वमू ती. २३३
 वरडो दू. २२०, २२६
 वरियाहेटो . ३३४
 वळडुरो प. १७७
 वळोर प. ६४, ६६
 वसाळ दू. ४
 वह दू. १३४
 वहसवो दू. १७१
 ,, ती. २५०, २५१, २५२, २५३,
 २५५
 वांगो प. ६७, ६८, १०१
 वांड प. १७५
 वांडी ती. १७
 वांधडो दू. ४, १११, १६३, १६४,
 १८६, १६५

बांधवगढ दे० बांधवगढ ।
 बांधव रो मुलक प १३५
 बाभणवाङ्ग प १७६
 बाभणहेडो प १७६
 बाभणीका गाँव (प्रदेवा) दू ८
 बाभोतर प ६६
 बाभोरो प ४३
 बांसवाडा दे० बांसवाहळी ।
 बांती ती २३७
 बांहाळी दू ४
 बाकरली प ४७
 बाकारोळी प ६८
 बाघलप प. २३६
 बाघारांवाळी दू २६०
 बाटघडोद प ८०
 बाटियो प १७६
 बाटमेर दे० बाहडमेर ।
 बाडेल बाभर्णा-रो प १८०
 बापडोनरो प २४८
 बापणसर दू ६
 बापला प १५८
 बार प २५२
 बारबरडी प ४३
 बारू दू १२, १४०, १४२, १४३ दे० बारू
 बारू-घाँहिण दू ५३, ७३
 बाळघो प १७३
 बासपुर प २३७
 बाला दू १८३
 बालागो दू १४२
 बाला रो-गाव दू ४
 बालापुन प २६७
 " दू १८२
 बालाभेट प २५२
 बालो गूदोच रो दू १६३
 बालो भाद्राजण रो प २३६
 बालोतरा प ८६, ३३३

बालोतरा दू १३०
 " ती २२६
 बाहडमेर प १४३, १४८, ३३३, ३३७,
 ३३८, २६१, ३६३
 , दू. १२६
 " ती. ३, ४, ११३
 बाहतर वड गूजरा वाळी दू १६२
 बाहरडो प ४३
 बाहरली-नालडी ती १२४
 बाहरोट रो पयग प १७३, १७४
 बाहिरलो बास प २४७
 बाहुल प १७६
 बिठड्यां ती. १०६, ११०
 बीकानेर दे० बीकानेर ।
 बीजवा प १८०
 बीजापुर ती २७७
 बीभीली प ४४
 बीड दू ६८
 बीलाठी दू १५०, १८७
 बीलेसर दू २२६
 बीसलपुर प ४५
 बुदेलखड प १२७
 बुगलाग ती २१८
 बुचकठी दू ८
 बुज दू ७८
 बुजडो प ३२
 बुजेरो दू ४
 बुडकियो प. ३५७
 बुड्ढण प १२८
 बुडारो दू १३६
 बुधेरो-दू १६
 बुधे रो-सरठ दू ११, १६
 बुढटो प्रोईसा-रो दू १७२
 बुढटो लवेरा रो दू १८६
 बुढहानपुर प २५ ७७, १२०, १३१,
 १६७, २००, २३४, २३५,
 २६८, ३१६, ३२१

बुरहानपुर द्व. १५६, १५८, १७०, १७२
बूटेची द्व. १८०

बूवी प. २६, ३७, ३८, ४४,
४३, ५६, ६७, ६६,
१००, १००, १०१, १०२,
१०३, १०५, १०६, १०७,
१०८, १०९, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११७, ११८, २८०, २८३

११ द्व. १७१

११ ती. २४१, २६६, २६७, २७२

बूवेली प. १६

बूसाडो प. १७६

बूट प. २७

बूटडी प. १७६

बूटेळाय द्व. १७७

बूडहर द्व. १२

बूराळ प. १७५

बूसियो प. १७८

बूपू प. ५३

बूड्यो प. १२८

बूदलो प. ३२

बूह्यो प. ४१, १७६

बूहू सिवलवाळी प. ११५

बूहगडो प. ३४८, ३५१, ३५२

११ ती. ७, १०३, १०५

बूराई द्व. १७०, १७२, १७५, १६०

११ ती. ६०

बूराही दे० बूराई ।

बूरु द्व. १६८

बूरोळ ती. २३६

बूखडा प. ४२

बूडवी द्व. १८०, १८१

बूडानडो (बूडानाडो) द्व. १८०

बूधरी द्व. ५

बोरबो प. ३४०

बोळ द्व. १६६

बोलो द्व. ४

बोहरावास प. ३६०

बोळी ती. ६८

बयावर प. ३८

ब्रहमंड प. १६२

ब्रहमाण प. १४६

ब्रहानपुर दे० बुरहानपुर ।

ब्रह्मसर द्व. २, ४, ३६

ब्रह्मवासणी द्व. १६६

ब्राह्मणवाडो ती. १७४

भ

भंडण द्व. १११

भंभारो द्व. ४

भंभरी प. २११

भगतावासणी द्व. १६७, १७३, १७४, १६४

भगवंतगढ प. ४७

भटनेर प. २१२

११ द्व. १६, १२२, १२३, १२४

११ ती. १५, १६, १७, १८,
१६२, २२१

भट्टी द्व. १०

भट्टी प. २६८, २१६

भठी प. २६८

भट्टियाद द्व. १

भणाय प. ६४, ६५

भदळो द्व. १२

भदाण प. २५०, २५१

भदाणी प. २५१, २५३

भदावर प. १२८

भदावर-रो-मंडो प. १२८

भदियावद प. १२३

भनाई ती. २२४

भरबळ (भरौच) द्व. १६

भरोसर (भरेसर) द्व. १३७

भव प. १६२
 भवणों प ३२
 भवराणी प २११, २३७
 , दू १६७
 भाउडो दे० भाउडो
 भागिसर दू. १६४, १६७, १६४, १६७
 भाडोतर प १७६
 भाडोळाव दू १५१
 भागगढ प २६६
 भांगल (?) दू ६१
 भांनावास प २३६
 भांनियो दू ६
 भांभेरो दू. ६, ३८
 भांभेळाई दू १५०
 भांमरा १७८
 भांमोळाव प ३६२
 भांमरी दू ४
 भांहरो दू १६६
 भाउडो दू १५३, १५८
 भाखर दू ३१
 भाखरी दू १७०
 भागवो प. २००, २०१
 भागीनडो दू. ६
 भागिसर दू १४६
 भाचरांणो प २३६
 भाचाहर दू १११, १२६
 भाटरांम प १७५
 भाटरो प ६१
 भाटवो प २४८
 भाटांणी प १७५
 भाटो प ३१५
 भाटोपा दू १५
 भाटोव प २४१
 भाटोवटी दू १५
 भाटेर दू. १६४
 भाटेवो (भाटो?) प २४८

भाटोव प ४१
 भाठवां ती १८
 भाडग ती १३, १४, १५
 भाडली प. १७६
 भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७
 भाडली ती २२५
 भादातर दू. ४
 भाद्राजण प. १५८, १६०, २०६, २१०,
 २१२, २३६, २३७, २३६,
 २४०
 ,, दू १४६, १४७, १५८, १६३,
 १६७, १८१, १८६, २७८
 ,, ती. २५६, २५७, २५८
 भाद्रावळ दू २१६
 भाद्रिसर दू. २१६, २२०
 भारत प १४७
 ,, ती १७३
 भारमलसर दू १०४, १३५
 भालाही दू. ६६
 भालिसरियो दू १८०
 भाषी दू. १६४
 भाहरजो प १७४
 भाहरू प १७४
 भाहरो दू ६५, १८६
 भिणाय दे० भणाय ।
 भिणियांणो ती ११२, ११३
 भिरड ती २८
 भिरडकोट दे० भिरड ।
 भोंव-रो तोडो प ३०१
 भोंवासर दू ६८
 भोडवाडो प ३८
 भीतरोट प ४६ १५१, १५२, १७३
 भीतरोट-रो-पणय प १७३, १७४
 भीदासर दू १३५
 भीनमाळ प. १३६
 ,, ती. २३

भीमानी प. १७४
 भीमल प. ११
 भीमलडांमो प. १७६
 भीमलडियो प. ६०
 भीमलडो-नांगहो प. १७६
 भीमलमाळ दे० भीमलमाळ ।
 भीमलवण प. ७६, ७७
 भुज प. ३६४
 ,, हू. १५, १६, २१४, २१८,
 २२०, २२५, २६८, २४४,
 २५३
 भुजनगर दे० भुज ।
 भुजहड हू. १८२, १८३
 भुरलिया प. ६१
 भूङ्ग प. १६८
 भूडेल प. ३४७, ३४८, ३५०
 भूण हू. ६
 भूणोव प. ४१
 भूभळियागढ ती. १७४
 भूभळियो प. ६०
 भूभादडो प. २४१
 भूकर ती. २२३
 भूकरको ती. २२३
 भूकरी ती. २२३
 भूकांणी प. १७६
 भूका दे० भूखो ।
 भूखो प. ३५६
 भूतगांव प. १७७
 भूतेल प. २४१
 भूमळियागढ ती. १७४
 भूवो हू. ६
 भेटनडो हू. ६०, १५६
 भेटाळो प. २४७
 भेट हू. ६५
 भेळू ती. २२५, २८२, २८३, २८४
 भेवो प. १७७

भेंगडेवो हू. १०
 भेंसडो हू. २, ३६, ६५
 भेंसरोड प. २०, २६, ३८, ४४,
 ४५, ४६, ५२, ६५,
 ६७, ६८, २८०

भेंरवी-रांणा-री प. ६६
 भोजनर प. ११७
 भोजू हू. १८६
 भोवाल (?) हू. ६१
 भोरड प. ४०
 भोवाव हू. १६२
 भोवादी हू. १६१
 भोवाल प. ३०६
 ,, हू. १६०

म

मंगळीका-पळ हू. ३१
 मंचलो प. १६२
 मंडळ प. ४३
 मंडळगड प. ५३
 मंडळप हू. ४१, ४२
 मंडावरो हू. १८६
 मंडाहड व. १७३
 मंडोर दे० मंडोवर ।
 मंडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४,
 ३४८
 ,, हू. ६६, ३०८, ३०९, ३१०,
 ३३६, ३३७
 ,, ती. १०, १२, २८, १३०,
 १३२, १३५, १४०, १४१,
 १४६, १५८, १६०, १६१,
 १६४, १६६, १७३, १८०,
 १८२, १८४, २१३
 मंडोहर दे० मंडोवर ।
 मंडोसर प. २७, २६, ३७, ४६,
 ६४, ६५, ६६
 मळ प. ११३, ११४, ११५, २५२,
 २५६, ३६०

मऊ हू २६२
 मकरोडो प. १५८
 मकवाळ प. १७५
 मकावळ प १७५
 मकावळी प. १७६
 मक्का हू. ४६
 मगराडघो प. १७८
 मगरो प. १७३, १६३
 मगरो हू ३१४
 मगरो-भोरो प. १७३, १७६
 मगराप प. ५६. ८८
 मगरोपगढ ती. १७३
 मचीव प. ४१
 मछवाळो हू १४४
 मटूण प. ३२
 मढलो हू. १६१
 मढलो प. ३६२
 मणोहरो प १७७
 मतोडो हू १५६
 मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
 ,, हू. ११, १६, १४०
 ,, ती. २०६
 मदार प ४१, ४७, ५३, १४५, १५७
 मदारडो प ४१
 मदास हू. ३६
 मनवसोर प. ४६
 मनसोर हू २६३
 मनोहापुर प ३१८, ३१९, ३२६, ३३२
 ममणवाहण हू १०
 हे० मूमणवाहण ।
 मरुप्रदेश हू ३१, २६६
 मरुस्थल हू. ३१
 मरोठ हू ११५, ११७, १२०, १३७,
 १३९
 ,, ती. ३४, २२०
 हे० महारोठ ।

मरोठ दे० मरोठ ।
 मलकातर ती. २३०
 मलार हू. १४७, १८५
 मलारणो ती. ६८
 मलीरणो प. ४७
 मल्हार दे० मलार ।
 मवडो दे० मोडी ।
 मवडो-भाटा-री प. १७६
 महकर तो २१४
 महमदाबाद ती. २८
 महसारा जफान हू. २६६
 महाजन हू. १११
 ,, ती २२८
 महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७
 हे० मरोठ, मारोठ, मारोठ, माहरोठ
 महियड हू. ३८
 महीकाठा हू. २७६
 महोनाळ प ४४
 महेश हू १८७, १८८, १९०
 महेशो दे० मेहेशो ।
 महेशरी प १७६
 महेशिमो हू १४६
 मांकडो प. ४५
 मांगळो हू. १५४
 मांगळोद प. २६३
 मांगळोर प. २६३
 मांजाळो प. १७७
 मांडणसर हू. १२६
 मांडणी प. १७७
 मांडळ प ६८, १२४, १७६, ३०१
 ,, हू. ३४२
 मांडळगड प. २६, ३७, ४४, ४७,
 ४८, २७६, २८०
 ,, ती. १७३
 मांडली प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५,
 ५६, ८२, ८७, ८७,
 ६१, ६६, १०२, १२२,
 ,, वू. २६२, २८५
 ,, ती. १, १३६, २४०, २४३,
 २४४, २४७, २४८
 मांडवगढ ती. २
 मांडवाडो प. १७४, १७७
 मांडवो प. १७६, २३६
 ,, वू. १५०, १७१, १७४
 मांडवहृदगढ ती. १७३
 मांडव्हो ती. १२३
 मांडाळ वू. १३१
 मांडावरो वू. १८६
 मांडावाडियो प. १७७
 मांडावाडो प. १७८
 मांडाहडो प. १७५
 मांडाही वू. ६
 मांणकळाव प. २४१
 ,, वू. १७६
 मांणकियावास्त वू. १४६, १८६
 मांणच प. ४३
 मांणेची वू. १७५, १७६
 मांणपुरो प. ३६, ३८, १७४
 मांणिलोवास्त प. २४७
 माण प. ४७
 माटवणां प. १७६
 माटासण प. १३६, १७६
 माड वू. २१, २२, २५, ६३
 माळपुरो प. २८५
 माड-राठी बाळी वू. ३३
 माडाळ वू. ४
 मायको वू. २५६
 मायासरो प. १६३
 मावडी प. १६५
 मावळियो वू. ७६, १६६

नामथी वू. ४

मारली प. ११५

मारवाड प. १५, १७, २१, २५,
 ३१, ३५, ३८, ५५,
 ६०, ६२, ८८, ८६,
 ६०, १२२, १२३, १४७,
 १४६, १६४, १६५, १८७,
 १६३, २०४, २०७, २०६,
 २११, ३०३, ३०४, ३३३,
 ३३७, ३३८, ३६१
 ,, वू. १०५, ११०, १३०, १५८,
 १७२, २६१, २६८, २७७,
 २८०, ३४२
 ,, ती. १०, २८, ८३, ८८,
 ६५, ६६, १०५, १२०,
 १२४, १७३, २१४, २२६,
 २३७

मारेल प. १७५

मारोट वू. १०

वे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोळ वू. ५३

वे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोली प. १७७

माळ प. १४६

मालकोट ती. २१५

मालगडो वू. ४

मालगढ प. ६०

मालणियाळ वू. २५५

मालपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३,

२८०, २६६, ३०६

मालथ प. ४, ५३, ६४, १८५

मालथदेश ती. १७३

माळवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४

,, वू. १६३

मालांगी प. ३१, ३३३

,, वू. २१६, २८०

मालाणी ती २८, २५६
 मालागाथ प. १७५, १६६
 मालाजाळ वू १३०, २८४, २८५
 मालानी दे० मालाणी ।
 मालावास प १८०
 माळियो वू २५३
 माळीगडो वू ३२
 मालेर प ३३२
 मालेरी प ८
 माल्हणसू प ४१
 माहरोठ प १२२, १२३, १२४, ३२१
 माहिडियाई वू ८
 माहोली प २१, २०७
 मिया रो गुढो प १०१, ११७
 मिलकापुर प ३०१
 मिलकी अभिरामपुर प ११४
 मिळसियाखेडी ती २४२
 मीया रो खेडो प. १०२
 मीठडियो वू १२५
 मीठोडो प १६६
 मीतासर वू ३२१, ३२२
 मीमच प ३७, ३८, ४६, ५३,
 ६२, ६३, ६५
 मीरमीप (मीरमी पडुषो) प. ४७
 मुगाह वू ४
 मुजपुर वू २५६
 मुडवाय वू १६५
 मुदरडो प १७४
 मुमणवाहण दे० मूमणवाहण मीर
 - ममणवाहण ।
 मुकुदपुर प १३३
 मुणावड प २८४
 मुयराजी दे० मयुरा ।
 मुयराखड वू ३८
 मुलताण प ८, ३५३

मुलताण वू १२, २२, ११३, ११४,
 ११५, १२०, १३७, १४२,
 ३१३
 मुल्तान दे० मुलताण ।
 मुहार वू. ५, ६, ८
 मूठली प १६५
 मूडखसोल प ३२
 मूडपळ प १५८
 मूडपळो प १७४
 मूडळवेस प ४३, ४५
 मूडळ मुलक दे० मूडळवेस ।
 मूडलो प ३८
 मूडेडी प १७७
 मूडेडाई वू १३२, १४४
 मूणावड प १७७
 मूघियाड प ३३६
 मूमणवाहण वू १०, ११५, ११७, ११६
 मूसावळ प १५८
 मूळ दे० मूळी ।
 मूळपुरी प ३८
 मूळी वू २५८, २५९, २६०
 मूळी-रो परगना वू २६०
 मेऊ दे० मऊ ।
 मेघा रो गाव वू १३६
 मेडतो प १३, २६, २८, ३५,
 ६०, ६२, २३६ २४०,
 २४१, ३०२, ३०४, ३०६,
 ३२३ ३३६, ३५४
 ,, वू ६, ३१, ११६, १२५,
 १३८, १४७, १४८, १४९,
 १५०, १५१ १५३, १६०,
 १८७, १६२, १६३ १६८,
 १७३, १८६, १६६
 ,, ती ८८, ६३, ६४, ६५
 ६८, १०१, १०२, ११५,
 ११६ ११७, ११८, १२०,
 १२१ १२२, २१५

मेहो प. १५८, २४७
 मेढी-रो-माळ दू. ३४
 मेढपाट प. ७
 मेढसर ती. २२७
 मेरता दे० मेड़तो ।
 मेरवाडो प. ४५
 मेरवाडो वड प. ४५
 मेरियोवास प. ३४३
 मेलांगरी प. १७४
 मेवडो प. १७६
 मेवरो दू. १५६, १५६, १६०
 मेवल प. ४३
 मेवल-मेरां-री प. ४५
 मेवाड प. १, ३, ४, ६,
 ७, ११, १६, २४,
 ३६, ३६, ४०, ४२,
 ४३, ४४, ४७, ४८,
 ५५, ५६, ५८, ५६,
 ६४, ८६, ६०, ६१,
 ६६, १३६, १३७, १४४,
 १८६, १८६, १६७, २३२,
 २६५, २८२, २८४, ३४२,
 ,, दू. ३८, ६३, २६२, २६३,
 ३३५, ३४३
 ,, ती. ६, १०, १२, १३६,
 १३६, १६२, १६४, २३६,
 २४७, २६६
 मेहगडो प. २३८, २३६
 मेहर दू. ३१
 मेहलांगो प. २३८
 मेहळी प. २३६
 ,, दू. १०५
 मेहवानगर दे० मेहवो ।
 मेहवो प. ३१, २४८, ३५६, ३६०
 ,, दू. ५४, ६८, ८४, ६०,
 ६६, १०४, १३०, १४१,

२८०, २८१, २८२, २८३,
 २८४, २८५, २८६, २८७,
 २८८, २८९, २९०, २९२,
 २९३, २९४, २९७, २९६,
 ३००, ३०७, ३०६, ३२०
 ,, ती. ३, ४, ५, २३,
 २४, २८, ५८, २५१,
 २५२, २५६, २८०

मेहकोर दू. १२२, १२३

मेहानळहर दू. ७८

मेवानो प. २५२, २५६

मेहकर दू. १६०

मेकरो प. १७४

मेकळनडी दू. १८३

मेकळाइत दू. ४

मेकीली प. ५२

मेलेरी दू. ६५, १६५

मेजावाद प. २८७, ३१४ दे० मौजावाद

मेठपुर प. ११६

मेटांग प. १८०

मेटासण प. १७६

मेटासर दू. ११, १११

मेठेळाई दू. १११

मेडो प. १७५

मेरयळो प. १८०

मेरवो प. ३५६

मेरवी दू. २१३, २१४, २६०, २६१

मेरवडा प. १७६

मेरवण प. ६३

मेरियांवाळो दू. १११

मेलेळो प. ४०

मेलेतरी प. १७६

मेहनी प. १२८

मेहारी प. ३१३

मेहित-मांकडो प. ४५

मेहित-मांकडा रो परगानी प. ४५

मोहितावाटो ती. १५३
 मोही प ३७, ४७, ५२, ११६
 मौजावाद ती. ६८ दे० मौजावाद ।
 मोडी प. १६४, १६५
 भ्रिगासर ती. ४७

 य
 यादवस्वली दू. ३

 र
 रगाईसर ती २२६
 रडोद दू १५७
 ,, ती. ६५
 रणघभोर दे० र्णिणघभोर
 रतनपुर प ४४, ६२, ६४
 रतनपुर-री-घौरासी प ६४
 रतखडो (रंवडो ?) प १६४
 रतलाम प ६४
 ,, ती २५
 रबीरो दू. ४
 रवणियो दू १७५
 रहवाडो प. १६२
 रांणकवाडो प. १७५
 रांणपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६९
 रांणाई प ५
 रांणासर ती. २२६
 रांणी गांव (पारकर) प. ३६४
 राणोर-रायमल वाळी दू १२५
 रांणिरी दू १३५
 राणंहर दू. ११, १११
 रामगड प २५२, २७६
 रामडावास दू १८०, १८६
 रांमपुरो प २६, ३८, ४५, ४६, ६५
 ,, दू १७६
 ,, ती २३६, २४०, २४६, २४७
 रांमसर दू १३५
 रांमसेण प १४४, १४६, ३३७

रांमाषट दू १६२
 रांमैत दू ३८
 रांयण दू. १३८
 रांयणियाणो दू १८७
 रांहिन प २६, ३१५
 राकडयो दू ३६
 राळाणो प. २३६
 राजकोट प २७१
 राजगियावास दू १६१
 राजणीपळो प ८८
 राजलो-तेजा-रो दू १५०
 राजस्थान प ४८, १४७
 ,, दू २५८, २६६, २७८, २८७,
 ३३२
 ,, ती १४, १५५, १७३, १८१
 राजासर दू १११
 ,, ती. २१
 राजोडो प १७८
 राजोद दू ११६
 राठ प १०५, १२७
 राठ कोवमियो प १०५
 राडधरो प २२८
 ,, दू ६७, १७६
 ,, ती २५६
 राडवरा प. १७७
 रातोकोट प ३३८
 राय कोहरियो दू १८८
 रायघणपुर (रायनपुर) प ३३७
 रायपुर प. ३१४
 ,, दू. २६२
 ,, ती २३६
 रायपुरियो प. १७५
 रायमलवाळी दू ११, १११
 रायमो प २३७
 रावतसर दू. ४
 ,, ती २२६

राघर प. ४७, ३१५
 रास ती. २३५
 रासा-रो-गुढो वू. १३१
 राहङ्क वू. ३३
 राहिण दे० राहिण ।
 राहुवो प. १७५
 रिख-विसळपुर प. ४५
 रिडियो वू. ८
 रिडी वू. ६
 रिणधरभोर प. ३७, १०३, १०४, १०८,
 ११०, १११, ११२, २७६,
 ३००, ३०१
 ,, ती. ६६, १८४
 रिणधीरसर प. ३४६
 रिणमलसर वू. ६२, ६६, १३८
 रिणी प. २१२
 ,, ती. १५४
 रिवडी वू. १४७
 रिषद्र प. १७५
 रिषियो प. १७६
 रिपीकेज (प्राज्ञ पर्वत) प. १७८
 रोछडी प. १७६
 रोछेर प. ४०
 रीयां दे० रेयां ।
 रोवां प. १३३
 रोवी प. १७५
 रुआंध प. ३२
 रुण प. ३४२, ३४४
 ,, ती. ८, १४१
 रुणकोट प. ३३६
 रुणवाय प. ३३६
 रुवियो वू. १६३
 रूपजी प. ४०, ४१
 रूपजी-वासरोड प. ४०, ४१
 रूपनगर ती. २२०
 रूपावास प. २३६
 रुम-सूम वू. ४५

रेतळो ती. २८०
 रेयां प. ३०२, ३१४
 ,, वू. २०१
 ,, ती. ६४, ६५, ६६
 रेवडी प. १६४, २३७
 रेवत वू. १५०
 रेवली प. ४२
 रेघाडी प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३,
 ३२४
 रंतळो ती. २८०
 रेयां दे० रेयां ।
 रंवासो प. ३२०
 रोजेड प. १७६
 रोणवो ती. २२६
 रोह प. १४६
 रोहवो प. २३७
 रोहडी प. १२३
 रोहणवो वू. १६१, १७२
 रोहाई प. १७३
 रोहाई-भीतरोट प. १७३
 रोहिडी प. ४२, ४७
 रोहितगढ दे० रोहिरगढ ।
 रोहिताश्वगढ दे० रोहितासगढ ।
 रोहितासगढ प. २६३
 ,, ती. १७४
 रोहिरगढ ती. १७३
 रोहिलगढ दे० रोहिरगढ ।
 रोहिसो प. ३४०
 रोहीडी प. १७४
 रोहीणी ती. २२६
 रोहीणो ती. २२६
 रोही-भीतरोट प. १७३
 रोहीसी प. १६३
 रोहुरो प. १७६
 रोहुवो प. १७५

ल

लका दू ३६, २४२
 लकडवा प ३२
 लखमणसर ती २३३
 लखमेर प १७६
 लखानखेडी प १०१
 लवाणो प ३०७ ३११
 लवांण प ३०७
 लबीह दू ४
 लवांण प २८७, ३०२
 लवाणागढ प ३३२
 लवाणो प ३३२
 लवेरो दू १५०, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५६, १६०, १६१,
 १७४, १८६, १८८, १८९
 लांगरपुर प १२८
 लाणेलो दू ४, ८
 लांबियो ती १२१, २३५
 लाकडवाळो दू १११
 लाखडी दू २०६, २१०, २११, २१२,
 २१६
 लाखा रो घट दू ३२
 लाखासर दू १११, १३८
 लाखाहोळी प ३२, ४३
 लावूटा (लाखोटा) नी पोळ ती ५५
 लाखेरी ती. २६७
 लाखेरी गोडावाळी प ११३
 लाखे रो-गांव प ११०
 लाछडी प २२८
 लाज प १७६
 लाठी प ३३५
 लाठी दू ७६
 लाठीहर दू २६१
 लाडणू ती १५४, १५७
 लाडेलो प १७५
 लाघडियो ती १३, १४

लाया दू ३२७
 लालसोट प ३१४
 लाताणो दू १८५, १८८
 लालावर दू १११
 लास प १७७, २८४
 लास मुणाघट प २८४
 लाहोर प २६३
 ,, दू ५५, १४६
 ,, ती २१४
 लिखमडी प ३८
 लिखमोघास प १७७
 लिखमेली दू ६२
 लोकडो दू १२
 लोकणो दू १४२
 लूटवो प २५३
 लूटवो दू ६, ८, १६, २६,
 २७, २८, ३३, ३४,
 ३५, ३६, ७६
 ,, ती १७४, २२२
 लूगावाडो प ८६
 लूगोई दू ३६, ६६
 लोईयाणो दे० लोहियाणो ।
 लोटाणो प १७४
 लोटीवाडो प १७७
 लोटोती प ६२
 लोठीघरी प ६२
 लोदरो प १७३
 लोसटो प ३५१
 लोलापुडी दू ८
 लोलियाणो प ३३५
 ,, दू ६५
 लोवो ती २३२
 लोहगढ प १८७
 लोहटवासी प १०१
 लोहडी दू १४१
 लोहवागढ ती १७४

लोहसिंग प. ४०, ४१
 लोहावट दू. १६२, १६६, १८१
 लोहिवाणी प. १४६, १६०

व

वंकी प. ६०
 वंगो दे० वांगो ।
 वंसहीगढ ती. १७४
 वगड़ी ती. ८१, ८३, १०५
 वघरेडो प. ६६
 वछणोट दू. १३
 वजु दू. ७६, ७७, १३६
 वडगाँव प. ६६, १३६, १४६, १७७,
 १७८
 वडगिर दू. ६३
 वडलो दू. १७२, १६४
 वडवज प. १५६, १७५
 वडवाळो प. ४३
 वडांणी दू. ८५
 वडी प. ३२
 वडेरण दू. १११, ३०४
 वडेर-रा-गाँव प. ११५
 वडोव प. ८१, २५२
 वडोवती ८१
 वडोवो प. १७६
 वडवाण दू. २५६, २६१
 वणलेडो प. १११
 वणहटो प. ३१४
 ,, ती. ६८
 वणहटो प. ४७
 वणाड दू. ३३
 वणाडो दू. ६७
 वणोर प. ५३
 वदनोर प. १७, १८, २६, ३७,
 ४७, ४८, ५३, ११०,
 ११६, १८६, २८०, २८१,
 २८२, २८३, ३४०

वधनोर दे० वदनोर ।
 वरकाणो प. १३७
 वरजांगरो दू. १३६
 वरजांगसर दू. १६६
 वरणो प. ४१
 वरवाडो प. ४१
 वरवाडो प. ४१, ४७
 ,, ती. ६८
 वरसडो प. ३२
 वरसलपुर दू. १०, ११०, ११६, ११७,
 ११६, १२०, १२१, १२६,
 १३५
 वराहीन प. १७६
 वरियाहेडो प. ३३४
 वरिहाहो दू. २५
 वसाड प. २६, ४६, ५३, ६४
 वसी प. ५१, ६६, १५१
 वहवडो दू. १३६
 वांकानेर दू. २५६, २६१
 वांगो दू. २२६, २३१, २३२, २३३
 वांसडो प. २८५
 वांसरोट प. २८५
 वांसलो प. १
 वांसवाळो दे० वांसवाहळो ।
 वांसवाहळो प. १४, २६, ३७, ३८,
 ३९, ४३, ४६, ५३,
 ६६, ७०, ७३, ७४,
 ७५, ७६, ७७, ८६,
 ८७, ८८, ६४
 वांसवाहळो ती. २६६
 वांसियो-वोपळियो प. ६४
 वांसोर दू. ३२६
 वांसोलो प. ६१, ६२
 वागड प. ५, ७०, ८६, ८७,
 ८८, ११६
 ,, दू. ३८, १६१, १६२, १६४
 वागडियो प. १७८

वागोर वे० वाघोर ।
 वाघरङ्गी प. ६२
 वाघसणी प. १७७
 वाघार प. १६२
 वाघावास दू. १८८, १९८
 वाघोर प. ४०, १७६, ३०२
 " दू. १, १६, २३२
 वाघोरियो प. ३३८
 वाचड़ा प. १७७, १७९
 वाचड़ा-धोनी प. १७७
 वाचडोळ प. १७५
 वाचण दू. २५९
 वाचाहडा प. १७८
 वाचेल प. १७५
 वाजणी प. ६०, १०७
 वाभनाइयो दू. ८
 वाटेरो प. १७४
 वाडो दू. १५०
 वाणारती प. ११२, १२८
 वाप प. २१२
 " दू. १२, ११४, १२७, १३१,
 २००
 " ती. २२३
 वाय ती. २२३
 वारणाऊ दू. १६०, १७५
 वाराहो दू. ३२
 वारु वे० वारु ।
 वालजीसर दू. ९९
 वालरघो दू. १६४, १६५, १६७, १६८
 वालिया प. ९१
 वालेसर दू. १२९
 वाव प. १४९, १७२, ३६५
 वावडी दू. १२, १४०
 वासडेसो-भाटी-रो प. १८०
 वासडो प. १६२
 वासण प. १७७
 वासणङ्गी प. १७९

वासणपी दू. ४, ९, १०, ७२
 वासणी प. २३९
 " दू. १७५
 वासणी-सवेरा-रो दू. १५४, १६०, १६१
 वासधान प. १७८
 वास-बाहिरलो प. २४७
 वास-माहिलो प. २४७
 वासरोङ्गी प. ४०
 वासुदेव प. १७८
 वासो प. १७४
 वाहिन दू. १४१
 विकूकोहर वे० धोकूकोहर ।
 विकूपुर वे० धोकूपुर ।
 विजाई दू. १४६
 विजयावासणी दू. १५०
 विमळोळो दू. १५९
 विलायत दू. २३६
 " ती. १९२
 विल्हणवाटी प. १२२
 विसळपुर प. ४५, ४७
 विसांइण दू. १७९
 वींजोराई वे० वींभोराही
 वींभोतो दू. ४, ११
 वींभोराई वे० वींभोराही ।
 वींभोराही दू. ६ ८४, ९७
 वींटली ती. ९५
 वींठाङ्गी दू. १०
 वीकमपुर प. २५३
 वीकानेर प. २५, ५१, ९०, १४९,
 २१२, ३०२, ३४९ ३५४
 " दू. १, २, ७, ११,
 १६, ३३, ३९, ७५,
 ८५, ९२, ९४, ९६,
 ९७, ११०, १११, ११३,
 ११४, १२३, १२४, १३०,
 १३१, १३२, १३३, १३७,
 १३८, १४०, १४५, १६४,
 १७७

घीकानेर ती. १५, १६, १७, १८,
 १९, २०, ५१, ५२,
 ६०, १५१, १७६, १७७,
 १८०, १८१, २०५, २०६,
 २०७
 घीकूकोहर प. ३५१
 घीकूकोहर दू. १२२, १२८, १५७, १५६,
 १७४
 घीकूपुर प. ३४६
 ,, दू. १, २, १०, १२,
 २५, ३६, ७६, ७७,
 १०४, १०७, ११०, १११,
 ११२, ११३, ११४, ११५,
 ११६, ११७, ११८, १२१,
 १२६, १२७, १२८, १२९,
 १३०, १३१, १३२, १३३,
 १३४, १३५, १३७, १४०,
 १४१
 ,, ती. ३४, ३६, २६०
 घीखरण दू. ३२
 घीखवाड़ी प. १७८
 घीछूंदो प. ४७
 घीजळी प. २३७
 घीभणो प. ६१, ६२
 घीभणोट दू. १३
 घीभळवाळी दू. १११
 घीभवाडियो दू. ११६, १५१, १६०, १८७
 घीभेवो प. १३७
 घीभोळाई दू. ८
 घीठणोक दू. ११३, १२५, १३०
 घीरू दू. १८६
 घीवासर ती. २३०
 घीनाघास दू. १८६
 घीनोतो प. ६४
 घीनणवो दू. १२३
 घीरपुरी प. १५८

घीरमगांव (घीरमगांव) दू. २१३, २५८,
 २५९, २६०,
 २६१

घीरमो दू. ३२
 घीरवाड़ी प. १७३
 घीराणी दू. ६०, १७४
 घीराळियो-भाटां-रो प. १७४
 घीरोळी-भांभणां-री प. १७६
 घीरोळी-भाटां-री प. १७६
 घीसळू प. २३५
 घेकरियो प. ४१
 घेघम प. २६, ३७, ४४, ४६,
 ६२, ६३, ६४, ६५,
 ६६, २८०
 घेधू प. ५३
 घेठवास दू. १६१
 घेडूच प. ३३, ३५
 घेणातो ती. २३१
 घेरसलपुर दू. ११७, ११६, १२१, १२६,
 १२६, १३०, १३५

,, ती. ३७
 घेरागर दू. ३८
 घेराट प. ३३२
 घोपारी दू. १४७
 घ्याधर रांणारी प. ३८
 जमसर दू. ३६
 जमांग प. १७५
 जहमांग प. १४६
 जहांनपुर प. ३१६, ३२१ दे० घुरहांनपुर।
 ज्राहनपुर प. ७७ दे० घुरहांनपुर।

श

शंजुंजय दे० सेज्जो।
 शाहपुरा प. ३२४
 शिखरगढ दे० सिखरगढ।
 शिखपट्टन प. २१३
 शेखावादी दे० शेखावादी।

शेखासर दे० सेखासर ।
 श्री महादेवजी सारणेधरजी रा गोंधी
 रो पण प. १७३, १७८
 श्रीमोर-परगनी ती. १५५

स

सतपुरो प १७४
 सभर प. २५०
 सकतीपुर प. २३१
 सकर प. १७६
 सकराणो प २१३, २१६, २१७, २१८
 सजडाऊ डू. ४
 सभांणी (सभाडी) प २४०
 सतापुर प १७७
 सतारो ती. १८१
 सतावतां रो-वास डू १७६
 सतिघ्राहो डू. १४२
 सतिहाहो डू. १२
 सतोही डू ७६
 सर्वाणो प २८२, २८३
 सपतवीप प. १७, १६०
 सपत पताळ प. १६२
 सपहर डू. ४
 समदडी प. २८, २३३
 समदडी डू. ३२
 समावळी प २३३, २४१
 " डू १६४
 समियाणो दे० तिषाणो ।
 समीचो प ४१
 समूभो प १६४
 समेळ प. ३८, २०७
 समोगढ ती. १६२
 समोगर दे० समोगढ ।
 सरऊपर डू ११६
 सरकसर डू. ६७
 सरणुघो प. १८१, १८८, १८९
 सरनावडी डू. १६२
 सरेवो प. २७

सरोतरो प १४६
 सलखावाती डू. २८०, २८१
 ससास प. १६८
 सलूधर प. ३६, ३८, ३९, ४३,
 ४८, ६६
 सवराठ डू. १६६
 सवाळख दे० स्वाळख ।
 सांकरगढ प. २७६
 सांखली डू. ३१
 सांखू ती. २२४
 सांगण डू. ६ ३६
 सांगवाडो प १७४
 सांगानेर प. ३११, ३३१
 सांगोद प. ११४
 सांचोर दे० साचोर ।
 सांतीत डू. ३६
 सांडवो ती २३२
 सांडूडो प. १७५
 सांगपुर प. १७६
 सांतरवाडो प. १७६
 सातळपुर डू. सातळपुर ।
 सांघांणो प. २४८
 साबो प ३४६
 सांभर प. ५, १००, ११६, २५०,
 ३०६
 " डू ५६, २६६
 सामई डू २१५, २३६, २३७, २३८
 सामरलो डू १८३
 सामळवाडो प १७८
 सामूजो प २४०
 सावडाऊ डू १७६
 सावत-कूधो डू १६६, १७१, १८१, १८६
 सावतसी-रो-गांव डू ४
 सांवरलो डू १८२
 सांवलतो डू. १६३
 साकवडो प १७६

साधोर प. १७८, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३२, २३४, २३६,
२४२, २४४, २४८

साठ-मंडाहड प. १७३

साठ-रो-पघम प. १७५

सातळपुर हू. २१४, २५३

सातळनेर ती. ११४, २२०

सातवाडी प. १७८

सातसेण प. १७६

सापाणी हू. १६०

सावडी प. ५, ५३, ५६, ४१,

४३, ४६, ५३, ६१,

६२, ६३

सावडी-भालावाळी प. ५

सावियाहेडो प. १०२

सापली हू. ४, १३

सापो प. २४१

सावो प. ३४६, ३५२

सायरो प. ४२

सारंगपुर प. २५२

सारंगरो प. ४३

सारण प. ३८

सारणेसर प. १७३, १७८

सारती हू. २४२

साळ प. १७७

सालेर-मालेर प. ३३२

साळोडी प. ५३, ५४

साधळ प. ८, ४७

सावडो हू. २, ३१, ८१

सावर प. १२२

सावरीज हू. १२५, १६५

साहडं प. ६६

साहपुरी प. ३२४

„ ती. २१७

साहरियाणी प. २३७

साहळथो हू. ३२

साहिजिहानाबाद प. ५३

साहिजिहानाबाद-कणबीर परगनो प. ५३

साहिजिहानाबाद-कपासण परगनो प. ५३

साहिलगड ती. १७३

साहेलो वू. १४८

साहोर ती. २३०

सिधलदीप प. ८

सिधावासणी हू. १८८

सिध प. ८, ६०, १८५, २६२

„ हू. १७, २१, २२, २५,

२६, ३१, ७६, ८१,

८६, ८७, १०६, ११६,

११७, ११८, २१५, २३१,

२३५, २३७, २३८, २६६

„ ती. १७४

सिधडी हू. २३१

सिधु हू. २४२

सिधुदीप ती. १७८

सिहलली दे० सीहलल ।

सिखरगड प. ३१८, ३१९

सिणगारी प. २०६

सिणली हू. १५०

सिणलो प. २५

सिणवाडो प. १७४

सिणवार ती. १७३

सिणहडियो प. १२३, १२४

सिडपुर प. २५६, २७६, २७७

„ हू. २७२

सिधपुर दे० सिडपुर ।

सिधमुख ती. १४, १५, २३३

सिरंगसर ती. २२४

सिरड प. ३५०

सिरडियो हू. १०७

सिरवाज प. १२७

सिरवाड

सिरवो

सिरहडू वू ११४, १२८, १३०, १३४
 सिरहडू वडी वू १३६
 सिराणो प २३६, २३६
 सिरिवाज प १३१
 सिररोहणो प १७८
 सिररोही दे० सीरोही ।
 सिष वू १३, ६६
 सिषपुरी प १८६, १६०
 सिवरटो प १७६
 सिवांगची प १६३
 सिवाणो ती १४
 सिर्वाणो प २८, १६४, १८७ १६३
 २०३, २०४, २३३, २३६,
 २३८, २३६
 , वू १२१, १५४, १६१, १७३
 १८२, १८३, १८४, १८५
 १८८, २८४
 ,, ती २८, १८४, २१४, २२०,
 २७२
 सिवानची पट्टी प १६३
 सिवाना दे० सिवाणो ।
 सिवियाणो दे० सिर्वाणो ।
 सींगडियो प ३६ ४३
 सीघाड प ४२
 सीघळावाटी ती ४१, ४८, १२५
 सीकरी प १६, ३००
 ,, वू २६२ २६४
 , ती २६७
 सीकरी पीळियो खाळ वू २६२
 सीकरी फतहपुर ती २६७
 सीघणोतो प १७४
 सीभातरा प १७६
 सीतडहाई प ३३४
 सीतहडाई वू ६
 सीतहळ वू ४
 सीतहळाई वू. ८

सीताहर वू २६१
 सीमपुर प २५६ (दे० सिद्धपुर सिधपुर)
 सीमळां रो (जाभोरो ?) वू ६
 सीरोड प ४२, ४३
 सीरोडो प १७४, १७६
 सीरोडो द्रगडां रो प १७७
 सीरोही प २२, २३, ३७, ३६
 ४१, ४२, ४६, ८६,
 ८८, ६०, १३४, १३५
 १३६ १३८, १३९, १४०,
 १४१, १४२, १४५, १४६,
 १४७, १४८, १४९, १५०,
 १५१, १५३ १५४, १५६,
 १५७, १५८, १६०, १६२,
 १६८ १६९, १७२, १७३,
 १७८ १८०, १८१, १८४,
 १६१, १६२, १६५, २४५,
 २४६, २७२, २८४
 , वू १७५ १८६
 ती. २६, ५६, ६४, ६८,
 ६९, ७५, ६६, २१५
 सीलघनी प १२७
 सीळवो वू ६७
 सीवळतो वू १५१
 सीवेर प १७३
 सीतारमो प ३२
 सीसोडे प १, ८
 ,, ती २३६
 सीहडांणो वू ३३
 सीहणवाडो प १७३
 सीहघळ प. २८५
 ,, वू १६, २५
 सीहराणो प २३७, २४८
 सीहवाग ती १७
 सीहवाडो प २२६
 सीहाणो वू १२३

सीहार दू. १६८
 सीहारो दू. १७३
 सीहो प. १७८
 सीहोर प. २७६, ३३५
 सृआळी प. ६१
 सुईगांध प. १७२, ३६५
 सुगाळियो प. २३६, २३८
 सुणेर प. २६, ४६
 सुरडियो दू. ३२
 सुरताणपुरो प. १७४
 सुरवाणियो प. ३५४
 सुहागपुरी प. ६३, ६४
 सूडळ दू. २६२
 सुंस दू. ४५
 सूजेवो-वांभणीको दू. ७६
 सूरजवासणी दू. १५०, १७४
 सूरपुर ती. २१६
 सूरपुरो दू. १८३
 सूरसेन प. २५३
 सूरानी दू. १८०, १८८
 सूरचंव प. २२८, २३१, ३६४, ३६५
 सूरसर दू. १११
 सूवो प. ५३
 सुहडली प. १७६
 सुहतो प. २८३
 सेखण्ट दू. २२४
 सेखावाटी ती. २७४
 सेखासर दू. ३, १२, १०६, १०७,
 १४२, १४३,
 सेणो प. २४५, २४६, २४७
 सेत दे० सेतुबंध ।
 सेतरावो ती. ७
 सेतुबंध प. ६
 ,, दू. ३८
 सेतोराई दू. ११
 सेत्रूंजो प. २७६, ३३५

सेपटावास दू. १६८
 सेरडो ती. २१
 सेराणो दू. १४८
 सेरवो प. १७५
 सेलावट दू. ५
 सेलो ती. २३२
 सेवंत्री प. २८५
 सेवका ती. ६१
 सेवडो दू. १२७, १३४, १३५
 सेवना प. ६४
 सेवाडी प. ६८, ४१
 सेवा सांखला रो गांध दू. २६१
 सेसू-त्रिवाडियां-रो प. १८०
 सेहुरो प. १७७
 सेभर प. ५ दे० सांभर ।
 सेणो प. २०४
 सेवर प. ३७
 सेसभारिजो प. ४७
 सेआऊ दू. १०४
 सेजत दे० सोभत ।
 सेजेरो दू. ३६
 सेजेवो दू. ४३
 सोभत प. २३, २५, ३७, ५१,
 ११४, २३३, २४१, ३६१
 ,, दू. ८४, ८६, १४७, १४८,
 १६१, १६३, १६४, १६५,
 १६६, १७७, १७८, १८१,
 १८३, १८७, १८८, ३१३,
 ३३१, ३३६
 ,, ती. ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८,
 १२३, २१५
 सोभेवो दू. ४
 सोनगिर (जालोर) प. १८७, २३१
 सोनाणी प. १७६
 सोनागर दे० सोनगिर ।

सोनेही प. २०६
 सोमईयो प. ३३५
 सोमनाथ प. ३३५
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३
 सोयलो द्व. १७१
 सोरठ प. ८, २२, १४६, २१३,
 २१५, २७१, ३३५
 „ द्व. १६, २५, २६, ६४,
 १६८, २०३, २०५, २२०,
 २४२, २६६
 „ ती. २२०
 सोळकिर्पा-रो-उत्तन (पयग) प १७३
 सोळकिर्पा घाळी द्व. १३६
 सोळसभा प. १७५
 सोलावास प. १७६
 सोळियाई द्व. ६
 सोलोई प. १७८
 सोवाणियो द्व. १२४
 सोहडापुर प. १७६
 सोहलवाडो प. १७५
 सोराष्ट्र दे० सोरठ ।
 सोरो प. २१४
 स्पांणो प. १४६
 स्पालकोट प. ३००
 स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर
 स्वाळख प. १८५, ३२४

ह

हस बाहळो प २६
 हसार दे. हासार ।
 हट हटांरो द्व. ३३
 हडफो द्व. १२३
 हडघो द्व. ६६
 हडेस द्व. ४
 हणवतियो प. १७५
 हणाद्रो प. १७५
 हयणापुर द्व. २४२

हयणापुर ती. १७४
 हयूडियो द्व. १६१
 हवा-रो-वास द्व. ३६
 हमीरपुर प. ५३, १७५
 हरडांणो प. २३६
 हरदेसर ती. २३२
 हरभमगाळ प ३५०
 हरमूसर प. ३४७
 हरमाडो प. ६०
 हरवाडो ती. १०१
 हरवार प. ६६
 हरसोर प. १२२
 हरीगढ प. ११६
 हळदी-रो-घाटी प. २०८
 हळवव द्व. २१४, २४५, २४६, २४८,
 २५०, २५३, २५४, २५५,
 २५६, २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२
 „ ती. २२०
 हळोद दे. हळवव ।
 हळोद्र दे. हळवव ।
 हळरो घाटी दे. हळदी-रो-घाटी ।
 हवेली-मोकीली परगनो प. ५२
 हवेली-रागांव प. ४५
 हस्तिनापुर दे. हयणापुर
 हांसार ती २१, २२, २७३, २७४
 हासी प २७३
 हाडोती प. ४७, ११६, २०२
 „ द्व. २६२
 „ ती. २६८, २६९
 हायळ प. १७६
 हापासर द्व. ११, ११०, १११, १२८,
 १२१, १२४, १२५
 हाबुर द्व. ४
 हारांणी-खेडो ती. १५
 हालार द्व २२१

हाळीवाडो प. १७६

हिंदुस्थान प. १९२, २१७, २१९, २८६

„ इ. १५ ३३१

„ ती. १६, १७२, १९२

हिसार दे. हांसार ।

हिरणामो प. १०६

हिरमनगढ ती. १७४

हिसार दे. हांसार ।

हींगोळां-री-वासणी इ. १८८

होंडोळो प. १०९, ११७

हीरावेसर प. २३५, २३९, २४०

„ इ. १६६

हुरड-वाहण इ. २०

हरमभ इ. २३९

हुंगोरी प. २८३

हुण प. २३३

हेकल इ. ४

हेठामाटी प. १७७



२. भौगोलिक नामावली

[२] पर्वत जलाशयादि नामावली

(नामो को ढूँढ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ)

घरहट	- रहट ।	तळाई	- छोटा तालाब
घाराबळो	- घरबलो पर्वत ।	तळाव	- तालाब
उनाव	- १ जलाशय । २. नीची भूमि ।	तळो	- कुँघ्रा ।
कुघो	- कुँघ्रा ।	इह	- १. पानी से भरा रहने वाला गहरा घोर बड़ा खड्डा । २. बिना घटा हुआ कुँघ्रा ।
कूमो	- कुँघ्रा ।	नळो	- पर्वत ।
कोहर	- कुँघ्रा ।	नाळ	- घाटी । पहाडी मार्ग ।
साम	- १. तलहटी । २ पहाडी ढलाव । ३. पहाड का भीतर घुसा हुआ भाग ।	नाळो	- नाला ।
गिर	- गिरि । पर्वत ।	पार	- १. कुँघ्रा । २. छोटा तालाब । ३. राँव ।
घाटाबळ	- १. बड़ी घाटी । २. बिकट पहाड का बड़ा मार्ग । ३ एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाडी मार्ग ।	भालर	- पर्वत ।
घाटी	- पहाडी मार्ग ।	भालरी	- पहाडी ।
घाटी	- बड़ी घाटी ।	भगरी	- पहाडी ।
नाळ	- पीलू वृक्ष ।	भगरो	- पर्वत ।
भालरी	- चारों ओर सीढियों वाला कुँघ्रा अथवा बड़ा कुँघ्रा ।	बळो	- पर्वत ।
दूक	- शिखर ।	धाय	- धापी । बावली ।
ढोभो	- १. छोटा तालाब । २. बड़ा कुँघ्रा ।	धावडी	- धापी । बावली ।
दूगर	- पर्वत	धाहळो	- नाला ।
दूगरी	- पहाडी	वेरो	- कुँघ्रा ।
		समव	- १ तालाब । २ भील ।
		समुद्र	- १. तालाब । २. भील ।
		सर	- १. तालाब । २ कुँघ्रा ।
		सागर	- १. तालाब । २. भील ।

पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

- अंबली रो टूंक प. ६६
 अखा वेरो (कूप) ती. १३४
 अचलाणी तळाई दू. १३५, १४२
 अटक दू. १६८
 अनंतसी-री-डूंगरी प. १४
 अनळकूंड-आवू प. १३४, ३३६
 अमजमाळ-रो-भाखर प. ४०
 अरवण-रा-मगरा प. ४४
 अरावली पर्वत प. ११३
 अवाह (कूप) दू. १४२

आ

- आंवाव-रा-भाखर प. २७७
 आकळी (कूप) दू. १४२
 आटोवळो प. ३४०
 आडोवळो ती. १४०
 आवू पर्वत प. १३४, १३५, १४१, १४४,
 १५१, १७३, १७७, १८०,
 १८१, १८२, १८३, १८४,
 ३३६
 आवड-सावड-रा-मगरा प. ३६
 आसल समुद्र (तालाव) प. २०२
 आहोरगढ-रा-मगरा प. ४२

इ

- इरावती नदी ती. ७०

ई

- ईसवाळ-रो-मगरा प. ४१

उ

- उदेंसागर (तळाव) प. ५१, ३४, ३५,
 ४३, ४५, ४८
 उदेंसागर-रो-नाळो प. ४५

उनाथ दू. ५

क

- कणिद्यागिर (पर्वत) प. १८७
 कनकगिरि (,) प. १८७
 कपूरदेसर तळाव दू. ३५, ३६
 कनड-रा-पहाड ती. २७६
 कानडिया-री-तळाई दू. १३५
 कामां पहाडी प. ३१८
 काक नदी दू. ४
 काका वेरो दू. ३२
 काळीभर मगरा प. ३६४
 काळो डूंगर दू. ४, १३, २७
 ,, ,, ती. १५३, १५४
 किडांणो कोहर दू. ११३, १३६
 कुंभळमेर-रो-घाटो ती. ४७
 कुंभळमेर-रो-मगरा प. ३५, ४१
 कुहाडियो नळो प. ४२
 कूपासर (कोहर) दू. १३६
 केरडू मगरा ती. ११०
 केवडा-री-नाळ प. ३५
 कैर डूंगर दू. १३१, १४४
 कैर-डूंगर-वाहळो दू. १४४
 कैलास पर्वत प. ८
 कोटणी-री-डूंगरी ती. १५४
 कोटर्ण रो तळाव ती. २६१
 कोनरो-भास नाळो प. ४१
 कोर डूंगर दू. ३
 कोलर रो तळाव दू. ३३०
 कोळियासर (कोहर) दू. १३६
 कोहर धलू रो प. २२७

ख

- खमण-रो-मगरा प. ४१

खमणोर-री घाटो प ३५
 साङ्गु री भाखरो प. २५१
 घारी नदी प. ४७
 खीचियां बाळो कोहर डू १४२
 खीरघो तळाव डू १४३
 खुडिये-रो-जनाव तो १८
 खेतपाळ रो टोमो डू. १३५
 खेत्तू री तळाई डू १४२

ग

गवा नदी प १३२, ३३२
 गवाजी डू २०२
 गवावास री सावडी-रा-मगरा प. ४३, ४६
 गगारडो तळाव तो, ११८
 गड आहोर रो-मगरो प ४२
 गणेशजी की पहाडी

दे० विनायक री डूगरी

गांगडी नदी प ८७
 गागा-री-बावडी ती २१५
 गांगेळाव तळाव ती २१५
 गिरनार पर्वत प. २२
 " " डू. १, २०२, २०४,
 २०५, २०६, २४०

गिरराजसर कोहर डू १३६
 गिरवा रा-भाखर प. ३६, ४१, ६१, ६२
 गिरसोन दे० सोनगिरि ।
 गौडानो तळाव प २५३
 गोप्रळो कोहर डू १४२
 गुडवाण-रो-भाखर प ११३, ११५
 गुसाव सागर ती २१३
 गुंजयो कोहर ती ७७
 गंहुसोतां बाळो कोहर डू १३५
 गोमलीसर कोहर डू १३५
 गोदावरी नदी प १२२
 गोघणली तळाई डू १३५
 गोगळी तळाई डू १३४
 गोमती नदी डू. २६८

गोदाणो भाखर ती. २५६
 गोरहर (संतसमेर दुर्ग) डू. १२६
 गोलीराव तळाव प. २६३

घ

घडसोसर तळाव डू ७३
 " " ती. ३६
 घांणरा-री-घाटो प. ३६
 घांसार-रो-मगरो प ४१, ४७
 घांसेर रो-मगरो दे० घांसार-रो-मगरो ।
 घाटो ती ४७
 घूषरोट रा पहाड डू. २६०, २६१, २६४
 " " ती १०१, १०२, १२८

च

चंद्रमागा नदी ती ७०
 चंद्राव-भाटो री तळाई डू. १३४
 चयल नदी दे० चांबळ नदी ।
 चरला-री-डूगरी ती. १५४
 चहुवाण तेजसो-री-वाय प २२७
 चांबळ नदी प ४५, ४७, ११४, ११६
 " " डू १७३
 चाडी कोहर डू १४२
 चारण बाळो कोहर डू १३५
 चावंड रा-मगरा प ३५
 चावडा रा मगरा प ५७
 चित्रकूट (पर्वत) प ८
 चित्रकोट (") प ८
 चिनाव नदी ती ७०
 चिमर-री-डूगरी ती १५४
 चीरवा-री-घाटो प ४४
 चेलळो भाखर प. १५६

छ

छपन वावड-रा-मगरा प ४३
 छपन-रो-मगरो प ५८
 छहीटण-रा भाखर डू ५
 छाळो पूतळो रा-मगरा प ४३, ४७

ज

- जगमाल-री-तळाई दू. १४२
 जमुना नदी प. १३२, ३३२
 जरगा-रो-भाखर प. ४२, ४७, ११६
 जवणा री तळाई दू. १०६
 जवणी-री-तळाई दू. १४२
 जवाछ-रा-मगरा प. ४३
 जसू वेरी दू. १३६
 जांजाळी नदी प. ६४
 जाखम नदी प. ६४
 जाह्लुवी ती. २०६
 जाघर-री-खाण, हपा री प. ३५
 जाघर-रो-नाळ प. ३५, ४३
 जीलवाडा-रो-घाटी प. ३६
 जूजळ-रो-वेरी दू. २६१
 जुही नदी प. ४१
 जेठांणी तळाई दू. १४३
 जेठांणी नदी दू. २६०
 जेसळू वेरी दू. ३५
 जैता-री-तळाई दू. १३४
 जीर्गी-रो-तळाव प. ३४७
 " " दू. ११३

झ

- झडोल-रा-मगरा प. ४२
 झांस नाळो-फोनरो प. ४१
 झाडोळी-रा-मगरा प. ४६
 झेलम नदी ती. ७०
 भोटेळाव तळाव ती. २५२, २५३

ट

- टगरावटी-रा-मगरा प. ४२, ४६
 टावरियांवाळो फोहर दू. १३५

ड

- डूंगरसर तळाव दू. १०८

ढ

- ढस नदी प. ३१
 ढाकसरी-री-फोहर प. ३४७

त

- तणूसर तळाव दू. २७
 तिलांणी तळाई दू. १३४
 तेजसी-री-घाव प. २२७
 तोळाऊ फोहर (बीजो) दू. १४२
 त्रिकुट दू. २४२

द

- दळपत भाटी घाळो घावडी दू. १३६
 दलोत-कलोल-रा-मगरा प. ४३, ४७
 दहवारी-री-घाटी प. ३५
 देरांणी तळाई दू. १४३
 देरांणी नदी दू. २६०
 देवरावसर तळाव दू. २७
 देवरासर तळाव दू. ३२
 देवहर-रा-मगरा प. ४३
 देवाइत-रो-तळाव दू. १६, ११३
 देवजी-री-डूंगरी ती. १५४
 देवीदास-री-तळाई दू. १४२

ध

- धवळागिर प. १८
 धार-रो-पहाड प. ४३
 धारा-री-तळाई दू. १०६, १४३

न

- नगराजसर (फोहर) दू. १३६
 नरसिध घाळो फोहर दू. १४२
 नरासर तळाव ती. ११३
 नांबडे फोहर दू. १४२
 नागनय नदी दू. २२०
 नाचणो फोहर दू. १४२
 नायां-रो फोहर दू. १३६
 नारणसर फोहर दू. १३५
 नाळ भाखर प. ३५
 नाहेसर-रा-मागरा प. ४२, ४६
 नांबलियो तळाव दू. १४३.
 नांबली तळाई दू. १३५, १३७

प

पध नद्य ती ६७, ७०
 पई मयारा रा-मगरा प. ४३
 पई-रा-डुगर प १६
 ,, डू. ३३८
 ,, ती १
 पगघोई नदी प. ४५
 पठार प ४४
 पवमसर तासाय ती २१५
 पद्रोळाई तळाई प ३४८
 पनोता रो वाहळो डू. ३३०
 पनोर रा-मगरा प ४३, ४६
 पहियड (पर्वत) ती. १३६, १३७
 पही रो डुगर दे० पई-रा-डुगर ।
 पार डू १३६, १३७
 पार नदी प ११७
 पीडर भांप रो मगरो प ४१
 पीछोतो तळाव प ३२, ३३, ३४, ४३
 ,, ,, ती १२
 पोयासर (कोहर) डू १३६
 पीपळहडी-रा-मगरा प ४३
 पुडण नदी प ११७
 पुनावे रो तळाई डू. १३५
 पोकरण रो वाहळो डू. ५३
 प्रोहितघाळो कोहर डू १३५

व

वहतसागर ती २१३
 वनास नदी प. ४०, ४१, ४७
 वरडो डुगर डू २२०, २२६
 वसू रो-कोहर प २२७
 वह तळाई डू १३४
 वहवनसर तळाव प ३३३
 वांभणांवाळो सर डू १३७
 वांभणी नदी प ४५
 वारवरडा-रा-मगरा प ४३
 बालसीसर (तालाव) ती. २५७, २५६

बिब तरोवर प २७७
 बीयासर तळाव प १२४
 बीलेसर डुगर डू २२६
 बेंराई रा ग्रह ती ६०
 ब्राह्मणी दे० वांभणी नदी ।

भ

भडळो कोहर डू. १४२
 भपरी तळाई डू १३४
 भरोसर (कोहर) डू १३७
 भासर तळाव प ३५
 भागीरथी ती २०६
 भाडेर-रा-मगरा प ४२, ४३, ४६
 भावर नदी प २७१
 भारमसर कोहर डू १३५
 भीदासर कोहर डू १३५
 भैरवी घाटो प ६६
 भंते तिरा-री डुगरी ती १५४
 भोजासर तळाव डू १०६
 भोरड रो पहाड प ४०

म

मडळप तळाव डू ४१ ४२
 मदाकिनो ती २०६
 मद्याथळो मगरो प. ४०, ४१, ४२
 महिराजांणो तळाव प ३४७
 महिला धाग रो भालरो ती २१३
 मही नदी प ६७, ८६, ८७, ८८, १२०
 मांगणी-रो तळो डू २६१
 माहाळ तळाई डू १३५
 मांडावो धरहट ती ८४
 माणच-रा मगरा प ४३
 माणल देवाडत-रो तळाव डू १६
 मानपुरे-रो घाटो प ३६, ३८
 माना कुड प ३१
 माछळा रो-मगरो प ३२, ३३
 मोठडियो वेरो डू १४२

मुहार रं खडीण-रो-उताव दू. ५
 मेर (पर्वत) प. १६२, २२६
 " " दू. ५३
 मेरगिर दू. १४, ५२
 मेर-सिखर दू. ५२
 मेरा-रो-तळाई दू. १४३
 मेर दे० मेर। मेरगिर।
 मेळू-रो-तळाई दू. १४२
 मेघल-रा-मगरा प. ४३

र

रांगा-रो-तळाई दू. ११२, १४२
 रांगाहळ तळाव दू. १३४
 रांणीवाळो तळाव दू. १३४
 रांणीळाव तळाव प. १२४
 राजवाई-रो-तळाई दू. ७२, ७५, ८५
 राठासन-रो-मगरा प. ४४
 रायमल वाळो तळाव दू. ६६
 राव बलू-रो-कोहर प. २२६
 राव-रो-साळाव दू. १२६, १४२
 राधी नदी ती. ७०
 राह्य-रो-मगरा प. ४१, ४२
 र्खंदियो कुवो प. २३८
 रेयां री डुंगरी ती. ६५

ल

लखी जंगळ दू. १६
 लाखाहोळी (पहाड) प. ४३
 लाखेळाव तळाव प. १३६
 लाठीहर दू. २६१
 लायां री मगरा दू. ३२७
 लीकणो वेरो दू. १४२
 लूभासर तळाव प. ३४७
 लूडी-रांमसर तळाई दू. १३६
 लूणी नदी प. २८, २२८, ३३३
 " " दू. १३०, २८४, २८५
 " " ती. १४७

लूनी नदी। दे० लूणी नदी।
 लोहडी तळाई दू. १३४, १४१

व

वडगिर (जैसलमेर का पर्वत और किला)
 दू. ६३
 वडांणी तळाव दू. ८५
 वरजांग-तळाई दू. १३४
 वरजांगसर तळाव दू. १६०
 वर नदी प. ४१
 वरवाडो मगरा प. ४१, ४७
 वळो (आडावळो) प. ११३
 वसी-रा-मगरा प. ६६
 वांसोर डुंगरयां दू. ३२६
 वाखळवाळी तळाई दू. १३५
 वाघोर-री-खाम प. ४०
 वालसीसर तळाव ती. २५६
 वावडी तळाई बलपत री दू. १३४
 विजंराघसर तळाव दू. २७
 वितस्था नदी ती. ७०
 विनायक-री-डुंगरी ती. १५४
 विपासा नदी ती. ७०
 वींठळीगढ ती. ६५
 वीका सोळंकी-रो-तळाव दू. १३५
 वीर समंब प. १३१
 वेकरिया-रो-घाटो प. ४१
 वेडच नदी प. ३३, ३५
 वेत नदी ती. २४१
 व्यास नदी ती. ७०
 वेगण तळाव दू. १४३
 वेरोलाई तळाव दू. १४३

श

शतद्रू नदी ती. ७०

स

संतन-रो-वावडी ती. १५७
 सजन-रो-गिडी प. १६३

सतसल नदी ती. ७०
 सरणजमी भाखर प. ४१, १३५, १८१,
 १८८
 सरणुवो दे० सरणजमी भाखर ।
 सरस्वती नदी प. २७६
 " " दू. ३, २६६
 " " ती. २६
 सहस्रतिग तलाव दू. ३३
 साठीको-कोहर दू. २८६
 सायर-रो-घाटी प. ३६
 सारण घाटावळ प. ३८
 सालेर-री-डूगरी ती. १५४
 साहया-रो-तलाव ती २१
 सिध नदी (हाडोती) प १३३, ११५,
 ११६
 सिधु दू. २४२
 सिधु नदी ती. ७०
 सिरहड तलाई दू. १३४
 सिरहड लोहडी दू. १३४
 सिरहड बडी दू. १३५
 सोंगडियो भाखर प ४३
 सीताहर दू. २६१
 सीप नदी दू. २१८

सीरोड-रा-मगरी प ४३
 सीसरवा-रो-मगरी प. ३३
 सुघो भाखर प. २०३, २०४
 सूर सागर प. ११३
 सेलासर तलाव दू. १४२, १४३
 सोनगिरी प १८७, २३१
 सोनागर दे० सोनगिरि ।
 सोम नदी प ३८, ८६
 सोळकियावाळो कोहर दू. १३६
 सोहाण रो-भाखर दू. ३५
 स्पाम नदी प ८७, ८८
 स्वर्णगिरि दे० सोनगिरि ।

ह

हरल तलाई दू. १३४
 हरभम जाळ प. ३५०
 हरभूसर तलाव प. ३४७
 हरराज रो-लोहडी (तलाई) दू. १३४
 हळदी-री-घाटी प. २०८
 हळदी घाटी दे० हळदी री-घाटी ।
 हिमालय प. ६, १८, २७८
 " दू. २०४
 हेम दे० हिमालय ।
 हेमराजसर कोहर दू. १२, १४०, १४२

३. सांस्कृतिक नामावली

[१] ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

अ

अंगारा-लाग (बाह-संस्कार) दू. २४६
 अचड़ा-बोल दू. २६
 अजित ग्रन्थ ती. २१३
 अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३
 अणहलघाड़ा-पाटणरी-वात (ग्रन्थ) ती. ४६,
 ५०, ५२
 अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बोकानेर (संस्था)
 दू. ३१०
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बोकानेर (संस्था)
 ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७,
 २०७, २०८
 अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४
 अमर-कांचली ती. ६६
 अमल (अमल-पांणी) प. १३४
 " " दू. २५१
 अमल (अमल-पांणी) ती. ६२, १३४,
 १६३, २५७, २८१
 अमल-रो-पांती ती. २६०, २६१, २६२
 अमृत ती. ६
 अराबो दू. २३
 अलकलां की पंड़ी (ग्रन्थ) ती. २७५
 अश्वमेध प. २३०
 असत घांत दू. ५१

आ

आकाश मंगा दे० अवारमग ।
 आलड़ी प. ४६
 आल्लाड़ी (नृत्य सभा) प. २७४

आल्लाड़ी (नृत्य सभा) दू. ३७
 आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४
 आयुष्मान् ती. ४६
 आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४
 आसण (स्थान) ती. १०७, १०८

इ

इंद्र विद्या (वि.वि.) प. १२८
 इक-वंभियो महल ती. २१३

उ

उत्पादन-शुल्क दू. २५८

ऊ

ऊनाली हेंसो (कर) प. ३६
 ऊनाली-हेंसो (कर) दू. ८

औ

औहखरो (घात) दू. ८

ओ

ओळ प. १८२

क

कंकण-डोरडा दे० कांकण-डोरडी ।
 कंचळ-पूजा प. ३३६
 कंधार-मग (खगोल) दू. ६१
 कंधार-सूँलड़ी (कर) ती. ५४
 कच्छ कलाधर (ग्रन्थ) प. २६६
 कच्छ कलाधर (ग्रन्थ) दू. २०६, २१४,
 २३७
 कटारी दू. २६६
 कच्छी पलाण ती. ६७

कपाळीक (तांत्रिक) प. ३२२
 कपूर-वासियो-पाणी दू. ३३
 कराय वे० कमान
 कमान दू. ६६
 कर प. ६४, ७७, ६४, ११६, १२०, १७३
 कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८
 कर ती ५४,
 करह घास दू. ८
 करमुक्त-जागीरी प. २८३
 करपत दू. ४५
 कळजुग प. ३१
 कलियुग वे. कळजुग। कळ
 कळ ती. १८५
 कवार नी सूखडी ती. ५४, ५८
 कवि प्रिया (प्रय) प. १२८
 कस्तूरियो-निरघ (विसासिता की उपाधि)
 दू. ४१
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) प. ७३
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) दू. २६५,
 ३१८
 काचळी (पुत्री-नेग) दू. २४८
 काचळी (पुत्री नेग) ती ६६
 कांदीवाळी लाग (कर) ती. ५४
 काजी नी लाग (कर) ती. ५४
 काग्हडवे प्रघाघ (प्रय) दू. २०४, २१५
 काग्हडवे प्रघाघ (प्रय) ती. २६३
 काळवी-ज्वार दू. ५१
 कालर दू. २५
 काण्ट-भक्षण ती. ३३
 किरमाळ दू. १०१, १२६
 कुवर नजरानो (कर) ती. ५४
 कुंघर-पद्येवडो (कर) ती. ५४
 कुंघर-पामरो (कर) ती. ५४
 कुवर-भाणो (कर) ती ५४
 कुवर सूखडी (कर) ती. ५४
 कुतबसाहो नाणो (मुद्रा) ती. ५३

कूतो दू० ५
 कृत (भूतक सस्कार) दू. २७१
 कृपि-कर दू. २६०
 कृष्ण स्तुति (प्रय) ती. २०६
 केसरिया ती. १११
 क्यामखां रासा ती. २७४
 खवार-मग दू. ६१
 ख
 खडाऊ ती. ५१
 खमा ती ४६
 खरक कूण (वि दि.) प. ३३, ३८, ४३
 खालसो प १७४
 खालसो दू ४, ७
 खालसो ती. १८, ११५
 खेडा-रो बाघण (पालेट) प २८४
 ग
 गगा स्तुति (प्रय) ती २०६
 गज उदार (प्रय) ती २१३
 गाय-दान दू० २६६
 गिरवी ती ५
 गौदोली रो घात (प्रय) दू. २८७
 गुण दूहा (प्रय) ती. २१३
 गुण सागर (प्रय) ती २१३
 गुरह दू २५२, २५३
 गुठ प्रायना (प्रय) ती २०६
 गुळ-लाग (कर) दू. ७
 गेहर ती. ८५
 गोडो-वाळणो ती ६७
 गोत्र-कदव दू २६६
 गोहिल-टोळो (स्थान) प ३३५
 प्राप्त (कर) प. १४७, १३५
 प्राप्त (कर) ती. ८६, १६७
 प्राप्तवेध (कर-कलह) प ६१, ११२,
 १५४
 घ
 घणदेवजी-रोटा दू. ३२६

घरवास ती. २८३
 घरवासो ती. २३
 घूँटी दू. ३१२
 घूघरियां ती. २६४
 घोड़ा-चारण (कर) ती. ५४

च

चंवरी प. १३४, २३२
 चंवरी दू. २८७, ३१०
 चूंगी दू. २६०
 चेटी (परिमाण) प. ३६४
 चोटी-घड़ियो प. ६८
 चौथ (कर) प. ६३
 चौथ (कर) दू. २२१
 चौहान कुल कल्पद्रुम (ग्रंथ) प. २२१

छ

छकड़ (मुद्रा) ती. ११२
 छतीस-भास दू. १५
 छत्र दू० ५६, ५७, ५८, ८३, २३७
 छत्र ती. १७१
 छत्र ११०
 छांट ती. ११०
 छांड धालणी ती. ११०

ज

जंत्र दू. ५७, २२५
 जंत्र-बत्तीस दू. २३१
 जंवर दे. जोहर ।
 जजिया दे. जेजियो ।
 जन्म घूँटी दू. ३१२
 जवाबि जलहर (जलक्रीड़ा) दू. ४१, ६८
 जमहर दे० जोहर ।
 जलालशाही-नाणो (मुद्रा) ती. ५३
 जलाला (मुद्रा) दे० जलालशाही नाणो ।
 जानी ती. ४५, ४७
 जाह्नवी-डा बूहा (ग्रन्थ) ती. २०६
 जिगन दू. ८३

जिग्घ-कुंड प. ११
 जुंहर दे० जोहर ।
 जेजियो (कर) प. ५५
 जेजियो (कर) दू. ७
 जैन दे० देवता आदि नामावली ।
 जोगणी (शकुन) ती. ७१
 जोहर प. ३३३
 जोहर दू. ५६, ६०, ६१
 जोहर ती. १७, २५, ३४, ५५
 ज्युंहर दे० जोहर ।

ट

टंकसाळ (कर । मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८
 टकी (तोस । कर । मुद्रा) प. ६६, २६२,
 २८४
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) प. ३१,
 ७३, ७५, १०६, ११०, ११२, १३७,
 ३५६
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) दू. १०६,
 ११५, १४०, २०५, २१८, ३४२
 टोको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) ती. ५३,
 ६८, ७२, ८१, ६५, १०५,
 ११४, ११५, १२६, १३२, १३३,
 १३६, १४६, १६१, १८१, १८२,
 २३८, २७६, २८५

ड

डंड (कर । शिक्षा) प. ७७
 डंड (कर । शिक्षा) दू. ३१, २८२
 डंड (कर । शिक्षा) ती. १६७, २७१
 डांगरजंत्र दू. ५८
 डावी-पाघ ती. ७०
 डोरडो दे० कांकण-डोरडो ।
 डोळी (दान की भूमि) दू. ३५

ढ

ढब्बसाई पैसा (तोस । मुद्रा) दू. ३१२
 ढोर नी चराई (कर) ती. ५४
 ढोल (प्राक्रमण-संकेत) दू. ३०२

डोल (आक्रमण-संकेत) ती. १४७, २६२,
२८४

डोल-रो-डमको प. २२६

डोला-भारघण (प्रथ) प. २८६

त

तकियो प. ३१८

तर्पण प. १३२

तलार (कर) ती. ५४

तहड़ कृण प ८७

ताबूत दू. ४६, ५०, ५६

ताम्रयुग ती. १७३

ताल (माप) दू. ३२३

तुरकाणी ती. ५३

तेल-घडो ती. ७५

तुलाबट (कर) दू. ७

तोरण घाँवणो ती. ४२

तोला दू. ३१२

" ,, ती. १६३

त्याग (दान) इनाम) दू. ३२६ ३२७

थ

थडा ती. २१३

थापण ती ५

थाळा लाग (कर) प. १६

द

दहध-रो फेर प. ७६

दत्त दायजो वे० दायजो ।

* दयाळदास री त्यात (प्रथ) ती. २०६

दळपत विलास (प्रथ) ती. २०७

दसरयराव उत्तर-रा-दूहा (प्रंथ) ती २०६

दसरावो (दसराहो) (पवं) प ६६

दसरावो (दसराहो) (पवं) दू. २४

दसरावो (दसराहो) ती. ११६

दस्तूरी (कर) ती. ५४

दाण (कर। खेल) प ८४, १५६, १५८,

१७३

दाण (कर । खेल)दू. ७, ४६, ७६, १२६,
३०१

दाण (कर । खेल) ती. ५४

दाणव दू. ५६

दाँन प. ३१

दाँन दू १२०, २२३, २३६, २३७, ३२६

दाँम (मुद्रा। कर) प. ५२, २२८, २७६,
३३२

दाँम (मुद्रा। कर) दू. २६, २५८, २५६,
२७६

दांग (संस्कार) वे० बाह संस्कार ।

दापो (कर) प २३२

दायजो दू ३१०

दायजो ती. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२,
२०३, २७२, २७३, २८२

दाळ री लाग (कर) ती. २४०

दाह-संस्कार (प्रणि संस्कार) प. १०८

दाह-संस्कार (प्रणि संस्कार) दू २४६

" " " ती. २६३

दोघाळो (पवं) प. २, ७३, ६६, २७३

दोघाळो (पवं) दू. ७, २४

दोघाळो-मिलण (कर) दू ७

दुगांणी (कर । मुद्रा । गणित) दू. ७

दुहाय ती १०५

दुहायण ती. १३६

देवचो दू. ४०

देवताघों को शाला (मडोर) ती. २१३

देवाघा दू ४०, ११६

देसवाळी लोग दू. ७, ८

देसोटो दू. १७७

दोढवाड कूतो (कर) दू. ५

द्वापूर (युग) ती. १८५

ध

धजवड ती १६७

धनुष दू ६७

धरम द्वार दू. ६४

धर्म-भाई दू. ५१, ३०३

घारेचो दू. ११५

घारेचो ती. ५७

न

नगरा-नीसांण प. ३४०

नगारो (आक्रमण-संकेत) प. १५२

नगारो (") दू. ३४, २४४,
२४५, २४६, २४७नगारो (आक्रमण-संकेत) ती. १३२, १४३,
२७६, २८४

नवकुल नाग दू. २५२

नाच दू. २४

नारेळ-दे० नाळेर ।

नाळ (अस्त्र) दू. २३

नाळवंधी (कर) प. ६६

नाळेर (चाग्वान-संस्कार) प. ७३, २०६,
३४५नाळेर (चाग्वान-संस्कार) दू. २६६, २६२,
३२४, ३३४नाळेर (चाग्वान-संस्कार) ती. ४१, ७२,
१०४, १४१, १६५

निवाज (नसाज) दू. ६७

नीसांण प. ३४०

नीसांण प. दू. ५६, ५७, २४२

नेग दू. ७२, ३२६, ३२७

नेगी दू. ७२

नेसारी ख्यात ती. १७४, २०६, २०८,
२६४

न्याळा ती. १०८

न्योछावर दू. ३२७

प

पंच वेवळियां ती. २१३

पंच प्रवर ती. १७५

पंचाच कूण (वि. दि.) प. ३६

पईसो (मुद्रा । तोल) प. ७७

पईसो (मुद्रा । तोल) दू. २७, २६, ७२,
१०५, २५८, २८२, ३०१, ३११,
३१२

पईसो (मुद्रा । तोल) ती. १६३

पटू ती. २६६, २६६

परवाणो दू. ५६

परवाह (दात । नेग) दू. ३२५, ३२७

पळी (माप । सफेद वाल) दू. ५५, ३११,
३१२

पळो (माप) दू. १५४

पसाइता प. २२८

पाखंड (स्यान) ती. २

पाघडी-बरोट (कर) ती. ५४

पाट प. ५, १३, १६, १६, १८६, १८८,
१८६, २०५, ३११

पाट दू. १०८

पाट ती. १६१

पायाळ प. २७८

पावडो ती० ५१

पितराई दू. २२२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८

पीडर-भाप (तंत्र) प. ४१

पीरोजी (मुद्रा) दे० पिरोजशाही-सिक्का ।

पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७

पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४,
१३६, १४२, २८६

पुराण (धर्म शास्त्र) प. २३०

पुरातत्त्व विभाग, राजस्थान (संस्था)
ती. १७३

पुरुष दे० पुरस ।

पूँखणो ती. ४६

पूँछी (कर) ती. ५४

पेरोजी (मुद्रा) दे० पिरोजशाही सिक्का ।

पेशकशी (कर) प. १४०

पेशकशी (कर) दू. ७, १०५

पेसकस (कर) दे. पेशकशी ।

पेसकशी दे. पेशकशी ।

पंसा दे० पईसो ।

पोतो अमल रो ती. २६०, २६१, २६२

प्रेम वीपिका (प्रंथ) ती. २०६

फ

- फदियो (मुद्रा) दू. ३१५
 फदियो (मुद्रा) ती. ४५, २६०
 फुरमान दू. ५६, १०५
 फेरा दू. २७७
 फेरा ती. ७५

व

- वरछो ती. १६७
 वळ (कर) ती. ५४
 वलि ती. १७
 वहत्तर उमराव ती. ५३
 वांकीदास की बात (प्रप) ती. २६६
 बांग दू. ४८
 बाजरियो ती. २६०
 बापीका दू. २२१
 बाब (कर) दू. ७, ८.
 बाम्बे गंजेटियर (प्रप) दू. २६६
 बोटो दू. ६६, ७०, २३१, २६१
 बुद्धिसागर (प्रप) ती. २७५
 ब्रह्मद वीस दू. १६२
 ब्रह्मवाचा दू. २१

भ

- भगवद् गोमडल कोश (प्रंथ) प.
 भद्रजाती दू. ६५
 भरहेर कृण (वि. वि.) प. ३४
 भागीरथी रा दूहा (प्रप्य) ती. २०६
 भावर (भावरी) दू. २७७
 भावर (भावरी) ती. ७५
 भावा-भूषण (प्रप) ती. २१४
 भुवर होल (वाद्य) ती. ७
 भूमिया-वट दे० भोमिया-वट १
 भेट (कर) ती. ५४
 भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७
 भेरी (वाद्य) दू. ४८
 भोग (कर) प. ३६; २५६
 भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६

- भोम (कर) ती. ५४
 भोमियाचारो प. ३३५
 भोमिया-वट प. २८३, २८४

म

- मगळ-कळठा ती. ४५, ४६
 मगळीक (कर। कर-मुवित) दू. ७
 मवाकिनो रा दूहा (प्रप) ती. २०६
 मज्ज-बुधकाल (पोहित प्रजा) दू. ३२०
 मकर सजाति (पर्व) दू. ३२
 मण (माप, तोल) प. १६२
 मण (माप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४
 मदनभेर (वाद्य) ती. ५३
 मळबो-लाग (कर) ती. ५४
 मलूक (जल-श्रीटा) दू. ४१
 मळछ दू. ५६
 महमूवी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४
 महसूल (कर) दू. १२७
 महापसाव दू. २३७
 महाभारत (प्रम-प्रप) दू. ३
 महिला-बाग ती. २१३
 मांगलिक सूत्र दू. २६५
 मांडो ती. ४५, ४७
 माणो (माप) दू. २८
 मानसी सेवा प. २८६
 मामा कुड प. ५१
 मामा वड प. ५१
 मातलोक प. २७८
 माव्यंदिनी शाखा ती. १७५
 माफी (कर-मुवित) प. २२८
 मादवा-विद्व प. ३३५
 मालकोट ती. २१५
 मालगुजारी (कर) दू. ३०१
 भावळियाई भाई दू. १६२
 मुकाती दू. २१६
 मुकातो (कर) प. ७४
 मुद्रा प १८४, १८५

मुद्रा दू. २१०
 मुद्रा ती. २४
 मूंडका-वेरो ती. ५४
 मूळ, मूळी (श्रावित-मंच) प. १०७, १०८
 मृत्युलोक प. २७८
 मेखली दू. २४
 मेघाडंबर दू. ५६
 मोभ (कर) ती. ५४
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प. २५४, २५५
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती. १४६

र

रवाव (बाघ) दू. २३१
 रळतळी (तलवार) दू. ३१७
 रणार्ही रो विरव दू. ५१
 राणीपदो ती. १०५
 राजपुताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६
 राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
 ती. २७५
 राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
 राजस्व दू. २५८, २५९
 राय-श्रांगण ती. ८९
 राहवारी (कर) दू. १२७
 राहावणो दू. १३१
 रंडमाळ दू. २४७
 रुद्रवाचा दू. २१
 रपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) प. ५२, ५३,
 ११६, २३४, २५९, २७७, २७९,
 २८४, ३११, ३१९, ३२०, ३२२
 रपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) दू. २९, ४५,
 ६९, ७१, १६०, २५७, २५८,
 २५९, ३०१
 रपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) ती. ८३, ९९,
 १००, १३०, १४९, १६५, १९६,
 २४२, २४५, २६७, २६८, २६७,
 २६८, २६९, २८३, २८६
 रुक ती. १६९

रूपारास कृष्ण प. ३५, ३८
 रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७९,
 ३२०

रेख (कर) दू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट वे० लाखोटो ।
 लगान दू. ७२
 लगानवार दू. ७२
 लांचो (कर) ती. ५४
 लाख-पसाध प. १०६
 लाख-लोघडी दू. ७
 लाखोटो (जल-मानक) प. ३
 लाग (कर) प. ३९, ६४, २३२
 लागत (कर) दू. ५
 लागवार दू. ७२
 लीक प. ९९
 लोकाचार ती. ६९

व

वच्छस गोत्र ती. १७५
 वडी-तरवार प. २८३
 वर्धामणो-लाग (कर) ती. ५४
 वरकसी प. १४१
 वरजांग-री-चंधरी प. २३२
 वरतियो दू. २२५, २२६
 वरसाळी-हेंसो (कर) प. ३९
 वरहेडो ती. ४६
 वळ दू. ७३
 वळ ती. १९५
 वळ लाग (कर) ती. ५४
 वसवेरावजत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 वसी प. ४५, ६९, ८२, ९८, १३२,
 ४११, १४४, १४८, १५१, २०९,
 २८३, ३०९, ३२३
 वसी दू. १४५, १४६, १४९, १५३, १५७,
 १५८, १५९, १६०, १६१, १८१,
 २३६

घसोती ८१, ८४, १५७, १६२ २४१
 वहतीर्षाण (कर) दू ७
 वीस (नाप) दू ५
 वासा डोब ती ७०
 वाडी लाग (कर) ती ५४
 वात अणहलवाडा पाटण री (प्रथ) ती

४६ ५०

घातपोस ती ३८
 घावळ महल प. ३३
 घामीवध ती ७०
 विनाति पढति ती. १४
 विजयशाही (स्वर्ण, रौप्य मुद्रा) ती २१३
 विट्ठलनाथजी वा वृहा (प्रथ) ती २०६
 विभोग प १५८, १७३, १७४
 विवाह ककण दू २६५ ३१८
 विवाह सूत्र वे० विवाह ककण ।
 विसधी (कर भाग) दू ३०१
 वोती ती १४
 वीटलो ती २१५
 वीघो प ११६
 वीण (घाघ) दू २३१
 वेद (यमें प्रथ) प १६२
 वेलि क्रिसन ककमणी री, राठोड प्रियोराज
 री कही (प्रथ) ती २०६
 वेह ती ४३
 वंत (नाप) दू ४२
 वंहत (नाप) दू ४२
 वेंकुडू दू ७५
 व्प्याज दू ८

श

शास प ३३६
 शास्त्र-पुराण (धम प्रथ) दू ६१
 श्याम लता (प्रथ) ती २०६

ष

षोडश महादान प १२६

स

सख प २७८ ३३६
 संख दू २२५
 सतनावा (प्रथ) ती २७५
 सत्तर जान ती ५३
 सरय प ७, १६०, २७८
 सरय दू ५८, ५९, ६०, ६२, २६१
 सरगापुर दू ७५
 सरधानं (कर) ती ५४
 सवेरो प १६७
 सामेळो ती ५५
 सासण प १०६, १७४, १७६
 सासण दू ३८
 सांसण ती २८१
 साको दू ४४, ५६
 साठा (माप) दू ५
 सापरो दू १२०
 सापरो ती १२८
 साबुल राजस्थानी रिसखं इगरीद्यूट,
 बीकानर ती २०७
 सापर महसूल दू ७
 सापदू दू ४५
 सासत दू २३१
 सासतर दू ११५
 साहो प ६७
 साहो ती ७५
 सावकी दू २५
 सिद्धांत बोध (प्रथ) ती २१४
 सिद्धान्त-सार (प्रथ) ती २१४
 सिरपाष दू २६
 सिररोवाव ती १६६, २४४, २४५
 सिध मारय दू ४५
 सीरावणी दू. २५१
 सुरणाई दू ६०
 सुरपांन प १८८
 सुरा गुर प ३५४

मुजंन-चरित (संघ) ती. २६६
 मुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८
 सुहागण प. १३
 सुखड़ी (कर) ती. ५४
 सुतग दू. २३६
 तेई (माप) दू. २१२
 सेर (तोल) दू. ८. ११८. ३१३
 सोढाल-शद दू. १५
 सोनइयो (मुद्रा) प. ३, १२
 सोमधारिया-धमल ती. १३४
 सोळह-शृंगार दू. ५८
 सोदस (मुद्रा) प. ७
 सोभाय-रात्रि प. १३४
 स्वर्ग वे० सरग ।

ह

हरिवंश पुराण (धर्मशास्त्र) दू. १५
 हळगत (कर) ती. ५४
 हलांणी ती. ६२, ७६, १४४, १६६, २०२
 हासल (कर) प. ७४, ८७, ९६
 हासल (कर) दू. ५, ८, २५६, २६०, २७७
 हासल (कर) ती. १३०
 हासलीक दू. २५६, २६०
 हिबवाणी ती. ५३
 होळी (पर्व) प. ७३
 होळी (पर्व) दू. ७
 होळी (पर्व) ती. ८४
 होळी-मंगळावणी ती. ८४
 होळी-मिळण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

- अबाखी प. २७७
 अबाव प. ४६
 अगन दू. २४६
 अगम प. ६६
 अग्नि दू. २७७
 अग्निकुंड दे० अमलकुंड ।
 अजोष्या प. २६२
 अमलकुंड प. १३४, १८५, ३३६,
 ,, ती. १७४, १७५
 अनादि प. १८४. २६१
 ,, दू. ५७
 अयोष्या दे० अजोष्या ।
 अरक प. १६०
 अरणोद गोतमजी तीर्थ प. ६४
 अलख ती. २६३
 असंभ प. १८४
 असुर दू. ६५, १३८
 असुरांगुर प. ३५४

आ

- आबाई देवी प. १, २७७
 आबाव प. ४६, २७७
 आब दू. ५७
 आब नारायण प. १२२, २६१, २८०
 आब अनारायण प. २८७
 ,, ,, दू. ६
 आदि प. १८४. २६१
 आदि देव प. ७
 आदिनाथजी प. ३६
 आदि पुत्र्य ती. १७५
 आदि अनारायण प. ७७, २८७
 ,, ,, दू. ६

- आबू दे० ग्राम नामावली में
 आयास दू. २५४
 आयास ती. २८३
 आषड प. ३६
 आषापुरा देवी दू. २१७, २१८, २२०
 आसापुरी देवी ती. १३४, २६२
 आसावर (देवी) प. १८६

इ

- इंदु प. १६०
 इद्र प. १६२, २७५, ३३६
 इकलिंग महादेव प २३

ई

- ईश्वर प. २२०
 ईश्वर ती. १२१
 ईत दू. २४६

उ

- उज्जैन (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में ।
 उमादेवी भटियांणी दे० स्त्री नामावली में ।

ए

- एकलिंग चाराह प. १७०
 एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,
 ३४, ३५, ४४
 एकलिंगदेव प. ७
 एकलिंग महा देव प. ७
 एकादश ज्योतिर्लिंग प. २७८
 एकादश रुद्र प. २७८
 एकादश रुद्र महालय प. २७८
 एकावती दू. ६०

ओ

- ओंकार प. १८४

क

- कंकाली प. ३३६
 कंधरुडा प. १८५
 कंबल दे० कमल ।
 कंबल-पूजा प. ५६, ३३६
 " " दू. १७
 कपालीक प. ३२२
 कमल प. ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६३
 कमल दू. ६
 कमल ती. १७५
 कमला प. १८५
 करणीगर दू. २३७
 करतार दू. ४५
 कला-पला प. १८५
 कश्यप दे० कश्यप ।
 कश्यप प. ७८, २८७
 " ती. १७५, १७७
 कापालिक प. ३२२
 कालिका प. १८५
 काशी (कासी) दे० ग्राम नामावली में ।
 कासी-करोत प. २१६
 कुलदेवी दू. २६७, २७२
 कुलदेवी ती. १७५
 कुण्ण दे० श्रीकुण्ण ।
 कुण्णजी दू. १५, १६, ३५, ६३
 केदार (केदारनाथ) दे० ग्राम नामावली में ।
 केवायदेवी प. १२३
 " ती. १७३
 केसोरायजी प. १३१
 कलास प. ८
 कोटेश्वर महादेव प. २, २७७
 कौमारी प. १८५
 कोरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।
 क्षेत्रपाल प. २६४
 " दू. २२
 " ती. १७

ख

- खुवा दू. ४७
 खेड-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।
 खेडा-देवत दू. २२
 खेतपाळ दे० खेत्रपाळ
 खेतळ प. २४५
 खेतळ-वाहुण प. २४५
 खेत्रपाळ प. २६४, ३३२
 " दू. २२, १३५, २६७
 " ती. १७
 ग
 गंगश्यामजी ती. २१५
 गंगश्यामी दे० गंगश्यामजी ।
 गंगाजळ दू. २०२
 गंगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२
 " दू. २०२
 गंगोदक प. २१३, २१४
 गंगोदक-कावळ प. २१३, २१४, २१५
 गणेशजी ती. १५४
 गवदेव दू. ५०
 गाय-दान दू. २६६
 गिरनार प. २२
 " दू. १, २०२, २०४, २०५,
 २०६, २२०, २४०
 गुरद दू. २५२, २५३
 गुसाई-री-पावुका प. ४२
 गोकर्ण तीर्थ प. १०७
 गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७
 गोकळीनाथ दे० गोकुळीनाथ ।
 गोकुळीनाथ प. २०४, २१३
 गोखंभ प. १६०
 गोमादे दे० गोमादेजी ।
 गोमादेजी प. ३४७, ३४८, ३४९, ३५०
 गोमादेनी दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०
 ३२१, ३२२, ३२६
 गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती सनान) दू २६८
 गोमती सगम प २८६
 गोरखनाथ जोगी दू ३२०
 गोरखनाथ जोगी ती ७६
 गोवरधननाथ प ८६
 गोविंद भगवान प १८४

च

चण्डेश्वर महादेव दू ३२
 चंद्र (चव) प १८५ १६२, २७२
 चंद्र (चव) दू ३७
 चंद्र (चव) ती ५०, ५२
 चक्र प २८६
 चत्र तीर्थ (चक्र तीर्थ, चित्र तीर्थ) ती २७७
 चपळा (देवी) प १८५
 चांदीसी महादेव दू ३२
 चाव दे० चद्र ।
 चामुडा देवी दे० चावडाजी ।
 चारण देवी प ५६
 चालर रो पारसनाथ प ४७
 चावडाजी प २०४
 चौरासी गण्ड ती १६

ज

जगज्जिता प १८५
 जमजाळ प १२५
 जमभूत दू ४६ २६८
 जमुना तीर्थ प १३२ ३३२
 जात (तीर्थयात्रा, वैश्वपूजन) प १, १११,
 १३२, २६३, २८६, ३३६
 जात दू १३, २३६, २४६, २४७
 जात्रा दू २६६, २६८, ३२५
 जात्री, तीर्थ प २८६
 जाग्रही ती २०६
 जिदो प ३३६
 जिग्य प ११
 जगाव ती १७५
 जगाव अह्मा प २६१

जैन (धर्म) प ३३, २२७, २७६
 जैन (धर्म) दू ११३
 जैन (धर्म) ती १६, २८
 जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)
 जोतीधम प १६०
 जोतिलिग दे० ज्योतिलिग ।
 ज्ञान दे० जैन ।
 ज्योतिलिग प ११, २१३, २७८, ३३५
 ज्योतिलिग श्रीकालिगजो प ११

झ

झोंटोलियो भूत ती २५४
 झोंटिंग भूत ती २५२ २५३, २५४, २५५

ठ

ठाकुर (धोकृष्ण) प, १३१, २१३, २८६,
 ३०३
 ठाकुर (धोकृष्ण) दू २२२, २४७, २७०
 ठाकुर (धोकृष्ण) ती २४६, २५०
 ठाकुरद्वारो प ८४

त

तीर्थं गुह पुष्कर प २४
 तीर्थ यात्रा दू २६६
 तुळशीवळ दू ५६
 तुळसी ती २६२
 तुळसी घाणो ती २६२
 तेलोचन दू ५६
 तेही घवन दू ५६
 त्रिलोचन दू ५६
 त्रिघवन दू ५६
 त्रिसूळ प ४० ४२
 त्र्यम्क प १, १२२

द

दहव प ७६
 दहव दू ६३
 दईत ती २५१
 दत्तावरी प १८५
 दसमों साळगराम प २०४

बाणव प. २१३
 बाणव दू. ५६
 बांन दू. २२३, २३६, २३७
 बांन-पुत्र्य प. १३६
 विल्लीश्वर ईश्वर प. २२०
 दुगापचा (दुगर माता, दुगाय माता)
 ती. २५७
 दुगायचा दे० दुगापचा ।
 दुर्गा देवी ती. ५३
 दुर्गापंचा दे० दुगापचा ।
 देव दे० देवता ।
 देव-ऊठणी-एकादशी दू. ३२२
 देव-ऊठणी-एकादशी ती. २६५
 देवगति दू. २७१
 देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५
 देवता ती. ५७
 देवनीक ती. ७६
 देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५
 देवपाटन दे० देव-पट्टन ।
 देव-रो-पाटण दे० देव-पट्टन ।
 देवांगु-विद्या प. १८५
 देवाय प. १६२
 देवी, (देवीजी) प. ११, १८५, २०२,
 २०३, २७३, २७४, ३३६
 देवी, (देवीजी) दू. १३, १७, १८,
 २२, २०३, २०४, २१७,
 २१८, २२०, २३७, २६७,
 २७२
 देवी, (देवीजी) ती. १७, ६६, १५४, २६२
 देवोत्थान पर्व ती. २६५
 दैत प. ३३६
 दैत ती. २५२
 देवी-शक्ति दू. २०३
 देव्यांशी दू. २०३
 द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४,
 २८६, ३३७

द्वारकाजी (तीर्थ) दू. २२५, २६६,
 २६७, २६८

द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६

द्वारकानाय दू. २६८

द्वारामती दू. २२५

ध

धनवाता देवी प. १८५

धरतीमाता दू. ३०४

धू प. ७, २२६

धू दू. ५२, ५३

ध्रुव दे० धू ।

न

नाग दू. २५२

नाग ती. ७४

नागही धारणी दू. २०२, २०३, २०४

नासिक-त्रंबक प. १, १२२

नासिक-प्र्यम्बक दे० नासिक-त्रंबक ।

प

पनग दू. २५३

परब्रह्म ती. १७५

परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५

परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२

परमेश्वर ती. ४, ५, ८८, ६४, १२०, २५५

पावुजी दे० पुदष-नामापली ।

पारसनाथ प. ४७

पितर प. १६

पीडो (शिर्वालिंग) प. २१३, २१५, २१६

पोकरजी (पुष्कर) प. २४

प्रवक्षिणा दू. २७७

„ ती. ८६

प्रभासखेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३

प्रभास-पट्टन प. २१३

प्रम प. १८४

प्रमहंस प. १८५

प्रयागजी प. १३२

„ ती. २७६

प्राग्वक् प. २२६

प्राची-माघव प. २७७

फ

फणइड (फणींद्र) प. १६०

व

वभेसर दू. २१५

बभूत ती. २७

बहुली-जोगणी प. २०४

धावण-विसन प. १५

द्विद-सरोवर (तीर्थ) प. २७७

बहमा वे० ब्रह्मा ।

ब्रह्म प. ७

ब्रह्मकोप प. २१५

ब्रह्मतेज प. २१५

ब्रह्मवाचा दू. २१

ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२,

१६२, २८०, २८७, २६२

ब्रह्मा दू. ६

ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३

, दू. ३५, २४६, ३२०

भगवान राम प. ६३

भद्र ती. ५३

भद्रकाली ती. १७

भय (शंकर) दू. २४६

भागीरथी ती. २०६

भुवनेश्वरी प. १८५

भूत दू. ४६

भूत ती. २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगल (समिन्) दू. २५२, २५३

मंत्र-प्रावाहन प. १

मंदाकिनि ती. २०६

मक्का दू. ४६

मयुरा (मयुराजी) प. १३१, १३२,

३१२, ३५६

मयुरा (मयुराजी) दू. ११, १६, १४०

मयुरा (मयुराजी) ती. २०६

मरोच प. ७७, २८७

मरुनायकजी ती. २१३

मह-मोहण (महा मोहन धीकृष्ण) दू. ६३

महाकाळ प. १२५

महादेवजी प. ७, ११, १४४, १५४,

२१३, २१५, २१६, २१७,

२१८, २१९, २२०, २८६

महादेवजी दू. २६७, २७२

महादेवजी रो पीडो प. २१६

महादेवजी रो लिंग प. २१३, २१६

महादेव-सोमद्वयो प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७

महा रोज प. ६, १६१

महीनाळ-तीर्थ प. ४४

महेसुर प. १८५

मांतापेन प. १

मांमा-खेजडो प. २४७

मांमाजी (लोक-देवता) प. २४७

माताजी (देवी) दू. १८, ३३८

माया ती. ७१

मित्रावरण प. १२२

मुद्रा प. १८४, १८५

, दू. २१०

, ती २४

मेलळी ती. २७

य

यद्र प. २७८

यमपादा प. १२५

यमुना वे० जमुना ।

यात्रा (तीर्थ) प. २८६

युगादि विष्णु ती. १७५

र

रणछोड़जी प. १११
 ,, दू. २६८
 रामचंद्र प. ६२
 रामदे पीर प. ३५०, ३५१
 रामेस (रामेश्वर) दू. ३८
 राकस (राक्षस) प. १३४
 राकस (राक्षस) ती. १६४, १६५
 राक्षस वे० राकस ।
 राठसण देवी प. ११, १२, ३४, ४४
 राम भगवान प. ६३
 राण्डुयेना देवी प. ३४
 रिणछोड़जी वे० रणछोड़जी ।
 रिष प. २३१, ३५४
 रिपीकेश (आबू पर्वत पर) प. १७८
 रंडमाळ दू. २४६
 रद्र प. १६२, २७७
 रद्रनाथ प. १६०
 रद्र महालय प. २७२, २७७, २७८
 रद्रमाळो (डुंगरपुर-राजस्थान) प. ८५
 रद्रमाळो (सिद्धपुर-गुजरात) प. २७२,
 २७६, २७७,

रद्रवाचा दू. २१
 रुपादे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मी दू. २७४
 लक्ष्मी ती. ५३
 लक्ष्मीनाथ ती. २२१
 लांग सगती ती. २२२
 लाछ सगती ती. २२२
 लाभध्रम दू. ११८
 लिंग प. २१३, २१४, २१६, २१६

व

वडगच्छ ती. १६
 वर दू. २६७

वर ती. १६५
 वरदान ती. १२०
 वर-वासण देवी प. ४७
 वाचाछळ देवीजी प. १३४
 वाणारसी दे. प्राम मामावली ।
 वामन श्रवतार प. १५
 वासण प. २७८
 विधाता दू. २७४
 विनायक ती. १५४
 विष्णु वे० विष्णु-भगवान ।
 विष्णु भगवान प. १५
 विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५
 विसनर दू. २४६
 विह दे० विधाता ।
 वेद प. १६२
 वैवस्वत वे० वैवस्वत-मनु ।
 वैवस्वत-मनु प. ७८, ११६
 वैदवानर दू. २४६
 वैष्णव प. ३०३
 वैष्णव ती. २१३
 वल्लभ प. २७८

श

शंकर दू. २४६
 शंख प. ३३६
 शशुंजय प. ३३५
 शिव प. ८५
 शिव दू. २४६
 शिव ती. २८
 शिव-पट्टन प. २१३
 शिवलिंग प. २१३, २१५
 शोपनाथ प. ६
 शौच (सिख) प. ३३
 श्रीआविनायजी प. ३६
 श्रीआविनारायण ती. १७७
 श्रीकृंजविहारीजी ती. २१३
 श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) द्र. १, ३, ६, १५,
 ३५, ६३, २०६, ३०३
 श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती १७५, २७५
 श्रीगणेशायामजी ती. २१३, २१५
 श्रीगोकुलनाथ (श्रीगोकुलीनाथ) प २१३
 श्रीठाकुरजी प. १३१, २१३, २८६, ३०३
 " द्र. २२२
 " ती. १५७, २५०
 श्रीपरमेश्वर द्र. ३२२
 श्रीमणवान ती. २५०
 श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी ।
 श्रीमहादेवजी सारणेश्वरजी प. १७३, १७८
 श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) प १११
 " " द्र. २४६,--
 २४७, २६८
 श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) ती १७६,
 २६६
 श्रीरणछोड़राय खेड़ ती. १७३
 श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २६२,
 २६३, २६५
 " ती. १७८, २४६
 श्रीसहमीनाथजी (जिससनेर) ती २२१
 श्रीवाराहजी प. २४
 श्रीविष्णु द्र. ३
 स

सकर (शकर) द्र. २४६
 सक्ष प २७८, ३३६
 सकल (शमित) प. १८६
 सखियायदेवी (सखियाय) प. ३३७, ३३६
 " " ती. १७५
 सपत पतीळ प १६२
 सरथ प. ७, १६०, २७८
 , द्र. २७३
 सरस्वती प. १८५, २७७
 " द्र. ३, २६६
 " ती. २६, १७३

सहस्रलिंग द्र. ३३
 सारणेश्वरजी महादेव प. १७३, १७८
 सारसत दे० सरस्वती ।
 साळगराम प २०४
 सावह प ३६, ४७
 सिकोतरी ती. २
 सिद्ध प २५४, २७८, २८५
 " ती २७, ७६
 सिद्धपुर प २७६, २७७
 सिद्धपुर द्र. २७२
 सिध दे० सिद्ध ।
 सिध (सिधयम=श्रीध) प ३२
 सिधपुरी प १८६, १६०
 सीतळा द्र. १०६, १५५
 सुर प २७७, २७८
 सुरयान प. १८८
 सुरी-गुर प ३५४
 सूरज (सूर्य) प. १ ३, ४३, ७८, १६०, २८७
 " द्र. ३७, ३०४
 सूर्यवंश ती. १७७
 सेत दे० सेतुबंध ।
 सेतुबंध प ६, २७
 " द्र. ३८
 सेतुजी प. २७६, ३३५
 सेत प, ६, २२६
 सेणी चारणी देवी प २०४
 सोमद्वयो प २१४, २१५
 सोमद्वयो महादेव प. २१३, २१४, २१५,
 २१६, २१७, ३३५
 सोमद्वयो महादेव ती. २६५
 सोमद्वयो-लिंग प २१३
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३
 सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५,
 २१६, २१७, २१८,
 २१९, ३३५
 सोमनाथ महादेव, ती. २६५

सौरंभजी प. २१४
 सौरं-घाट प. २१४
 स्वर्ग प. ७, २७८
 लग प. १८६, २४५
 खग-सातमों प. २४५

ह

हड़वूजी दे० हरभम पीर सांखलो ।

हर प. ३४२, ३४६
 हर बू. ३२०
 हरभम दे० हरभम पीर सांखलो ।
 हरभम जाळ प. ३५०
 हरभम पीर सांखलो प. ३४८, ३५०,
 ३५१, ३५२
 हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखलो ।
 हरि प. ३४२, ३४६



सम्पूर्ति

छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-संख्या

[नाम की पक्ति संख्या उस नाम का उस पक्ति में होना चाहिये बताता है]

पृ	को	प	मुख्य नाम
२२	२२	२२	१४६, १४१
३१	६		मन्त्रोप १६३
५२	२०		३१, ३६१
७१	२		आत्मसाह प ५६
८१	४		३६१
८१	१०		३६२
९१	२		३६१
९२	९		३२०
१२१	१	७	कपडू २१४
१२२	१	८	कपडूनाथ योगी २१४
१३१	१	११	५, ६, १३, १५, १९, ७०
१३२	२	१०	करमचक्र पञ्चाशत् प १२२
१४१	१	३	१६६
१४१	१	२७	१६५
१५१	१	*	१५६
१६२	२	२	काबो गडो प १३६
१९२	२	१३	३१५
२०२	२	५	३६३
२११	१	२४	३६१
२१२	२	११	सोमो सकरोत् ८४
२२२	२	४	गणस घोषो प ५
२२२	२	१३	३३८
२३१	१	३	गडो काबो प १३६
२३१	१	१६	३६३
२३१	१	३४	३५९
२४१	१	१२	गोकुळ प ३६१
२७१	१	३६	चवडो दे० चूडो ।

पृ	को	प	मुख्य नाम
३२१	१	१४	३१८
३३२	२	२८	३१०
३५१	१	१३	४३, ४५, ४७, ४८, ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
३९२	२	११	१६५
४१२	२	३१	३१७, ३१८
४४२	२	१४	१९८, १९९
४७१	१	२१	१८३
५८२	२	६	१९९
४८२	२	७	१९८
४८२	२		अतिम १६१
५०१	१	२६	३५२
५०२	२	३	११९
५४२	२	३१	६७, १११, १६५, ३१२
५५१	१	२६	१७
५५१	१		अतिम प्रयोराव प २४३
५७१	१	२१	बहन्नाल प. १८६
५७२	२	५	९७, ९८
५७२	२	२४	बालरथ प. २८८
६५२	२	२५	३४५, ३४६
६६२	२	२७	२९४, २९५, २९७
७२२	२	९	यशवर्तसिंह रावल दे० पताई रावल
७६१	१		अतिम ३१९
७७१	१	३५	१८९, १९०
८१२	२	२६	सकरोत् कर्मरो प ३००
८९१	१	४	१०१

पु. कॉ. पं.	पुरुष नाम	पु. कॉ. पं.	सांस्कृतिक
६८ १ ३	साह खालम प. ५६	१७ १ ३१	किरियांगो (प्रसूता की
१०१ २ २६	२८३		पौष्टिक खाद्य-सामग्री
१०२ २ २३	१०२ से ११०		वृ. २८०
	भौगोलिक	१७३ २ ६	कोइवान वृ. २२३
१२० २ ६	२३६	१७३ २ २५	गोडो वाळणो वृ. ११६
१२८ २ १६	४९	१७४ १ ७	३३६
१३२ २ १७	जांभोरो सीयळां रो वृ० ६	१७५ २ ७	बान-पुन्य प. १३६. २६६
१४३ २ ३	पूछणो वृ. १६४ वी० पूछणो	१७५ २ १३	बायजो प. ७६
	सांस्कृतिक	१७५ २ २५	बुहागण वृ. १०
१७२ १ १६	खमल रो पोतो प. १०२	१७६ २ ६	पापी वेणो वृ. ३३७
१७२ १ २४	खलाइ-चलाइ प. १००	१७६ २ ११	पाघड़ी-भाई वृ. ६६
१७२ २ ६	आहुखानो प. ८६	१७६ २ ३७	पोतो प. १०२
१७२ २ १३	१३४, २०६	१७६ २	खंतिम प्रळंवातार वृ. १२०

परिशिष्ट २

अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी रो हस्तलिखित ख्यात-प्रति
में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुंडलियां भी ख्यात में उनके वर्णन प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुंडलियां ज्योतिष-शास्त्र में रचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और घोष की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुंडलियां केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की नैणसीरी ख्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही दी हुई हैं। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ख्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाद देखने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थीं; अतः यहाँ दी जा रही हैं—

राणा सांगा रो जन्मकुंडली

समत १५१६ रा वैशाख वद ६ सांगा रो जन्म । समत १५६६ जेठ सुद ५ राणो सांगो पाट बैठो । (ख्यात पत्र ५ सू उद्धृत)

३	२	१
४ वृ	गु बु रा	१२ र
५	श्री॥	११ च
६	८	१०
७ म. घ.	के	६

राणा उदेंसिध रो जन्मपत्री

राणो उदेंसिध, संमत १५७६ भाद्रवा सुद ११ जन्म । सं० १६२६ रा फागुण सुद १५ राणो उदेंसिध काल प्राप्त हुयो । (ख्यात पत्र ६ सू उद्धृत)

६ शु के	५	४ मं
७	र बु	३
८ चं.	श्री॥	९
९	११	१
१० वृ	घ	१२ रा

जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

सं० १६११ असाढ वदी ५ रविवार री जनम (ख्यात पत्र ६ सूं)

४	३	२ बु
५ मं	सू रा	१ बु
६	श्री॥	१२ षा गु
७	६	११ च
८	के	१०

सगर री जन्म

सं० १६१३ भादवा वदी ३ री सगर री जन्म (ख्यात पत्र ६)

३ मं	२	१ षा
४ र	रा	१२
५ बु	श्री॥	११ चं
६ बु	८	१०
७	के	६

महाराणा प्रताप री जन्मकुंडली

सं० १६६६ जेठ सुद ३ रविवार री राणा प्रताप री जन्म (ख्यात पत्र ७)

११	१०	६
१२ रा		८
१	श्री॥	७
२ र	४	६ मं षा के
३ बु. बु. चं.	६	५

राणा करन री जन्मकुंडली

जन्म स० १६४० सावण सुदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (ध्यात पत्र ८)

३ के	२	१
४ र		१२ वृ.श.
५ शु. बु	श्री।।	११
६ म	८	१०
७		६ रा च.

राणा जगत्सिध री जन्मकुंडली

जन्म स० १६६४ रा भादवा सुद १२, संमत १७१४ रा जेठ माहिं धवलपुर री सडाई काम आयी ।

६ शु व च	५ र	४
७	म रा	३
८		२
९ श	११	१
१०	के	१२ वृ



परिशिष्ट ३:

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्टः

संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नासावली.

सं०	—	संज्ञा	प.	—	वैणसी रो ख्यात का पहला भाग ।
घ.व.	—	यह घघन .	दू.	—	” ” दूसरा भाग ।
दे०		देखिये	ती.	—	” ” तीसरा भाग ।

अखँसाही नांगो—जँसलमेर के रावल अखँराज द्वारा प्रवृत्त एक रोग्य मुद्रा ।

अन्तवी—परवतसर और महारोट के अनन्तवीर रावल उद्धारण दहिर्दे का विरुद ।

अभंगनाथ—विजयी धीरों में श्रेष्ठ धीर ।

अमल-रो-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का घस्र का बना एक प्रकार का बटुभा ।

असंख प्रवाड़-जँतवादी—चित्तौड़ के राना रायमल के अत्यन्त बलशाली और असंख्य युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद ।

असत घाँन—१. हल्की किस्म का अनाज २. नहीं खाने योग्य (सड़ा-गला) अनाज ।

असुख—१. शत्रुता २. रोग ।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुसलमान' का लक्षणार्थ पर्याय ।

(अ.व.—असुरां, असुराण, असुरायण, अतराळ, असुराळ, अखाळ)

आऊठ कोड़ बंभणवाड़ } नवलखी सिध का बंभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर ।
आऊठ कोड़ सांमई } (कहा जाता है कि सिध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग नवलखी सिध के नाम से प्रसिद्ध थे । बंभणवाड़ आठ करोड़ की आय का प्रदेश कहा जाता है ।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल । २. विजयराव चूड़ाळ का विरुद ।

आगू—१. यात्रा में धाने चलने वाला और भय स्थानों एवं शत्रुओं की सूचना देनेवाला ध्यवित । २. मार्गदर्शक ।

आदित, आदित्य—दे. दीत-ग्राहण ।

आयस, आयसज़ी—राजस्थान के नाथ सन्यासियों का विरुद या उपाधि ।

आरंभरांम—('आरंभ + आरांण' का अपभ्रंश रूप) वह शक्तिमान राजा या भावशाह जो किसी भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये तैयार रहता है ।

आलमगीर—बादशाह भीरगजेब रा विरद ।

आसा—गर्भ

आहाड़ा—'आहाड़ा' नामक गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के शिशोवियों (शासकों) का एक विरद ।

आहूठमा-नरेश—चित्तौड़ के शिशोविया नरेशों का एक विरद ।

इन्द्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह विधाओं में से एक ।

इषको—दे० एको ।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथोराज ।

उडणो-प्रथोराज—एक ही दिन के अंदर टोडा और जालोर को विजय कर लेने के कारण राना रायमल के पुत्र पूष्वीराज को बादशाह की ओर से दी हुई उपाधि ।

उड़दावो—कई धार्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक साथ ।

उपाधियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अध्यापक की एक उपाधि ।

उमराव—बादशाहों के बरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि ।

(बादशाही बरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान सानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थीं । हिन्दू उमराव पुत्रों में सिर कट जाने पर घड़ से लड़ते थे और घड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियाँ उनके साथ सती हो जाती थीं । इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो सहाय्य शाही-बरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं को प्राप्त थीं ।

'उमराव' अमीर शब्द का बहुवचन रूप है ।

'उमराव' और 'उमराव पनो' राजस्थान के वैवाहिक-लोक-गीतों में एक नायक के रूप से भी प्रसिद्ध है ।

उवही—समुद्र ।

ऋषि, ऋषीश्वर—१. वेद-मंत्रों का प्रकाशक, मंत्र-द्रष्टा । २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्त्वों का ज्ञाता ।

एको—अनेक घोड़ाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का अंग-रक्षक ।

एवाळियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति । गड़रिया ।

झोकर—१. दुबँचन, गाली । २. धिष्टा ।

झोठी—ऊंट सवार (१. ऊंट । २. ऊंट से सम्बन्धित ।)

झोढो-रावण—रावण के समान भयकर महाबली बोवा सूमरे का विरद । (विकट महाबली)

झोळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य की गिरवी रक्षता पड़ता था । २. मनुष्य की गिरवी रखने की प्रथा ।

झोळगण—गानेवाली ढादिन नौकरानी । (१. विद्योगिनी, २. पत्नी. ३. महतरानी)

श्रोळगू—गाने बजाने वाला छाड़ी नौकर ।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का लड़का । २. राजकुंवरी । ३. पुत्र ।

कँवरांणी—कुंवर की पत्नी ।

कँवारमग, क्वारमग—घाकाश गंगा ।

कणवारियो—खेतों में से कूता किया हुआ नाज इकट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर ।

कनवजियो, कनवजो—कन्नौज से मारवाड़ में श्राये हुए राठीड़ क्षत्री का विरह ।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-घासित पानी ।

कमंध, कमध, कमधज, कमधजियो—राठीड़ क्षत्रियों का विरह ।

करहीरो—ऊंड सवार, करभारोही ।

करोड़ी, कियोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बादशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी ।

कर्नल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल टॉड की सैनिक उपाधि । ३. कर्नल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवराज, कवि, कवीसर, कवेसर—१. काव्यकर्ता धारण २. कवि ३. भाट-कवि ।

कस्तूरियो मिरघ—१. विलासिता की एक उपाधि । २. कस्तूरीमूग ।

कलावंत—१. संगीतज्ञों की एक उपाधि । ३. एक संगीतज्ञ जाति । ३ एक क्षत्रिय जाति । ४. संगीतज्ञ ।

कांचळी—पुत्री नेम

कांठळियो—१. सीमा रक्षक । २. पड़ोसी राज्य का लुटेरा । ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा ।

कानूंगो—बादशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो ।

कांमदार—जागीरदार की जागीरी का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी ।

कांमिती—दे० कामदार ।

काछ पंचाळ—कच्छ और पांचाल देश की एक देवी ।

काछरख्य—सैणी नाम की कच्छ देश की एक देवी ।

कारण—१. गर्भ । २. प्रतिष्ठा । ३. मान-मर्यादा । ४. कृपा ।

कारणीक—१. योग्य । २. प्रामाणिक । ३. ज्ञाता, जानकार । ४. परोपकारी । ५. विवेकी । ६. दरमियानगिरी करने वाला ।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समर्थ ।

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र की कलंक रूप उपाधि । २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम ।

किलंब, किलंम—कलमा पढ़ने के कारण मुसलमान का लाक्षणिक नाम । (व. घ.—किलंबां, किलंबाण, किलमां, किलमांण, किलमायण)

किलेवार—१. दुर्गरक्षक । २. दुर्गरक्षक का पद ।

कुंवर-भांगो—

कुंवर पछेवड़ो—

कुंवर पामरी—

कुंवर सूखड़ो—

} कुंवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर ।

कुतबसाही-नांगो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रथित कुतुबसाही मुद्रा ।

कूरबाण—मास-खाद्य रखने का एक पात्र ।

कृत—मृतक-संस्कार ।

केसरिया—विवाहार्थ घ घुंदायं पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक ।

कैलपुरो—कैलषा नाम के गाँव में बसने के कारण शिशोबियों का एक विषद ।

कोटवाळ—१. शासनाधिकारी का एक पद । २. दुर्गरक्षक और उसका पद ।

खटायत—सहन करने वाला धीर पुरुष ।

खबरदार—संदेश-वाहक अनुचर ।

खरक कूंग—वायव्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा ।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नोकर । २. नाई । ३. दासी । ४. रखेल स्त्री ।

खांगड़ो—१. राठोड राजपूत । २. राठोडों का एक विषद । ३. धीर ।

खांगीबघ—राठोडों का एक विषद ।

खांट जात—भोल, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि ।

खान—१. बादशाह की सभा के मुसलमान दरबारी । खानों की सख्या बादशाही दरबारों में ७० होती थी । इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे । 'सत्तर खान और बहत्तर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है ।

२. पठानों की एक उपाधि । ३. मुसलमान ।

खाड़े ती—बैलगाड़ी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति । २. हल चलाने वाला व्यक्ति ।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार । २. रखेल । ३. दासी ।

खिलहरी, खिलहोरी, खिलोरी, खिलोहरी—१. जगती मनुष्य । २. भड बकरी चराने वाला व्यक्ति ।

खुरसांग—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय (व. घ. खुरसाणा, खुरसाणा)

खूदालम—बादशाह ।

खून—१. अपराध । २. हत्या ।

खूर्माणो—राबळ खूर्माण के वंश शिशोबिया क्षत्रियों का विषद ।

खूर—लाक्षणिक भ्रमं में मुसलमान व्यक्ति ।

खेड़ा री बाघण—शिकार का एक प्रकार ।

खेड़ेचा—मारवाड़ में राठौड़ क्षत्रियों का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विश्व ।

खेड़ायत—१. एक गाँव का धनी । २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति ।

खंग—१. राना घणसूर मोहिल का विश्व । २. राव गाँगा की ऊन संज्ञा ।

गजधर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी ।

गढपति—दुर्गपति, राजा ।

गायणी—१. गाने वाली । २. वेश्या ।

गुढो—रक्षा-स्थान ।

गृल-लाग—विवाह आदि में गुड़ के रूप में दिया जाने वाला एक फल ।

गैहलो—अणहिलपुर-पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विश्व ।

गोडो वालागो—मृतक की सम्बेदना प्रकट करने को जाना ।

गोत्र-कदंब—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या ।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुधारा) के लिये मिली हुई जमीन का मालिक ।

२. बिरोही, धागी । ३. सूट-खसोट करने वाला व्यक्ति ।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी बाटी का भोजन । ३. बेबी-बेधता के निमित्त बनाया हुआ बाटी का भोजन ।

घरवास, घरवासो—पत्नी रूप में पर-पुरुष के घर में रहना ।

घावड़ियो—हानि पहुँचाने या मारने के लिये तार में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति ।

घोरंधार—कोळू के शासक पमे का विश्व ।

चकवे—चक्रवर्ती राजा, सम्राट ।

चरवेदार—१. घोड़ों की देखभाल करने वाला नीकर, सईस । २. घोड़ों को जंगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नीकर ।

चवरासियो—चौरासी गाँवों का स्थानी । २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक ।

चामरियाल—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

चींधड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिंदा धीर मोढ़ा । २. अधिक अफीम खाने के कारण सुध-वृष रहित व गंदा रहने वाला व्यक्ति ।

चूड़ालो—प्रसिद्ध धीर भाटी विजयराव का विश्व ।

घोटी-बढियो—जागीरदार की प्रजा का वह कर-मुक्त मनुष्य जिसको अपनी घोटी कटाई हुई रखनी पड़ती थी ।

घोधरी—१. गाँव की घोघराई का पद । २. जाति या समाज का मुखिया ।

घोरासिया-ठाकर—१. चौरासी गाँवों का जागीरदार । २. बड़ा जागीरदार ।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का ।

छठो—१. मृत्यु । २. युद्ध ।

छद्दीदार—छद्दीबरदार, घोषदार ।

छत्तीस पवन—१. चारों धर्ण और उनके ध्रंतर्गत माने वाली समस्त जातियाँ । २. संसार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१. मरहटों का राज्य स्थापित करने वाले घोरवर शिवाजी की उपाधि और विह्व । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

छात्राला—जैसलमेर के भाटी शासकों का विह्व ।

जवादि जलहर—१ वह जलागार जिसके जल में क्रीड़ा या मंजन करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । ३ सुगंधित किये हुए जलागार में की जाने वाली स्नान-क्रीडा ।

जमींदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जंगलघर—१. बीकानेर के राठोड़ राजाओं की उपाधि और विह्व । २. बीकानेर राज्य का प्रादेशं वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नांणो—जलालशाही रुपया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—ढोली ।

जांणाऊ—१. भेदिया, गुप्तचर । २. चतुर, धित्त ।

जांम—सौराष्ट्र के नवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त ध्यवित्त ।

जोगणी—१. रण-विशाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी जाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २. आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१. बड़ा योगी, योगीश्वर । २. राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर—योगीश्वर ।

जोसी—ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

झोंटोळियो—१. एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

झोंटिंग—१. घने बालों वाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति व काल रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. रुपया । २. दो पैसे (६० ड्रुड्र) का सिक्का, रुपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टीकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युवराज । २. मुखिया, अघिच्छाता ।

ठकरांणी—१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलवान क्षत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा—१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर—१. ठाकर, जागीरदार । २. कुलवान क्षत्री ।

ठाकुर—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण । ३. दे० ठाकर ।

ठाकुरजी—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) । २. श्रीकृष्ण ।

डावड़ी—१. जागीरदार की एक दासी । २. पुत्री ।

डोली—प्राहण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि ।

ढोल दिरावणो—प्राहण के समय तुच्छता देने और संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से ढोल का बजवाना ।

डावी-पाव—राठीयों की पगड़ी का एक पेश ।

तपसी—तपस्वी साधु ।

तहड़-कूंग—सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम ।

तुरक—मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम ।

तुरकांणी—१. तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य । २. मुसलमान स्त्री ।

थाळी-लाग—१. प्रति व्यक्ति कर । २. विवाहादि में पाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर ।

दळथंभण—जोधपुर के महाराजा गर्जासह का विरुद ।

दसमों साळगरांम-गोकुळीनाथ—जालौर के प्रख्यात वीर राव कान्हडदे सोनगरे का विरुद ।

दानेसर, दानेसवर—प्रभात नाम महादानी कुन्ता पुत्र कर्ण (यमुपेण) का विरुद ।

दांम—पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के ४० १ के १६०० दाम होते थे) ।

-दीत—दे० दीत-ब्राह्मण ।

दीत-ब्राह्मण—चित्तौड़ के शासक सोसोदियों के पूर्वजों (घन शर्मा के दाद गोवसीदित्य से भोगादित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'आदित्य-ब्राह्मण' उपाधि या श्रल ।

दीवाण—१. मेवाड़ के सोसोदिया शासकों (महारानाओं) का पद और एक विरुद ।

(मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीहर्कालिंगजी और महाराना उनके दीवान हैं) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान ।

दुगांणी—१. रुपये के तीसरे भाग का एक पुराना सिक्का ।

२. व्याज की फलावट में गणित का एक साधन, दुरगाणी ।

दुगापचा (दुगाय माता)—ईटावाटी में दुगाय पर्वत पर की दूगर माता देवी । दुर्गा-पंचा नाम भी प्रसिद्ध है ।

देसोत—१. बेषपति, राजा । २. जागीरदार ।

देवचो, देवाचो—प्रतिज्ञा ।

धाड़वी, धाड़ायत, धाड़ायती, धाड़ेत, धाड़ेंती—आका उलकर घन सूटने वाला व्यक्ति ।

- घाय-भाई—घा-भाई, दूध-भाई । स्तनपान कराने वाली घाय का पुत्र । २. घाय-भाई के वंशजों की उपाधि ।
- घारेचो—विधवा का परपुरुष की पत्नी होकर रहना ।
- नकीब—राजा-शाहशाहों के पट्टाभिषेक होने, उनके राज-सभा में धाने तथा उनकी सचारी के समय विरद गान करने वाला सेवक ।
- नगारो दिराणो—आक्रमण के समय सूचना देने और धीरों का सगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना ।
- नवाब—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि । २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक ।
- नव कोटी-मारवाड—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य ।
- नव-सहस्रो—१. मारवाड राज्य के प्रसिद्ध शाय मालदेव का विरद । २. धीर राठोड क्षत्री ।
- नागदहा—नागदहा गाय में बसने के कारण मेवाड के सीतोदिया-शासकों का एक विरद ।
- नादेत-नीसारोत—चाचग के वंशज ह्युषाय के सांखलों का विरद ।
- नेगो—नेग लेने वाला व्यक्ति ।
- न्याळी—१. भालेट-गोष्ठी । शिकारियों की भोजन-गोष्ठी ।
- पचाध कूरा—उत्तर और वायव्य के बीच की दिशा का नाम ।
- पट्टू—प्रतिभू, जामिन ।
- पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पदों में रहने का सम्मान मिला हो ।
- पताई-रावळ—पावागढ (गुजरात) के धीर रावल यशवतसिंह का विरद ।
- परत-री-वेढ—शत की सहाई ।
- परधान—१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री । २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए ऋग्दंड-दंडे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति ।
- पांडव—घोड़े का सईस ।
- पाइक—१. पंचल सैनिक । २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक ।
- पाखा-देवळी—१. राजा का परिजन या परिग्रह । २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन ।
- पाटवी—१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज । २. जागीर का अधिकारी ।
- पाटोघर—पट्टाधिकारी, राजा ।
- पात—१. (दान दिये जाने के पात्र) चारण भाट आदि । २. चारण ।
- पातर—१. राजाओं की गायिका । २. लपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या ।
- पातळ—जग-विषयात महाराना धीरशिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम ।

पातसाह—बादशाह ।

पासबांन—१. राजा का खास सेवक । २. राजा की एक रखेल स्त्री और उसका बर्जा ।

पिथोरो—१. अंतिम हिन्दू सम्राट् पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रूपया ।

पीथल—'क्रिस्तन रुकमखो री धेलि' के रचयिता प्रसिद्ध भक्त बीकानेर के राठोट् पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—वासी ।

पृथ्वीराज-उडणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

पेरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

प्रवाङ्मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा ।

२. दे० असंख प्रवाङ्-जैतवादी ।

प्रोलियो—द्वारपाल ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । ३. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिक्का ।

फरास—फरसि ।

फरीधर, फरसीधर—परशुधर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

बंधांगो—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाबाज व्यक्ति ।

बगसी—बेतन घाँटने वाला अधिकारी, घसी ।

बलबंड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

बहुली-जोगणी—एक योगिनी ।

दा—१. तीराट्ट और गुजरात के राजबाडों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला माण्येथ-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

दाजारियो—१. एक मांस भोजन । २. वरात का एक विशेष भोजन-समारोह ।

दादशाह—हिन्दुतर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

दायड—नशा करने की तीव्र इच्छा ।

दायडियो—नशा करने की आदत वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

दारोटियो—१. लुटेरा । २. विद्रोही, बलवाणोर ।

- बीबी—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का सावित्र या फरजब होने के नाते साक्षणिक अर्थ में मुसलमान शब्द का पर्याय ।
- बेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी ।
- ब्रह्मरिख, ब्रह्मरिप—ब्रह्मवि ।
- भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—रूपाट की भाँति प्रवरोध बनकर शत्रु को भागे नहीं बढने देकर देश की रक्षा करने वाले वीर योद्धाओं का विरद ।
- भड़-सखमसी—बिलौड के राना रतनसी के भाई सखमनसी का विरद ।
- भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की विशा ।
- भांग-रा-हिमापचा—१. भांग से बना एक नशीला पदार्थ । २. भाग पीने की श्रावत वाला ।
- भूँछ लोग—१. धर्मनीति और राजरीति से अनभिज्ञ लोग । २. प्रसन्न लोग ।
- भोमियो—१. थोड़ी भूमि (खेतों) का स्वामी, जमींदार । २. बहुराज ।
- मडळीक—१. देरावर के देहड, बूहड और गुणरग का विरद व उनकी उपाधि । २. मड-लीक राजा, मडलपति ।
- मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (मगले वर्ष मुकाल हो जाने पर बापिस लीट भागे के इरादे से) अपने भरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी मुकाल वाले स्थान को जा रही हो । २. गरीब प्रजा ।
- मनसबदार—बादशाही राज्यकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी ।
- मलेछ, मळेछ—१. साक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति । २. विधर्मी ।
- महमूदो—एक मोहम्मदी सिक्का ।
- महाजन—१. वैश्य, धनिक । २. धनी व्यक्ति । ३. श्रेष्ठ-गुरुप ।
- महाराणा—मेवाड के शासकों की उपाधि ।
- महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम । २. राजा ।
- महाराज कँवार—पुवराज ।
- महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि ।
- महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सम्राट ।
- महावत—कीलवान ।
- मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के छोला की पत्नी । २. मारवाड देश की स्त्री । ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक गीतों की नायिका ।
- मारवा-राव—मारवाड में से सौराष्ट्र को गय हुए गोहिल क्षत्रियों का विरद ।
- मारु—१. मारवाड देश । २. मारवाड देश का निवासी (अ. व. मारवा, मारवा) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ४. दे० मारवणी ।

मालाणा—१. मारवाड़ के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन । २. मालानी प्रदेश का क्षत्री ।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अंतरंग लोग ।

मिरजा—१. मुगलों की एक उपाधि २. मीरजा ।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि । २. लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि । २. अमीर ।

मुंहणोत—राध सीहा के बंशज छेह-पाटण के राठीड़ राध राधपाल के पुत्र मोहण के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके बंशजों की शीश्यालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहणोत' बाला ।

मुंहता—१. 'मुंहणोत' का अपभ्रंश रूप । २. मोहताई या मुंहताई का पद । ३. ब्राह्मण श्रौत वैश्य आदि जातियों की एक श्रृंखला ।

मुसही—राजकार्य में कुशल व्यक्ति का पद ।

मूंछाळो-मालदे--जालोर के राध कान्हड़दे सोनगरा का भाई घोर मालदेव सांवत्सीओत का पिता ।

मूर्त्ती-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊंचे मघान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, श्रोत्री की शिकार । २. किसी झाड़ी, खट्टे या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार ।

मेछ—दे० मलेछ । ('म्लेच्छ' का अपभ्रंश रूप । व. व. मेछाण, मेछाइन, मेछायण)

मेळग--चारण ।

मेवाड़ो--१. लक्षणिक अर्थ में मेवाड़ के महाराना का पर्याय । २. मेवाड़ का निवासी ।

मेवासी--विद्रोही बन कर सूट-नार करने वाला ।

मेवासी--मेवासियों का दुर्गम व क्षिण स्थान ।

मोटा-राजा--जोधपुर के राजा उदेंसिंह की उपाधि या उपनाम । (शरीर में बहुत भारी श्रौर मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है ।)

मोदी--१. भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद । २. आटा दाल आदि बेचने वाला बनिया ।

रढ-रांघण--१. राना इन्द्रवीर मोहिल का पिता । २. राघण के समान दृढ़ श्रौर हठी श्रौर का विशेषण । ('रढरांण' इसका छोटा रूप है)

रवद--रीद्र लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय । (व. व. रवदां, रवदांण, रवदाइन, रवदायण, रवदायत, रवदाळ)

रसोईदार--रमोइया ।

रांसा--१. करण रावल के पुत्र राना राहप से चली आ रही मेवाड़ के सीतोदियों की उपाधि । २. मारवाड़ के मालानी प्रान्त के गुड़ा श्रौर नगर के जागीरदारों की

उपाधि । ३. छापर-द्रोणपुर के मोहिल शासकों की उपाधि । ४. राजा. राजा ।
(सं० राणाई)

राणी—१. रानी, राज्ञी, राजा की पत्नी । २. राज्य की स्वामिनी ।

रा—कच्छ और सोरठ के शासकों की उपाधि । (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों की भी 'रा' उपाधि होती थी । दे० अणखीसर कूप की वेवली का शिखालेख, स० १३४० वि.)

राईतन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग । २. राज्य वर्य ।

राउ—दे० राव ।

राजलोक—१. अठ-पुर, रनियास । २. रानी । ३. रानिया ।

राजवी—१. राजपराने के व्यक्तियों की उपाधि । २. राजपराने का व्यक्ति ।

राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि । २. नृपति । (सं. राजाई)

राठी—एक जाति जो राज्य की बेगार निकालती है । बेगारी ।

रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुवर । २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक ।

राव—१. मारवाड़ के शुरु के कुछ राठोड़ शासकों की उपाधि । २ भाटों की उपाधि ।
३. राजा । ४. सरदार । (सं० रावाई)

रावल—१. छोटे राजाओं की उपाधि । (सं० रावताई) २, भील जाति ।

रावल—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि । २. रावल बापा के पिता भोजादित्य से रावल करन की २६ पीढ़ी तक घिलोड़ के शासकों की उपाधि । ३. मारवाड़ के जसोल और सिएथरी आदि मालानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि । ४. झुंजरपुर और वांसवाहला (बांसवाड़ा) के रावल माह्य से शासकों की उपाधि ।

राहवेधी—दूरवेध ।

राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की सतान, रावणा लोग । (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहाँ ही रहने के अधिकार के कारण यह सजा भी गई कहा जाता है)

रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिघ—१. हारीत ऋषि । २ ऋषि ।

रूठी-रांणी—१. राघु मालदेव की रानी उमादे भटियाणी का स्वाभिमानी नाम ।

रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की दिशा का नाम ।

रौद—दे० रवद । (व. व. रौदा, रौवाण, रौदाइळ, रौशायळ, रौवाळ)

रौद्र—दे० रवद । (व. व. रौद्रा, रौद्राइन, रौद्रायण, रौद्राळ)

लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरद ।

२. राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ३. बहुत शीकीन ।

लसकरी—कामरा की उपाधि ।

लाघां-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की शत्रुता की शरिता का और एक ही दिन में टोडा (जयपुर) और जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद्ध अथवा विशेषण ।

लागदार—कर वसूल करने वाला अधिकारी ।

लूटेरू—लूट-छसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा ।

वजीर—१. दासी पुत्र, गोला । २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी ।

वड कँवार—पूर्ण यौवनपती कुमारी ।

वडारण—ऊँचे वज्र वाली दासी ।

वरतियो—१. तांत्रिक । २. जैन जती ।

वसी, वसीवांन (वसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुक्त होते हैं और जिन्हें विशेष सेवाएँ देनी होती हैं । २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं । ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गाँव में बसने वाली प्रजा ।

वांकड़ो—राजा पृथ्वीराज कछवाहे के बेटे बलिभद्र का विश्व ।

वातपोस—राजाओं के मनोरंजनार्थ कहानियों और ख्यात-वातों सुनाने वाला अथवा हाँकारा देने वाला व्यक्ति ।

वावसू—१. गुप्तचर । २. धातुवेग के समान भाग कर खबर लाने वाला व्यक्ति ।

वाहग—१. गुप्तचर । २. दीड़ा करने वाला ।

वाहरू—पीछा करने वाला व्यक्ति ।

वाहाऊ—वे० वाहरू ।

विचित्र—मुसलमान का लक्षणिक पर्याय ।

विजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा विजयसिंह द्वारा प्रवर्तित एक रोप्य मुद्रा ।

वैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद ।

वैरायत—१. घेर का बबला लेने वाला व्यक्ति । २. बबला लेने की खोज में रहने वाला व्यक्ति ।

वोढो-रांवरण—वे० ओढो रांवरण ।

वोहरो—१. व्याज पर रुपये उधार देने वाला घणिक । २. एक मुसलमान जाति ।

घोडश-महादान—भूमि, आसन, जल, वस्त्र, वीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गंध, माला, फल, शय्या, पादुका, गी, सुवर्ण और चांदी—इन सोलह पस्तुओं का दान घोडश-महादान कहलाता है ।

श्रीठाकुरजी गोकलीनाथ—वे० बसनों साळगराम गोकलीनाथ ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भडियानी आदि किसी लोकदेवी का आवेश

- होता हो । २ देव्यांशी स्त्री । ३ योगिनी ।
 सतधात्री—वे० सत्यव्रत ।
 सती—१ बानी । २ सत्यवादी । ३. पतिव्रता । ४ मृत पति की चिता के साथ जलन वाली स्त्री । ५ शोहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री ।
 सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विद्वद्व ।
 सर्मा—चित्तोज के शासकों के प्रावि पूर्वज विजयपाल सर्मा से धन सर्मा की ५८ पीढ़ियों की सर्मा उपाधि ।
 सवणी—शकुनी शकुन शास्त्री ।
 सहैली—१ बानो का एक प्रकार । २ सावित्र ।
 सामंथरमी—वे० सामभगत ।
 सामभगत—स्थामीभवत ।
 सावत—१ बीरो में प्रधान बीर सामत । २ ठाकुर, सरदार ।
 सापुरस—भला प्रावमी ।
 साह—१ प्रतिष्ठित व्यक्ति । २ बादशाह । ३ धुवेलों के कुछ पूर्वजों की उपाधि ।
 साहूणी—घोड़ों के तबेले का बरोगा ।
 साहिजादी—शाहजादी ।
 साहिजादी—शाहजादा ।
 सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी ।
 सिद्धराव, सिधराव—धनहिलवाड़ा पाटण के शासक सोलकी जयसिंहदेव का विद्वद्व ।
 सिरदार—१ राजपूत । २ जागीरदार, सरदार ।
 सीसोदिया—ठीसोवा गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के रानाओं की उपाधि ।
 सुख—१ प्रेम, २ मेल मिलान, ३ नैरोग्य ।
 सुल्तान—१. बादशाह या नवाब की मुल्तान पदवी । २ बादशाह ।
 सूत्रधार—घास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, घास्तुकमज ।
 सेठ—धनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि ।
 सेलहथ—१ बीर पुरुषों की एक उपाधि । २ भालाधारी बीर पुरुष ।
 सेसू—गुप्तचर ।
 सोदागर—घोड़ों का व्यापारी ।
 सोनइया, सोनंया—स्वण मुद्रा, सोन का सिक्का ।
 हलालखोर खासो—१ बादशाह का खास एतबारी नौकर ।
 हामू—महाराजा हमीर का साहित्यिक नाम ।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी ।

हाली—कूपक के यहां हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर ।

हिंदवाणी—हिन्दू राज्य ।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार ।

हुड—मेंढा, घेठा ।

हुरड़वनो—विजयराव चूड़ाले के पुत्र बेवराज का विशद शीर उपनाम ।

हेठवांणी, हेठवांणियो—१. अधीन कर्मचारी । २. अधीन पुरुष, परवश पुरुष ।

हेरू—खोज करने वाला कर्मचारी ।



परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

अग
 अगज
 अगोमव
 अगोभ्रम
 असौ
 अभिनमो
 अश्री
 अतमज
 उत्त
 ऊत
 शीत
 कंधर
 कळोधर
 कुधर
 कुळचद
 कुळदीप
 कुळदीपक
 कुळधर
 कुळधारक
 कुळभाणु
 कुळमद
 कुळमडण
 छावडो
 छावो
 नायो
 लोध
 जोघार

छावडो
 डीकरो
 तण
 तणे
 तणे
 डीकरो
 धन
 पाटोघर
 पुत्त
 पूंगडो
 पुत
 पेठ
 वेडो
 भ्रम
 रो
 साडो
 धसधर
 धत
 धाळो
 सभ्रम
 साव
 सुजाव
 सुत
 सुतरण
 सुव
 सुवण

परिशिष्ट ५

ख्यात से प्रयुक्त पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

अभनमी
अभिनमी
कळोघर
कुळज
दुवो
देट
पोतरो
पोतो
पोत्री

बीजो
बीयो
वंसज
वंसोघर
संभ्रम
समोभ्रम
हर
हरो



परिशिष्ट ६

शुद्धि पत्र

पृ. क्रं.	पं. क्रं.	अनुद्ध	शुद्ध
१	१	॥ दे० ॥	एक अक्षर-ग्रहावाची प्रपञ्च-परपरा का मंगल चिन्ह, जो मारवाडी भाषा का बिलोटी (वर्णमाला) के प्रादि में लिखा पढाया जाता है।
१	७	इद्धना	इद्धना
१	२६	ब्राह्मण	ब्राह्मणों के
२	३	बलिपों	बलिपों
२	५	रहि ने	रहिन
२	६	पटोला	पटोला
२	११	बेटो ^{२२} हूँ	बेटो हूँ ^{२२}
३	१८	चीतोड	चीतोड
४	३०	मे	मे
५	३	नयण	नयण
५	६	भालावाली	भालावाली
६	६	जसकर	जसकर
६	१५	धीरसर्मा	धीरसर्मा
१०	२०	पोडां	पोडपां
११	२०	वेधी राठासण	वेधी राठासण
१२	२	धधिचल	धधिचल
१२	७	धधियो	धधियो ^२
१३	६	माहपनू	माहप नू
१३	६	घरांरी	घरां री
		पृ० १४ और १५ में उल्लिखित 'अज्ञेती' के स्थान 'ज्ञेतीह' होना चाहिये।	
१४	६	डैरांसू	डैरां सू
१४	६	गढ-रोहै	गढरोहै
१५	१७	खमणोर	खमणोर
१६	१	महिपो	महिपो
१६	२	डूगररा	डूगर रा
१६	२३	बहती	बस्ती
१६	२५	ी	ली

पृ. कॉ. पं.	अनुच्छेद	शुद्ध
१७	२८ 'असंख प्रवाह-जैतवादी' (असंख्य युद्धों में विजयी) का विरुद्ध प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके चाप राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया ।	
१८	७ पारवतीरे	पावती रे
१८	६ 'सुणियो छे' के बाद पूर्ण-विराम नहीं है ।	
१८	२७ अक्रमण	आक्रमण
१९	२ घर	घर
१९	२६ राज्यधिकारी	राज्याधिकारी
२२	पंक्ति १२ 'महेस' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '६ सगर' जोड़िये ।	
२२	२८ इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये— 17. आधा विषा । 18. जिससे । 19. अपनी । 20. सहायता की ।	
२३	१७ दोहोती	दोहीतो
२३	२१ ऊपर करे छे ^{१७} ,	ऊपर करे छे,
२३	२७ १७ जैता का पुत्र	१७ रूपसिंह, जैता के पुत्र देवीदास का दोहिता ।
२४	२८ १६२६	१६३६
२५	१५ ६ सबलसिंध	१० सबलसिंध
२५	१६ गांव ४ जालोररा कुरड़ासूं । दोया ।***दोयो क्षत ।	गांव ४ जालोर रा कुरड़ा सूं दिया ।
२५	२७ घास के निमित्त जो गांव वे उनमें से चार उसे दिये ।	कुरड़ा सहित जालोर के ४ गांव दिये ।
२७	३: संब मालन	संब मालन
२८	१३ काल	काल
२९	४ मिलीयो	मिळियो
२९	११ जागोर कीयो	तागोर कियो
२९	१२ नीमच	नीमच
२९	१३ देवलियारो गढ़ासिंध	देवलिया री गढ़ासिंध
१९	२२ गांउ	गांउ
२९	२६ 10 जवत	10 देवलिया के निकट
३०	७ मिलीया	मिळिया
३०	१२ काल कीयो	काल कियो
३२	२३ पाल	पाल
३४	२६ दरी	दरा ।
३५	३६ जावव	जावर

पृ. क्रं.	प. प्रगुठ	गुठ
३६	१३ उदंपुर कोस छपनिया- राठोड़ा रो उत्तन छं	उदंपुर सू कोस उत्तन छं
४०	२ दुरदास	दुरसदास (दुरगा)
४०	१० मार लांछी	मारलां छी
४०	१८ बाघोरा	बाघोर
४०	२० भोरड़ा	भोरड़
४१	५ धरदाड़ी	धरदाड़ी
४३	१८ सारंग दे घोता रो	सारंगदेघोता रो
४३	२८ महल मे	महल
४७	१ बलोल-कलोल	बलोल-कलोल
४७	६ खमणोर	खमणोर
४७	११/१२ भीरमी पहू नं	भीरमीपहुवं
५०	१६ रतसी रो	रतनसी रो
५०	२८ जगमाल कां पुत्र	जगमाल के पुत्र कला की बेटी हाडी
५३	३६ देहुरं	देहुरं
५२	२२ कोसापल	कोसीपल
५३	२६ राधपदे	राधपदे
५४	२२ ऊपर ^{२५} दाय	ऊपरहाय ^{२५}
५४	३० ऊपर दाय=प्राक्रमण करने वालों से	ऊपर वालों से
५६	१ तेरे	तरं
५६	१० चढती ही नं	नं चढती ही
५६	१६ बूढ	हूढ
५७	१ चावडारा	चावडं रा
५७	३ चावडारा	चावड रा
५७	२१ छट	छूट
५६	२ चाप लियो	चापलियो
५६	१० खूमाण	खूमाणं
५६	२६ हडा	हाडा
६१	१६ खेड नं कीजं	खेड न कीजं
६१	१६ घाग	घागं
६२	४ बालीसा	बालीसो
६३	४ वे घमरी	वेघम रो
६३	७ बाघारो	बाघारो
६४	१ बिसोरिया-चाकर	बिसोरियो-चाकर

प. कॉ	पं. अशुद्ध	शुद्ध
६४	१५ पीया घाळो बाळियो	पीया घाळो गाम बाळियो
६४	१८ म्हां मारे	म्हां माहे
६५	१८ फिर संका	फिर सका
६७	२१ पंचाहण । रूपसीरो	पंचाहण रूपसी रो
७०	१६ पछ सं	पछ सं ^६
७०	१७ रजुग्रात ^६	रजुग्रात
७१	२५ २ सरकार	२ सरकार होगा
७१	२८ टिप्पणी सं० ८ और १० के बीच में सं० ९ इस प्रकार जोड़िये— '९ हम तुमको दोनों बातों में (जगहों में) नहीं रखेंगे ।'	
७१	२६ शपथ	शपथ करके
७३	२५ ४. प्रताप की घर में रखी हुई बनिये के शत्रो के गर्भ से	४. रावल प्रताप की खवास पया बनियाइन के गर्भ से
७४	६ बांसवारतारो	बांसवाहळा रो
७४	६ 'मांहो-माह' के ऊपर सं० ९ लगाकर आगे की सभी संख्याओं को एक-एक बढ़ाकर पंक्ति २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम संख्या १८ को १९ समझे और टिप्पणी की अंतिम पंक्ति में 'गद्दी पर स्थापन कर' के पहले सं० १६ लगाकर '१६ ननिहाल' को '१७ ननिहाल', '१७ महल' को '१८ महलों', और '१८ राज-करा' को १९. राज-कर पढ़िये ।	
७६	१८ मेल बीनो	मेलदीग्हो
७६	१६ डील	डील
७७	६ ऊभो मेलन	ऊभो मेलन
७६	१३ तेतसी	तेजसी
८०	२६ चौरासीमालिक	चौरासी मलिक
८०	२७ चौरासी मालिक	चौरासी मलिक
८१	१८ बीठ	बीठी
८१	१६ डंगरपुर	डूंगरपुर
८१	१३ फहेक	फेहेक
८२	१० डूंगरसूँघणी	डूंगर सूँ घणी
८३	६ घरां	घरां
८३	२० दया	दिया
८४	८ उवेचकिया	उवे चकिया
८४	२३ घर	घर
८५	१६ तासु	ता सु
८६	५ ठाड़	ठीड़

पृ. क्र. प. प्रमुद्र	शुद्ध
८७ १४ कुलसिध	कुसळसिधनु
८७ १८ भलेरो	भलेरो
८७ २५ पीन	पीन कीस मे
८७ २७ की घोर	पूर्व दिशा की घोर
८७ २४ गडा } ८८ १ संघ }	गडासंघ
८८ ६ बडो इतवार	बडो इतवार
९१ ४ तठ	तठे
९२ ४ ईणारे	इणारे
७५ १ बलाया	बलाया
९६ ८ नाहररो	नरहर रो
९९ २१ बगहरा	बगहरा को
९९ २५ तय रहने के लिये	जहाँ रहने के लिये
९९ २५ भविष्य	भविष्य की
९९ २९ घरयो घोड़े	ऐराकी घोड़े
१०० ६ घोड़ा	घोड़ा
१०१ १७ ६ जय	६ जबडू
१०३ १३ कह्यो	कह्यो
१०३ २९ सो घरत पोहँचे मर जाना	सो घरत पोहँच=मर जाय
१०४ १३ भावँ नहीं	भावँ नहीं
१०४ २८ करमेती तो भेजने के लिये तैयार है परंतु सूरजमल खाने नहीं देता	वे तो बहुत ही (खुशी से) भा जायँ परंतु सूरजमल खाने नहीं देता
१०५ ५ मोड़ारो बारहठ	गोडाँ रो बारहठ
१०६ २ लाख दे विदा कियो	लाख पसाध दे विदा कियो
१०६ ८ 'सुहाणो नहीं' पर सं० ७ पढ़िये । पंक्ति ९ में 'कुमया करं छं' पर ८ और 'कसूँ बीठो ?' ७, इसी प्रकार सब में एक-एक बढ़ाकर प० २२ में 'पात' पर सभी सं० १५ को १६ पढ़िये । पंक्ति २९ में '१६ चारण' जोड़िये ।	
१०६ १६ लखपसाध	लाख पसाध
१०७ २७ १३ ऊँचे वृक्ष पर मचान बांधकर किया जाने वाला शिकार ।	
१०८ ६ राणो कह्यो	राणँ कह्यो
११० २० आंतरवो	आंतरवो
११३ २ भाखरके	भाखर रं
११३ ३ भाखरवाळारो	भाखर घळा रो
११३ ६ बाघ-वाड़ी	बाग-वाड़ी

पृ. काँ. पं. अशुद्ध	शुद्ध
११३ १६ खीचियांरी । उतन	खीचियां री उतन
११३ १८ घुंडवांगरा	गुंडवांग री
११३ २६ 19 मऊसै । 20 कीस पर घूलकोट	19 मऊ से ७ कीस पर घूलकोट...
११३ २८ 21 गुंडगांव ।	20 गुंडवान ।
११३ २९ 22 यही ।	21 यही । 22 नीचे ।
११४ १३ नांन	नांम
११४ २६ सेवज	सेवज
११५ १५ खातखेड़ी	खाताखेड़ी
११५ १५ भील चक्रसेणी	भील चक्रसेण
११५ १७ वाघरी	वाघ री
११५ २६ 11 जिसको भील''''करलिया	11 'भारली' एक गांव का नाम है ।
११५ २७ वाघकी	वाघ की
११५ २८ 13 दोनों	13 'वेहु' एक गांव का नाम है ।
११६ १० जीलवाड़ो	जीलवाड़ो
११८ ५ धीरू पना	धीरू पना
११९ २१ घावें	घावे
१२० २ तापिया	तपिया
१२२ शीर्षक अत	अप
१२२ ३ सुणियो छैं । बिलगनूं	सुणियो छें बिलगनूं
१२२ १५ मित्रावरण	मित्रावरण
१२३ १६ रोहड़ी	रोहड़ी
१२४ १९ कुंतरी	कुंतल री
१२४ २७ कुंतकी	कुंतल की
१२५ २२ 'दुरास्मा यावशाह के' आगे की समस्त टिप्पणी का मंदर पृ. १२६ की टिप्पणी है ।	
१२६ ९ बूह	बूठ
१२७ ४ जगहुरी	जतहर री
१२७ ९ राठ	राठ
१३१ २४ चंपराय	चंपतराय
१३४ १५ बलाइ	बलाइ
१३५ २ ७ १४ कीतू	१४ कीतू ^६
१३५ २५ 1 शोभा और सरणुवा दोनों पहाड़ों के बीच में ।	1 शोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खंभ में धातू से १० कीस पर नया शहर बसाया ।
१३६ २१ बगतरी	बगतरी

पृ. क्रों.	प.	अनुवाद	सुद्ध
१३८	६	बडा	बडो
१३८	१५	बीठो	बीठो
१३९	२६	बिनय	बिनय से
१४१	१६	बरकसो	बरकसो
१४१	१६	सूळ	सूल
१४१	२१	सूळ	सूस
१४१	२६	दिया	दिलवाया
१४३	३	रणघोरोत	रणघोरोत
१४३	१२	बाहमेर	बाहमेर
१४४	२	कोई -	काई
१४६	१६	कह्यो	कह्यो
१५०	१५	सीसोदिया	सीसोदियो
१५१	२	खिसाण	खिसाणो
१५५	११	रावळा घरां मांहे	रावळा घरां मांहे
१५५	२२	लेकिन बिन या	लेकिन बीधन के बिन शेष थे
१५८	६	ऊवो लखारो	ऊवो साखा रो
१५८	२८	रावत सेखावत	रावत सेखावत
१६०	२६	नवसरा	नवसरो
१६३	२१	कुळयाणे	कुळयाणो
१६४	२५	सिवाणरो	सिवाणा रो
१७०	६	घोबोळ एकलधा घर	घोबो एकल वाड घर
१७०	१०	छाळ	छडा
१७०	१	सूट	तूट
१७१	३	हा कलियो	हाकलियो
१७१		शुरूकी चार पक्षियों वाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की अंतिम तीन पक्षियों हैं ।	
१७२	२३	वे ही राव	वे भी राव
१७३	१२	भोररा	भोरा रा
१७४	२१	सीघणोतो	सीघणोतो
१७५	१	उडवायिडो	उडवायियो
१७६	१	भोररा	भोरा रा
१७६	२	भकेली	भाकेली

पृ० सं० १७६ के अग्रे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ संख्याएँ गलत हैं, अतः इन नौ पृष्ठों में सभी पृष्ठ संख्याओं को दो दो कम करके ठीक कर लें ।

पृ. कॉ. पं अशुद्ध

शुद्ध

पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं । दुबारा वाली १८५ और १८६ संख्याएं यथाक्रम हैं ।

१७८ १	१ वागड़ियो । देवड़ारो उत्तन	१ वागड़ियां-देवड़ां रो उत्तन
१७९ २	२२ आहिचावो	आहिचावो
१८० १	४ आहिचावो खुरदा	आहिचावो खुरद
१८० १	१३ ओठवाड़िया । चारणांरो	ओठवाड़ियो चारणां रो
१८० १	१४-१५ कासघरा । घघवाड़िया । खींघराजनुं	कासघरा घघवाड़िया खींघराज नूं
१८२	२७ खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख दीं ।	खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख दीं ।
१८४	२० असंभव	असंभ
१८४	२८ टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये— 'सिरोही के टीकापत्तों की वंशावली के कवित्त-श्लेष्य आसिया माला के कहे हुए ।'	
१८६	२८ 12 जोरावर ।	12 १. जोरावर । २. चौहान-अश्री
१८७	२० दूठ	दूठ
१९०	१९ कीकम्म	कीकम्म
१९१	२५ महारोर वं	महा रोरव
१९२	१८ बएहि	बशगह
१९२	२२ पनोसीह पळिरो	पनो सीहपळ रो
१९२	२७ विरुद	विरुव
१९३	१४ बळी	बळी
१९३	२२ चांपा सीघली	चांपा सीघल
१९३	२७ सिवाने	सिवाना
१९४	१३ रेवढे	रेवतडे
१९८	५ छांडे नै	छाडने
१९८	२६ नागा के	नगा के
१९९	२१ जोगोदास	जोगीदास
२०१	७ वित्तसरो	बोसळरो
२०४	९ गढ़रो है । जाळोर रं	गढरोहै जाळोर रं
२०५	२६ मेघो	मेघो
२१७	७ कहिया तासु	कहिया ता सु
२१७	१६ जै	जे
२१९	१४ मोरगभरु	मीर गाभरु
२२०	१ रावळीजी	रावळजी

पृ. क्रं. पं.	मनुष्य	गुड
२२०	३ रावळीजी	रावळीजी
२२०	८ सूळ	सूळ
२२०	१६ धापे	धापे
२२१	१० बरवर	बरवर
२२२	१४ रांण	रांण
२२४	१७ १ लिखमण सोमत	१ लिखमण सोमत
२२७	८ बड़	बड़
२२७	२१ महता	महता
२३०	२१ मोहळ	मोहळ
२३१	५ लि	लि
२३१	१८ भारवर	भारवर
२३२	३ चेंवरीको	चेंवरी को
२३४	१४ विहानू	विहारी नू
२३७	२३ कांग्हिसिध जंतसीपोतरं	कांग्ह, सिध जंतसीपोतरं
२४०	१ सम्हाडो	सम्हाणो
२४०	१६ धमो	धमो
२४०	२१ धमो	धमो
२४१	६ भारवर	भारवर
२४३	२३ भीवा का बेटा राणा का	भीवा का बेटा राणा
२४५	११ सोडां धीसू धाप	सोडां धी सूधाप
२४५	२२ टिपणी सं० १८ इस प्रकार पविष्ये— इनका निवास जालोर परगने का सेना एक छोटा सा परगना है ।	
२४६	४ तासु	तासु
२४६	७ निपठ	निपठ
२४६	१३ बाहर	बाहर
२४७	२ १७ नवमण	नवमण
२४६	२७ जंतमाल की बेटो की	जंतमाल की बेटो की
२५०	२ खेडो	खेटी
२५०	१३ मांणकरा व	मांणकराव
२५१	१३ आहळ	आपल
२५३	६ वरि हा हा संके	वरिहाहा संके
२५६	१० साप रेने खीचिया	सापरे ने खीचिया
२५६	१६ धारसां	धारसां
२५८	१० गाडरने	गाडर ने

पु. क्रौ. पं. अनुद्ध	शुद्ध
२६० ६ तिणानू	तिणानू
२६१ २८ बीस घण तक करण	बीस घण तक लघु करण (करण-गौहसी)
२६५ ८ वटो	वटो
२६५ १६ चूक लियो	चूकलियो
२७१ ४ पाटख	पाटण
२७२ १ प्रियोरो रूप	प्रियो बेर रो रूप
२७२ १२ उभरणी	उभरणी
२७२ १७ ठाणियो	ठाणियो
२७३ २१ देवताए	देवताआं
२७५ ४ पाछे	पछे
२७६ २२ वडा	वटो
२७७ २ मुगळे	मुगर्ल
२७७ ६ सिधपुरथी कोस ११ बिदसरोबर	सिधपुर यी कोस १० [आधो] बिदसरोबर
२७८ ६ बलूहुळ	बलू हुळ
२८२ १७ गाडियो समूह	गाडियों का समूह
२८३ १७ तरं सो नाहरखान	तरं सो॥ साहरखान
२८४ १७ हणेसी रायमल	हणे सो॥ रायमल
२८६ २१ राणो आय पगे लागो	राणो आय पगे लागो
२८७ १ २४ सखासु	सरवासु
२८७ १ २५ ग्रहवय	बृहदवय
२८८ १ १४ संघदीप	संघदीप
२८८ २ ११ प्रछेनघन्वा	प्रछेनघन्वा
२८९ १ ५ वयवयं	बृहदवयं
२८९ १ १८ अंतरिख्य	अंतरिख्य
२८९ १ २२ वरही	वरही
२८९ १ २४ रांणकराय	रांणकराय
२८९ १ २५ सजोसराय	सुजसराय
२८९ २ २ सुघोन	सुघोन
२९० २ २ जानरदेव	जानरदेव
२९० २ ३३ 'चत्रभुज' और 'भीलो' के बीच 'रामसिध, कल्याण, प्रतापसिध और रूपती' ये चार नाम और हैं।	
२९० २५ भीवसी, राजा बी भासरे हुथो	भीवसी, राजा भास २ हुथो,
२९० २७ बलहदेवने अपने तुंवरको ग्वालियर दे दिया।	बलहदेव ने अपने भासजे तुंवर को ग्वालियर दे दिया।

पु	कों	पं.	मनुष्य	गुड
२६१	१	५	सल्हवी	सल्हवी
२६३		१८	भोजारी	भोज री
२६६		२५	सिखब्रह्मा	सिखब्रह्म
३००		११	हुंदापल	हुबाळ
३०१		२१	राज अगनाथ	राजा अगनाथ
३०२		६	मुवडा	मुहडा
३०२		७	सलहजी	सलेहवी
३०७	१	१५	सर्वापण माहि	सर्वाणा माहि
३१०	२	२४	राजरें	रामा रें
३१३	१	१२	मोहारि	मोहारी
३१४		२७	रामके	राम ने
३१५	२	११	२३ ब्रह्मो ४। सुरजनरा ।	} २३ ब्रह्मो । } २४ सुरजन राव ।
३१६	१	१५	बाघवत	
३१७	२	} १० मारियो २ । रतने } ११ बासावतरा		मारियो ।
				१८ रतमो बासावत ।
३१८	२	१६	मनोहरपुर गाँव	मनोहरपुर रें गाँव
३१८		३०	तकिया मनोहरपुर के निकट पहाड़ी पर बना हुआ है ।	तकिया मनोहरपुर के सामने गाँव में पहाड़ी पर बना हुआ है ।
३१९	१	१८	बंठास	बगस
३१९		२४	अमरपुर	अमरतर
३२०	१	१४	जंतसिध अग्रसेणरो	जंतसिध अग्रमेण रो
३२०		२९	रसावलने	रायसल ने
३२३		२६	खोह	खोहरी
३२४			अतिम तब शाहपुरा पट्टे में दिया था । इसकी मा स्वालख की (नागौर परगना की) जाडनी था ।	तब शाहपुरा पट्टे में दिया था । बसभद्र नारायणवासीत आया तब उसने मारा । इसकी मा स्वालख की (नागौर परगना की) जाडनी थी ।
३२०	१	७	बटा	बेटा
३३५		८	मारवारो	मारवा रो
३३६		२६	थी	था
३४६	२	१७	घावे	घावे
३४९		३	घररा	घर रा
३४९		१८	घाधीतर	साधीतर
३४९		२४	सना नहीं आता	लेना थाद नहीं आता

पृ. कॉ. पं. अणुद	शुद्ध
३५० १ मेराज	मेहराज
३५० ४ हूं मेराजनुं मराहस हेवं कटक खाचियो ।	हूं मेहराज नूं मराहस । हेवं कटक खाचियो ।
३५० ६ बोलाऊ	बाहाऊ
३५० } ६ सोना- १० तरा देणां कबूल किया ।	सो नातरा देणा कबूल किया ।
३५० ११ जांभवा घोईरो गुड़ी	जांभ वाघोई रो गुड़ी
३५० १६ सोबत	सोबत
३५१ १२ हरभमटी	हरभम ही
३५१ १३ गार	गोर
३५१ १६ बिकूं फोहर करमसियोत मारियो	बीकूंकोहर केहर करमसीओत मारियो
३५२ ८ राघो	राघो
३५३ १३ खणोचा	खणोचा
३५५ १ २२ घोप	घांघो
३५७ २० तेगियां, तिलक	तेगियां-तिलक
३५६ २ १० गांगारा	गांगा रो
३५६ २ १३ टोर्क	टोर्क
३५६ २ २० दासात मारियो	दासोत मारियो
३६० } १३ ऊदो हमीररो हमीर, १४ घिरो अषतारवेरो ।	ऊदो हमीर रो । हमीर घिरा रो । घिरो अषतारवे रो ।
३६० २७ हमीर घोर घिरा अषतार- वेध के वेटे ।	हमीर घिरा का घोर घिरा अषतारवे का ।
३६५ ६ पाकररी	पारकर री

भाग २

१ ११ वैसणा	वैसण रा
१ २ २२ पीरोजशाह	पीरोसाह
२ २ ७ रूपसी, जैसलमेर गांवका छे ।	रूपसी, जैसलमेर रं गांव काछे ।
२ २ १० चरगो	ऊगो
२ २५ जैसलमेर	जैसलमेर
३ २ २ राघळ राजरा पोतरा	राघळ मूळराज रा पोतरा
३ २० ताणुकोट	तणुकोट
४ २ खालनांरी	खालतां री

पृ	कां	प	अनुद्ध	गुद
४	५		भूरो	भूरो
४	११		वासणीपी	वासणपी
४	१७		मालागडो	मालागडो (मालगडो)
४	१८		टीवरियाळो	टावरियाळो
४	२१	१	कोलो डूगर । १ खवासरो	१ काळो डूगर । १ खवास रो गांव
४	२२	१	गजिया गांव ।	१ गजियो ।
४	२४		उनावा	उनाव
५	११		पुळामा	पूळिया
५	१४		मुहारारं	मुहार रं
५	१६		भोग अखें	भोग अखें
६	१२		नगरडो	तेगरडो
६	१३		भारम	भारम
६	१७		भूण कामळारो	भुणकमळां रो
६	१७		बहोसतोप	बहो सतां रो (?)
६	२०		समत १७००	समत १७२०
७	८	४०	१५०००)	४० १५००)
७	८		बावरा करी	बाव रा करि
७	२४		लिसी जाने वाती	ली जान वाती
८	७	४०	३१००)	४० ३१०००) रो ठोड
८	८	४०	२०००)	४० २००००)
८	१०	४०	१०००)	४० १००००)
८	१५		मुहार	मुहार
८	१६		खडाळ	खडाळ
८	१८		विसी	विसी
८	२०		खाडर	खाडाळ
१०	१	१५	अभाहरिया	अभोहरिया
१०	२८		वीहाडा	वीठाडा
११	१		वीभोतो	वीभोतो
११	२३		वाप	वाप
११	२६		नामोंकी शाखाए	नामों की इतनी शाखाए
१२	१		वापसू	वाप सू
१२	४		वाप । वायडू	वाप । वावडी
१२	१५		नीबलायां	नीवाळिया
१२	१६		भूला	भूला
१२	१४		पोहडरा	पोहडा रा

पृ. कॉ. पं. श्रुद्ध	शुद्ध
१३ १ नाहवार	नहवर
१३ ५ मालो	माली
१३ १२ वीनायो छं	वाळियो छं (वाळियो छं)
१४ १ मारण	मारणा
१५ २ जसल	जसळ
१६ १० भलछ	भरघछ
१७ २ ३ लणोट	तणोट
१७ २६ ह फकर	कह फर
१८ ४ विजेरावन्	विजेराव तूं
१८ ६ घरहाहा	घरिहाहा
१९ १२ घरहाहांरा	घरिहाहां रा
१९ २८ घरहाहांरी	घरिहाहां री
१९ २६ भाइयो ने पंक्ति में से	भाइयो ने ररत की पंक्ति में से
२५ २७ सांघ	सांप
२६ २४ तब अपनी श्रयसे इतितक	तब अपनी बात श्रय से इति तक
३१ ३ घावसूता	घावसू ता
३६ १० कपाड़े	क पाड़े
३७ ५ सहस बीस हण सुवग सइ ढोलां सम घलत	सहस बीस साहण सुवंग सइ ढोलां सम घालत
३७ ८ खळ हण	खळहळ
३८ } १६ घणो } } १७ सारख }	घणो साख
३९ २ १४ तेजसी घडो	जंतसी घटो
३९ २१ राखळ लखसेन	राखळ लखणसेन
४१ १ तिसींगडी गांघरै	सु तिसींगडी गांव रै
४१ २ नीसरियो	नीसरिया
४२ १३ मंडळ परै	मंडळप रै
४२ १७ सोनगरी सेम्बवाळो	सोनगरी री सेम्बवाळो
४३ १६ घातण लागी	घातण लागी
४४ १३ कंबरो सत्र	कंबरां-सत्र
४६ १ सिघारै	सिघारै
४६ २ तरै कोडी	तेरै कोडी
४६ १७ रमण घणी	रमण री घणी
५१ १७ उबार राखो ^२	उबार राखो ^{२४}
५१ २३ खाट में लेकर निकल गया	खाट में डाल और लेकर निकल गया

पृ. कॉ. पं. प्रमुद्र

पुद्

५१	२७	तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे	२८	तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे
५३	२७	घरतीको लौठ घाया		घरती को लौटा साया
५४	२०	बांसाची		बांसा ची
५४	२०	घोड़ा रो		घोडा रो
५६	२४	हाथीकी		हाथी का
५६	२५	होनेकी		होने की
५८	१६	सातळ सोह हमीर दे		सातळ सोम हमीरदे
६७	१३	घ्यारा हीरा		घ्याराही रा
६७	२६	घड़तीने नगाज पडते हुए		घड़ती, नगाज पडते हुए
६७	३०	तलवार से तिर		तलवार से जतका तिर
६६	११	जुर्पाहरा		जू चाहरा
७०	३	सगम		सूंगम
७१	७	मुकालबं (बलं)		मुकालबं
७२	८	दरगाहस		दरगाह सूं
७४	१४	जोगी		जोगी
७६	१८	केहरो		केहर रो
८०	२६	बेटा		बेटा
८१	१८	गागारा		गागा रो
८७	१०	एकर		एकर (एक बार)
८६	१६	सोभत		सोभत
८२	१७	दोहीतो		दोहीतो
८४	४	तपियो		तपियो
८६	१	२५	पाखती	पाखती
८७	१	७	सळीवं	सौलवं
८७	२२	सोळबेकी		सोतये की
८८	१	१३	रावळ कसारी बेटो	रामकधर रावळ कसा रो बेटो
८८	२५	बेटो भीमने		बेटो रामकंधरि की भीम ने
१०३	२८	टोहिया		टोहिया
११६	१३	घणो		घणी
११७	१६	मोच		मोच
१२६	३	सामीदास		सामदास
१३२	७	बलू		बलू
१३७	८	घाच		घाचो
१३६	२७	कान्ह मानसिह का बेटा		मानसिह कान्ह का बेटा
१४०	१७	बुधरो		बुधरो

पृ. क्रॉ.	पं. अशुद्ध	शुद्ध
१४०	२० टोको	टीको
१४२	२२ मेलूरी	मेलू री
१४३	३ आको	घको
१४५	२ जोगी	जोगी
१४५	८ हुमीरार	हुमीर रा
१४८	१ रूपतोयात	रूपतोश्रीत
१५१	२० रायमत रांणावत	रायमल रांणावत
१५६	२२ सिघल्लोंके	सोंघल्लों के
१५६	१० अजळवास	अचळवास
१६३	२८ फलोधीम	फलोधी में
१७२	१५ बुखटो	बुरवटो
१७३	२८ गांघ दे दिया था ।	गांघ दिया था
१७७	२६ चिहू	चिह्ल
२१३	६ म्हेजांमनूं	म्हे जांम नूं
२१५	१७ आहूर	आहूठ
२१५	१६ सुतन वंभ वंस सम मीठजें,	सुतन वंभ वंस सम मीठिजें माल सुत,
२१५	२३ हेतुवां अलेखें खेंग देखें गहर घटो,	हेतुवां अलेखें खेंग दे खेंग हर,
	२४ लोहडां बडम आंक घळियो ॥४॥	घटो लोहडां बडम आंक घळियो ॥४॥
२१६	१७ घाघांनूं	घोघां नूं
२१६	२० भाद्रसर	भाद्रेसर
२१६	२५ २० नाम पर । भाद्रेसरको	२० नाम पर । ११ भाद्रेसर को
२१७	२२ चुजु जाइ (?)	जु जाइ,
२-०	१३ मांडो	माडां
२२०	२० जेठवो, भीम, काठी, हातो,	जेठवो भीम. काठी हाजो, वाडेल भांण
	वाडेल, भांण	
२२१	१५ घोणोव	घोणोव
२२२	६ आयी	आयो
२३१	२३ हिप्पणी ० इस प्रकार पढ़िये—	
	जिस फूल से वाड़ी सुगन्धित थी, वह सिधा गया है । हे जाळा महराण ! तेरे बिना अब वह सिध सूनी है, तू लोट आ ।	
२३५	८ वाळ	वाळ
२३६	२ तिण ऊनडरें	तिण सम ऊनड रें
२३६	१३ तो सत वोले छे	ऊ तो सत तोले छे
२४१	१७ मांगी	मांग

पृ	काँ	प.	शुद्ध	शुद्ध
२४२	२०	तिथुरी साईयां		तिथु रोसाईयां
२४४		शोषक जसा धवळोत		जसा हरधवळोत
२४८	१२	झाणी		झणी
२५२	२६	शत्रुदल		शत्रुदल
२५३	१६	झाया । तळाव		झाया तळाव
२६४	१	४ गोमळियावास		गंमळियावास
२७६	२७	मोहिलों को		मोहिलों को
२८५	१६-२६	टिप्पणी तनुकृत समर्थे पृ २८४		में आ चुकी है ।
२६६	१२	जायने		जायने
३०४	१६	वीरमजी		वीरमजी
३०८	३०	भारा=घासका बडा भार, बडल		भारा=घास का एक परिमाण
३११	८	जायन		जायने
३१५	१४	हुसी		हुसी
३१७	२७	ऐसी घसी कि । उस स्त्रीको		ऐसी घसी कि उस स्त्री को
३१६	१६	ढाढ		ढाढी
३२३	५	ऊठे		उठे
३२३	१०	गोगाजीने		गोगादेजी ने
३२६	२६	बिठलाया		बिठलाया
३२५	१२	घोडाारी		घोड़ा रो
३३६	२३	चूडाजीने		चूड़ाजी ने
३४२	१७	जोध		जोध

भाग ३

५	१२	विचारयो	विचारियो
८	१४	वित्तिसि	वित्तिसी
११	७	पहीडो	पहीडो
१४	२५	बशमास	बशमास
३१	१५	बटो	बेटी
३३	१४	मात्रे हीसूं	मात्रेही सू
३४	१०	देवरो	देवराज रो
३६	१६	कान्हा	कान्हां
५६	२६	बबशाह	बाबशाह

पृ. क्रं. पं.	अशुद्ध	शुद्ध
६०	१० धानेर	धाने रे
६०	१७ थोरो	थोरी
६१	११ पावूजो	पावूजी
६२	१३ संकळपो	संकळपी
६२	१६ तैरो	तैरी
६३	१७ आदमी	आदमी
६४	२० लेणी	लेणी
७५	८ धीमाह	धीमाह
७६	११ जीवं	जीवं
८२	२ बोलाडू	बोलाडू
८२	१३ ससक	ससकं
८४	१७ फह्यी	फह्यो
१०३	२६ महने	हमने
१२१	२ भी हांडी चाटी	भली हांडी चाटी
१२१	१२ धोडो जाईयें रे जे	धीडो—जा इयें रे, जे
१२१	१७ भोमता मानो, न छे	भो मतां मानो, न छे ?
१२१	१६ धिक्कार हे रे भावेवाला !	धिक्कार रे भावेवाला !
१२१	२० अच्यो हुंडिया चाटी रे !	अच्यो हुंडिया चाटी !
१२१	२४ निकला	निकला
१३२	१ रिणघोरजी	रिणघोरजी
१३२	११ सोनगरान	सोनगरा नूं
१३५	६ तोमरे	तो भरै
१४४	१२ तहरा	ताहरा
१४४	{ १३ आध, माचे १४ पण सूय ।	आध, माचे सूय ।
१५६	५ इण सौको	इणसौ को
१६६	७ रढवांघण	रढ रांघण
१७३	२३ खेड्या	खेड्या
१७८	२० अजमंजस	अजमंजस
१७६	१ २३ वृहव्वल	वृहव्वल
२०१	२८ दूठ भये अ राजा	दूठ भये और राजा
२०७	३२ प्रकाशित हु	प्रकाशित हो
२०८	१ ६ माहेणसिघजी	मोहेणसिघजी
२२६	२५ फणारा	फाणारा
२२६	१३ धांधूसर	धांधूसर

पु. क्रॉ. पं. अक्षर	शुद्ध
२३१ ७ घेणारीतं	घेणार्तं री
२३३ १ पङ्कितारंरी	पङ्कितारा री
२३६ १४ सजन	साजन
२४१ ७ विगायो	विगोयो
२४७ २६-२७ कुवर पृथ्वीराजने ... लडाईं सडी ।	राणा रायमल के घे पृथ्वीराज से बड़ी लडाईं सडी ।
२४८ १५ धीघ	दीघी
२५५ १३ बहेलयो	बहेलवं
२५६ २० गीयामणाके	गीयाणा के
२६५ ४ मळंभीरं	मेळंजी रं
२७७ ४ घत्र तीरथ	घक्र तीरथ
२७७ १२ चित्र (?) तीवं	घक्र तीवं
२८८ १० रविय	रवियों
२८८ २५ सगतावत	सांगावत
२९३ ६ गोळिदंसं	गोळियं सूं

भाग ४

नामानुक्रमणिका

३ २ ५ सांवत घोत	सांवतसोघोत
४ १ २६ अङ्गमाळ	अङ्गमास
४ २ २५ अनुवध	अनुवध
५ १ १६ विघो रो	विघोरो
७ १ ११ घांघा	घांघो
७ १ ३० घापमलसूरा रो	घापमल सूरा रो
१३ १ १६ त.	तीं.
१३ २ १६ करमसा	करमसी
१५ १ १५ कश्यप	कश्यप
१५ २ ११ ४०, ४१, ४२	काम्हडवे रावळ वू. ४०, ४१, ४२
१६ १ २३ कलहो	केल्हो
२० २ २४ खांत खानो	खानखानो
२४ २ २६ गोपादासळ	गोपाळदास
२५ १ २३ मं के पहले 'वू'	
३७ १ ३४ चरडो	चरडो
२७ २ १४ चांदसे	चांदसेह

- ३५ २ २ २ २ २
 ३६ २ २ २ २ २
 ४१ १ २ २ २ २
 ४६ १ २ २ २ २
 ५२ १ २ ४ २ २
 ६३ १ १ ३ २ २
 ६३ २ १ २ २ २
 ७७ २ २ २ २ २ के पहले 'बू.'
 ८१ २ १ ४ २ २
 ८४ १ २ ६ २ २ २
 ८५ २ १ १ २ २
 ८८ १ २ २ २ २
 ८९ १ ८ २ २ २
 १०१ २ ३ ५ २ २
 १०२ २ २ १ २ २
 १०३ १ १ ३ २ २
 १०९ ७ २ २ २
 ११४ २ ५ २ २ २
 ११५ २ ३ २ २ २
 ११५ २ १ ९ २ २
 ११७ १ ६ २ २
 १२० १ ८ २ २
 १२७ २ २ २ २ २
 १२९ २ ३ २ २ २
 १३२ २ १ ५ २ २
 १३६ २ १ ३ २ २
 १५२ १ ७ २ २
 २६७ २ ७ २ २
 १६८ २ ३ २ २ २
 १६८ २ ३ ३ २ २
 १७५ १ २ १ २ २
 १७७ २ ७ २ २
 १८२ २ ३ २ २
 १८३ १ १० २ २

- बुद्ध
 जैभ्रम
 बूवा
 बळपत
 घुंघळियो
 गीवारो
 भोजावित्त्य
 भोपत
 बोड़ा रो
 बरजांगदे
 बाघो
 धीवो राघ
 धीरमदेव, राघ
 सुरघ
 वालीसो
 सूरसिघ
 पुरुष
 वीकानेरी
 रामकंवर
 महासिघ री रांणी
 सोही
 ती.
 बूहड़ी
 घणोली
 जान्नेरो वांभणां रो
 तिलायली
 मेरवाडो वडो
 घाणरा-रो-घाटो
 मगरा
 नौबलियो
 याळी-लाग
 मऊ (बुळ्काल घोड़ित-प्रजा)
 गोगादेजी
 चंद्र

पृ. क्र. प. अशुद्ध

शुद्ध

पद विरुदादि

१६५	१ श्रीरगजेव रा विद्व	श्रीरगजेव का विद्व
१६५	६ इद्र	इद्र
१६६	२७ काल	काले
२०७	३ जलन	जसने

शुद्धि पत्र

२१०	१	१ अभनमो	अभनमो
२११	२	२ मारवाडो भापा का	मारवाडो भापा की
२१५	१	७ बडो इतबाप	बडो इतबाब
२१५	२	१ कुसळसिघनु	कुसळसिघ
२१७	२	१५ महा रोरख	महा रोरखं
२२४	२	२७ सेभवाळा	सेभवाळो

भूमिका

३	१	ऐतिहासिक	बहुत	ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत
५	१७	५'		५
१२	२२	यद्य		यद्य
१३	१३	जवादि, जलहर (जलकोडा)		जवादि जलहर (जलक्रीडा);
१३	२०	राजनैतिक		राजनैतिक
१३	२१	विभिन्न		विभिन्न
१६	७	वशावलिपाँ		वशावलिपाँ
२०	१५	स्वामी । द्रोह		स्वामी द्रोह
३६	२४	बहुतशुत		बहु-शुत

